ISSN– 2395-1699

निरयणं दृक्तुल्यञ्च केतकीपक्षसम्मतम्। नैसर्गिकं हि पञ्चाङ्गं भारते भासतां सदा।।

भारतीय शास्त्रसम्मत दृक्तुल्य निरयण चित्रापक्षीय

नैसर्गिक-पञ्चाङ्ग

राजा - भौम

मन्त्री - गुरु

विक्रमसंवत् - २०७४

कलिसंवत् - ५११८

शकसंवत् - १९३९

ईसवीय सन्- २०१७-१८

प्रधानसम्पादक - प्रो. रामचन्द्र पाण्डेय सम्पादक - प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी

प्रकाशक - नैसर्गिक शोध संस्था, दिल्ली इकाई, नई दिल्ली-१६



ज्योतिःशास्त्रविचारणाचरणभागध्यायबोधोऽलसत्
प्रज्ञाज्ञानसुशिष्यचक्रविकिरद्विज्ञानपारम्परी ।
स्वर्गङ्गामवगाहतेऽमलतनुर्हंसीव यस्य स्वतः
स्वर्यातः स सदा स्मृतामृतयशाः कल्याणदत्तो गुरुः॥

– सम्पादक

पुण्य स्मृति में समर्पित

प्रातः स्मरणीय राष्ट्रपति सम्मानित गोलोकवासी महा महोपाध्याय पण्डित प्रवर श्रीकल्याणदत्त शर्मा जी का सम्पूर्ण जीवन केतकी ग्रहगणित के द्वारा पंचाग निर्माण और पंचांगों के परिमार्जन और शुद्धिकरण के लिए विभिन्न स्थानों में ज्योतिष के प्रत्यक्ष ज्ञान के निमित्त पाषाण वेधशालाओं के निर्माण में व्यतीत हुआ । आपने अपने जीवन का सर्वाधिक समय सभी भारतीय पंचांगों को दृक्सिद्ध बनाने में व्यतीत किया । आपके द्वारा अध्यापित और प्रशिक्षित ज्योतिष शास्त्र के अनेक अध्येता आज ज्योतिष जगत् में कार्यरत हैं। उत्तर भारत में एकमात्र शुद्ध केतकरीय पद्धति पर आधारित यह पंचाग भी मूल रूप में आपकी ही भावनाओं का प्रतिफल है। अतः इस पंचांग को कीर्तिशेष महा महोपाध्याय पण्डित प्रवर श्रीकल्याणदत्त शर्मा जी की पुण्यस्मृति में समर्पित करते हुए संस्था अपार हर्ष का अनुभव कर रही है।

प्रधान सम्पादक

प्रो० रामचन्द्र पाण्डेय

अध्यक्षचर ज्योतिष विभाग, संकाय प्रमुख-सं.वि.ध.वि.संकाय
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी-5

सम्पादक एवं गणितकर्त्ता

प्रो० देवीप्रसाद त्रिपाठी (अवैतनिक)

अध्यक्ष- वास्तुशास्त्र विभाग, अध्यक्षचर ज्योतिष विभाग,
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ
(मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली-110016

सहायक सम्पादक

डॉ० मीनाक्षी मिश्र
(अवैतनिक)
सहा.आचार्या शिक्षाशास्त्र विभाग
श्री ला. ब. शा. रा. संस्कृत विद्यापीठ
नई दिल्ली-110016

डॉ० अशोक थपलियाल
(अवैतनिक)
सहा.आचार्य वास्तुशास्त्र विभाग
श्री ला. ब. शा. रा. संस्कृत विद्यापीठ
नई दिल्ली-58

प्रकाशन सहायक

डॉ. देशबन्धु, डॉ. प्रवेश व्यास, डॉ. योगेन्द्र शर्मा,
श्रीदीपक वशिष्ठ, श्रीमृत्युञ्जय त्रिपाठी, श्री नवीन पाण्डेय

प्रकाशक
नैसर्गिक शोध संस्था, दिल्ली इकाई
200 कटवारिया सराय, नई दिल्ली-16

मुख्य कार्यालय
नैसर्गिक शोध संस्था
38 मानस नगर कालोनी, वाराणसी-5

प्रकाशन वर्ष - 2017 ई., **पुष्प** - तृतीय **मूल्य** - रु. 45/-

पंचांग परिचय

अक्षांश 28°39° N, रेखांश 77°12°E, पलभा 06°33°

भारतवर्ष में सम्प्रति विभिन्न पद्धतियों से पंचांग निर्माण होता है। इनमें तिथ्यादि के मानों में विसंगति के कारण व्रत पर्वोत्सव में भी विसंगतियां दृष्टिगोचर होती हैं। इस विषय में ध्यातव्य है कि हमारे ऋषि-महर्षियों एवं आचार्यों ने सदैव ही दृक्तुल्य गणित का समर्थन किया है। ऋषि वसिष्ठ का कथन है कि -

यस्मिन् पक्षे यत्र काले येन दृग्गणितैक्यकम्।
दृश्यते तेन पक्षेण कुर्यात्तिथ्यादिनिर्णयम्॥

इसी प्रकार प्रसिद्ध आर्षग्रन्थ सूर्यसिद्धान्त कालभेदानुसार गणित में अन्तर को - **युगानां परिवर्तनेन कालभेदोऽत्र केवलः** कहकर दृक्तुल्यता का ही समर्थन करता है। यथा -

तत्तद्गतिवशान्नित्यं यथा दृक्तुल्यतां ग्रहाः।
प्रयान्ति तत्प्रवक्ष्यामि स्फुटीकरणमादरात्॥

एवमेव भास्कराचार्य द्वितीय, आचार्य गणेश दैवज्ञ आदि प्रायः सभी सिद्धान्त ज्योतिष के महान आचार्य दृक्तुल्य गणित को ही विवाहादि संस्कारों तथा व्रत-पर्वोत्सवादि कार्यों के लिए आवश्यक मानते हैं। इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए यह पंचांग दृक्तुल्य चित्रापक्षीय केतकीय ग्रहगणितीय पद्धति पर दिल्ली के अक्षांश एवं रेखांश के अनुसार निर्मित है।

इस पंचांग में तिथि, नक्षत्र, योग और करण के आगे निर्दिष्ट घटी व पल तत्सम्बन्धी तिथ्यादि के सूर्योदय के बाद की स्थिति को बताता है। इसी प्रकार तिथि व नक्षत्र के घटी पल के आगे निर्दिष्ट घण्टा मिनट उसके समाप्ति काल को प्रदर्शित करता है। इस पंचांग में प्रयुक्त घण्टा व मिनट मान भारतीय स्टैण्डर्ड समय अर्थात् रेडियो टाइम के अनुसार दिये गये हैं। अतः इस पंचांग के समय को भारत में अपनी घडी के अनुरूप मिलाकर समय का अनुपालन कर सकते हैं। इस पंचांग में दिए गए मान यथासम्भव विशुद्ध देने के प्रयास किए गए हैं। फिर भी यान्त्रिकीय एवं मानवीय त्रुटियाँ स्वाभाविक हैं। अतः पाठकों से नम्र निवेदन है कि वे त्रुटियों पर ध्यान न देते हुए पंचांग के उपयोगी तथ्यों को ग्रहण करेंगे। यतः -

गच्छतः स्खलनं क्वापि भवत्येव प्रमादतः।
हसन्ति दुर्जनास्तत्र समादधति सज्जनाः॥

- सम्पादक

विषय सूची

मंगल वाक्

॥श्रीमन्महागणाधिपतये नमः॥

आदिदेव नमस्तुभ्यं प्रसीद मम भास्कर।

दिवाकर नमस्तुभ्यं प्रभाकर नमोऽस्तुते॥

सर्वविद्या की राजधानी के अधिष्ठाता एवं सभी विद्याओं के गुरु बाबा विश्वनाथ के अनुग्रह से नैसर्गिक शोध संस्था के प्रारम्भिक उद्देश्यों में से चिरप्रतीक्षित पंचांग प्रकाशन का संकल्प साकार हुआ। इस महनीय अवसर पर मैं संस्था से जुडे सभी सदस्यों को हार्दिक बधाई देता हूँ। पंचांग प्रकाशन की यह एक महत्वाकांक्षी योजना संस्था के चारों केन्द्रों से प्रारम्भ करने की थी, किन्तु संसाधनों के अभाव तथा अन्य अनेक व्यवधानों के कारण प्रकाशन प्रारम्भ नहीं हो सका था। आज से कुछ वर्ष पूर्व प्रवासी भारतीय जो ट्रिनीडाड एवं टुबैको के नागरिक हो चुके हैं, उनकी आस्था और जिज्ञासा को देखते हुए ट्रिनीडाड के अक्षांश से एक सम्पूर्ण पंचांग का निर्माण एवं प्रकाशन काशिका ट्रिनीडाड पंचांग के नाम से संस्था के वाराणसी केन्द्र से किया गया था। वहाँ के प्रधानमन्त्री के काशी आगमन पर काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के तत्कालीन यशस्वी कुलपति प्रो.(डॉ.) हरिगौतम ने अपने आवास पर उन्हें उक्त पंचांग की प्रति समर्पित की थी। ट्रिनीडाड में भी प्रधनमन्त्री महोदय ने एक समारोह में उसका लोकार्पण किया था। दो वर्षो तक काशी से प्रकाशन करने के उपरान्त इसका प्रकाशन, कलेवर परिवर्तन के साथ ट्रिनीडाड से होने लगा। भारतीय विधि से यह प्रयोग भारत से बाहर किसी अन्य देश के लिए प्रथम बार किया गया था, जो सफल एवं प्रशंसित रहा है।

तत्पश्चात् विगत वर्षो से पुन: पंचांग प्रकाशन की योजना पर विचार विमर्श चल रहा था, किन्तु पूर्व संकल्प के अनुसार इसे संस्था के चारों केन्द्रों से एक साथ प्रारम्भ करने में अत्यधिक धन की आवश्यकता पड रही थी। अत: अर्थसंकट को देखते हुए इस कार्य को चरणबद्ध ढंग से करने का निश्चय किया गया। संस्था ने यह निर्णय लिया कि सर्वप्रथम इस पंचांग का शुभारम्भ देश की राजधानी से किया जाय। कुछ आवश्यक संस्कारों द्वारा अन्य केन्द्रों में भी इसी पंचांग का उपयोग तब तक किया जाय जब तक अन्य केन्द्रों से प्रकाशन प्रारम्भ न हो जाय। अत: सर्वसम्मति से इस पंचांग निर्माण का दायित्व दिल्ली केन्द्र के सचिव प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी को दिया गया। प्रो. त्रिपाठी ने मनोयोग से इस कार्य को सम्पन्न किया। फलस्वरूप आज यह पंचांग अपने पाठकों के समक्ष प्रस्तुत करते हुए अपार हर्ष का अनुभव कर रहा हूँ।

भारतीय पद्धति से दृक्तुल्य पंचांग का निर्माण एवं प्रकाशन भी संस्था का मुख्य उद्देश्य रहा है। भारतीय दैवज्ञों के सिद्धान्तों का सदैव मैं आदर करता रहा हूँ। इसीलिए आचार्यो के निर्देशानुसार सूर्यसिद्धान्त में अपेक्षित परिष्कारों के साथ उसी सिद्धान्त के अनुसरण का पक्षपाती रहा हूँ। मुझे प्रसन्नता है कि सूर्यसिद्धान्त के परिष्कार सम्बन्धी अनुसन्धान में कई युवा विद्वान कार्यरत हैं। इसी बीच भारतीय शुद्ध पंचांगों की आवश्यकता को देखते हुए आचार्य गणेशदैवज्ञ एवं आचार्य केतकर के मार्गो का अनुसरण करते हुए दृक् तुल्य पंचांग का प्रयास किया गया। आशा है कि पाठकगण इस प्रयास का स्वागत करेंगे। पाठकों की सन्तुष्टि ही संस्था के लिए रसायन होगी।

सर्व साधारण की सुविधा की दृष्टि से तिथि नक्षत्रादि के मान घटी पल के साथ साथ भारतीय मानक समयानुसार दिये गये हैं। दैनिक लग्नसारिणी भी मानक समयानुसार ही दी गई है। व्यावहारिक सरलता को ध्यान में रखते हुए अगले अंक से संस्था के अन्य केन्द्रों के अंक्षांशानुसार लग्न समाप्ति काल जानने के लिए एक पृथक् से सारिणी देने की योजना है। इस प्रकार समय समय पर आवश्यकतानुसार संशोधन एवं संवर्धन भी किया जायेगा। संस्था न हानि न लाभ की दृष्टि से केवल भारतीय विद्याओं के प्रसार एवं संवर्धन हेतु कार्य करती है। व्यावहारिक दृष्टि से कुछ त्रुटियां भी सम्भव हैं। अत: प्रबुद्ध पाठकगण उनका मार्जन करते हुए संस्था को अवगत कराने का कष्ट करेंगे ताकि अग्रिम अंकों में उनका समुचित समाधान किया जा सके। सहयोग हेतु संस्था सदैव आभारी रहेगी।

मैं इस दुरूह तथा श्रमसाध्य कार्य के लिए प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी को साधुवाद देता हूँ जिन्होंने संस्था के लिए नि:स्वार्थभाव से अपने व्यस्त क्षणों से समय निकाला तथा इस कार्य को पूर्णता तक पहुंचाया। साथ ही संस्था के सभी सदस्यों एवं सहयोगियों को धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ, जिनका सहयोग सदैव संस्था को सुलभ रहता है। अन्त में संस्था की ओर से आगामी भारतीय नववर्ष की हार्दिक शुभकामनायें। नववर्ष देश एवं देशवासियों के लिए सभी प्रकार से सुख एवं सम्मान में वृद्धिकारक हो। जय भारत।

नववर्ष वर्षतु हर्षरसम्

शिवरात्रि, सं २०७३
नैसर्गिक शोध संस्था, वाराणसी

रामचन्द्रपाण्डेय
प्रधान सम्पादक

।।संवत्सरादिफलम्।।

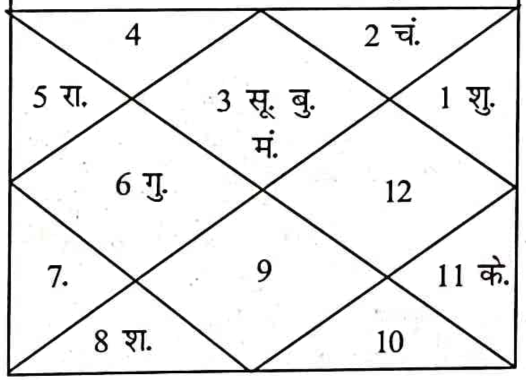
।।श्रीमन्महागणाधिपतये नमः।।श्रीसरस्वत्यै नमः।।श्रीमहालक्ष्म्यै नमः।।

चैत्रप्रतिपदि कृत्यम्- प्राप्ते नूतनवत्सरे प्रतिगृहे कुर्याद्ध्वजारोपणम्। स्नानं मंगलमाचरेद् द्विजवरैः सार्धं सुपूजोत्सवम्।। देवानां गुरुज्योतिषां च विभवालंकारवस्त्रादिभिः। सम्पूज्यो गणकः फलं च शृणुयात्तस्माच्च लाभप्रदम्।**संवत्सरादिफलश्रवणमाहात्म्यम्** - राज्यं स्यादचलं नृपश्रवणतो मन्त्रीश्रवात् कौशलम्। धान्येशात् कमला स्थिरा च सुरसा वाणी भवेन्मेघपात्।। धर्मे बुद्धिरधिष्ठिता रसपतेर्दीर्घायुषत्वं भवेत्। सस्येशाद् विमला मतिः शुभकरी वर्षावली श्रूयताम्।।**अथ ब्रह्मायुर्निरूपणम्**- श्रीमद्भगवतो विष्णोराज्ञया प्रवर्तमानस्य ब्रह्मणो ब्राह्ममानेन परमायुः 100वर्षाणि अर्थात् 311040000000000सौरवर्षाणि। ब्रह्मणः जन्मादिगतसौरवर्षाणि 155521972949118, कल्पादितः गतसौरवर्षाणि 1972949118, सृष्ट्यादितः गतवर्षाणि 1955885118,अथ ब्रह्मणो द्वितीयपरार्धे श्रीश्वेतवाराहकल्पे सप्तविंशतिमहायुगानि व्यतीतानि। अष्टाविंशमहायुगस्य च कृतत्रेताद्वापराख्ययुगचरणत्रयं व्यतीतम्।**कृतयुगवर्णनम्**-कार्तिकशुक्लनवम्यां प्रथमयामे श्रवणऽर्क्षे वृद्धियोगे कृतयुगोत्पत्तिः। तस्य मानं 1728000सौरवर्षाणि। अस्मिन् युगे श्रीविष्णोः मत्स्यकूर्मवाराहनृसिंहावताराः। तत्र पापम् 0 पुण्यम् 20। **त्रेतायुगवर्णनम्**- वैशाखशुक्लतृतीयायां द्वितीययामे रोहिणीनक्षत्रे शोभनयोगे त्रेतायुगोत्पत्तिः तस्य मानं 1296000सौरवर्षाणि। अस्मिन्युगे श्रीविष्णोः वामनपरशुरामरामावताराः। तत्र पापम् 05 पुण्यम् 15। **द्वापरयुगवर्णनम्**- माघकृष्णामावस्यायां तृतीययामे धनिष्ठाऽर्क्षे वरीयानयोगे द्वापरयुगोत्पत्तिः। तस्यमानं 864000सौरवर्षाणि। अस्मिन्युगे श्रीविष्णोः श्रीकृष्णबलरामावतारौ। तत्र पापम्10 पुण्य 10 । **कलियुगवर्णनम्**- भाद्रपदकृष्णत्रयोदश्यां निशीथे कृत्तिकाऽर्क्षे व्यतीपातयोगे कलयुगोत्पत्तिः। तस्य मानं 432000सौरवर्षाणि। अस्मिन्युगे श्रीविष्णोः बुद्धावतारोऽभवत् । कलियुगस्य 821 वर्षावशेषकाले कल्क्यावतारो भविष्यति। सम्प्रति कलेः 5118 सौरवर्षाणि व्यतीतानि। भोग्यवर्षाणि 4268842वर्षाणि। तत्र पापम्15 पुण्यम्05। **संवत्सरफलम्** - तत्र गुरुमानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये **साधारण**नामसंवत्सरः। तत्र मेषार्कसमये गतमासादयः 00/14/52/48 भोग्यमासादयः 11/15/07/12। संकल्पादौ वर्षान्तं यावत् साधारणसंवत्सरः एव प्रयोक्तव्यः। **तस्य फलम्** - साधारणाब्दे राजानस्सुखिने गतमत्सराःप्रजाश्च पशवः स्वस्थाः वृष्टिः कृषिसम्मिता ।। **बृहत्संहितानुसारेण** तु - साधारणेऽल्पे जलमीतयश्च।।इति। **गुरूदयाब्दफलम्**- गुरूदयाब्दनाम चैत्राब्दः। **तस्य फलम्**-चैत्राब्दे भूमिपाः स्वस्था क्षोणी चाल्पफलप्रदा। सुदुर्लभं चोत्तमान्नं प्रीतिः साधुजनस्य च। **वर्षाधिपतिः** - सौम्यदैवतयुगे पंचसंवत्सराणां मध्ये अनुवत्सरः, तस्याधिपः प्रजापतिः। **संवत्सरस्य राजा** - भौमः। **तस्य फलम्**- अग्नितस्कररोगाः स्युः नृपा विग्रहतत्पराः। हतसस्यं व्यालभयं भौमाब्दे वृष्टिर्नाशनम्। **तस्य वाहनं** वृषभः। **नागनाम**-द्वादशनागानां हेममालीनागेन्द्रः। **तस्य फलम्**- बहुवृष्टिः धान्योत्पादनं च। **रोहिणीवासः**-तटे। **तस्य फलम्**- सुवृष्टिः प्रचुरधनधान्योत्पादनं च। **समयनिवासः**- रजकगृहे। **वायुनाम**- विवहः। **तस्य फलम्**- वृष्टिनाशः। **तटित्संज्ञकविद्युत्** - अचला।**तस्य फलम्**-सुवृष्टिः। **समुद्रनाम**- क्षीरः। **तस्य फलम्** -अल्पवृष्टिः। **गर्जितानां मध्ये** - निर्घोषः। **तस्य फलम्**- अल्पवृष्टिः। **अष्टभूवाहकशेषानां मध्ये**- कुलिकः। **तस्य फलम्**- प्रजानां सुखमारोग्यं सुवर्षं सर्वदिक्षु च। कुलिकाख्ये भूमिवहे सर्वसस्य विनाशनम्। **पशुपालकः**-यमः, **तस्य फलम्**- अनर्घश्चाल्पवृष्टिश्च स्वल्पक्षीरं तथा गवाम्। पशुपीडा भवेन्नित्यं यमे तु पशुनायके।। इति।। **अथ राजादिश्रवणमाहात्म्यम्** - यः शृणोति मधुशुक्लपक्षके वर्षनाथसचिवादिकं फलम्। प्राप्नुयाद्दुरितमुक्तविग्रहः चायुरर्थमतुलं यशस्सुखम्।। अस्मिन् वर्षे आकाशीयमन्त्रिपरिषदि **राजा**- भौमः, **मन्त्री** - गुरुः, **अर्घेशः**- बुधः, **सस्येशः**- सूर्यः, **सेनाधिपः**- बुधः, **रसेशः**- भौमः, **धान्येशः**- शुक्रः, **नीरसेशः**-सूर्यः, **मेघेशश्च**- बुधः। अथ **राजा भौमफलम्** -वातोद्धतो वह्निरतिप्रचण्डो दहत्यलं ग्रामपुरीवनानि। न वारि मुंचन्ति घनास्त्वनर्घो युद्धं नराणां क्षितिजेऽब्दनाथे।। **मन्त्रिगुरुफलम्** -जीवे त्वमात्ये बहुधान्यसम्पदः प्रभूतवर्षा च भवन्ति लोके। फलन्ति वृक्षा बहुसस्यवृद्धिर्धरा प्रजागोकुलसंकुला सदा ।। **अर्घेशबुधफलम्**- अर्घाधिनाथे रजनीकरात्मजे वृष्ट्यर्घसस्यानि बहूनि च स्युः। कौमारपाखण्डजिनेन्द्रजालिकाः प्रभूतहास्या न तथापरे जनाः।। **सस्येशसूर्यफलम्**- शूकधान्यानि सर्वाणि स्थलधान्यानि यानि च। रक्तेभूमिस्सुफलिता रवौ सस्याधिपे सति।। **सेनाधिपबुधफलम्**- वाताहता वारिधराः कदाचिद्वर्षन्ति सस्यानि फलान्वितानि। लोकास्सदा पीडितकाम-

चारास्सैन्याधिपत्ये खलु चन्द्रजस्य।। **रसेशभौमफलम्-** जीरकलवणं सर्पिस्तिलतैलगुडादयः। शून्यार्घं यान्ति ते सर्वे भौमे यदि रसाधिपे।। **धान्येशशुक्रफलम्-** अतिवृष्टिस्सुभिक्षं च फलिता सस्यजातयः। मानवा निरुजस्सर्वे धान्याधीशे भृगौ सति।। **नीरसेशसूर्यफलम्-** नीरसाधिपतौ सूर्ये ताम्रचन्दनयोरपि। रक्तमाणिक्ययुक्तानां जायते वृद्धिरुत्तमा।। **मेघेशबुधफलम्-** मध्यवृष्टिर्मध्यसस्यं मेघा वायुनिपीडिता। मध्यदेशे महद्वर्षं बुधे मेघाधिपे सति।। **अथ सूर्यस्यार्द्राऽर्क्षे प्रवेशविचारः-** प्रवेशकाले यदि रौद्रभस्य वृष्टिर्भवेदीतिरनर्घता च। शेषेसु पादत्रितयेषु भीतिरत्यल्पवृष्टिर्महती गदा च।। विक्रमसंवत् 2074 शाके 1939 आषाढमासे कृष्णपक्षे त्रयोदश्यायां तिथौ कृत्तिकानामचन्द्रऽर्क्षे धृतियोगे गरकरणे बुधवासरे मार्तण्डमण्डलोदयादिष्टम् - 59/02 मिथुनलग्ने सूर्यस्यार्द्राऽर्क्षे प्रवेशः 21जून 2016 रात्रि 29:05 बजे।

अथ आर्द्राप्रवेशकालिकग्रहादिस्थितिवशात्फलविमर्शः

।।अथार्कस्यार्द्राप्रवेशकालिककुण्डली।।

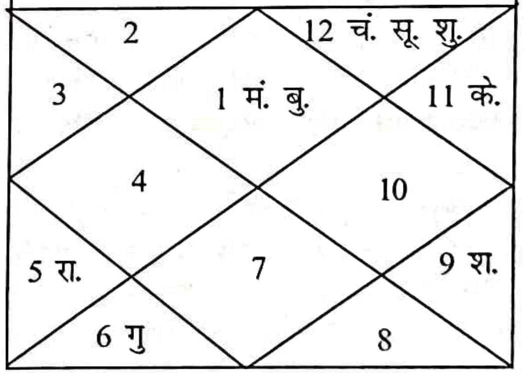


त्रयोदशीतिथिफलम्- जलप्रदः।**बुधवारफलम्-** सुखकरः। **कृत्तिका-नक्षत्रफलम्-** प्रवर्षणम्। **धृतियोगफलम्-**सुभिक्षकृत्। **मिथुनलग्नफलम्-** शुभप्रदः।**गरकरणफलम्-** दुर्भिक्षम्। **षण्मण्डलेषु प्रथममण्डलफलम्-** आर्द्राप्रवेशे सूर्यस्य चन्द्रो याम्यादिपंचके। प्रथमे मण्डले तिष्ठत्सर्वसस्यसमृद्धिदः।। **आर्द्राप्रवेशः रात्रौ तत्फलम्-** आर्द्रा च विशते रात्रौ जलाकीर्णं महीतलम्।

आर्द्राप्रवेशकालीनग्रहादिस्थितिवशात्फलम्- आर्द्रा प्रवेशः स्याद्रात्रौ जलाकीर्णमही सदा।। अस्मिन् वर्षे आर्द्राप्रवेशकालिकलग्ने मिथुनराशौ बुधसूर्यभौमाः स्थिताः सन्ति, अतः प्रायः अल्पवृष्टिः, वातयुक्तवृष्टिरपि सम्भाव्यते। केन्द्रे बुधगुर्वोः स्थितिः कुत्रचिच्च शुभवृष्टेः सम्भावनां जनयति। लग्ने मेघेशबुधस्य स्थितिः स्वगृहे शुभप्रदा परन्तु पापग्रहयोर्युतिवशादल्पा वृष्टिस्सम्भवति। लग्नाच्चतुर्थभावे गुरुः अतः यदा कदा शिक्षाक्षेत्रसम्बन्धिजनेभ्यः सम्मानप्राप्तेः लाभस्यापि अवसरः। तृतीये राहुः षष्ठे च शनैश्चरः पराक्रमे वृद्धिं शत्रुनाशं च संसूचयति। नवमे केतोः स्थितिः धार्मिकक्षेत्रे न्यायालयक्षेत्रे च संघर्षं सूचयति। बुधवारे कृत्तिकानक्षत्रे आर्द्रायां सूर्यस्य प्रवेशः ब्राह्मणवर्गस्य न्यायक्षेत्रस्य लेखनक्षेत्रस्य चोन्नतिं सूचयति। अस्मिन् वर्षे धान्यवस्त्रादिके च न्यूनार्घयोगः, शासकवर्गेभ्यः शस्त्राघातयोगश्च सम्भाव्यते। कृषिक्षेत्रे विज्ञानक्षेत्रे स्वास्थ्यक्षेत्रे च सामान्यवृद्धिः भविष्यतीति।

अथ वर्षप्रवेशकालिकुण्डलीवशात्फलविमर्शः

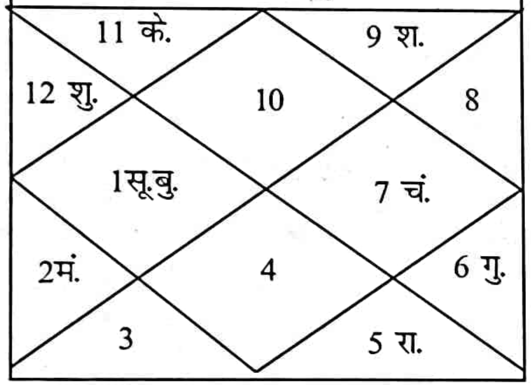
।।अथ वर्षप्रवेशकालिककुण्डली।।



2074 विक्रमसंवत्सरस्य शुभारम्भः मेषलग्ने चरराशौ भविष्यति। वर्षराट् भौमः वर्षकुण्डल्यां स्वराशौ लग्ने केन्द्रे च बुधेन सह संस्थितोऽस्ति लग्नेशभौमस्य दृष्टिः सप्तमस्थाने अस्ति। अतः स्त्रीणां सम्माने अल्पा वृद्धिः व्यापारे च किंचित् समृद्धिः सम्भाव्यते। वैदेशिकैः सह सम्बन्धः व्यापारे नूतनसम्भावना, विविधयोजनानां च शुभारम्भो भवितुं शक्यते। अस्मिन् वर्षे भारतस्य वैश्विकपटले प्रतिष्ठावृद्धिः, अन्ताराष्ट्रियसम्बन्धेषु लाभः व्यापारे च उन्नतिः भविष्यति।

परन्तु सीमावर्तिक्षेत्रेषु स्थितिनियन्त्रणे काठिन्यं भविष्यति। आतंकजनितघटनानामधिका सम्भावना वर्तते। चतुर्थेशचन्द्रस्य द्वादशे संस्थितिः सीमावर्तिक्षेत्रेषु संघर्ष सूचयति। अपि च पंचमस्थराहुवशाद् यदा कदा अन्ताराष्ट्रियसम्बन्धेषु विदेशनीतिविषये च वैचारिकमतभेदाः भवितुं शक्यते परन्तु पंचमेशसूर्यस्य द्वादशभावे तथा द्वादशेशगुरोः षष्ठभावे स्थितिः अस्ति। अतः शत्रूपरि परिस्थितिषु च नियन्त्रणे काठिन्यं न भविष्यति। दशमेश एकादशेशश्च शनिरेव नवमभावे स्थितः अतः सैनिकानां राजकर्मचारिणां कृते लाभस्य सम्भावना दृश्यते।सामाजिकधार्मिककार्येषु जनानां रुचिः अल्पा भविष्यति। कृषिकार्ये मध्यमलाभं सूचयति। स्त्रीणां सम्मानने यदा कदा वृद्धिः, बौद्धिकचिन्तने च ह्रासः सम्भाव्यते।

अथ जगल्लग्नकुण्डलीवशात्फलविमर्शः



।।अथ जगल्लग्नकुण्डली।।

जगल्लग्नकुण्डल्यानुसारं लग्ने मकरराशिः तस्योपरि गुरोः दृष्टिः, लग्नेशः शनिः द्वादशभावे अस्ति। भौमेन सह तस्य षडाष्टकयोगः वर्तते अतः देशेषु आन्तरिककलहः वैमनस्ये च वृद्धिः सम्भाव्यते। परन्तु भारतस्य प्रतिष्ठायां प्रभावे च वृद्धिः भविष्यति। यद्यपि सीमान्तस्थितदेशैः सह यदा कदा सम्बन्धे कुप्रभावो भवितुं शक्यते। चतुर्थभावे बुधादित्ययोगः सुरक्षोपायेषु वृद्धिं, सैन्यशक्तौ वृद्धिं, सैन्यवर्गाहिते च विभिन्नयोजनानां प्रारम्भं सूचयति परन्तु अष्टमस्थराहुः प्राकृतिकापत्सु आतंकवादघटनासु च जनधनहानि योगं संसूचयति। पंचमभावे भौमस्य स्थितिः तकनीकिशिक्षायां शिक्षाक्षेत्रे च अवनतिं संसूचयति। परन्तु नवमस्थगुरोः शुक्रेण सह समसप्तकयोगः धनधान्यसमृद्धिं नूतनयोजनानां क्रियान्वयने प्रगतिं च संसूचयति। अस्मिन् वर्षे सैन्यकर्मिणां, स्त्रीणां च सम्माने वृद्धिः सम्भाव्यते परन्तु विप्राणां बुद्धिजीविवर्गाणां च ह्रास अनुमीयते।

अथ कूर्मचक्रविचारः:- वर्षेस्मिन् शनिः वर्षारम्भतः 20जून 2017पर्यन्तं मूलनक्षत्रे, ततः परं वक्रीभूत्वा 26 अक्टूबर 2017 पर्यन्तं ज्येष्ठानक्षत्रे संचरिष्यति। पुनः सः मार्गीभूत्वा वर्षान्तं यावत् मूलनक्षत्रे संचरिष्यति। कूर्मचक्रानुसारेण ज्येष्ठामूलनक्षत्रे पश्चिमदिशि स्थिते स्तः।

कूर्मचक्रे पश्चिमदिशि संस्थिते शनैश्चरे निम्नश्लोकोक्तदेशानां कृते प्राकृतिकप्रकोप- अतिवृष्टि-अनावृष्टि-युद्ध-राजनीतिकविप्ल्वादिकानां भयं च भविष्यति-

अपरस्यां मणिवान् मेघवान् वनौघः क्षुरार्पणोस्तगिरिः।
अपरान्तकशान्तिकहैहयप्रशस्तादिवोक्काणाः।
पंचनदरमठपारत- तारक्षितिजृंगवैश्यकनकशकाः।
निर्मर्यादा म्लेच्छा ये पश्चिमदिक् स्थितास्ते च।।

(बृहत्संहिता नक्षत्रकूर्मचक्र. श्लोक 20-21)।

अथ आयव्ययचक्रविचारः(विंशोत्तरीमतेन)-

राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
आय	02	11	02	11	14	02	11	02	14	08	08	14
व्यय	14	05	05	14	11	05	05	14	02	05	05	02

अथ आयैक्यम् - ९९, व्ययैक्यम् -८७

अथ आयव्ययचक्रविचारः(अष्टोत्तरीमतेन)-

राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
आय	08	02	00	14	02	00	02	08	11	14	14	11
व्यय	14	08	11	02	14	11	08	14	05	14	14	05

आयैक्यम् - ८६ व्ययैक्यम् - १२०

अथायव्ययाभ्यां शुभाशुभफलज्ञानविधिः- आयं व्ययं समीकृत्य एकहीनं तु कारयेत्। अष्टभिश्च हरेद् भागं शेषांके फलमादिशेत्।। लाभः सौख्यं तथा क्लेशो रोगो लोकापवादनम्। सम्मानं विजयो हानिः कथितं पूर्वसूरिभिः।।

अथ गोचरवशाच्छनेः पादविचारः- जन्मांगरुद्रेषु (1,6,11)सुवर्णपादं द्विपंचनन्दैः (2,5,9)रजतस्य पादम्। त्रिसप्तदिक्ताम्रपदं (3,7,10)वदन्ति वेदाष्टचार्कष्विह (4,8,12)लौहपादम्।। **शनेः पादफलम्-** लोहे वित्तविनाशः स्यात्सर्वसौख्यं च कांचने। ताम्रे च समता ज्ञेया सौभाग्यं रजते भवेत्।। अस्मिन् वर्षे शनिः वर्षारम्भतः 20 जून 2017 पर्यन्तं धनुराशौ, पुनः 26 अक्टूबर 2017 तः वर्षान्तपर्यन्तं धनुराशौ संचरिष्यति।

अतः तस्मिन् काले **वृश्चिकधनुमकरराशियुक्तजातकाः शनेः सार्ध सप्ताब्दतः (साढेसाती)** प्रभाविताः भविष्यन्ति। **वृषकन्याराशियुक्ताः जनाः सार्ध द्वयाब्दतः (ढैया)** प्रभाविताः भविष्यन्ति। **फलविचारः-** मेषस्य ताम्रपादः, वृषस्य रजतपादः,मिथुनस्य लौहपादः, कर्कस्य ताम्रपादः, सिंहस्य सुवर्णपादः, कन्यायाः रजतपादः, तुलायाः लौहपादः, वृश्चिकस्य ताम्रपादः (स्थानं पादे) , धनोः रजतपादः (स्थानं हृदि), मकरस्य सुवर्णः(स्थानं शिरसि), कुम्भस्य लौहपादः, मीनस्य सुवर्णपादः।

शनिः 26 जूनतः 26 अक्टूबरपर्यन्तं वृश्चिकराशौ संचरिष्यति। अतः **तुलावृश्चिकधनुराशियुक्तजातकाः शनेः सार्ध सप्ताब्दतः (साढेसाती)** प्रभाविताः भविष्यन्ति। **मेषसिंहराशियुक्ताः जनाः सार्ध द्वयाब्दतः (ढैया)** प्रभाविताः भविष्यन्ति। **फलविचारः-** मेषस्य सुवर्णपादः, वृषस्य ताम्रः,मिथुनस्य रजतः, कर्कस्य लौहः, सिंहस्य ताम्रः, कन्यायाः सुवर्णः, तुलायाः रजतः(स्थानं पादे), वृश्चिकस्य लौहः (स्थानं हृदि), धनोः ताम्रः(स्थानं शिरसि), मकरस्य रजतः, कुम्भस्य सुवर्णः, मीनस्य लौहपादः। अतः **शनिशान्त्यर्थमुपायाः -** शनेः बीजमन्त्रादीनां जपः, शनिस्तोत्रस्य पाठः, अश्वत्थवृक्षस्य मूले तिलमाषादिमिश्रितजलदानं सायंकाले च दीपदानम्, महामृत्युंजयजपः, शिवोपासना, हनुमदुपासना, सुन्दरकाण्डादिकानां पाठः, पक्षिणां कृते अन्नादिदानम्, सदक्षिणां लौहपात्रस्य दानम्, दरिद्र-कुष्ठादिरोगार्तानां कृते भोजनवस्त्रादिदानम्, तुलादानम्, माषादिवस्तूनां दानम्, वृद्धजनानां परिचर्यादिकम्। भौतिकोपचारेषु शनिवासरे अमावस्यायां वा लौहमुद्रिकायाः धारणम्। **शनेः दानपदार्थाः-** नीलमणिः,सुवर्णः,लौहः,माषः,कुलथः,तैलम्, कृष्णवस्त्रम्, कस्तूरिका,कृष्णपुष्पम्, कृष्णांगमहिषः, उपानहौ च। **दानसमयः-** मध्याह्नकालः। **जपमन्त्रः-** ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनये नमः। **जपसंख्या-23000।** **बीजमन्त्रः -** ॐ शं शनैश्चराय नमः। **हवनसमिधा-** कुशा इति ज्ञेयम्। **शनिस्तुतिः -** कोणस्थः पिंगलो बभ्रुः रुद्रः रौद्रान्तको यमः। सौरिः शनैश्चरो मन्दः पिप्पलादेन संस्तुतः। एवं ध्यात्वा शनेः पीडा शमं याति न संशयः।।

-श्रीनवग्रहस्तोत्रम्-

जपाकुसुमसंकाशं काश्यपेयं महाद्युतिम्।
तमोऽरिं सर्वपापघ्नं प्रणतोऽस्मि दिवाकरम्।।
दधिशंखतुषाराभं क्षीरोदार्णवसम्भवम्।
नमामि शशिनं सोमं शम्भोर्मुकुटभूषणम्।।
धरणीगर्भसम्भूतं विद्युत्कान्तिसमप्रभम्।
कुमारं शक्तिहस्तं तं मंगलं प्रणमाम्यहम्।।
प्रियंगुकलिकाश्यामं रूपेणाप्रतिमं बुधम्।
सौम्यं सौम्यगुणोपेतं तं बुधं प्रणमाम्यहम्।।
देवानां च मुनीनां च गुरुं कांचनसन्निभम्।
बुद्धिभूतं त्रिलोकेशं तं नमामि बृहस्पतिम्।।
हिमकुन्दमृणालाभं दैत्यानां परमं गुरुम्।
सर्वशास्त्रप्रवक्तारं भार्गवं प्रणमाम्यहम्।।
नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम्।
छायामार्तण्डसम्भूतं तं नमामि शनैश्चरम्।।
अर्धकायं महावीर्यं चन्द्रादित्यविमर्दनम्।
सिंहिकागर्भसम्भूतं तं राहुं प्रणमाम्यहम्।।
पलाशपुष्पसंकाशं तारकाग्रहमस्तकम्।
रौद्रं रौद्रात्मकं घोरं तं केतुं प्रणमाम्यहम्।।
इति व्यासमुखोद्गीतं यः पठेत् सुसमाहितः।
दिवा वा यदि वा रात्रौ विघ्नशान्तिर्भविष्यति।।
नरनारीनृपाणां च भवेद्दुःस्वप्ननाशनम्।
ऐश्वर्यमतुलं तेषामारोग्यं पुष्टिवर्धनम्।।

वार्षिकराशिफल संवत् 2074, सन् 2017-18

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ)

मेष राशि वाले जातकों के लिए यह वर्ष प्रायः लाभ की स्थिति बनाये रखेगा। यदा कदा ही अकस्मात् धनप्राप्ति के अवसर मिलेंगे। समाज में सम्मान प्राप्ति, धन प्राप्ति, भूसम्पत्ति का लाभ, वाहनादि सुख, घर-परिवार में मांगलिक कार्य आदि शुभफलप्राप्ति की सम्भावना रहेगी परन्तु राशि से शनि के नवम होने के कारण जीवन में अनिश्चितता एवं उथलपुथल का वातावरण रहेगा। पिता के लिए यह समय कष्टकारी रहेगा। उच्चपद वाले व्यक्तियों से सम्पर्क व लाभ प्राप्ति सम्भव है।सरकारी सेवारत लोगों के लिए शनि उन्नति में बाधक हो सकता है। मानसिक चिन्ताएं बनी रहेंगी। मित्रों से कष्टप्राप्ति सम्भव है। 26 जून से 26 अक्टूबर के बीच का समय शनि की ढैया के कारण थोड़ा कष्टकारी रहेगा। शनि की ढैया के कारण यदा कदा स्वास्थ्य कष्ट जैसे शिरोवेदना, ज्वर, वातरोग आदि की सम्भावना बनती है। पति/पत्नी का स्वास्थ्य एवं आजीविका सम्बन्धी चिन्ताएं रह सकता है। किसी प्रियजन से विछोह कष्टकारी रहेगा। व्यवसायियों के लिए यह वर्ष कुछ अच्छा व लाभ देने वाला रहेगा। मनोरंजन क्षेत्र से जुड़े लोगो को जून के बाद का समय दुर्घटनाओं एवं अल्पलाभ वाला रह सकता है। राजनीतिक व्यक्तियों के लिए यह वर्ष कुछ नये सम्बन्ध बनायेगा, जिससे लाभ मिल सकता है, परन्तु पुराने हितैषियों से प्रतिकूल सम्बन्ध रह सकता है। प्रशासनिक क्षेत्र ,चिकित्सा, पत्रकारिता, तकनीकि, भवन निर्माण एवं इंजीनियरिंग से जुड़े व्यक्तियों के लिए यह वर्ष कुछ अल्प लाभ वाला रहेगा। महिलाओं के लिए यह वर्ष बीच में मानसिक व शारीरिक कष्टयुक्त किन्तु कुछ लाभप्रद रहेगा। विद्यार्थियों के लिए यह वर्ष संघर्ष पूर्ण रहेगा। आलस्य के कारण विद्याप्राप्ति एवं रोजगार में रुकावटें सम्भावित हैं । जुलाई, अगस्त, सितम्बर एवं जनवरी मास मेषराशि वाले जातकों के लिए कष्टकारी रह सकते हैं। अशुभ प्रभावों से बचने के लिए श्रीहनुमान जी की उपासना श्रेयस्कर रहेगी। शनि के प्रीत्यर्थ छायादान करना उत्तम रहेगा।

वृष (इ उ ए ओ बा बी बू वे वो)

यह वर्ष आपके लिए यदा कदा आर्थिक लाभ, सुख, उन्नति, ध नार्जन वाला रहेगा। प्रायः इस वर्ष शनि की ढैया के प्रभाव से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य शिथिल रह सकता है। वायुविकार व हृदय जनित कष्ट की सम्भावना बन सकती है। शिरोवेदना, ज्वर, वात एवं कफजनित रोगों की बहुलता रहेगी। पति/पत्नी का स्वास्थ्य भी खराब रह सकता है। न्यायालयादि से सम्बन्धित विवादों में असफलता मिल सकती है। धर्म के प्रति रुचि कम रहेगी। व्यवसायिक असफलताएं मिल सकती है । रोजगार के क्षेत्र में संघर्ष हो सकते हैं। राजनीति, मनोरंजन, चिकित्सा, भूमि व भवन निर्माण, पत्रकारिता, सुरक्षा, प्रशासनिक एवं अकादमिक कार्यों से जुडे व्यक्तियों के लिए वर्ष कुछ लाभ प्राप्ति का हो सकता है किन्तु विवाद व मानहानि की सम्भावना भी बन सकती है। विशेषतः पत्रकारिता से जुडे लोग सतर्क रहें। शिक्षा जगत से जुडे हुए व्यक्तियों के लिए यह वर्ष सामान्य लाभ परन्तु स्थानपरिवर्तन कारक है। महिलावर्ग के लिए यह वर्ष सावधानी परन्तु उन्नति कारक एवं पारिवारिक सुख देने वाला रहेगा। विद्यार्थियों के लिए यह वर्ष प्रायः विद्याभ्यास में परिश्रम वाला रहेगा। यदा कदा बाधाएं सम्भावित हैं। परन्तु अन्त में अनुकूल परिणाम देने वाला रहेगा। मई, जून, अक्टूबर, नवम्बर, फरवरी मास वृषराशि वाले जातकों के लिए कष्टदायी हो सकते है। अशुभप्रभावों से बचाव हेतु श्रीगणेशाम्बिका की आराधना उत्तम रहेगी। छात्रों को सरस्वती आराधना श्रेयस्कर रहेगी।

मिथुन (का की कु घ ङ छ के को हा)

मिथुन राशि वाले जातकों के लिए यह वर्ष लाभप्रद व मांगलिककार्य से युक्त रहेगा। नई योजनाओं की क्रियान्विति सम्मान एवं यशप्राप्ति कारक होंगी। शनि के प्रभाव के कारण वाणिज्य के क्षेत्र में लाभ एवं उन्नति कुछ शिथिल रहेगी। यदा कदा पारिवारिक असन्तोष व कलह से व्यथित रह सकते हैं। भ्रम की स्थिति एवं असामान्य घटनाक्रम से सतर्क रहने की आवश्यकता रहेगी। शुभकार्य होने से खर्च बढेगा। परिवार में वृद्धि होने से हर्ष रहेगा। परन्तु मन प्रसन्न नहीं रहेगा। स्वास्थ्य प्रायः ठीक रहेगा। यदा कदा रक्तचाप, उदररोग, शिरोवेदना से कष्ट मिल सकता है। सरकारी सेवारत

लोगों को लाभ की सम्भावना बन रही है। प्राइवेट सेक्टर से जुडे लोगों के लिए भी वर्ष प्राय: ठीक रहेगा। यदा कदा अधिकारी वर्ग से विवाद रह सकता है। राजनीति एवं धार्मिक संस्थाओं से जुडे व्यक्तियों को प्रतिष्ठा व लाभ मिलेगा। चिकित्सा, न्यायालय, मनोरंजन, तकनीकी, सुरक्षा व शिक्षा जगत से जुडे लोगों के लिए यह वर्ष प्राय: लाभकारी रहेगा। महिला वर्ग के लिए यह वर्ष शुभ रहेगा। विशेषत: साहसिककार्यों व खेलकूद से जुडी स्त्रियों के लिए उन्नति व सफलता के अवसर मिलेंगे। विद्यार्थियों को प्रतियोगिताओं में सफलता एवं रोजगार में समुचित अवसर मिल सकते है। अध्ययन की दृष्टि से वर्ष सामन्यत: शुभ रहेगा। परन्तु पढ़ने में रुचि कम रहेगी। तकनीकी क्षेत्र से जुड़े छात्र अधिक उन्नति कर सकते हैं। आपके लिए जुलाई, अगस्त, दिसम्बर एवं फरवरी के महिने प्राय: कष्टदायी हो सकते हैं। शुभफल की प्राप्ति एवं अशुभफलों के प्रभाव को कम करने हेतु दूर्वांकुरों से श्रीगणेश का पूजन एवं दुर्गा सप्तशती का पाठ करना श्रेयस्कर रहेगा। विद्यार्थियों को रुद्राभिषेक व शिवमन्त्र का जाप करना अच्छा रहेगा।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

आपके लिए यह वर्ष मध्यम शुभदायी व उन्नतिदायक रहेगा। वर्ष के प्रारम्भ में आपका प्रभाव बढ़ेगा। धनवृद्धि, मानवृद्धि के योग रहेगें परन्तु वर्ष के उत्तरार्ध में चिन्ताएं व स्वास्थ्य कष्ट रह सकता है। वात एवं पित्त जनित रोग, नेत्र एवं उदर में पीडा हो सकती है। मित्रों व निकट सम्बन्धियों से कष्ट मिल सकता है। शत्रुओं पर विजय प्राप्ति के योग बनते है। धनापव्यय होने से आप दु:खी रहेंगे। पति/पत्नी का स्वास्थ्य शिथिल रहने की सम्भावना है। सन्तति पक्ष की विशेष चिन्ता बनी रहेगी। यात्रा के योग भी बनते हैं। सरकारी कर्मचारियों को अधिक परिश्रम करना पड़ेगा परन्तु अधिकारी वर्ग से अनुकूलता रहेगी। मनोरंजन, व्यापार, न्यायालय, चिकित्सा, कर्मकाण्ड, तकनीकि, सुरक्षा, भवन निर्माण एवं राजनीतिकवर्ग के जातकों के लिए यह वर्ष कुछ लाभ की सम्भावना बनाता है। राजनीति से जुडे लोगों को किसी उच्चपद प्राप्ति की सम्भावना बनाता है। महिलाओं के लिए यह वर्ष शारीरिक कष्टयुक्त एवं पारिवारिक चिन्ता का बना रहेगा। रोजगार के क्षेत्र में संघर्षोपरान्त भी समुचित लाभ न मिलने से मन खिन्न रहेगा। विद्यार्थी वर्ग के लिए वर्ष का पूर्वार्ध मन की अस्थिरता व पढाई मे अरुचिकारक रह सकता है। परन्तु उत्तरार्ध में प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफलता के योग बनते हैं। संगठन के कार्यों में रुचि रहेगी। इस वर्ष भाषा के संयम व धन का निवेश सावधानीपूर्वक करने की आवश्यकता रहेगी। आपके लिए अप्रैल, जुलाई, अगस्त, अक्टूबर एवं जनवरी मास किंचित् कष्टदायी रह सकते हैं। अशुभ प्रभावों से बचाव हेतु आपको शिव एवं शक्ति की उपासना करनी चाहिए। विद्यार्थियों के लिए सरस्वती के बीज मन्त्र का जाप समुचित रहेगा।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

सिंहराशि वाले जातकों के लिए वर्ष का पूर्वार्ध प्राय: कष्टप्रद रहेगा। 26 जून से 26 अक्टूबर के बीच का समय शनि की ढैया के कारण कष्टकारी रहेगा। शनि की ढैया के कारण यदा कदा स्वास्थ्य कष्ट जैसे शिरोवेदना, ज्वर, वातरोग आदि की सम्भावना बनती है। पति/पत्नी को उदरविकार या शल्य चिकित्सा के योग बन सकते हैं। आजीविका सम्बन्धी चिन्ताएं रह सकती है। किसी प्रियजन से विछोह कष्टकारी रहेगा। किन्तु तदुपरान्त उत्तरार्ध कुछ लाभप्रद रहेगा। यह वर्ष संघर्ष के साथ ही पराक्रम के अनुसार लाभप्रद रहेगा। सन्ततिपक्ष से चिन्ता बढेंगी। परिवार में सुखद एवं मांगलिक अवसर बनेंगे। न्यायालयीय विवाद में असफलता सम्भावित है। नौकरीपेशा वाले लोगों का सहकर्मियों से वाद विवाद सम्भावित है। पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। विरोधियों का प्राबल्य रहेगा। स्थान परिवर्तन के योग बनेंगे। व्यापार में धनहानि के योग बन सकते हैं। सरकारी सेवा, प्रशासनिक, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, मनोरंजन आदि क्षेत्रों से जुडे व्यक्ति यदा कदा ही लाभान्वित होंगे । मानहानि की सम्भावना रहेंगी। राजनीति जगत से जुडे लोगों के लिए यह वर्ष संघर्षमय परन्तु लाभ दिलाने वाला हो सकता है। महिलाओं के लिए यह वर्ष मानसिक व शारीरिक कष्टयुक्त रहेगा। आप शिरोवेदना, रक्तविकार एवं त्वचा सम्बन्धित परेशानियों से परेशान रह सकती हैं। विद्यार्थियों के लिए परिश्रम का समय रहेगा। प्रतियोगिता परीक्षाओं में कभी कभी सफलता के योग भी है। इंजीनियरिंग के छात्रों को संघर्ष की स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। । आपके लिए जुलाई, सितम्बर, अक्टूबर एवं फरवरी मास कष्टदायी रह सकते हैं।

अशुभ प्रभावों से बचाव हेतु सूर्य की रोलीमिश्रितजलार्घ्य देकर उपासना करना श्रेयस्कर रहेगा। भगवान नृसिंह की उपासना भी लाभदायक रहेगी। विद्यार्थियों के लिए नीलसरस्वतीस्तोत्र का जाप लाभकारी रहेगा।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

आपके लिए यह वर्ष अधिक परिश्रम एवं प्रायः कष्टकारी रहेगा। प्रायः इस वर्ष शनि की ढैया के प्रभाव से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य शिथिल रह सकता है। वायुविकार व रक्तचापजनित कष्ट एवं वाहनकष्ट की सम्भावना बन सकती है। शिरोवेदना, ज्वर, वात एवं कफजनित रोगों की बहुलता रहेगी। पति/पत्नी का स्वास्थ्य भी खराब रह सकता है। न्यायालयादि से सम्बन्धित विवादों में भाग दौड़ रह सकती है। प्रतिकूल निर्णय मिल सकते हैं। धर्म के प्रति रुचि कम रहेगी। व्यवसायिक असफलताएं मिल सकती है । रोजगार के क्षेत्र में संघर्ष हो सकते हैं। यदा कदा सामाजिक प्रतिष्ठा मिल सकती है परन्तु मित्रों एवं पारिवारिक सदस्यों का सहयोग न मिलने से मन दुःखी रहेगा। आर्थिक स्थिति व भौतिक सुख साधन बढेंगे। अधिक यात्रा के अवसर बनेंगे। रोजगार के क्षेत्र में किये गये प्रयास संघर्ष के बाद सफलता देने वाले होंगे। व्यवसाय में कुछ लाभ होगा। नौकरी पेशा लोगों को परिश्रम करने पर लाभ के साथ पदोन्नति सम्भावित है किन्तु स्वास्थ्य व सम्मान की दृष्टि से समय कुछ प्रतिकूल रहेगा। वायुविकार, उदर, मस्तिष्क, अस्थि, एलर्जी से सम्बन्धित रोगों की सम्भावना बनती है। पति/पत्नी का स्वास्थ्य भी ठीक नहीं रहेगा। धनागम के साथ ही अपव्यय का योग भी बनता है। व्यापार, मनोरंजन, चिकित्सा, भवननिर्माण, इंजीनियरिंग, न्यायालय, खेल एवं राजनीति से जुडे व्यक्तियों के लिए समय संघर्षपूर्ण किन्तु कुछ लाभकारी रहेगा। कृषकवर्ग को कुछ नुकसान सम्भावित है। महिलाओं के लिए यह वर्ष मानसिक परेशानी व शारीरिक कष्टयुक्त रहेगा। सामान्यतः विद्यार्थियों के लिए समय परिश्रम युक्त एवं सफलता प्रद रहेगा। कन्या राशि वाले जातकों के लिए जून, जुलाई, दिसम्बर, फरवरी व मार्च मास कष्टकर हो सकते हैं। अशुभप्रभावों को दूर करने के लिए गणेश एवं विष्णु उपासना श्रेयस्कर रहेगी। विद्यार्थियों के लिए सरस्वती मन्त्र का जाप उत्तम रहेगा।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

तुला राशि वाले जातकों के लिए यह वर्ष सामान्य एवं अनुकूल रहेगा। अप्रत्याशित लाभ होगा। रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। यदा कदा उदर विकार व पैर में दर्द के योग बनते हैं। सामाजिक प्रतिष्ठा एवं आर्थिक स्थिति में लाभ मिलेगा। सन्तति पक्ष से शुभ समाचार मिलेंगे। यात्राओं के योग बनेंगे। कार्यालय से जुडे कर्मचारियों की लाभ की स्थिति बनेगी। अधिक भागदौड़ के कारण असन्तोष रहेगा परन्तु लाभ व भौतिक संसाधनों में वृद्धि होगी। व्यापार, चिकित्सा, मनोरंजन, कर्मकाण्ड, इंजीनियरिंग, भवननिर्माण, पत्रकारिता आदि से सम्बन्धित व्यक्तियों को सामान्य लाभ एवं मानसम्मान मिलेगा। परन्तु राजनीति से जुडे लोगों के लिए समय प्रायः संघर्षपूर्ण एवं अनिश्चितताओं का रहेगा। आपसी मनमुटाव के कारण सहयोगियों के बीच मान-सम्मान की हानि एवं राजनीतिक लाभ के क्षेत्र में हानि सम्भावित है।न्यायालय से जुड़े लोगों को यह वर्ष कुछ प्रतिकूल रह सकता है। सट्टा व्यापारियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। किराना व्यवसायियों को लाभ मिलेगा। महिलाओं के लिए यह वर्ष लाभप्रद रहेगा। अप्रत्याशित सफलतायें मिलेंगी परन्तु यदा कदा शिरोवेदना एवं वायुविकार के कारण चिन्तित रहेंगी। विद्यार्थियों के लिए भी समय प्रायः अच्छा रहेगा। परन्तु पढ़ाई में रुचि की कमी तथा रुकावटें आ सकती हैं। आपके लिए अप्रैल, जून, नवम्बर, जनवरी व फरवरी के मास विशेष कष्टदायी हो सकते हैं। माता दुर्गा की उपासना आपके लिए उत्तम रहेगी। विद्यार्थियों के लिए सरस्वती मन्त्र का जाप करना उत्तम रहेगा।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू)

यह वर्ष आपके लिए प्रायः कष्टकारी रहेगा। परन्तु लाभ की स्थिति रहेगी। शनि की साढे साती का प्रभाव शारीरिक एवं मानसिक रूप से आपको व्यथित करेगा। आर्थिकस्थिति कमजोर रह सकती है। सन्तति पक्ष से कष्ट या असहयोग आपको चिन्तित करेगा। इस समय शत्रुओं की प्रबलता, सम्पत्तिविवाद, न्यायालयीय प्रपंच, पारिवारिक झगडे, सम्मान की कमी, रोज़गार क्षेत्र में असफलता या हानि,पति/पत्नी का असहयोग, स्वयं अथवा पति/पत्नी का स्वास्थ्य शिथिल, वातरोगों की अधिकता, प्रिय जनों

से विछोह, व्यवसाय में हानि, अनावश्यक यात्राएं, यात्रा में चोरी आदि का भय, जैसे कष्ट सम्भावित हैं। वर्ष का पूर्वार्ध कुछ लाभप्रद एवं सन्तोषकारक रहेगा। अधीनस्थ लोगों से सहयोग मिलता रहेंगे। व्यापार, न्यायालय, इंजीनियरिंग, मनोरंजन, कर्मकाण्ड एवं राजनीति से जुडे लोगों के लिए भी समय संघर्ष परन्तु कुछ लाभ का रहेगा। नये अवसर प्राप्त हो सकते हैं। शिक्षा, चिकित्सा एवं पत्रकारिता से जुडे लोगों के लिए समय कुछ प्रतिकूल रह सकता है। धन का निवेश सोच समझ कर करें। महिलाओं के लिए यह वर्ष मानसिक व शारीरिक कष्टयुक्त किन्तु पारिवारिक सुख देने वाला रहेगा।विद्यार्थियों के लिए समय ठीक रहेगा परन्तु परिश्रम की आवश्यकता रहेगी। आपके लिए अप्रैल, मई, जुलाई, सितम्बर, अक्टूबर मास विशेषकष्टदायी रह सकते हैं। अशुभ प्रभावों से बचने हेतु हनुमदुपासना समुचित रहेगी। शनि के प्रीत्यर्थ तेल, लौह एवं काली वस्तुओं का दान करना चाहिए।

धनुराशि (ये यो भा भी भू ध फ ढ भे)

धनु राशि वाले जातकों के लिए यह वर्ष शनि की साढ़े साती के कारण प्राय: सामान्य लाभ देने वाला रहेगा। पारिवारिक सौहार्दता में कमी रहेगी। मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य कुछ कष्टमय रह सकता है। कार्यों में रुकावट, शत्रुओं की प्रबलता, उदर एवं वातरोग सम्बन्धी कष्ट, आर्थिक क्षति, आजीविका के क्षेत्र में संघर्ष व असफलता, पति/पत्नी के स्वास्थ्य में कष्ट, दाम्पत्य जीवन में कलह, सन्तति कष्ट, दुर्घटनादि भय जैसे अशुभ फलों की प्राप्ति सम्भावित है। प्रेम प्रसंगों में असफलता मिल सकती है। व्यापार, नौकरी, चिकित्सा, न्यायालय, भवननिर्माण, इंजीनियरिंग, मनोरंजन जगत से जुडे लोग कुछ लाभ की स्थिति में रहेंगे। शिक्षा जगत से जुडे लोग समुचित सम्मान व लाभ न मिलने के कारण पीड़ा अनुभव करेंगे। राजनीति एवं पत्रकारिता से जुडे व्यक्तियों के लिए भी समय प्रतिकूल रह सकता है। दुर्घटनाओं की स्थिति से व्यथित रहेंगे। भूमि, भवन, सम्पत्ति आदि के क्रय में सावधानी अपेक्षित है। अनावश्यक विवाद की स्थिति बन सकती है। शत्रुओं के द्वारा कार्य में विघ्न बाधाएं डालने के कारण आप व्यथित रहेंगे। महिलाओं के लिए यह वर्ष आर्थिक, मानसिक व शारीरिक कष्टयुक्त रहेगा। विद्यार्थियों के लिए समय परिश्रम का रहेगा। अनावश्यक भाग दौड़ व यात्राओं से व्यथित रहेंगे। आपके लिए मई, अगस्त, सितम्बर, दिसम्बर व जनवरी मास विशेष कष्टदायी रह सकते हैं। शनि के प्रीति हेतु तेल, लौह एवं काली वस्तुओं का दान उत्तम रहेगा। भगवान विष्णु की उपासना एवं सुन्दर काण्ड का पाठ अशुभ प्रभावों को दूर करने में सहायक रहेगा।

मकरराशि (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)

आपके लिए यह वर्ष प्राय: सामान्य लाभ परन्तु किंचित् कष्टकारी रहेगा। वर्ष के पूर्वाद्र्ध में स्वास्थ्य कष्ट, अनावश्यक वाद विवाद, शत्रु भय व दुर्घटनाओं के योग बनते हैं। शनि की साढे साती से प्रभावित होने के कारण कार्यो में रुकावट, शत्रुओं की प्रबलता, उदर एवं वातरोग सम्बन्धी कष्ट, आर्थिक क्षति, आजीविका के क्षेत्र में संघर्ष व असफलता, पति/पत्नी के स्वास्थ्य में कष्ट, दाम्पत्य जीवन में कलह, सन्तति कष्ट, दुर्घटनादि भय, प्रेम प्रसंगों में असफलता जैसे अशुभ फलों की प्राप्ति सम्भावित है। सहयोगियों से अकारण विरोध, आत्मविश्वास की कमी, धन हानि आदि से आप मानसिक कष्ट का अनुभव करेंगे। धन के निवेश में सावधानी अपेक्षित है। अपने विश्वसनीय लोगों से धोखा मिलने से आप व्यथित रह सकते हैं। किसी आत्मीय जन से वियोग कष्ट देगा। सन्तति पक्ष से भी चिन्तित रह सकते हैं परन्तु वे सामान्य गति से अपना कार्य करती रहेंगी। परिवार में शुभकार्य होंगे। कुछ नयी योजनाओं का क्रियान्वयन हो सकता है। वर्ष का उत्तरार्ध कुछ अच्छा रहेगा। मनोरंजन से जुड़े व्यक्तियों के लिए यह वर्ष नये अवसर प्रदान करने वाला रहेगा। व्यापार, चिकित्सा, राजनीति, पत्रकारिता, भवननिर्माण, शिक्षा आदि क्षेत्रों से जुडे लोगों के लिए यह वर्ष कष्टकारी व मान सम्मान में कमी देने वाला रहेगा। तकनीकी क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए यह वर्ष कुछ अच्छा परिणाम देने वाला हो सकता है। वर्ष के उत्तरार्ध में भूमि, भवनादि क्रय के योग बनते हैं। परन्तु सावधानी अपेक्षित रहेगी। महिलाओं के लिए भी यह वर्ष आर्थिक, मानसिक व शारीरिक रूप से अच्छा कम ही रहेगा। विद्यार्थियों के लिए यह वर्ष संघर्ष व परिश्रम का रहेगा। आपके लिए अप्रैल, मई, जुलाई, सितम्बर एवं नवम्बर मास कष्टदायी हो सकते हैं। अशुभ प्रभावों से बचाव हेतु शिवजी एवं हनुमान जी को उपासना श्रेयस्कर रहेगी। शनि के प्रीत्यर्थ तेलादि दान करें।

कुम्भराशि (गु गे गो सा सी सू से सो दा)

कुम्भराशि वाले जातकों के लिए यह वर्ष सामान्यसुख एवं लाभ देने वाला रहेगा। रुके हुए कार्य बनेंगे। भूमि, सम्पत्तिलाभ, व्यावसायिक उन्नति, न्यायालयीय कार्यों में सफलता, आर्थिकलाभ, रोजगार में लाभ एवं नये अवसर आदि मिलेंगे। वाहनसुख एवं उद्देश्यपूर्ण सार्थक यात्राओं के योग बनते हैं। अकस्मात् रुके हुए धन की प्राप्ति हो सकती है। परन्तु संचित धन के अपव्यय का भी योग बनता है। वाहन चलाने में सावधानी रखें । दुर्घटनाओं के योग भी बनते हैं। यदा कदा वातादिरोगजन्य कष्ट, वैवाहिक जीवन में कटुता, पति/पत्नी को स्वास्थ्य कष्ट जैसी परेशानियों का योग भी बनता है। मानसिकदृढता, धैर्य, पराक्रम एवं आत्मबल की कमी से कुछ अच्छे अवसर हाथ से निकल सकते हैं। न्यायालयीय कार्यों में सफलता मिल सकती है। सामान्यतः पत्नी व परिवार से सहयोग व सौहार्दपूर्ण स्थिति रहेगी। वर्ष का पूर्वार्ध सुखद व उपलब्धि देने वाला रहेगा। नये व्यवसाय में कुछ सफलता मिलेगी। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। परन्तु उत्तरार्ध में कुछ नयी परेशानियां आ सकती हैं। आरोप प्रत्यारोपों से आप व्यथित रह सकते हैं। अचानक शत्रुवृद्धि, कार्य में बाधायें, सन्तति पक्ष से असहयोग आदि के कारण मन व्यथित रहेगा। रक्तचाप की शिकायत रहेगी। नौकरी पेशा वाले जातकों के लिए वर्ष उन्नति का है। रोजगार के क्षेत्र में किये गये प्रयास सफल रहेंगे। व्यापार, मनोरंजन, शिक्षा, चिकित्सा, पत्रकारिता, भवननिर्माण, इंजीनियरिंग, सुरक्षा, कर्मकाण्ड, न्यायालय, राजनीति से जुडे व्यक्तियों के लिए यह वर्ष लाभ एवं अपने कार्यो के लिए सम्मान व उन्नति दे सकता है। महिला वर्ग के लिए भी यह वर्ष उन्नतिकारक एवं पारिवारिक सुख व सन्तोष देने वाला रहेगा परन्तु यथोचित मान सम्मान में कमी से खिन्न रहेंगी। विद्यार्थियों के लिए यह वर्ष परिश्रम एवं लाभदायी रहेगा। रोजगार के क्षेत्र में किए गए प्रयास संघर्षोपरान्त ही सफल हो सकते हैं। आपके लिए अगस्त, सितम्बर, नवम्बर,फरवरी व मार्च मास नेष्ट हैं। अशुभ प्रभावों से बचाव हेतु मां काली व शिवजी की उपासना श्रेयस्कर रहेगी।

मीनराशि (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

आपके लिए यह वर्ष उत्तम लाभ प्रद रहेगा। घर में मांगलिक कृत्य हो सकते है। धार्मिक क्रिया कलापों में रुचि बढेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलेगा। धार्मिकयात्राओं के योग बनते हैं। नई योजनाओं की क्रियान्विति से सफलता मिलेगी। रोजगार के नये अवसर सृजित हो सकते हैं परन्तु यदा कदा अपव्यय, खर्च की अधिकता, शारीरिक एवं मानसिक कष्ट, पारिवारिक असन्तोष की स्थितियां आपको व्यथित कर सकती है। यह वर्ष सुख सुविधाओं से परिपूर्ण रहेगा। भोगोपभोग वस्तुओं की खरीदारी में रुचि रह सकती है। सन्तति पक्ष से अनुकूलता रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वाहन चलाने में सावधानी अपेक्षित रहेगी। व्यापार एवं लघु उद्यमों से जुडे लोगों के लिए यह वर्ष सामान्यतः लाभप्रद रहेगा। सरकारी सेवारत लोगों को लाभ, उन्नति एवं पारिवारिक सुख के योग बनते हैं। मनोरंजन, चिकित्सा, पत्रकारिता, इंजीनियरिंग, विज्ञान एवं राजनीति से जुडे लोगों के लिए यह वर्ष उपलब्धियों वाला रह सकता है। साथ ही पदोन्नति व विशेष अधिकार प्राप्त हो सकता है। न्यायालय, कर्मकाण्ड एवं शिक्षा जगत से जुडे व्यक्तियों को भी लाभ के साथ ही सम्मान प्राप्त होगा। महिलावर्ग के लिए भी यह वर्ष उन्नति, लाभ एवं अनेक सुख सुविधा से परिपूर्ण रहेगा परन्तु बच्चों के स्वास्थ्य की प्रतिकूलता से चिन्तित रह सकती हैं। यदा कदा स्वयं भी तनाव, कार्याधिकता, उदरकष्ट, शिरोवेदना आदि से परेशान रह सकती हैं। विद्यार्थियों के लिए यह वर्ष सफलता देने वाला एवं आजीविका क्षेत्र में लाभ दिलाने वाला होगा। आपके लिए जून, जुलाई, सितम्बर, नवम्बर व जनवरी मास नेष्ट हैं। अशुभ प्रभावों से बचाव हेतु विष्णु की उपासना श्रेयस्कर रहेगी।

ग्रहाः राज्यं प्रयच्छन्ति ग्रहाः राज्यं हरन्ति च।
ग्रहाधीनं जगत्सर्वमिति मे निश्चिता मतिः।।

देवब्राह्मणवन्दनाद्गुरुवचः सम्पादनात्प्रत्यहं
साधूनामभिभाषणाच्छ्रुतिरवश्रेयस्कथाकर्णनात्।
होमादध्वरदर्शनाच्छुचिमनोभावाज्जपाद्दानतो
नो कुर्वन्ति कदाचिदेव पुरुषस्यैवं ग्रहाः पीडनम्।।

ग्रहण विवरण 2017-18

वि.सं. 2074(2017-18ई.) में समस्त विश्व में 2 सूर्यग्रहण व 2 चन्द्रग्रहण दिखाई देंगे। इनमें से कोई भी सूर्यग्रहण भारत में दृश्य नहीं होगा। इस वर्ष केवल 2 चन्द्रग्रहण ही भारत में दृश्यमान होगें। इनका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है-

1. भारत में दृश्य आंशिक चन्द्रग्रहण (07 अगस्त 2017 ई.)- यह चन्द्र ग्रहण सम्पूर्ण भारत में दृश्य होगा। इस ग्रहण का आरम्भ रात्रि 22:52 से होगा। ग्रहण मध्यकाल 23:51 बजे रहेगा। ग्रहण की समाप्ति 24:49 पर होगी। इस प्रकार कुल 1घण्टा 57 मिनट ग्रहण का स्थितिकाल रहेगा। इस ग्रहण का सूतक 07 अगस्त 2017 ई. को 13:52 बजे से आरम्भ हो जायेगा। सूतक काल में शिशुओं, गर्भवती महिलाओं, वृद्धों एवं निःशक्त व्यक्तियों को छोडकर अन्य को भोजनादि नहीं करना चाहिए। ग्रहण समय में स्नान, जप, दान इत्यादि का अत्यधिक महत्व धर्मशास्त्रों में कहा गया है। ग्रहण मकरराशि एवं श्रवणनक्षत्र में है अतः इन राशि व नक्षत्र वाले जातकों के लिए विशेष कष्टकारी रहेगा। बृहत्संहिता (राहुचारा. श्लोक 41)के अनुसार - **हन्यान्मृगे तु झषमन्त्रिकुलानि नीचान्। मन्त्रौषधीषु कुशलान् स्थविरायुधीयान्।** अर्थात् यह ग्रहण मछलियों, मन्त्रिवर्ग व उनके परिवार, नीचकर्म करने वालों, मन्त्रौषधि का ज्ञान रखने वालों, वृद्धों तथा शस्त्रधारियों के लिए कष्टकारी है। सभी राशियों के लिए इसका शुभाशुभ निम्नप्रकार से है -

मेष - शारीरिक व पारिवारिक सुख
वृष - रोग, अपमान एवं व्ययाधिक्य
मिथुन - चिन्ता एवं कष्ट
कर्क - स्त्री/ पति कष्ट व अपमान
सिंह - कार्यसिद्धि व सुख
कन्या - सन्तति कष्ट, चिन्ता, अपव्यय एवं भय
तुला - कष्ट व अपमान
वृश्चिक- कार्यसिद्धि व धनप्राप्ति
धनु - धनहानि व पारिवारिक कलह
मकर - चोटभय एवं कष्ट
कुम्भ - धन का अपव्यय एवं वाणिज्य हानि
मीन - धनलाभ एवं कार्यसिद्धि

2. भारत में अदृश्य सूर्य ग्रहण (21 अगस्त 2017 ई.)- यह सूर्य ग्रहण दिनांक 21 अगस्त 2017 ई. को हवाई, उत्तरी पश्चिमी प्रशान्त महासागर,उत्तरी अमेरिका, मध्य अमेरिका,दक्षिण अमेरिका के उत्तरी भागों, यूरोप के पश्चिमी भाग एवं पश्चिमी अफ्रीका के कुछ क्षेत्रों में ही भारतीय मानक समयानुसार 21:17 से 26:34 बजे के बीच ही दृश्य होगा। भारत में यह ग्रहण दिखाई नहीं देगा अतः इससे सम्बन्धित सूतकादि कृत्य भी विचारणीय नहीं होंगे।

3. भारत में दृश्य पूर्णचन्द्रग्रहण (31जनवरी 2018 ई)- यह पूर्णचन्द्रग्रहण सम्पूर्ण भारत में दृश्य होगा। भारतीय मानक समय में ग्रहण का विवरण निम्नलिखित है -

ग्रहण स्पर्श	-	17:18 बजे
पूर्णग्रहण प्रारम्भ (सम्मीलन काल)	-	18:21 बजे
ग्रहण मध्यकाल	-	19:00 बजे
पूर्णग्रहण समाप्ति (उन्मीलनकाल)	-	19:38 बजे
ग्रहण मोक्ष	-	20:42 बजे

यह ग्रहण दिल्ली में चन्द्रोदय 17: 54 के पश्चात् ही ग्रस्तोदित दृश्य

होगा । इस ग्रहण का सूतक 31जनवरी 2018 को प्रात: 08:18 से प्रारम्भ हो जायेगा। ग्रहण प्राय: आश्लेषानक्षत्र एवं कर्कराशि में है, अत: इन राशि व नक्षत्र वाले जातकों के लिए विशेष कष्टकारी रहेगा। बृहत्संहिता (राहुचारा. श्लोक 38)के अनुसार - **आभीरांछवरान् सपह्लवान् मल्लान् मत्स्यकुरूंछकानपि। पांचालान् विकलांश्च पीडयन्नं चापि निहन्ति कर्कटे** ।।अर्थात् अहीर, शबर, पह्लवजाति के लोग, पहलवान, मत्स्य देश के लोग, कुरु प्रदेश , शक, पांचाल देश के लोग और विकलांग व्यक्ति इस ग्रहण से पीडा प्राप्त करेंगे।सभी राशियों के लिए इसका शुभाशुभ निम्नप्रकार से है -

मेष - कष्ट व अपमान
वृष - कार्यसिद्धि व धनप्राप्ति
मिथुन - धनहानि व पारिवारिक कलह
कर्क - चोटभय एवं कष्ट
सिंह - धन का अपव्यय एवं वाणिज्य हानि
कन्या - धनलाभ एवं कार्यसिद्धि
तुला - शारीरिक व पारिवारिक सुख
वृश्चिक- रोग, अपमान एवं व्ययाधिक्य
धनु - चिन्ता एवं कष्ट
मकर - स्त्री/ पति कष्ट व अपमान
कुम्भ - कार्यसिद्धि व सुख
मीन - सन्तति कष्ट, चिन्ता, अपव्यय एवं भय

3. भारत में अदृश्य सूर्य ग्रहण (15 फरवरी 2018 ई.)- यह सूर्य ग्रहण दिनांक 15 फरवरी 2018 ई. को दक्षिणी अमेरिका के दक्षिण भाग, अंटार्कटिका के क्षेत्रों में ही भारतीय मानक समयानुसार 24:26 से 28:17 बजे के बीच ही दृश्य होगा। भारत में यह ग्रहण दिखाई न देने के कारण इसके सूतकादि कृत्य विचारणीय नहीं हैं।

- सूर्य नक्षत्र प्रवेश -

नक्षत्र	दिनांक	समय
रेवती	31.03.2017	12:39
अश्विनी	13.04.2017	26:01
भरणी	27.04.2017	17:50
कृत्तिका	11.05.2017	12:00
रोहिणी	25.05.2017	08:13
मृगशिरा	08.06.2017	06:05
आर्द्रा	21.06.2017	29:05
पुनर्वसु	05.07.2017	28:39
पुष्य	19.07.2017	28:10
आश्लेषा	02.08.2017	27:04
मघा	16.08.2017	24:45
पू.फा.	30.08.2017	20:43
उ.फा.	13.09.2017	14:37
हस्त	26.09.2017	30:07
चित्रा	10.10.2017	19:08
स्वाती	23.10.2017	29:38
विशाखा	06.11.2017	13:46
अनुराधा	19.11.2017	19:47
ज्येष्ठा	02.12.2017	24:05
मूल	15.12.2017	27:06
पू.षा.	28.12.2017	29:19
उ.षा.	10.01.2018	31:18
श्रवण	24.01.2018	09:36
धनिष्ठा	06.02.2018	12:46
शतभिषा	19.02.2018	17:16
पू.भा.	04.03.2018	23:34

ग्रहों का राशिप्रवेशकाल विचार

2017-18 (भा.स्टै.समय में)

-सूर्य राशि प्रवेश -

राशि	दिनांक	समय	संक्रान्ति पुण्यकाल
मेष	13.04.2017	26:01	दूसरे दिन मध्याह्न तक
वृष	14.05.2017	22:52	मध्याह्न से सूर्यास्त तक
मिथुन	15.06.2017	05:29	प्रात: से 11:54तक
कर्क	16.07.2017	16:21	09:55 से पूरे दिन तक
सिंह	16.08.2017	24:45	दूसरे दिन मध्याह्न तक
कन्या	16.09.2017	24:42	दूसरे दिन मध्याह्न तक
तुला	17.10.2017	12:41	मध्याह्न तक
वृश्चिक	16.11.2017	12:28	पूरे दिन
धनु	15.12.2017	27:06	दूसरे दिन मध्याह्न तक
मकर	14.01.2018	13:50	पूरे दिन
कुम्भ	12.02.2018	26:48	दूसरे दिन मध्याह्न तक
मीन	14.03.2018	23:39	मध्याह्न से सूर्यास्त तक

- मंगल राशि प्रवेश -

राशि	दिनांक	समय
वृष	12.04.2017	26:56
मिथुन	26.05.2017	24:16
कर्क	11.07.2017	13:45
सिंह	27.08.2017	07:31
कन्या	13.10.2017	15:17
तुला	29.11.2017	28:53
वृश्चिक	16.01.2018	29:01
धनु	07.03.2018	18:45

- बुध राशि प्रवेश -

राशि	दिनांक	समय
मेष	26.03.2017	30:10
वृष	03.06.2017	21:00
मिथुन	18.06.2017	22:43
कर्क	02.07.2017	26:09
सिंह	21.07.2017	10:30
कन्या	26.09.2017	25:02
तुला	13.10.2017	23:43
वृश्चिक	01.11.2017	24:05
धनु	24.11.2017	10:35
वृश्चिक(वक्री)	10.12.2017	27:59
धनु (मार्गी)	06.01.2018	20:24
मकर	27.01.2018	25:20
कुम्भ	14.02.2018	26:42
मीन	02.03.2018	30:44

- गुरु राशि प्रवेश -

राशि	दिनांक	समय
तुला	12.09.2017	14:06

- शुक्र राशि प्रवेश -

राशि	दिनांक	समय
मेष	31.05.2017	09:57
वृष	29.06.2017	21:11
मिथुन	26.07.2017	17:50
कर्क	21.08.2017	10:45
सिंह	15.09.2017	10:26
कन्या	09.10.2017	21:33
तुला	02.11.2017	24:02
वृश्चिक	26.11.2017	21:55
धनु	20.12.2017	18:12
मकर	13.01.2018	14:26
कुम्भ	06.02.2018	11:34
मीन	02.03.2018	11:15

- शनि राशि प्रवेश -

राशि	दिनांक	समय
वृश्चिक(वक्री)	20.06.2017	11:49
धनु (मार्गी)	26.10.2017	25:52

- राहु/केतु राशि प्रवेश -

राशि	दिनांक	समय
कर्क/मकर	17.08.2017	21:38

विक्रम संवत् 2074 (ई०सन् 2017-18) के प्रमुख व्रत, पर्व एवं उत्सव

व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक	व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक	व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक
वासन्तिक नवरात्रारम्भ	28.03.2017	बगुलामुखी जयन्ती	04.05.2017	शीतला अष्टमी	17.06.2017
मत्स्य जयन्ती	30.03.2017	चण्डिका पूजन	05.05.2017	शनैश्चरी अमावस्या	24.06.2017
सौभाग्य गौरीव्रतम्	30.03.2017	सीता जयन्ती	05.05.2017	गुप्त नवरात्रारम्भ	24.06.2017
विनायक चतुर्थी व्रतम्	31.03.2017	रविन्द्रनाथ टैगोर जयन्ती	07.05.2017	श्री जगन्नाथ यात्रा	25.06.2017
श्री पंचमी	01.04.2017	नृसिंह जयन्ती	09.05.2017	स्कन्द/कुमार षष्ठी	29.06.2017
स्कन्द षष्ठी	02.04.2017	कूर्म जयन्ती	10.05.2017	महिषासुरमर्दिनी पूजा	01.07.2017
दुर्गाष्टमी व्रत	04.04.2017	बुद्ध पूर्णिमा	10.05.2017	भडरी नवमी	02.07.2017
रामनवमी(स्मा./वै.)	04/05.04.2017	सम्पद्गौरी व्रत	10.05.2017	गुप्त नवरात्र समाप्त	02.07.2017
देवी विसर्जन	06.04.2017	भानू सप्तमी	18.05.2017	वासुदेव द्वादशी	05.07.2017
धर्मराज दशमी	06.04.2017	शीतला अष्टमी	19.05.2017	कोकिला व्रत	08.07.2017
वामन द्वादशी	08.04.2017	वट सावित्री व्रत	25.05.2017	गुरु/व्यास पूर्णिमा	09.07.2017
महावीर जयन्ती	09.04.2017	भावुका अमावस्या	25.05.2017	मधुश्रावणी	14.07.2017
वैशाखी	13.04.2017	शनैश्चर जयन्ती	25.05.2017	शीतला सप्तमी	16.07.2017
कोकिला षष्ठी	17.04.2017	रम्भा तृतीया	28.05.2017	हरियाली अमावस्या	23.07.2017
शीतला अष्टमी	19.04.2017	महाराणाप्रताप जयन्ती	28.05.2017	चन्द्रशेखर आज़ाद जयन्ती	23.07.2017
शिवाजी जयन्ती	28.04.2017	उमा पूजन व्रत	29.05.2017	नाग पंचमी	28.07.2017
परशुराम जयन्ती	28.04.2017	गुरु अर्जुन देव शहीदी दिवस	29.05.2017	श्री कल्की जयन्ती	28.07.2017
अक्षय तृतीया	29.04.2017	आरण्यक गौरी व्रत	31.05.2017	सूर्य पूजा/भानु सप्तमी	30.07.2017
गौरी पूजा	29.04.2017	स्कन्द षष्ठी	31.05.2017	श्री तुलसी दास जयन्ती	30.07.2017
बलराम जयन्ती	29.04.2017	विन्ध्यवासिनी पूजन	31.05.2017	कौमारी देवी पूजा	31.07.2017
आदिगुरु शंकराचार्य जयन्ती	30.04.2017	गंगा दशहरा	04.06.2017	दधिव्रत	02.08.2017
रामानुजाचार्य जयन्ती	01.05.2017	रामेश्वर प्रतिष्ठा	04.06.2017	दामोदर द्वादशी	04.08.2017
चन्दन षष्ठी	01.05.2017	चम्पक द्वादशी	06.06.2017	रक्षा बन्धन	07.08.2017
गंगोत्पत्ति	02.05.2017	त्रिविक्रम द्वादशी	06.06.2017	कज्जली तृतीया	10.08.2017

विक्रम संवत् 2074 (ई०सन् 2017-18) के प्रमुख व्रत, पर्व एवं उत्सव

व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक	व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक	व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक
ललही छठ	13.08.2017	जीवित पुत्रिका व्रत	13.09.2017	धनवन्तरी जयन्ती	17.10.2017
हल षष्ठी	13.08.2017	नवमी का श्राद्ध	14.09.2017	धनतेरस	17.10.2017
श्रीकृष्णजन्माष्टमी स्मा./वै.	14/15.08.2017	मातृ नवमी	14.09.2017	नरक चतुर्दशी	18.10.2017
स्वतन्त्रता दिवस	15.08.2017	दशमी का श्राद्ध	15.09.2017	यम तर्पण	18.10.2017
कुशोत्पाटिनी अमावस्या	21.08.2017	एकादशी का श्राद्ध	16.09.2017	दीपावली	19.10.2017
हरितालिका तीज	24.08.2017	द्वादशी का श्राद्ध	17.09.2017	महालक्ष्मी पूजा	19.10.2017
ऋषि पंचमी	26.08.2017	त्रयोदशी/चतुर्दशी का श्राद्ध	18.09.2017	अन्नकूट	20.10.2017
सूर्य षष्ठी	27.08.2017	अमावस्या का श्राद्ध	19.09.2017	गोवर्धन पूजा	20.10.2017
नन्दा देवी पूजा	29.08.2017	सर्व पितृ विसर्जन	19.09.2017	विश्वकर्मा पूजा	21.10.2017
राधा अष्टमी	29.08.2017	शारदीय नवरात्रारम्भ	21.09.2017	भैयादूज, यमद्वितीया	21.10.2017
दूर्वा अष्टमी	29.08.2017	कलश स्थापना	21.09.2017	सूर्यषष्ठी व्रत	26.10.2017
अदु:ख नवमी	30.08.2017	उपांगललिता व्रत	25.09.2017	अक्षय नवमी, कूष्माण्ड नवमी	29.10.2017
दशावतार व्रत	31.08.2017	सरस्वती आवाहन	27.09.2017	हरिप्रबोधिनी एकादशी	31.10.2017
शक्र द्वादशी	03.09.2017	महानिशा पूजा	27.09.2017	तुलसी विवाह	01.11.2017
अनन्तचतुर्दशी व्रत	05.09.2017	महाष्टमी व्रत	28.09.2017	वैकुण्ठ चतुर्दशी	02.11.2017
शिक्षक दिवस	05.09.2017	महानवमी व्रत	29.09.2017	विश्वनाथ स्थापना दिवस	03.11.2017
प्रतिपदा का श्राद्ध	06.09.2017	विजया दशमी	30.09.2017	गुरु नानक जयन्ती	04.11.2017
द्वितीया का श्राद्ध	07.09.2017	शरद पूर्णिमा	05.10.2017	देव दीपावली	04.11.2017
तृतीया का श्राद्ध	08.09.2017	कार्त्तिक स्नान प्रारम्भ	05.10.2017	कार्तिकव्रत पारणा	05.11.2017
चतुर्थी का श्राद्ध	09.09.2017	वाल्मीकि जयन्ती	05.10.2017	कालभैरवाष्टमी	10.11.2017
पंचमी का श्राद्ध	10.09.2017	करवाचौथ व्रत	08.10.2017	रुक्मिणी व्रत	10.11.2017
षष्ठी का श्राद्ध	11.09.2017	अहोई अष्टमी	12.10.2017	बालदिवस, नेहरूजयन्ती	14.11.2017
सप्तमी का श्राद्ध	12.09.2017	राधा अष्टमी	12.10.2017	शनैश्चरी अमावस्या	18.11.2017
अष्टमी का श्राद्ध	13.09.2017	गोवत्स द्वादशी	16.10.2017	रुद्रव्रत	19.11.2017

विक्रम संवत् 2074 (ई०सन् 2017-18) के प्रमुख व्रत, पर्व एवं उत्सव

व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक	व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक	व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक
रामविवाहोत्सव	23.11.2017	मौनी अमावस्या	16.01.2018	रंगभरी एकादशी	26.02.2018
संहार षष्ठी	24.11.2017	गौरी तृतीया व्रत	20.01.2018	गोविन्द द्वादशी	27.02.2018
मल्लार षष्ठी	24.11.2017	तिल चतुर्थी	21.01.2018	कामदहन चतुर्दशी	28.02.2018
चम्पा षष्ठी	24.11.2017	वसन्त पंचमी	22.01.2018	होलिकादहन	01.03.2018
महानवमीव्रत	28.11.2017	सरस्वती पूजा	22.01.2018	होलिकाष्टक समाप्ति	01.03.2018
गीता जयन्ती	30.11.2017	श्रीपंचमी	22.01.2018	चैतन्यमहाप्रभु जयन्ती	01.03.2018
अखण्ड द्वादशी	01.12.2017	मदनपंचमी	22.01.2018	होली (धुलण्डी)	02.03.2018
मत्स्य द्वादशी	01.12.2017	नेताजी सुभाष जयन्ती	23.01.2018	होलिका भस्मधारण	02.03.2018
श्रीदत्त जयन्ती	02.12.2017	रथसप्तमी	24.01.2018	वसन्तोत्सव	02.03.2018
अष्टका श्राद्ध	10.12.2017	अभोज्यार्कव्रत	24.01.2018	रतिकाम महोत्सव	02.03.2018
पार्श्वनाथ जयन्ती	12.12.2017	भीमाष्टमी	25.01.2018	आम्रकलिका प्राशन	02.03.2018
सुरूपद्वादशी	14.12.2017	नन्दिनीदेवी पूजन	26.01.2018	रंग पंचमी	06.03.2018
सोमवती अमावस्या	18.12.2017	गणतन्त्रदिवस	26.01.2018	मेला नौचंदी प्रारम्भ(मेरठ)	06.03.2018
पौषी/बकुला अमावस्या	18.12.2017	भक्त पुण्डरीक उत्सव	28.01.2018	स्कन्द षष्ठी	07.03.2018
कूर्मद्वादशी	30.12.2017	सन्तान द्वादशी	28.01.2018	व्यष्टका श्राद्ध	08.03.2018
माघस्नानारम्भ	02.01.2018	माघस्नान समाप्ति	31.01.2018	मेला नौचंदी समाप्त(मेरठ)	08.03.2018
स्वामी विवेकानन्द जयन्ती	12.01.2018	सन्त रैदास जयन्ती	31.01.2018	भानुसप्तमी	08.03.2018
लोहड़ी	13.01.2018	महाशिवरात्रि व्रत	13.02.2018	शीतला पूजा/बासोड़ा	09.03.2018
तिलद्वादशी	13.01.2018	ब्रह्म पूजा	15.02.2018	अष्टकाश्राद्ध	09.03.2018
खिचडी संक्रान्ति	14.01.2018	रामकृष्ण परमहंस जयन्ती	17.02.2018	अन्वष्टका श्राद्ध	10.03.2018
पोंगल(द.भा.)	14.01.2018	पुत्र गणपति व्रत	19.02.2018	दशामाता व्रत पूजा	12.03.2018
बिहू (आसाम)	14.01.2018	कामदा सप्तमी व्रत	22.02.2018	रंग तेरस	15.03.2018
माघी (हिमाचल)	14.01.2018	होलाष्टक प्रारम्भ	22.02.2018	शनैश्चरी अमावस्या	17.03.2018
तिल संक्रान्ति	14.01.2018	सीता पूजन	23.02.2018	विक्रम संवत् समाप्ति	17.03.2018

विक्रम संवत् 2074 (ई०सन् 2017-18) के प्रमुख व्रत, पर्व एवं उत्सव

विनायक चतुर्थी व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
चैत्र	शुक्ल	31.03.2017
वैशाख	शुक्ल	29.04.2017
ज्येष्ठ	शुक्ल	29.05.2017
आषाढ	शुक्ल	27.06.2017
श्रावण	शुक्ल	26.07.2017
भाद्रपद	शुक्ल	25.08.2017
आश्विन	शुक्ल	24.09.2017
कार्तिक	शुक्ल	23.10.2017
मार्गशीर्ष	शुक्ल	22.11.2017
पौष	शुक्ल	22.12.2017
माघ	शुक्ल	21.01.2018
फाल्गुन	शुक्ल	19.02.2018

संकष्ट चतुर्थी व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
वैशाख	कृष्ण	14.04.2017
ज्येष्ठ	कृष्ण	14.05.2017
आषाढ	कृष्ण	13.06.2017
श्रावण	कृष्ण	12.07.2017
भाद्रपद	कृष्ण	11.08.2017
आश्विन	कृष्ण	09.09.2017
कार्तिक	कृष्ण	08.10.2017
मार्गशीर्ष	कृष्ण	07.11.2017
पौष	कृष्ण	06.12.2017
माघ	कृष्ण	04.01.2018
फाल्गुन	कृष्ण	03.02.2018
चैत्र	कृष्ण	05.03.2018

दुर्गाष्टमी व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
चैत्र	शुक्ल	04.04.2017
वैशाख	शुक्ल	04.05.2017
ज्येष्ठ	शुक्ल	02.06.2017
आषाढ	शुक्ल	01.07.2017
श्रावण	शुक्ल	31.07.2017
भाद्रपद	शुक्ल	29.08.2017
आश्विन	शुक्ल	28.09.2017
कार्तिक	शुक्ल	28.10.2017
मार्गशीर्ष	शुक्ल	27.11.2017
पौष	शुक्ल	26.12.2017
माघ	शुक्ल	25.01.2018
फाल्गुन	शुक्ल	23.02.2018

कालाष्टमी व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
वैशाख	कृष्ण	19.04.2017
ज्येष्ठ	कृष्ण	18.05.2017
आषाढ	कृष्ण	17.06.2017
श्रावण	कृष्ण	16.07.2017
भाद्रपद	कृष्ण	14.08.2017
आश्विन	कृष्ण	13.09.2017
कार्तिक	कृष्ण	12.10.2017
मार्गशीर्ष	कृष्ण	10.11.2017
पौष	कृष्ण	10.12.2017
माघ	कृष्ण	08.01.2018
फाल्गुन	कृष्ण	07.02.2018
चैत्र	कृष्ण	09.03.2018

मास शिवरात्रि व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
वैशाख	कृष्ण	24.04.2017
ज्येष्ठ	कृष्ण	24.05.2017
आषाढ	कृष्ण	22.06.2017
श्रावण	कृष्ण	21.07.2017
भाद्रपद	कृष्ण	20.08.2017
आश्विन	कृष्ण	18.09.2017
कार्तिक	कृष्ण	18.10.2017
मार्गशीर्ष	कृष्ण	16.11.2017
पौष	कृष्ण	16.12.2017
माघ	कृष्ण	15.01.2018
फाल्गुन	कृष्ण	13.02.2018
चैत्र	कृष्ण	15.03.2018

एकादशी व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
चैत्र	शुक्ल	07.04.2017
वैशाख	कृष्ण स्मा./वै.	22/23.04.2017
वैशाख	शुक्ल	06.05.2017

विक्रम संवत् 2074 (ई०सन् 2017-18) के प्रमुख व्रत, पर्व एवं उत्सव

मास	पक्ष	दिनांक	वैशाख	शुक्ल	08.05.2017
ज्येष्ठ	कृष्ण	22.05.2017	ज्येष्ठ	कृष्ण	23.05.2017
ज्येष्ठ	शुक्ल	05.06.2017	ज्येष्ठ	शुक्ल	06.06.2017
आषाढ	कृष्ण	20.06.2017	आषाढ	कृष्ण	21.06.2017
आषाढ	शुक्ल	04.07.2017	आषाढ	शुक्ल	06.07.2017
श्रावण	कृष्ण स्मा./वै.	19/20.07.2017	श्रावण	कृष्ण	21.07.2017
श्रावण	शुक्ल	03.08.2017	श्रावण	शुक्ल	04.08.2017
भाद्रपद	कृष्ण	18.08.2017	भाद्रपद	कृष्ण	19.08.2017
भाद्रपद	शुक्ल	02.09.2017	भाद्रपद	शुक्ल	03.09.2017
आश्विन	कृष्ण	16.09.2017	आश्विन	कृष्ण	17.09.2017
आश्विन	शुक्ल	01.10.2017	आश्विन	शुक्ल	03.10.2017
कार्तिक	कृष्ण	15.10.2017	कार्तिक	कृष्ण	17.10.2017
कार्तिक	शुक्ल	31.10.2017	कार्तिक	शुक्ल	01.11.2017
मार्गशीर्ष	कृष्ण	14.11.2017	मार्गशीर्ष	कृष्ण	15.11.2017
मार्गशीर्ष	शुक्ल	30.11.2017	मार्गशीर्ष	शुक्ल	01.12.2017
पौष	कृष्ण	13.12.2017	पौष	कृष्ण	15.12.2017
पौष	शुक्ल	29.12.2017	पौष	शुक्ल	30.12.2017
माघ	कृष्ण	12.01.2018	माघ	कृष्ण	14.01.2018
माघ	शुक्ल	28.01.2018	माघ	शुक्ल	29.01.2018
फाल्गुन	कृष्ण	11.02.2018	फाल्गुन	कृष्ण	13.02.2018
फाल्गुन	शुक्ल	26.02.2018	फाल्गुन	शुक्ल	27.02.2018
चैत्र	कृष्ण	13.03.2018	चैत्र	कृष्ण	14.03.2018

मास	पक्ष	दिनांक
ज्येष्ठ	शुक्ल	08.06.2017
आषाढ	शुक्ल	08.07.2017
श्रावण	शुक्ल	07.08.2017
भाद्रपद	शुक्ल	05.09.2017
आश्विन	शुक्ल	05.10.2017
कार्तिक	शुक्ल	03.11.2017
मार्गशीर्ष	शुक्ल	03.12.2017
पौष	शुक्ल	01.01.2018
माघ	शुक्ल	31.01.2018
फाल्गुन	शुक्ल	01.03.2018

प्रदोष व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
चैत्र	शुक्ल	08.04.2017
वैशाख	कृष्ण	24.04.2017

पूर्णिमा व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
चैत्र	शुक्ल	10.04.2017
वैशाख	शुक्ल	10.05.2017

सूर्यसंक्रान्ति पुण्यकाल

राशि	दिनांक	समय
मेष	14.04.2017	मध्याह्न तक
वृष	14.05.2017	मध्याह्न से
मिथुन	15.06.2017	11:54 तक
कर्क	16.07.2017	09:55 से
सिंह	17.08.2017	मध्याह्न तक
कन्या	17.09.2017	मध्याह्न तक
तुला	17.10.2017	मध्याह्न तक
वृश्चिक	16.11.2017	पूरे दिन
धनु	16.12.2017	मध्याह्न तक
मकर	14.01.2018	पूरे दिन
कुम्भ	13.02.2018	मध्याह्न तक
मीन	14.03.2018	मध्याह्न से

विक्रमसंवत् 2074, शाके 1939, चैत्र शुक्ल पक्ष (दिनांक 28 मार्च से 11 अप्रैल 2017 ई. तक)

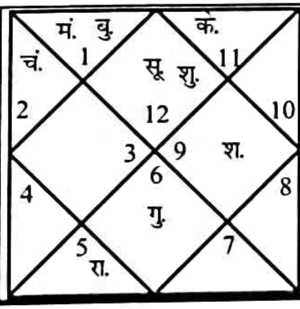
'साधारण 'संवत्सर, उत्तरायण, उत्तर गोल, वसन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2184 अयनांश 24/04/51

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	मंगल	58	39	29	47	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	06	20	18	33	30	32	26	16	मीन	15चै	28मार्च	नववर्षारम्भ,कल्पादि,वसन्तनवरात्रारम्भA
2	बुध	51	58	27	05	रेवती	13	31	11	43	ऐन्द्र	21	19	बालव	25	18	06	19	18	33	30	36	25	57	मेष11:43	16	29	चन्द्रदर्शन, पंचक समाप्ति 11:43
3	गुरु	43	52	23	50	अश्विनी	07	53	09	26	वैधृति	12	10	तैतिल	17	55	06	17	18	34	30	41	25	38	मेष	17	30	मत्स्यजयन्ती, स्वायम्भुवमन्वादि:,गणगौरीB
4	शुक्र	36	01	20	40	भरणी	02	08	07	07	विष्कुम्भ	03	00	वणिज	09	57	06	16	18	34	30	45	25	20	वृष18:01	18	31	भद्रा 10:15 से 20:40 तक, C
						कृत्तिका	56	39	28	56	प्रीति	54	05															
5	शनि	28	45	17	45	रोहिणी	51	05	26	41	आयुष्मान	45	05	बव	02	23	06	15	18	35	30	49	25	01	वृष	19	01अप्रैल	श्रीपंचमी, श्वेतवाराहकल्पादि,उडीसादिवस
6	रवि	22	19	15	09	मृगसिरा	46	47	24	56	सौभाग्य	37	12	तैतिल	22	19	06	14	18	36	30	54	24	43	मिथुन13:48	20	02	स्कन्दषष्ठी, सूर्य षष्ठीव्रत (विहार)
7	सोम	16	55	12	59	आर्द्रा	43	38	23	40	शोभन	30	14	वणिज	16	55	06	13	18	36	30	58	24	24	मिथुन	21	03	भद्रा 12:59 से 24:07 तक D
8	मंगल	12	39	11	15	पुनर्वसु	41	42	22	52	अतिगण्ड	24	13	बव	12	39	06	12	18	37	31	02	24	06	कर्क17:04	22	04	दुर्गाष्टमी,रामनवमी (स्मा.), भवानीयात्रा,E
9	बुध	09	35	10	00	पुष्य	41	01	22	34	सुकर्मा	19	13	कौलव	09	35	06	10	18	37	31	06	23	48	कर्क	23	05	नवरात्रसमाप्त,रामनवमो(वै.)नवमी होमादि
10	गुरु	07	43	09	14	आश्लेषा	41	30	22	45	धृति	15	08	गर	07	43	06	09	18	38	31	10	23	31	सिंह22:45	24	06	भद्रा 21:04 से, नवरात्र पारणा F
11	शुक्र	06	59	08	55	मघा	43	03	23	21	शूल	11	57	विष्टि	06	59	06	08	18	38	31	15	23	13	सिंह	25	07	भद्रा 08:55तक,कामदा एकादशी G
12	शनि	07	19	09	02	पू.फा.	45	37	24	22	गण्ड	09	36	बालव	07	19	06	07	18	39	31	19	22	56	सिंह	26	08	वामनद्वादशी, अनन्तपूजा, दमनोत्सव, H
13	रवि	08	37	09	33	उ.फा.	49	03	25	43	वृद्धि	08	00	तैतिल	08	37	06	06	18	39	31	23	22	39	कन्या06:42	27	09	शैवचतुर्दशी, श्रीमहावीरजयन्ती (जैन) I
14	सोम	10	51	10	25	हस्त	53	21	27	25	ध्रुव	07	07	वणिज	10	51	06	05	18	40	31	27	22	23	कन्या	28	10	भद्रा 10:25से 23:01तक, पूर्णिमाव्रत.
15	मंगल	13	55	11	38	चित्रा	58	24	29	25	व्याघात	06	53	बव	13	55	06	04	18	40	31	31	22	07	तुला16:25	29	11	स्नानदानादिपूर्णिमा,सत्यनारायणव्रत J

A वि.सं.2074प्रारम्भ,घटस्थापन,गुडी परवा। **B** तृतीया,शिवदोलोत्सव:,सौभाग्यगौरीव्रतम् **C** विनायकचतुर्थी,दमनकचतुर्थी। **D**अन्नपूर्णापरिक्रमा प्रारम्भ,महानिशा पूजा।**E** अन्नपूर्णा पूजा**F**धर्मराजदशमी,देवीविसर्जन**G** कामदाएकादशी व्रत (समस्त),विष्णुदोलोत्सव **H** शनिप्रदोषव्रत,अनंगत्रयोदशी, **I**नृसिंहदोलोत्सव,**J** हनुमानजयन्ती(दक्षिणभारत)वैशाखस्नान प्रारम्भ। **वर्षादिकृत्य** -परिभद्रस्य पत्राणि कोमलानि विशेषत:। सुपुष्पाणि समानीय चूर्णं कृत्वा विधानत:।। मरीचिर्लवणं हिंगुजीरकेण च संयुतम्। अजमोदयुतं कृत्वा भक्षयेद् रोगशान्तये।। **रामनवमी** -अशोककुसुमैर्युक्तमर्घ्यं दद्याद्विचक्षण:। दशाननवधार्थाय धर्मसंस्थापनाय च।। राक्षसानां विनाशाय दैत्यानां निधनाय च। परित्राणाय साधूनां जातो राम: स्वयं हरि:।।

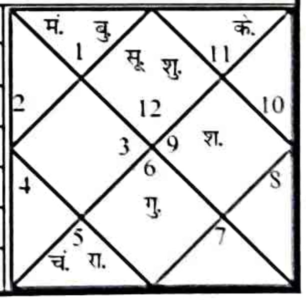
चैत्र शुक्ल 06, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 02.04.2017

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	11	01	00	00	05	11	08	04	10
अं.	18	25	22	07	24	06	03	07	07
क.	22	20	22	18	48	15	38	17	17
वि.	35	18	24	42	49	21	20	38	38
गति	59	871	42	57	वा7	व31	00	व3	व3
	12	34	23	37	37	36	27	11	11



चैत्र शुक्ल 13, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 09.04.2017

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	11	04	00	00	05	11	08	04	10
अं.	25	29	27	10	23	03	03	06	06
क.	15	34	17	49	55	30	38	55	55
वि.	45	10	39	06	02	57	45	24	24
गति	58	765	42	08	वा7	व16	व0	व3	व3
	58	22	05	57	43	34	14	11	11



विक्रमसंवत् 2074, शाके 1939, वैशाख कृष्ण पक्ष (दिनांक 12 अप्रैल से 26 अप्रैल 2017 ई. तक)

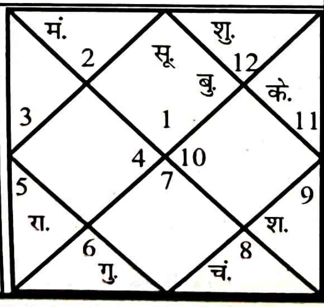
'साधारण' संवत्सर, उत्तरायण, उत्तर गोल, वसन्त/ग्रीष्म-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2198, अयनांश 24/04/53

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं. अं.		चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	बुध	17	52	13	11	स्वाती	60	00	-	-	हर्षण	07	20	कौलव	17	52	06	03	18	41	31	35	21	51	तुला	30चै	12अप्रैल	प्रपाकार्य,घटदान,कच्छपावतार,विष्णुपूजा
2	गुरु	22	38	15	05	स्वाती	05	04	08	03	वज्र	08	25	गर	22	38	06	02	18	42	31	39	21	35	वृश्चि28:02	01वै.	13	मेषसंक्रान्ति 26:01बजे, भद्रा 28:10से A
3	शुक्र	28	11	17	16	विशाखा	11	44	10	42	सिद्धि	10	06	विष्टि	28	11	06	01	18	42	31	43	21	20	वृश्चिक	02	14	भद्रा 17:16तक,संकटचतुर्थीव्रत B
4	शनि	34	19	19	43	अनुराधा	19	01	13	36	व्यतीपात	12	16	बव	01	15	06	00	18	43	31	47	21	06	वृश्चिक	03	15	अनुसूया जयन्ती,हिमाचल दिवस
5	रवि	40	44	22	16	ज्येष्ठा	26	38	16	37	वरीयान	14	41	कौलव	07	31	05	58	18	43	31	52	20	51	धनु16:37	04	16	ईस्टर सन्डे
6	सोम	46	59	24	45	मूल	34	10	19	37	परिघ	17	04	गर	13	51	05	57	18	44	31	56	20	37	धनु	05	17	भद्रा 24:45 से, कोकिलाषष्ठी, शर्कराषष्ठी
7	मंगल	52	28	26	55	पू.षा.	41	05	22	22	शिव	19	01	विष्टि	19	43	05	56	18	44	32	00	20	24	मकर28:56	06	18	भद्रा 13:50 तक,गुरु अर्जुनदेव जयन्ती
8	बुध	56	43	28	36	उ.षा.	46	53	24	40	सिद्ध	20	09	बालव	24	35	05	55	18	45	32	03	20	11	मकर	07	19	शीतलाष्टमी,सायनसूर्य वृष में 26:57,ग्रीष्मर्तु
9	गुरु	59	07	29	33	श्रवण	51	02	26	19	साध्य	20	04	तैतिल	27	55	05	54	18	46	32	07	19	59	मकर	08	20	
10	शुक्र	59	24	29	39	धनिष्ठा	53	12	27	10	शुभ	18	29	वणिज	29	15	05	53	18	46	32	11	19	46	कुम्भ14:44	09	21	भद्रा 17:36 से 29:39तक, पंचक C
11	शनि	57	24	28	50	शतभिषा	53	12	27	09	शुक्ल	15	16	बव	28	24	05	52	18	47	32	15	19	35	कुम्भ	10	22	वरुथिनी एकादशी व्रत (स्मार्त)D
12	रवि	53	10	27	07	पू.भा.	51	01	26	15	ब्रह्म	10	20	कौलव	25	17	05	51	18	47	32	19	19	24	मीन20:28	11	23	वरुथिनी एकादशी व्रत (वैष्णव)E
13	सोम	46	58	24	37	उ.भा.	46	52	24	35	ऐन्द्र वैधृति	03 55	48 55	गर	20	04	05	51	18	48	32	23	19	13	मीन मीन	12	24	भद्रा 24:37 से, सोमप्रदोषव्रत F
14	मंगल	39	11	21	30	रेवती	41	07	22	16	विष्कुम्भ	48	01	विष्टि	13	04	05	50	18	48	32	27	19	03	मेष 22:16	13	25	भद्रा 11:03 तक,पंचकसमाप्ति 22:16
30	बुध	30	23	17	57	अश्विनी	34	18	19	32	प्रीति	37	45	चतुष्पद	04	47	05	49	18	49	32	30	18	54	मेष	14	26	अमावस्या स्नानादि,मेलापिंजोर(हरियाणा)

A आर्यभट्ट जयन्ती, सृष्ट्यादि सौरनववर्षारम्भ, उत्तर- गोलारम्भ, मनसादेवी मेला (हरिद्वार)1939 शकाब्द प्रारम्भ। **B** संक्रान्ति पुण्यकाल सूर्योदय से मध्याह्न तक, गुडफाइडे , अम्बेडकर जयन्ती,**C** प्रारम्भ 14:44 से **D** वल्लभाचार्य जयन्ती **E** बाबू कुंवरसिंह जयन्ती **F** मासशिवरात्रि। **वैशाखे कर्त्तव्यविचार** - तीर्थे चानुदिनं स्नानं तिलैश्च पितृतर्पणम्। दानं धर्मघटादीनां मधुसूदनपूजनम्। माधवे मासि कुर्वीत मधुसूदनतुष्टिदम्।। **वैशाखे त्याज्यवस्तूनि**- कांस्यं मांसं मसूरान्नं चणकं कोद्रवन्तथा। शाकं मधु परान्नं च पुनर्भोजनमैथुने।। **वैशाखे दानमाहात्म्यम्**- ददाति यो हि मेषादौ सक्तूनम्बुघटान्वितान्। पितृनुद्दिश्य विप्रेभ्य: सर्वपापै: प्रमुच्यते।।

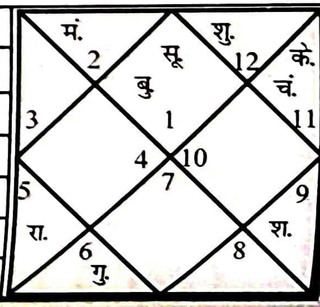
वैशाख कृष्ण 05, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 16.04.2017

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	00	07	01	00	05	11	08	04	10
अं.	02	24	02	08	23	02	03	06	06
क.	07	44	10	58	01	43	34	33	37
वि.	16	08	48	55	31	28	20	09	09
गति	58	711	41	व31	व7	00	व0	व3	व3
	43	20	47	32	33	36	55	11	11



वैशाख कृष्ण 12, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 23.04.2017

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	00	10	01	00	05	11	08	04	10
अं.	08	21	07	04	22	03	03	06	06
क.	57	53	01	18	10	50	25	10	10
वि.	12	41	55	04	05	10	15	55	55
गति	58	807	41	व41	व7	15	व1	व3	व3
	30	07	29	26	10	55	34	11	11



विक्रमसंवत् 2074, शाके 1939, वैशाख शुक्ल पक्ष (दिनांक 27 अप्रैल से 10 मई 2017 ई. तक)

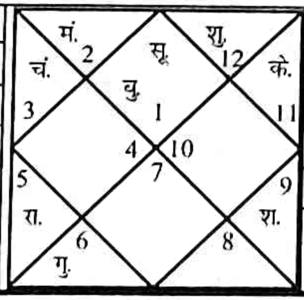
'साधारण' संवत्सर, उत्तरायण, उत्तर गोल, ग्रीष्म-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2213, अयनांश 24/04/55

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं. अं.		चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	गुरु	21	04	14	13	भरणी	26	58	16	35	आयुष्मान	27	10	बव	21	04	05	48	18	50	32	34	18	45	वृष21:51	15वै.	27अप्रैल	घटादिदान, चन्द्रदर्शन,
2	शुक्र	11	46	10	29	कृत्तिका	19	40	13	39	सौभाग्य	16	40	कौलव	11	46	05	47	18	50	32	38	18	36	वृष	16	28	परशुराम जयन्ती,
3	शनि	02	54	06	55	रोहिणी	12	50	10	54	शोभन	06	37	गर	02	54	05	46	18	51	32	42	18	28	मिथुन21:42	17	29	भद्रा 17:18 से 27:42 तक अक्षयतृतीया,A
4		54	51	27	42						अतिगण्ड	57	17												मिथुन			
5	रवि	46	41	24	25	मृगसिरा	06	54	08	31	सुकर्मा	47	50	बव	20	46	05	45	18	52	32	45	18	21	मिथुन	18	30	आदिगुरुशंकराचार्यजयन्ती
6	सोम	40	59	22	08	आर्द्रा	02	10	06	36	धृति	40	31	कौलव	13	50	05	44	18	52	32	49	18	14	कर्क23:37	19	01मई	श्रीरामानुजाचार्यजयन्ती,चन्दन षष्ठी,श्रमदिवस
						पुनर्वसु	58	12	29	17															कर्क			
7	मंगल	36	56	20	30	पुष्य	55	30	27	55	शूल	34	34	गर	08	58	05	44	18	53	32	52	18	08	कर्क	20	02	गंगोत्पत्ति, भद्रा 20:30 से B
8	बुध	34	35	19	32	आश्लेषा	55	27	27	53	गण्ड	29	59	विष्टि	05	46	05	43	18	53	32	56	18	02	सिंह27:53	21	03	भद्रा 08:01 तक
9	गुरु	33	51	19	14	मघा	57	01	28	30	वृद्धि	26	42	बालव	04	13	05	42	18	54	32	59	17	57	सिंह	22	04	अपराजितादेवी पूजा, दुर्गाष्टमी,C
10	शुक्र	34	35	19	31	पू.फा.	59	57	29	40	ध्रुव	24	34	तैतिल	04	13	05	41	18	55	33	03	17	53	सिंह	23	05	सीता जयन्ती, चण्डिकादेवीपूजा,
11	शनि	36	37	20	19	उ.फा.	60	00	-	-	व्याघात	23	28	वणिज	05	36	05	40	18	55	33	06	17	49	कन्या12:11	24	06	भद्रा 07:55 से 20:19 तक, मोहिनी D
12	रवि	39	45	21	34	उ.फा.	05	16	07	46	हर्षण	23	16	बव	08	11	05	40	18	56	33	10	17	45	कन्या	25	07	परशुरामद्वादशी,रुक्मिणीद्वादशी(बंग)E
13	सोम	43	44	23	08	हस्त	10	14	09	44	वज्र	23	44	कौलव	11	45	05	39	18	56	33	13	17	42	तुला22:52	26	08	सोमप्रदोषव्रत, छिन्नमस्ता जयन्ती
14	मंगल	48	24	25	00	चित्रा	15	58	12	01	सिद्धि	24	46	गर	16	04	05	38	18	57	33	16	17	40	तुला	27	09	भद्रा 25:00से ,नृसिंह जयन्ती,नृसिंहचतुर्दशी
15	बुध	53	38	27	04	स्वाती	22	19	14	33	व्यतीपात	26	17	विष्टि	21	01	05	38	18	58	33	19	17	38	तुला	28	10	भद्रा 14:02, महावैशाखी,सत्यनारायणव्रत F

A लक्ष्मीनारायणपूजा, वलराम जयन्ती, त्रेतायुगादि, गौरी पूजा, नाग चतुर्थी, गणेश चतुर्थी, समुद्र स्नान, सत्तू भोजन, काशी में त्रिलोचन यात्रा, वदरी केदार यात्रा। **B** गंगा सप्तमी **C** वगलामुखी जयन्ती **D** एकादशी व्रत (समस्त) **E** मधुसूदन द्वादशी, गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर जयन्ती **F** बुद्धजयन्ती, कूर्मजयन्ती, बुद्धपूर्णिमा,पूर्णिमाव्रत, सम्पद्गौरीव्रत। **गंगोत्पत्तिः-**वैशाखे शुक्लसप्तम्यां जह्नुना जाह्नवी पुरा। क्रोधात्पीता पुनस्त्यक्त्वा कर्णरन्ध्रात्तु दक्षिणात्। तां तत्र पूजयेद्देवीं गंगां गगनमेखलाम्।। **नृसिंह जयन्ती** - वैशाखस्य चतुर्दश्यां सोमवारेऽनिलर्क्षके, अवतारो नृसिंहस्य प्रदोपस्य समये द्विजाः। स्वातीनक्षत्रयोगे च शनिवारे तु महद्व्रतम्। सिद्धियोगस्य संयोगे वणिजे करणे तथा।।

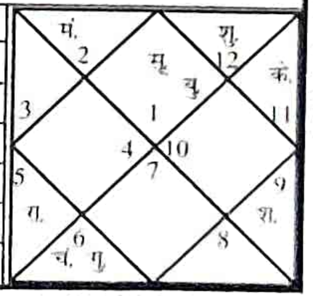
वैशाख शुक्ल 05, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 30.04.2017

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	00	02	01	00	05	11	08	04	10
अं.	15	04	11	00	21	06	03	05	05
क.	45	57	51	41	22	32	11	48	48
वि.	37	23	03	13	28	13	41	40	40
गति	58	891	41	व19	व,	28	व2	व3	व3
	17	12	12	55	30	14	12	11	11



वैशाख शुक्ल 12, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 07.05.2017

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	00	05	01	00	05	11	08	04	10
अं.	22	08	16	00	20	10	02	05	05
क.	32	54	38	31	40	28	54	26	26
वि.	36	01	14	05	08	25	00	26	26
गति	58	750	40	12	व6	37	व2	व3	व3
	05	03	56	51	40	37	47	11	11



विक्रमसंवत् 2074, शाके 1939, ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष (दिनांक 11 मई से 25 मई 2017 ई. तक)

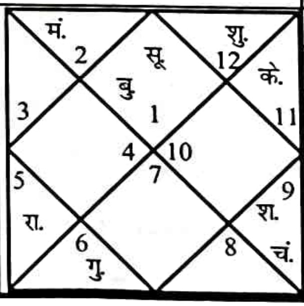
'साधारण' संवत्सर, उत्तरायण, उत्तर गोल, ग्रीष्म-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2227, अयनांश 24/04/57

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	गुरु	59	16	29	19	विशाखा	29	07	17	16	वरीयान	28	08	बालव	26	27	05	37	18	58	33	23	17	37	वृश्चि10:35	29वै.	11 मई	सूरदास जयन्ती
2	शुक्र	60	00	-	-	अनुराधा	36	20	20	08	परिघ	30	19	तैतिल	32	26	05	36	18	59	33	26	17	37	वृश्चिक	30	12	नारद जयन्ती
2	शनि	05	36	07	50	ज्येष्ठा	43	48	23	07	शिव	32	42	गर	05	36	05	36	18	59	33	29	17	37	धनु23:07	31	13	भद्रा 21:03 से
3	रवि	11	42	10	16	मूल	51	21	26	07	सिद्ध	35	09	विष्टि	11	42	05	35	19	00	33	32	17	37	धनु	01ज्ये	14	भद्रा 10:16 तक,संकष्टहरचतुर्थीव्रत A
4	सोम	17	41	12	39	पू.षा.	58	40	29	02	साध्य	37	26	बालव	17	41	05	35	19	01	33	35	17	38	धनु	02	15	मां आनन्दमयी जयन्ती
5	मंगल	23	12	14	50	उ.षा.	60	00	-	-	शुभ	39	15	तैतिल	23	12	05	34	19	01	33	38	17	40	मकर11:38	03	16	
6	बुध	27	46	16	40	उ.षा.	04	42	07	26	शुक्ल	40	15	वणिज	27	46	05	33	19	02	33	41	17	42	मकर	04	17	भद्रा 16:40 से 29:18 तक B
7	गुरु	30	57	17	56	श्रवण	09	50	09	29	ब्रहम	40	06	बव	30	57	05	33	19	03	33	43	17	44	कुम्भ22:11	05	18	पंचकप्रारम्भ 22:11से,भानुसप्तमी C
8	शुक्र	32	20	18	28	धनिष्ठा	13	21	10	53	ऐन्द्र	38	29	बालव	01	39	05	32	19	03	33	46	17	48	कुम्भ	06	19	शीतलाष्टमी, त्रिलोचनाष्टमी(बंग)
9	शनि	31	38	18	11	शतभिषा	14	57	11	31	वैधृति	35	09	तैतिल	01	59	05	32	19	04	33	49	17	51	मीन29:21	07	20	सायन सूर्य मिथुन राशि में 26:01
10	रवि	28	42	17	00	पू.भा.	14	27	11	18	विष्कुम्भ	30	03	विष्टि	00	10	05	32	19	04	33	51	17	55	मीन	08	21	भद्रा 05:35 से 17:00 तक
11	सोम	23	40	14	59	उ.भा.	11	52	10	15	प्रीति	23	13	बालव	23	40	05	31	19	05	33	54	18	00	मीन	09	22	अपरा एकादशी व्रत(समस्त), D
12	मंगल	16	45	12	12	रेवती	07	22	08	27	आयुष्मान	14	53	तैतिल	16	45	05	31	19	05	33	56	18	05	मेष08:27	10	23	पंचकसमाप्ति 08:27पर,भौमप्रदोष E
13	बुध	08	24	08	52	अश्विनी	01	22	06	03	सौभाग्य	05	22	वणिज	08	24	05	30	19	06	33	59	18	11	मेष	11	24	भद्रा 08:52 से 19:09 तक F
14		59	07	29	09	भरणी	55	30	27	42	शोभन	55	04															
30	गुरु	49	57	25	28	कृत्तिका	47	12	24	23	अतिगण्ड	44	47	चतुष्पद	24	32	05	30	19	07	34	01	18	17	वृष08:52	12	25	भावुका अमावस्या, वटसावित्री अमावस्या G

A वृष संक्रान्ति 22:52 पर, पुण्यकाल मध्याह्न के बाद, **B** श्रीक्षेत्र (पुरी)में भौंरी, **C** चण्डिकादेवीपूजा, उत्कल में भौंरी, कालाष्टमी **D** भद्रकाली एकादशी, **E** वटसावित्री व्रतारम्भ। **F** मासशिवरात्रि, सावित्री चतुर्दशी, वटसावित्रीव्रत द्वितीयदिन(अमापक्ष) **G** स्नानदानादि अमावस्या, शनैश्चर जयन्ती। **अमायां वटसावित्रीव्रतम्** - अमायां च तथा ज्येष्ठे वटमूले महासती। त्रिरात्रोपोषिता नारी विधानेन प्रपूजयेत्। **जन्ममासे विचारणीयः** - यो जन्ममासे क्षुरकर्म यात्रां कर्णस्य वेधं कुरुते हि मोहात्। मूढः स रोगी धनपुत्रनाशं प्राप्नोति गूढं निधनं तदाशु।। **भद्रकाली प्रार्थना** - जयन्ती मंगला काली भद्रकाली कपालिनी। दुर्गा क्षमा शिवा धात्री स्वाहा स्वधा नमोस्तुते।

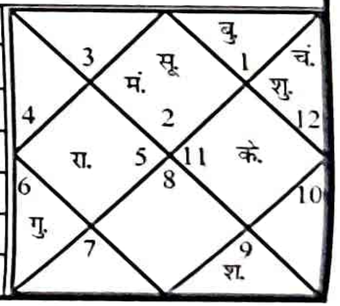
ज्येष्ठ कृष्ण 03, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 14.05.2017

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	00	08	01	00	05	11	08	04	10
अं.	29	03	21	04	20	15	02	05	05
क.	18	10	23	01	04	20	32	04	04
वि.	18	42	34	34	23	57	35	11	11
गति	57	711	40	42	व04	44	व3	व3	व3
	54	43	40	17	39	43	16	11	11



ज्येष्ठ कृष्ण 10, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 21.05.2017

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	01	11	01	00	05	11	08	04	10
अं.	06	00	26	10	19	20	02	04	04
क.	02	06	07	31	36	56	07	41	41
वि.	48	50	06	40	08	06	56	56	56
गति	57	801	40	65	व03	50	व3	व3	व3
	45	30	25	21	32	08	42	11	11



विक्रमसंवत् 2074, शाके 1939, ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष (दिनांक 26 मई से 09 जून 2017 ई. तक)

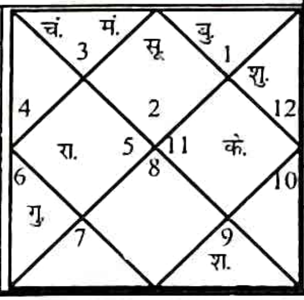
'साधारण' संवत्सर, उत्तरायण, उत्तर गोल, ग्रीष्म-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2242, अयनांश 24/04/59

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	शुक्र	39	35	21	19	रोहिणी	38	59	21	05	सुकर्मा	33	33	किंस्तुघ्न	14	16	05	30	19	07	34	03	18	23	वृष	13ज्ये	26मई	करवीर व्रत, रोहिणी व्रत
2	शनि	29	52	17	26	मृगसिरा	31	21	18	01	धृति	22	49	बालव	04	44	05	29	19	08	34	06	18	30	मिथुन07:33	14	27	चन्द्रदर्शन
3	रवि	21	13	13	58	आर्द्रा	24	46	15	23	शूल	12	55	गर	21	13	05	29	19	08	34	08	18	37	मिथुन	15	28	भद्रा 24:30 से, रम्भातृतीयाव्रत, A
4	सोम	13	56	11	03	पुनर्वसु	19	33	13	18	गण्ड वृद्धि	04 56	06 34	विष्टि	13	56	05	29	19	09	34	10	18	45	कर्क07:49 कर्क	16	29	भद्रा 11:03 तक, उमापूजनव्रत B
5	मंगल	08	14	08	46	पुष्य	15	58	11	51	ध्रुव	48	55	बालव	08	14	05	28	19	09	34	12	18	53	कर्क	17	30	महादेवविवाह (उडीसा)
6	बुध	04	18	07	11	आश्लेषा	14	12	11	09	व्याघात	44	25	तैतिल	04	18	05	28	19	10	34	14	19	02	सिंह11:09	18	31	श्रीस्कन्धषष्ठी, अरण्यषष्ठी, C
7	गुरु	02	13	06	21	मघा	14	16	11	10	हर्षण	41	25	वणिज	02	13	05	28	19	10	34	15	19	10	सिंह	19	01 जून	भद्रा 06:21से 18:18तक,धूमावती जयन्ती
8	शुक्र	02	00	06	16	पू.फा.	16	10	11	56	वज्र	39	51	बव	02	00	05	28	19	11	34	17	19	19	कन्या18:17	20	02	शुक्लादेवी पूजा, ब्रह्माणी पूजाD
9	शनि	03	29	06	51	उ.फा.	19	42	13	20	सिद्धि	39	30	कौलव	03	29	05	28	19	11	34	19	19	29	कन्या	21	03	नवमी का उपवास कर शुक्लादेवीपूजा
10	रवि	06	27	08	02	हस्त	24	36	15	18	व्यतीपात	40	09	गर	06	27	05	27	19	12	34	20	19	39	तुला28:30	22	04	भद्रा 20:52 से, श्रीगंगादशहरा E
11	सोम	10	38	09	42	चित्रा	30	37	17	42	वरीयान	41	36	विष्टि	10	38	05	27	19	12	34	22	19	49	तुला	23	05	भद्रा 09:42तक,निर्जला एकादशी(समस्त)F
12	मंगल	15	41	11	43	स्वाती	37	22	20	24	परिघ	43	34	बालव	15	41	05	27	19	13	34	23	19	59	तुला	24	06	भौमप्रदोषव्रत,त्रिविक्रमद्वादशी,चम्पकद्वादशीG
13	बुध	21	15	13	57	विशाखा	44	33	23	16	शिव	45	49	तैतिल	21	15	05	27	19	13	34	25	20	10	वृश्चि16:33	25	07	वटसावित्रीव्रत द्वितीय दिन(पूर्णिमा पक्ष)
14	गुरु	27	07	16	18	अनुराधा	51	57	26	14	सिद्ध	48	12	वणिज	27	07	05	27	19	14	34	26	20	21	वृश्चिक	26	08	भद्रा 16:18 से चम्पकचतुर्दशी H
15	शुक्र	33	03	18	40	ज्येष्ठा	59	21	29	11	साध्य	50	35	विष्टि	00	05	05	27	19	14	34	27	20	32	धनु29:11	27	09	भद्रा 05:29 तक, सत्यनारायणव्रत I

A महाराणा प्रताप जयन्ती, रमजान (मुस्लिम) B विनायकचतुर्थी, गुरु अर्जुनदेव शहीदी दिवस, C शीतलाष्टमी, विन्ध्यवासिनी पूजा, आरण्यक गौरीव्रत, जामातृ षष्ठी (वंगाल) D मेला क्षीरभवानी(कश्मीर), E श्री गंगावतरण, सेतुवन्ध रामेश्वर प्रतिष्ठा F भीमसेनी एकादशी G वटसावित्रीव्रत प्रारम्भ (पूर्णिमा पक्ष), H पूर्णिमा व्रत, I वटसावित्री व्रत (पूर्णिमापक्ष), वट पूर्णिमा, वैवस्वत मन्वादि, स्नानदानादि पूर्णिमा, ज्येष्ठीपूर्णिमा, कबीरदास जयन्ती, मन्वादि 15। **गंगा दशहरा** –ज्येष्ठे मासि सिते पक्षे दशम्यां बुधहस्तयोः। व्यतिपाते गरानन्दे कन्या चन्द्रे वृषे रवौ।। दशयोगे नरः स्नात्वा सर्वपापैः प्रमुच्यते। हरते दशपापानि तस्मात् दशहरा स्मृता।।

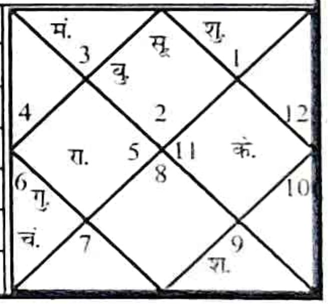
ज्येष्ठ शुक्ल 03, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 28.05.2017

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	01	02	02	00	05	11	08	04	10
अं.	12	13	00	19	19	27	01	04	04
क.	46	46	48	28	16	03	40	19	19
वि.	14	13	55	01	07	49	40	41	41
गति	57	905	40	85	व2	54	व4	व3	व3
	36	24	10	25	30	16	02	11	11



ज्येष्ठ शुक्ल 10, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 04.06.2017

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	01	05	02	01	05	00	08	04	10
अं.	19	18	05	00	19	03	01	03	03
क.	28	14	29	36	04	36	11	57	57
वि.	47	49	07	20	45	46	26	26	26
गति	57	743	39	103	वा	57	व4	व3	व3
	27	51	55	15	05	28	16	11	11



विक्रमसंवत् 2074, शाके 1939, आषाढ़ कृष्ण पक्ष (दिनांक 10 जून से 24 जून 2017 ई. तक)

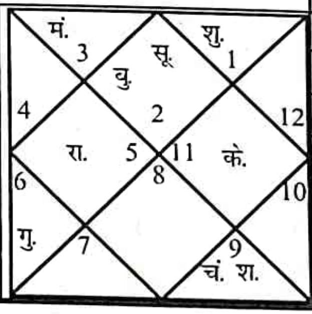
'साधारण' संवत्सर, उत्तर/दक्षिण- अयन, उत्तर गोल, ग्रीष्म/वर्षा-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2257, अयनांश 24/05/01

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	शनि	38	55	21	01	मूल	60	00	-	-	शुभ	52	52	बालव	05	59	05	27	19	14	34	28	20	43	धनु	28ज्ये	10 जून	अशून्यशयनव्रत, गुरु हरगोविन्द सिंह जयन्ती
2	रवि	44	34	23	16	मूल	06	31	08	03	शुक्ल	54	57	तैतिल	11	44	05	27	19	15	34	29	20	54	धनु	29	11	ऋषभनाथ जयन्ती(जैन)
3	सोम	49	51	25	23	पू.षा.	13	25	10	49	ब्रहम	56	44	वणिज	17	12	05	27	19	15	34	30	21	06	मकर17:27	30	12	भद्रा 12:19 से 25:23 तक,
4	मंगल	54	29	27	14	उ.षा.	19	49	13	22	ऐन्द्र	57	58	बव	22	10	05	27	19	16	34	31	21	18	मकर	31	13	संकष्टहरचतुर्थीव्रत, अंगारकचतुर्थी
5	बुध	58	06	28	41	श्रवण	25	23	15	36	वैधृति	58	24	कौलव	26	18	05	27	19	16	34	31	21	30	कुम्भ28:30	32	14	पंचकप्रारम्भ 28:30 से,
6	गुरु	59	15	29	09	धनिष्ठा	29	52	17	24	विष्कुम्भ	57	49	गर	28	40	05	27	19	16	34	32	21	42	कुम्भ	01आ	15	भद्रा 29:09 से, मिथुन संक्रान्ति 05:29 A
7	शुक्र	59	34	29	17	शतभिषा	32	52	18	36	प्रीति	55	51	विष्टि	29	24	05	27	19	16	34	32	21	54	कुम्भ	02	16	भद्रा 17:13तक, भानु सप्तमी
8	शनि	58	02	28	40	पू.भा.	34	06	19	05	आयुष्मान	52	21	बालव	28	48	05	27	19	17	34	33	22	06	मीन12:57	03	17	कालाष्टमी, शीतलाष्टमी व्रत, त्रिलोचनपूजा
9	रवि	56	24	28	01	उ.भा.	33	24	18	49	सौभाग्य	47	11	तैतिल	28	06	05	28	19	17	34	33	22	18	मीन	04	18	
10	सोम	50	59	25	51	रेवती	30	44	17	45	शोभन	40	23	वणिज	23	41	05	28	19	17	34	33	22	30	मेष17:45	05	19	भद्रा 14:56से 25:51तक,पंचकसमाप्ति17:45
11	मंगल	43	46	22	58	अश्विनी	26	16	15	58	अतिगण्ड	32	07	बव	17	22	05	28	19	18	34	34	22	43	मेष	06	20	योगिनी एकादशी व्रत (समस्त)
12	बुध	35	12	19	32	भरणी	20	19	13	35	सुकर्मा	22	42	कौलव	09	29	05	28	19	18	34	34	22	55	वृष18:53	07	21	प्रदोषव्रत, कूर्मजयन्ती, सायनसूर्य कर्क मेंB
13	गुरु	25	46	15	46	कृत्तिका	13	22	10	49	धृति	12	31	गर	00	29	05	28	19	18	34	34	23	07	वृष	08	22	भद्रा 15:46 से 25:49 तक,C
14	शुक्र	16	00	11	52	रोहिणी	05	54	07	50	शूल	01	57	शकुनि	16	00	05	29	19	18	34	34	23	19	मिथुन18:20	09	23	श्राद्ध की अमावस्या, शब्बे कद्र (मुस्लिम)
						मृगसिरा	58	25	28	51	गण्ड	51	31															
30	शनि	06	22	08	01	आर्द्रा	50	55	25	51	वृद्धि	40	47	नाग	06	22	05	29	19	18	34	33	23	31	मिथुन	10	24	स्नान दानादि अमावस्या, गुप्तनवरात्रारम्भD
1		57	18	28	24																							

A संक्रान्ति पुण्यकाल प्रातः काल से 11:54 तक। B 09:54 बजे, दक्षिणायन आरम्भ, वर्षा ऋतु प्रारम्भ, उत्तर गोल में सबसे बडा दिन C मासशिवरात्रिव्रत D घटस्थापन। शनैश्चरी अमावस्या। **आषाढे प्रवर्षणविचार:-** ज्यैष्ठ्यां समतीतायां पूर्वाषाढादिसम्प्रवृष्टेन। शुभमशुभं वा वाच्यं चाम्भसतज्ज्ञैः।। येषु च भेष्वभिवृष्टं भूयस्तेष्वेव वर्षति प्रायः।।

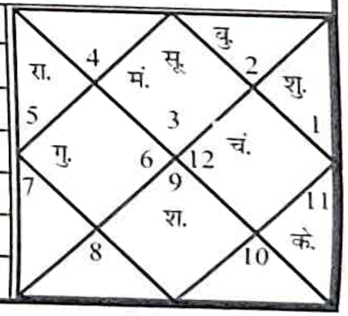
आषाढ़ कृष्ण 02, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 11.06.2017

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	01	08	02	01	05	00	08	04	10
अं.	26	12	10	13	19	10	00	03	03
क.	10	02	07	43	02	29	40	35	35
वि.	35	20	46	45	13	37	58	10	10
गति	57	714	39	119	00	60	व4	व3	व3
	22	40	43	09	11	03	24	11	11



आषाढ़ कृष्ण 09, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 18.06.2017

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	02	11	02	01	05	00	08	04	10
अं.	02	09	14	28	19	17	00	03	03
क.	51	16	44	25	08	38	10	12	12
वि.	49	10	58	52	29	24	01	55	55
गति	57	797	39	130	1	62	व4	व3	व3
	18	14	31	13	27	08	25	11	11



विक्रमसंवत् 2074, शाके 1939, आषाढ़ शुक्ल पक्ष (दिनांक 25 जून से 09 जुलाई 2017 ई. तक)

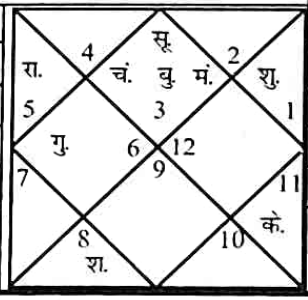
'साधारण' संवत्सर, दक्षिणायन, उत्तर गोल, वर्षा-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2272, अयनांश 24/05/03

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
2	रवि	48	10	24	45	पुनर्वसु	44	17	23	12	ध्रुव	30	54	बालव	22	44	05	29	19	18	34	33	23	43	कर्क17:52	11आ	25जून	रथयात्रा, श्रीकृष्ण बलरामरथोत्सव A
3	सोम	41	01	21	54	पुष्य	39	04	21	07	व्याघात	22	08	तैतिल	14	35	05	29	19	19	34	33	23	55	कर्क	12	26	
4	मंगल	35	33	19	43	आश्लेषा	35	29	19	41	हर्षण	14	37	वणिज	08	17	05	30	19	19	34	32	24	07	सिंह19:41	13	27	भद्रा 08:48 से 19:43 तक,विनायक चतुर्थी
5	बुध	31	56	18	16	मघा	33	44	18	59	वज्र	08	32	बव	03	44	05	30	19	19	34	32	24	19	सिंह	14	28	
6	गुरु	30	16	17	36	पू.फा.	33	56	19	04	सिद्धि	03	58	कौलव	01	06	05	30	19	19	34	31	24	30	कन्या25:17	15	29	स्कन्दषष्ठी, कुमारषष्ठी, कर्दमषष्ठी(बंगाल)
7	शुक्र	30	33	17	44	उ.फा.	36	03	19	56	व्यतीपात	00	57	गर	00	25	05	31	19	19	34	30	24	42	कन्या	16	30	भद्रा 17:44 से, विवस्वत सप्तमी B
											वरीयान	57	54															
8	शनि	32	39	18	34	हस्त	39	57	21	29	परिघ	57	56	विष्टि	01	36	05	31	19	19	34	29	24	53	कन्या	17	01जु.	भद्रा 06:09 तक, महिषासुरमर्दिनी पूजा C
9	रवि	36	23	20	04	चित्रा	45	25	23	41	शिव	60	00	बालव	04	31	05	31	19	19	34	28	25	04	तुला10:35	18	02	गुप्तनवरात्रिसमाप्त,मेलाशरीकभवानी कश्मीर
10	सोम	41	21	22	04	स्वाती	52	03	26	20	शिव	00	11	तैतिल	08	52	05	32	19	19	34	27	25	14	तुला	19	03	गिरिराजपूजा, रैवत मन्वादि
11	मंगल	47	08	24	23	विशाखा	59	25	29	18	सिद्ध	01	56	वणिज	14	14	05	32	19	19	34	26	25	25	वृश्चि22:33	20	04	भद्रा 11:13 से 24:23 तक, हरिशयन D
12	बुध	53	20	26	52	अनुराधा	60	00	-	-	साध्य	04	11	बव	20	14	05	32	19	19	34	25	25	35	वृश्चिक	21	05	वासुदेवद्वादशी, एकादशीव्रत पारणा,
13	गुरु	59	30	29	21	अनुराधा	07	19	08	28	शुभ	06	36	कौलव	26	25	05	33	19	19	34	24	25	45	वृश्चिक	22	06	प्रदोष व्रत
14	शुक्र	60	00	-	-	ज्येष्ठा	14	39	11	25	शुक्ल	08	56	गर	32	14	05	33	19	18	34	22	25	54	धनु11:25	23	07	मेला चक्रेश्वरी(जैन),चौमासी चौदह(जैन)
14	शनि	04	59	07	33	मूल	21	39	14	13	ब्रहम	11	00	वणिज	04	59	05	34	19	18	34	21	26	03	धनु	24	08	भद्रा 07:33से 20:35 तक,शिवशयनोत्सवE
15	रवि	10	07	09	37	पू.षा.	28	09	16	50	ऐन्द्र	12	40	बव	10	07	05	34	19	18	34	19	26	12	मकर23:25	25	09	गुरुपूर्णिमा, व्यास पूर्णिमा,आषाढीपूर्णिमाF

A रथयात्रा(जगन्नाथपुरी),मनोरथ द्वितीया चन्द्रदर्शन, B विवस्वत सूर्यपूजा,अष्टाह्निक प्रारम्भ, शीतला सप्तमी, C ऐन्द्री देवी पूजा, खर्चिपूजा (त्रिपुरा)D एकादशी (समस्त), चातुर्मासव्रतारम्भ, E व्रतपूर्णिमा, पवित्रारोपण, कोकिलाव्रत, F अन्नादिदान, सत्यनारायणव्रत, चाक्षुष मन्वादि, वायुपरीक्षण। **चातुर्मास्यव्रतविचार:** - आषाढे तु सिते पक्षे एकादश्यामुपोषित:। चातुर्मास्यव्रतं कुर्याद्यत्किंचिदखिलो नर:।। **आषाढीयोगे वातफलम्** - निष्पत्तिरग्निकोपो वृष्टिर्मन्दाथ मध्यमा श्रेष्ठा। बहुजलपवना पुष्टा शुभा च पूर्वादिभि: पवनै:।।

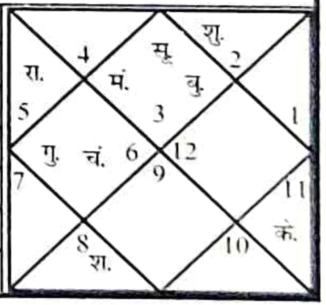
आषाढ़ शुक्ल 02, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 25.06.2017

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	02	02	02	02	05	00	07	04	10
अं.	09	22	19	13	19	25	29	02	02
क.	32	11	20	45	23	00	39	50	50
वि.	38	01	49	05	22	11	20	39	39
गति	57	906	39	130	02	63	व4	व3	व3
	14	15	19	15	39	49	20	11	11



आषाढ़ शुक्ल 09, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 02.07.2017

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	02	05	02	02	05	01	07	04	10
अं.	16	27	23	28	19	02	29	02	02
क.	13	16	55	18	46	32	09	28	28
वि.	14	46	24	45	34	45	42	24	24
गति	57	743	39	119	03	65	व4	व3	व3
	12	59	08	36	49	14	07	11	11



विक्रमसंवत् 2074, शाके 1939, श्रावण कृष्ण पक्ष (दिनांक 10 जुलाई से 23 जुलाई 2017 ई. तक)

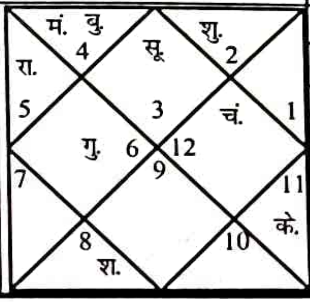
'साधारण' संवत्सर, दक्षिणायन, उत्तर गोल, वर्षा-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2287, अयनांश 24/05/05

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	सोम	14	37	11	25	उ.षा.	34	03	19	11	वैधृति	13	52	कौलव	14	37	05	35	19	18	34	18	26	21	मकर	26आ	10जु.	अशून्यशयनव्रत, श्रावण सोमवार व्रत A
2	मंगल	18	24	12	56	श्रवण	39	12	21	16	विष्कुम्भ	14	29	गर	18	24	05	35	19	18	14	16	26	29	मकर	27	11	भद्रा 25:31से,गौरीपूजा,दुर्गायात्रा,भौमव्रत, B
3	बुध	21	18	14	07	धनिष्ठा	43	30	22	59	प्रीति	14	26	विष्टि	21	18	05	36	19	18	34	14	26	36	कुम्भ11:43	28	12	भद्रा 14:07तक,पंचक प्रारम्भ 11:43 से C
4	गुरु	23	09	14	52	शतभिषा	46	42	24	17	आयुष्मान	13	33	बालव	23	09	05	36	19	17	34	12	26	44	कुम्भ	29	13	
5	शुक्र	23	45	15	06	पू.भा.	48	38	25	04	सौभाग्य	11	42	तैतिल	23	45	05	37	19	17	34	10	26	51	मीन18:52	30	14	मधुश्रावणी पूजारम्भ (मिथिला) D
6	शनि	22	53	14	46	उ.भा.	49	04	25	15	शोभन	08	44	वणिज	22	53	05	37	19	17	34	08	26	57	मीन	31	15	भद्रा 14:46 से 26:18 तक
7	रवि	20	31	13	50	रेवती	47	58	24	49	अतिगण्ड	04	33	बव	20	31	05	38	19	16	34	06	27	03	मेष24:49	01श्रा	16	पंचकसमाप्ति 24:49,कर्कसंक्रान्ति 16:21 E
											सुकर्मा	59	10															
8	सोम	16	35	12	16	अश्विनी	45	16	23	44	धृति	53	49	कौलव	16	35	05	38	19	16	34	04	27	09	मेष	02	17	श्रावण सोमवार, मनसा देवी पूजा प्रारम्भ
9	मंगल	11	11	10	07	भरणी	41	08	22	06	शूल	45	55	गर	11	11	05	39	19	16	34	02	27	14	वृष27:34	03	18	भद्रा 20:48 से, भौमव्रत, दुर्गा यात्रा
10	बुध	04	35	07	29	कृत्तिका	35	50	19	59	गण्ड	37	07	विष्टि	04	35	05	39	19	15	34	00	27	18	वृष	04	19	भद्रा 07:29 तक कामिका एकादशी(स्मार्त)
11		57	02	28	29																				वृष			
12	गुरु	49	33	25	29	रोहिणी	29	43	17	33	वृद्धि	27	40	कौलव	23	17	05	40	19	15	33	57	27	23	मिथुन28:14	05	20	कामिका एकादशी (वैष्णव)
13	शुक्र	40	38	21	55	मृगसिरा	23	10	14	56	ध्रुव	17	55	गर	15	05	05	40	19	15	33	55	27	26	मिथुन	06	21	भद्रा 21:55 से, प्रदोषव्रत, मासशिवरात्रिव्रत
											व्याघात	08	12															
14	शनि	31	57	18	27	आर्द्रा	16	38	12	20	हर्षण	58	49	विष्टि	06	18	05	41	19	14	33	52	27	29	कर्क28:30	07	22	भद्रा 08:11तक,सायन सूर्य सिंह में 20:45
30	रवि	23	51	15	14	पुनर्वसु	10	31	09	54	वज्र	49	23	नाग	23	51	05	41	19	14	33	50	27	32	कर्क	08	23	श्रावण हरियाली अमावस्या, देवसावर्णि F

A आरम्भ, श्रावण में शाक वर्जित, मैथिल नववर्षारम्भ, B चातुर्मास्य द्वितीया, हनुमद्दर्शन C संकष्टहरचतुर्थी व्रत Dनागपंचमी(बंगाल)E पुण्यकाल प्रात: 09:55 से पूरे दिन, भानुसप्तमी, कालाष्टमी, केरपूजा (त्रिपुरा), ऐन्द्री देवी पूजा, इन्द्रसावर्णि मन्वादि, शीतला सप्तमी F मन्वादि, चिताऊ अमावस्या(उडीसा), स्नानदानश्राद्धादि अमावस्या, लोकमान्यबालगंगाधरतिलक जयन्ती। **श्रावणमासे सोमवासरव्रतम्**- सोमवारे व्रतं कार्यं श्रावणे वै यथा विधि:। शक्तावुपोषणं कार्यमथवा निशि भोजनम्।।

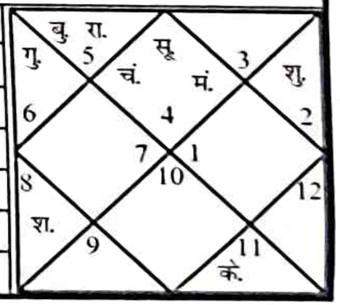
श्रावण कृष्ण 07, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 16.07.2017

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	02	11	03	03	05	01	07	04	10
अं.	29	19	03	22	20	18	28	01	01
क.	34	20	01	40	56	03	16	43	43
वि.	26	23	10	04	19	35	23	52	52
गति	57	800	38	90	05	67	व3	व3	व3
	14	00	50	49	57	26	27	11	11



श्रावण कृष्ण 30, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 23.07.2017

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	03	03	03	04	05	01	07	04	10
अं.	06	00	07	02	21	25	27	01	01
क.	15	43	32	19	41	59	53	21	21
वि.	23	32	31	17	53	28	58	36	36
गति	57	891	38	76	06	68	व3	व3	व3
	17	33	42	23	55	20	01	11	11



विक्रमसंवत् 2074, शाके 1939, श्रावण शुक्ल पक्ष (दिनांक 24 जुलाई से 07 अगस्त 2017 ई. तक)

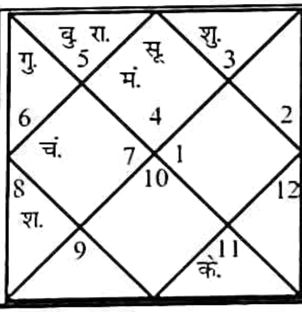
'साधारण' संवत्सर, दक्षिणायन, उत्तर गोल, वर्षा-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2301 अयनांश 24/05/07

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं. अं.		चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	सोम	16	40	12	22	पुष्य	05	10	07	46	सिद्धि	41	11	बव	16	40	05	42	19	13	33	47	27	34	कर्क	09श्रा	24जु.	दोलोत्सवारम्भ,चन्द्रदर्शन, श्रावणसोमवार A
2	मंगल	10	40	09	58	आश्लेषा मघा	00 56	54 36	06 28	05 21	व्यतीपात	34	08	कौलव	10	40	05	43	19	13	33	45	27	35	सिंह06:05 सिंह	10	25	भौमव्रत,स्वामीकरपात्री जयन्ती, गौरीपूजा B
3	बुध	06	09	08	10	पू.फा.	55	14	27	49	वरीयान	28	28	गर	06	09	05	43	19	12	33	42	27	36	सिंह	11	26	भद्रा 19:36 से, मधुश्रावणी, मधुश्रवाव्रत C
4	गुरु	03	17	07	02	उ.फा.	55	43	28	00	परिघ	24	12	विष्टि	03	17	05	44	19	12	33	39	27	37	कन्या09:52	12	27	भद्रा 07:02 तक,
5	शुक्र	02	14	06	38	हस्त	58	05	28	58	शिव	21	27	बालव	02	14	05	44	19	11	33	36	27	37	कन्या	13	28	नागपंचमी, श्रीकल्किजयन्ती, तक्षकपूजा D
6	शनि	03	04	06	58	चित्रा	60	00	-	-	सिद्ध	20	11	तैतिल	03	04	05	45	19	10	33	33	27	36	तुला18:03	14	29	लुण्ठनषष्ठी (बंगाल)
7	रवि	05	42	08	02	चित्रा	03	55	07	19	साध्य	20	16	वणिज	05	42	05	45	19	10	33	30	27	34	तुला	15	30	भद्रा 08:02 से 20:52तक, श्रीतुलसीदास E
8	सोम	09	53	09	43	स्वाती	09	34	09	35	शुभ	21	29	बव	09	53	05	46	19	09	33	27	27	32	वृश्चि29:38	16	31	कौमारीदेवीपूजा,श्रीदुर्गाष्टमी,श्रावणसोमवारF
9	मंगल	15	13	11	52	विशाखा	16	22	12	19	शुक्ल	23	32	कौलव	15	13	05	47	19	08	33	24	27	30	वृश्चिक	17	01अग.	भौमव्रत, दुर्गा पूजा, हनुमद्दर्शन
10	बुध	21	14	14	16	अनुराधा	23	49	15	18	ब्रहम	26	00	गर	21	14	05	47	19	08	33	21	27	27	वृश्चिक	18	02	भद्रा 27:30 से, दधिव्रतारम्भ, वेदव्रतारम्भG
11	गुरु	27	21	16	44	ज्येष्ठा	31	20	18	20	ऐन्द्र	28	30	विष्टि	27	21	05	48	19	07	33	18	27	23	धनु18:20	19	03	भद्रा 16:44तक,पवित्रा एकादशी(समस्त)H
12	शुक्र	33	03	19	01	मूल	38	28	21	11	वैधृति	30	38	बव	00	12	05	48	19	06	33	15	27	19	धनु	20	04	दामोदर द्वादशी, प्रदोषव्रत, बुद्धद्वादशी
13	शनि	38	04	21	02	पू.षा.	44	55	23	46	विष्कुम्भ	32	13	कौलव	05	34	05	49	19	06	33	12	27	14	मकर30:19	21	05	शनिप्रदोषव्रत, आखेटक त्रयोदशी(उडीसा)
14	रवि	42	06	22	39	उ.षा.	50	25	25	59	प्रीति	33	02	गर	10	05	05	49	19	05	33	08	27	09	मकर	22	06	भद्रा 22:39 से
15	सोम	45	03	23	51	श्रवण	54	52	27	46	आयुष्मान	33	03	विष्टि	13	35	05	50	19	04	33	05	27	02	मकर	23	07	भद्रा 11:15तक,श्रावणीपूर्णिमा, रक्षाबन्धन I

A शिवरुद्राभिषेकारम्भ, मेला छिन्नमस्ता (चिन्तपूर्णी) B भौमव्रत, हनुमद्दर्शन C स्वर्णगौरीव्रत, विनायक चतुर्थीव्रत, मधुश्रवा तृतीया(मिथिला, गुजरात), दूर्वागणपति व्रत, वरदचतुर्थी, ठकुराठन जयन्ती, आडिपूरम् (दक्षिण भारत) D भित्तिनागपूजा, ऋग्वेद-यजुर्वेद उपाकर्म(श्रावणी)। Eजयन्ती, शीतलासप्तमी (सिन्ध), भानुसप्तमी। F चिन्तपूर्णी व नैनादेवीपूजा (हिमाचल) मेला ज्वाला जी। G झूलनयात्रा आरम्भ। H पुत्रदा एकादशी व्रत (समस्त)। I भद्रोपरान्त, ऋषितर्पण, श्रावण सोमवार, श्रीसत्यनारायणव्रत, दोलोत्सव समाप्ति, अमरनाथ यात्रा समाप्त, संस्कृत दिवस, बलभद्रपूजा (उडीसा), आवणि अविट्टम(दक्षिण भारत),हयग्रीवोत्पत्ति, चन्द्रग्रहण। **रक्षासूत्रबन्धन मन्त्रः** - येन बद्धो बली राजा दानवेन्द्रो महाबलः। तेन त्वां प्रतिबध्नामि रक्षे माचल माचल।।

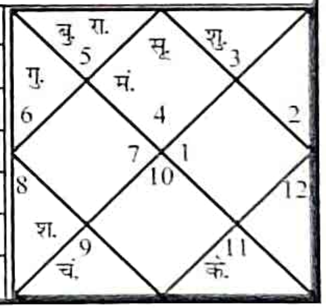
श्रावण शुक्ल 07, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 30.07.2017

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	03	06	03	04	05	02	07	04	10
अं.	12	05	12	10	22	04	27	00	00
क.	56	51	02	08	33	01	35	59	59
वि.	49	12	58	56	54	06	08	20	20
गति	57	747	38	59	07	69	व2	व3	व3
	21	14	34	17	48	06	27	11	11



श्रावण शुक्ल 14, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 06.08.2017

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	03	08	03	04	05	02	07	04	10
अं.	19	29	16	15	23	12	27	00	00
क.	38	48	32	35	31	07	20	37	37
वि.	54	54	38	07	51	51	16	04	04
गति	57	727	38	35	08	69	व1	व3	व3
	28	15	28	43	37	48	52	11	11



विक्रमसंवत् 2074, शाके 1939, भाद्रपद कृष्ण पक्ष (दिनांक 08 अगस्त से 21 अगस्त 2017 ई. तक)

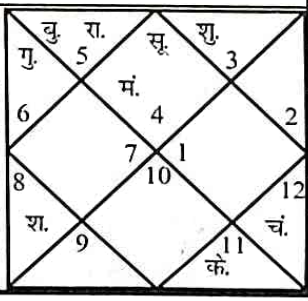
'साधारण 'संवत्सर, दक्षिणायन, उत्तर गोल, वर्षा-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2316, अयनांश 24/05/09

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	मंगल	46	59	24	38	धनिष्ठा	58	18	29	09	सौभाग्य	32	14	बालव	16	01	05	51	19	03	33	01	26	56	कुम्भ16:27	24श्रा	08अग.	पंचक प्रारम्भ 16:27 से,
2	बुध	47	48	24	58	शतभिषा	59	44	29	45	शोभन	30	34	तैतिल	17	23	05	51	19	03	32	58	26	49	कुम्भ	25	09	अशून्यशयनव्रत,विन्ध्याचलदेवी A
3	गुरु	47	32	24	52	पू.भा.	60	00	-	-	अतिगण्ड	28	02	वणिज	17	40	05	52	19	02	32	55	26	41	मीन24:06	26	10	भद्रा 12:55 से 24:52 तक,कज्जली B
4	शुक्र	46	06	24	18	पू.भा.	00	55	06	14	सुकर्मा	24	37	बव	16	49	05	52	19	01	32	51	26	32	मीन	27	11	श्रीगणेशसंकष्टहर चतुर्थी, बहुला चतुर्थीC
5	शनि	43	34	23	18	उ.भा.	01	02	06	18	धृति	20	18	कौलव	14	50	05	53	19	00	32	48	26	23	मीन	28	12	रक्षापंचमी (उडीसा)
6	रवि	39	58	21	52	रेवती अश्विनी	00 59	05 09	05 29	55 33	शूल	15	07	गर	11	46	05	53	18	59	32	44	26	14	मेष05:55	29	13	भद्रा 21:52 से,पंचकसमाप्ति 05:55 पर,D
7	सोम	35	19	20	01	भरणी	56	07	28	20	गण्ड	09	06	विष्टि	07	38	05	54	18	58	32	40	26	03	मेष	30	14	भद्रा 08:56तक, श्रीकृष्णजन्माष्टमी(स्मार्त)
8	मंगल	29	52	17	51	कृत्तिका	52	18	26	49	वृद्धि ध्रुव	02 55	23 05	बालव	02	36	05	54	18	57	32	37	25	53	वृष09:57	31	15	श्रीकृष्णजन्माष्टमी(वैष्णव),71वां भारतीयE
9	बुध	23	43	15	24	रोहिणी	47	49	25	02	व्याघात	47	46	गर	23	43	05	55	18	56	32	33	25	41	वृष	01भा.	16	भद्रा 26:05 से, सिंहसंक्रान्ति 24:45,
10	गुरु	17	06	12	46	मृगसिरा	42	55	23	05	हर्षण	39	25	विष्टि	17	06	05	56	18	55	32	29	25	29	मिथुन12:03	02	17	भद्रा 12:46 तक,मनसादेवी पूजा(बंगाल)F
11	शुक्र	10	15	10	02	आर्द्रा	37	53	21	05	वज्र	30	59	बालव	10	15	05	56	18	54	32	26	25	17	मिथुन	03	18	अजा एकादशी व्रत (समस्त),जया एकादशी
12 13	शनि	03 56	24 49	07 28	18 40	पुनर्वसु	32	59	19	08	सिद्धि	22	39	तैतिल	03	24	05	57	18	54	32	22	25	04	कर्क11:47	04	19	भद्रा 28:40 से, शनिप्रदोष व्रत, अघोर G
14	रवि	50	13	26	02	पुष्य	28	28	17	20	व्यतीपात	14	39	विष्टि	23	31	05	57	18	53	32	18	24	50	कर्क	05	20	भद्रा 15:21 तक, मासशिवरात्रि व्रत, H
30	सोम	44	39	23	49	आश्लेषा	24	38	15	49	वरीयान	07	08	चतुष्पद	17	26	05	58	18	52	32	14	24	36	सिंह15:49	06	21	कुशोत्पाटिनी अमावस्या, पिठौरी अमावस्याI

A जयन्ती, भीमचण्डी देवी जयन्ती, कज्जली निमित्त रात्रिजागरण, पलंग पर लक्ष्मीविष्णु पूजन। B तृतीया, गोपूजा, विशालाक्षी यात्रा। C गोपपूजा, तीजड(सिन्ध)। D हलषष्ठी, ललही छठ, श्रीचन्द्रषष्ठी। E स्वतन्त्रता दिवस, दूर्वाष्टमी, कौमारी पूजा, गोकुलाष्टमी, कृष्णजयन्ती, संत ज्ञानेश्वर जयन्ती।F संक्रान्ति पुण्यकाल सूर्योदय से मध्याह्न तक। G द्वादशी, पर्युपण पर्वारम्भ(जैन), कलियुगादि 13। H अघोर चतुर्दशी। I सोमवती अमावस्या, ऊं हूं फट् इति मन्त्रेण कुशग्रहणम्। **कुशोत्पाटनमन्त्रः** - कुशाग्रे वसते रुद्रः कुशमध्ये तु केशवः। कुश मूले वसेद्ब्रह्मा कुशान्मे देह मेंदिनि। कुशोऽसि कुशपुत्रोऽसि ब्रह्मणा निर्मितः पुरा। देवपितृहितार्थाय कुशमुत्पाटयाम्यहम्।।

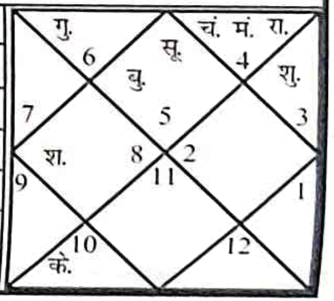
भाद्रपद कृष्ण 06, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 13.08.2017

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	03	11	03	04	05	02	07	04	10
अं.	26	29	21	17	24	20	27	00	00
क.	21	58	01	40	35	19	09	14	14
वि.	47	50	34	40	13	11	43	48	48
गति	57	812	38	02	09	70	व1	व3	व3
	36	37	22	59	22	26	13	11	11



भाद्रपद कृष्ण 14, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 20.08.2017

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	04	03	03	04	05	02	07	03	09
अं.	03	09	25	15	25	28	27	29	29
क.	05	48	29	25	43	34	03	52	52
वि.	37	39	52	48	28	42	43	32	32
गति	57	866	38	व36	10	71	व0	व3	व3
	45	32	17	05	02	01	34	11	11



विक्रमसंवत् 2074, शाके 1939, भाद्रपद शुक्लपक्ष (दिनांक 22 अगस्त से 06 सितम्बर 2017 ई. तक)

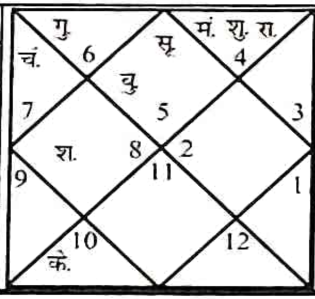
'साधारण 'संवत्सर, दक्षिणायन, उत्तर गोल, शरद्-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2330, अयनांश 24/05/11

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं. अं.		चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	मंगल	40	12	22	03	मघा	21	45	14 -	40 -	परिघ शिव	00 53	21 29	किंस्तुघ्न	12	25	05	58	18	51	32	10	24	22	सिंह	07भा.	22अग.	सायनसूर्य कन्या में 27:50, शरदृतु आरम्भ
2	बुध	37	03	20	48	पू.फा.	20	03	14	00	सिद्ध	48	36	बालव	08	37	05	59	18	50	32	07	24	07	कन्या19:58	08	23	चन्द्रदर्शन
3	गुरु	35	24	20	09	उ.फा.	19	46	13	53	साध्य	44	57	तैतिल	06	14	05	59	18	48	32	03	23	51	कन्या	09	24	सुवर्णगौरी व्रत, हरितालिका तृतीया व्रत A
4	शुक्र	35	28	20	11	हस्त	21	06	14	26	शुभ	42	42	वणिज	05	26	06	00	18	47	31	59	23	35	तुला27:02	10	25	भद्रा 08:10से 20:11तक,विनायकचतुर्थी B
5	शनि	37	14	20	54	चित्रा	24	05	15	38	शुक्ल	41	48	बव	06	21	06	00	18	46	31	55	23	19	तुला	11	26	ऋषि पंचमी
6	रवि	40	43	22	18	स्वाती	28	43	17	30	ब्रह्म	42	13	कौलव	08	58	06	01	18	45	31	51	23	02	तुला	12	27	सूर्यषष्ठी, देवषष्ठी,लोलार्कषष्ठी, स्कन्ददर्शन
7	सोम	45	36	24	15	विशाखा	34	45	19	55	ऐन्द्र	43	42	गर	13	09	06	01	18	44	31	47	22	44	वृश्चि13:19	13	28	भद्रा 24:15 से, आमुक्ताभरण सप्तमी C
8	मंगल	51	37	26	40	अनुराधा	41	56	22	48	वैधृति	46	01	विष्टि	18	36	06	02	18	43	31	43	22	27	वृश्चिक	14	29	भद्रा 13:27 तक,नन्दादेवीपूजा,राधाष्टमी D
9	बुध	58	06	29	16	ज्येष्ठा	49	38	25	53	विष्कुम्भ	48	40	बालव	24	52	06	02	18	42	31	39	22	08	धनु25:53	15	30	अदुःखनवमी, महानंदानवमी, श्रीचन्द्रजयन्ती
10	गुरु	60	00	-	-	मूल	57	15	28	56	प्रीति	51	11	तैतिल	31	07	06	03	18	41	31	35	21	50	धनु	16	31	दशावतार दशमी व्रत, देवी विसर्जन मूल में
10	शुक्र	04	08	07	42	पू.षा.	60	00	-	-	आयुष्मान	53	10	गर	04	08	06	03	18	40	31	31	21	31	धनु	17	01सि.	भद्रा 20:43 से
11	शनि	09	11	09	44	पू.षा.	03	34	07	29	सौभाग्य	54	13	विष्टि	09	11	06	04	18	39	31	27	21	12	मकर14:01	18	02	भद्रा 09:44 तक,पद्मा एकादशी व्रत E
12	रवि	13	04	11	17	उ.षा.	09	01	09	40	शोभन	54	07	बालव	13	04	06	04	18	37	31	23	20	52	मकर	19	03	शक्रद्वादशी, प्रदोषव्रत, वामनद्वादशी,श्रवण F
13	सोम	15	34	12	18	श्रवण	13	10	11	20	अतिगण्ड	52	52	तैतिल	15	34	06	05	18	36	31	18	20	32	कुम्भ23:53	20	04	पंचकप्रारम्भ 23:53 से
14	मंगल	16	36	12	43	धनिष्ठा	15	53	12	26	सुकर्मा	50	23	वणिज	16	36	06	05	18	35	31	14	20	12	कुम्भ	21	05	भद्रा 12:43 से 24:39तक,अनन्तचतुर्दशीG
15	बुध	16	14	12	35	शतभिषा	17	14	12	59	धृति	46	48	बव	16	14	06	06	18	34	31	10	19	51	कुम्भ	22	06	भाद्रपदपूर्णिमा स्नानदानादि, पितृपक्षीय H

A गौरी तृतीया, वराह जयन्ती, सामवेदी उपाकर्म, मन्वादि 3। **B** गणेशोत्सवारम्भ, चन्द्रदर्शन निषेध, कलंक चतुर्थी, सौभाग्य चतुर्थी (वंगाल)। **C** भानुसप्तमी, सन्तान सप्तमी, ललिता सप्तमी (वंगाल)।**D** दूर्वाष्टमी, दुर्गाशयनाष्टमी (उडीसा)। **E** (समस्त), कर्मा एकादशी, पार्श्व परिवर्तन, डोल ग्यारस, दधिदान, दुग्धत्यागव्रतारम्भ, जलझूलनी (राजस्थान)।**F** द्वादशी, महारविव्रत।**G** व्रत, श्रीशिवपरिवर्तनोत्सव, व्रत पूर्णिमा, शिक्षक दिवस, सर्वपल्लीराधाकृष्णन् जयन्ती।**H**पार्वण तर्पणारम्भ, पूर्णिमा श्राद्ध, प्रतिपदाश्राद्ध, महालयारम्भ, आपस्तम्बीय बोधायनीय अथर्ववेदियों का उपाकर्म।**चतुर्थीचन्द्रदर्शन निषेध**-सिंहादित्ये शुक्लपक्षे चतुर्थ्यां चन्द्रदर्शनम्। मिथ्याभिदूषणं कुर्यात्तस्मात्पश्येन्न तं सदा।।

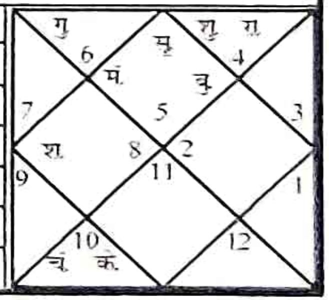
भाद्रपद शुक्ल 06, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 27.08.2017

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	04	06	03	04	05	03	07	03	9
अं.	09	14	29	09	26	06	27	29	29
क.	50	01	57	31	56	54	02	30	30
वि.	32	23	36	14	07	03	25	16	16
गति	57	749	38	व55	10	71	00	व3	व3
	53	11	12	42	38	31	07	11	11



भाद्रपद शुक्ल 12, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 03.09.2017

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	04	09	04	04	05	03	07	03	09
अं.	16	08	04	04	28	15	27	29	29
क.	36	09	24	40	12	17	05	08	08
वि.	44	47	52	54	39	00	53	01	01
गति	58	732	38	व23	11	72	00	व3	व3
	05	47	08	31	09	02	48	11	11



विक्रमसंवत् 2074, शाके 1939, आश्विन कृष्ण पक्ष (दिनांक 07 सितम्बर से 20 सितम्बर 2017 ई. तक)

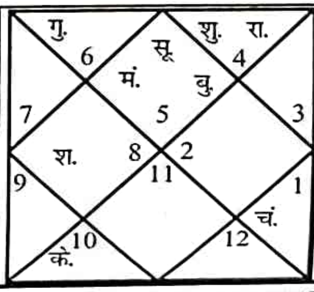
'साधारण' संवत्सर, दक्षिणायन, उत्तर गोल, शरद्-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2346, अयनांश 24/05/13

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	गुरु	14	32	11	55	पू.भा.	17	17	13	01	शूल	42	11	कौलव	14	32	06	06	18	33	31	06	19	30	मीन07:00	23भा.	07सित.	द्वितीया श्राद्ध, अशून्यशयन व्रत
2	शुक्र	11	42	10	47	उ.भा.	16	13	12	36	गण्ड	36	43	गर	11	42	06	07	18	32	31	02	19	09	मीन	24	08	भद्रा 22:02 से, तृतीया श्राद्ध
3	शनि	07	55	09	17	रेवती	14	13	11	48	वृद्धि	30	33	विष्टि	07	55	06	07	18	30	30	58	18	48	मेष11:48	25	09	भद्रा 09:17 तक, पंचकसमाप्ति 11:48A
4	रवि	03	22	07	28	अश्विनी	11	26	10	42	ध्रुव	23	50	बालव	03	22	06	08	18	29	30	54	18	26	मेष	26	10	पंचमी श्राद्ध, भरणी श्राद्ध
5		58	18	29	27																							
6	सोम	53	14	27	26	भरणी	08	10	09	24	व्याघात	16	46	गर	25	46	06	08	18	28	30	49	18	05	वृष15:02	27	11	भद्रा 27:26 से,षष्ठी श्राद्ध, चन्द्रषष्ठी
7	मंगल	47	25	25	06	कृत्तिका	04	34	07	58	हर्षण	09	30	विष्टि	20	20	06	09	18	27	30	45	17	43	वृष	28	12	भद्रा 14:16 तक,सप्तमीश्राद्ध,महालक्ष्मी B
8	बुध	41	38	22	48	रोहिणी	00	50	06	29	वज्र	02	08	बालव	14	32	06	09	18	26	30	41	17	21	मिथुन17:44	29	13	अष्टमीश्राद्ध,बुधाष्टमीपर्व,जीवितपुत्रिकाव्रत
						मृगसिरा	57	08	29	00	सिद्धि	54	49															
9	गुरु	36	01	20	34	आर्द्रा	53	24	27	31	व्यतीपात	47	30	तैतिल	08	50	06	10	18	24	30	37	16	59	मिथुन	30	14	नवमीश्राद्ध, मातृनवमी, सौभाग्यवती श्राद्ध
10	शुक्र	30	40	18	26	पुनर्वसु	50	00	26	10	वरीयान	40	25	वणिज	03	21	06	10	18	23	30	33	16	37	कर्क20:30	31	15	भद्रा 07:30 से 18:26 तक, दशमी श्राद्ध
11	शनि	25	42	16	27	पुष्य	47	00	24	58	परिघ	33	41	बालव	25	42	06	10	18	22	30	28	16	15	कर्क	01आ.	16	एकादशी श्राद्ध, इन्दिरा एकादशीव्रत C
12	रवि	21	11	14	39	आश्लेषा	44	29	23	58	शिव	27	20	तैतिल	21	11	06	11	18	21	30	24	15	52	सिंह23:58	02	17	द्वादशी श्राद्ध, यतिमहालय,प्रदोषव्रत D
13	सोम	17	17	13	06	मघा	42	39	23	15	सिद्ध	21	30	वणिज	17	17	06	11	18	20	30	20	15	30	सिंह	03	18	भद्रा 13:06 से 24:28तक,त्रयोदशीश्राद्ध E
14	मंगल	14	09	11	51	पू.फा.	41	37	22	50	साध्य	16	18	शकुनि	14	09	06	12	18	18	30	16	15	08	कन्या28:50	04	19	सर्वपितृ-अमावस्या श्राद्ध, पितृविसर्जन F
30	बुध	11	56	10	58	उ.फा.	41	33	22	49	शुभ	11	50	नाग	11	56	06	12	18	17	30	11	14	45	कन्या	05	20	स्नानदान अमावस्या, मातामह श्राद्ध

A चतुर्थी श्राद्ध, कज्जली वहुला व्रत, बृहद्गौरीव्रत, संकष्टहरचतुर्थी व्रत। B व्रत, मध्य रात्रि में ओंगठन (मिथिला)। C (समस्त), कन्या संक्रान्ति 24:42। D संक्रान्ति पुण्यकाल प्रातः से मध्याह्न तक। E मघा त्रयोदशी, मघा श्राद्ध, गजच्छायाश्राद्ध, चतुर्दशी श्राद्ध, शस्त्रहतमहालय, शस्त्रादि हत श्राद्ध, मासशिवरात्रिव्रत। Fमहालय समाप्ति। **श्राद्ध माहात्म्य** - आषाढ्याः पंचमे पक्षे कन्यासंस्थे दिवाकरे। यो वै श्राद्धं नरः कुर्यादेकस्मिन्नपि वासरे। तस्य संवत्सरं यावत् संतृप्ताः पितरो ध्रुवम्। **जीवित्पुत्रिकाव्रतम्** - इषे मास्यसिते पक्षे चाष्टमी या तिथिर्भवेत्। पुत्रसौभाग्यदा स्त्रीणां ख्याता सा जीवित्पुत्रिका।।शालिवाहनराजस्य पुत्रो जीमूतवाहनः। तस्यां पूज्यः स नारीभिः पुत्रसौभाग्यलिप्सया।

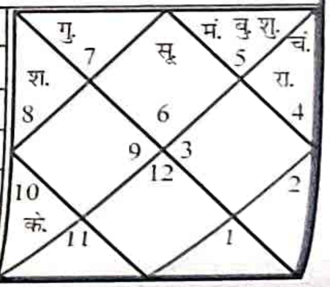
आश्विन कृष्ण 04, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 10.09.2017

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	04	00	04	04	05	03	07	03	09
अं.	23	10	08	05	29	23	27	28	28
क.	24	40	51	49	32	43	14	45	45
वि.	17	33	43	57	39	21	06	45	45
गति	58	835	38	35	11	72	01	व3	व3
	17	39	04	36	37	30	28	11	11



आश्विन कृष्ण 12, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 17.09.2017

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	05	03	04	04	06	04	07	03	09
अं.	00	19	13	13	00	02	27	28	28
क.	13	37	18	24	55	12	26	23	23
वि.	18	23	13	54	38	55	59	29	29
गति	58	839	38	83	12	72	02	व3	व3
	30	32	02	59	01	57	07	11	11



विक्रमसंवत् 2074, शाके 1939, आश्विन शुक्ल पक्ष (दिनांक 21 सितम्बर से 05 अक्टूबर 2017 ई. तक)

'साधारण' संवत्सर, दक्षिणायन, उत्तर/दक्षिण-गोल, शरद्-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2360, अयनांश 24/05/15

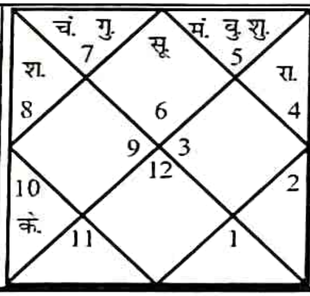
तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं. अं.		चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	गुरु	10	50	10	32	हस्त	42	40	23	17	शुक्ल	08	15	बव	10	50	06	13	18	16	30	07	14	23	कन्या	06अ	21सि.	शारदीय नवरात्रारम्भ, कलश स्थापन A
2	शुक्र	11	01	10	37	चित्रा	45	07	24	16	ब्रह्म	05	41	कौलव	11	01	06	13	18	15	30	03	14	01	तुला11:46	07	22	सायन सूर्य तुला में 25:32, मोहर्रम(मुस्लिम)
3	शनि	12	36	11	16	स्वाती	49	00	25	49	ऐन्द्र	04	13	गर	12	36	06	14	18	13	29	59	13	39	तुला	08	23	भद्रा 23:53से, गौरीतृतीया
4	रवि	15	40	12	30	विशाखा	54	18	27	57	वैधृति	03	52	विष्टि	15	40	06	14	18	12	29	54	13	17	वृश्चि21:25	09	24	भद्रा 12:30 तक, विनायकचतुर्थीव्रत
5	सोम	20	08	14	18	अनुराधा	60	00	-	-	विष्कुम्भ	04	36	बालव	20	08	06	15	18	11	29	50	12	55	वृश्चिक	10	25	देवी पंचमी पूजा, उपांगललितागौरीव्रत
6	मंगल	25	45	16	33	अनुराधा	01	52	07	00	प्रीति	06	14	तैतिल	25	45	06	15	18	10	29	46	12	34	वृश्चिक	11	26	बिल्व आमन्त्रण, कालरात्रिपूजा
7	बुध	32	04	19	05	ज्येष्ठा	09	12	09	56	आयुष्मान	08	28	वणिज	32	04	06	16	18	09	29	42	12	12	धनु07:00	12	27	भद्रा 19:05से, सरस्वती आवाहन, महानिशा B
8	गुरु	38	33	21	41	मूल	16	49	13	00	सौभाग्य	10	55	विष्टि	05	18	06	16	18	07	29	37	11	51	धनु	13	28	भद्रा 08:23तक, महाष्टमीव्रत, श्रीदुर्गाष्टमी C
9	शुक्र	44	28	24	04	पू.षा.	24	06	15	55	शोभन	13	05	बालव	11	30	06	17	18	06	29	33	11	30	मकर22:33	14	29	महानवमीव्रत, बलिहोमादि, स्वारोचिषमन्वादि
10	शनि	49	11	25	57	उ.षा.	30	25	18	27	अतिगण्ड	14	29	तैतिल	16	49	06	17	18	05	29	29	11	09	मकर	15	30	विजयदशमी, दशहरा, दुर्गाविसर्जन, शमीपूजा D
11	रवि	52	17	27	12	श्रवण	35	19	20	25	सुकर्मा	14	49	वणिज	20	44	06	18	18	04	29	25	10	49	मकर	16	01अक्टू.	भद्रा 14:34 से 27:12 तक, पापांकुशा E
12	सोम	53	27	27	41	धनिष्ठा	38	27	21	41	धृति	13	47	बव	22	52	06	18	18	03	29	20	10	29	कुम्भ09:03	17	02	पंचकप्रारम्भ 09:03 से, गोद्वादशी, महात्मा F
13	मंगल	52	38	27	22	शतभिषा	39	43	22	12	शूल	11	17	कौलव	23	03	06	19	18	01	29	16	10	09	कुम्भ	18	03	भौमप्रदोषव्रत
14	बुध	49	55	26	17	पू.भा.	39	09	21	59	गण्ड	07	19	गर	21	17	06	19	18	00	29	12	09	50	मीन17:21	19	04	भद्रा 26:17 से
15	गुरु	45	38	24	35	उ.भा.	36	59	21	07	वृद्धि ध्रुव	02 55	03 40	विष्टि	17	46	06	20	17	59	29	08	09	31	मीन	20	05	भद्रा 13:26 तक, शरत् पूर्णिमा, कौमुदी G

A चन्द्रदर्शन, प्रीति द्वितीया, महाराज अग्रसेन जयन्ती। B पूजा, बलिकर्म, देवीत्रिरात्रिव्रतारम्भ। C अन्नपूर्णापरिक्रमा। D अपराजिता देवी पूजा, दशरथगौरीव्रत, सीमोल्लंघन, नीलकंठदर्शन, शस्त्रादि पूजा, वाहन पूजा, नवरात्रपारणा, माधवाचार्य जयन्ती। E एकादशी व्रत (समस्त), भरत मिलाप(काशी)। F गान्धी जयन्ती, श्रीलालबहादुरशास्त्री जयन्ती, पद्मनाभद्वादशी। G महोत्सव, कोजागरी, पूर्णिमा व्रत, सत्यनारायणव्रत, रात्रौ अक्षक्रीडा, कार्तिकस्नानारम्भ, श्रीवाल्मीकिजयन्ती, औली समाप्त (जैन), अन्नाभिषेक(दक्षिणभारत)।

नवरात्रिसमये घटस्थापन कालविमर्श - न रात्रौ स्थापनं कार्यं न च कुम्भाभिषेनम्। भास्करोदयमारभ्य यावत्तु दशनाडिका। प्रातः काल इति प्रोक्तः स्थापनारोपणादिषु।

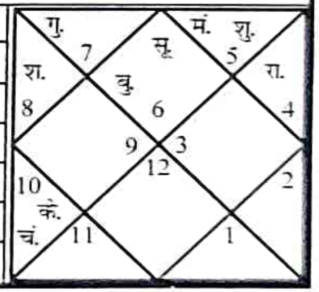
आश्विन शुक्ल 04, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 24.09.2017

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	05	06	04	04	06	04	07	03	09
अं.	07	22	17	24	02	10	27	28	28
क.	03	04	44	57	21	45	44	01	01
वि.	52	11	26	55	10	29	25	13	13
गति	58	746	38	106	12	73	02	व3	व3
	43	39	00	29	21	23	46	11	11



आश्विन शुक्ल 11, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 01.10.2017

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	05	09	04	05	06	04	07	03	09
अं.	13	16	22	07	03	19	28	27	27
क.	56	08	10	42	48	20	06	38	38
वि.	03	11	25	07	46	51	12	57	57
गति	58	733	37	109	12	73	03	व3	व3
	58	28	58	21	37	45	22	11	11



विक्रमसंवत् 2074, शाके 1939, कार्तिक कृष्ण पक्ष (दिनांक 06 अक्टूबर से 19 अक्टूबर 2017 ई. तक)

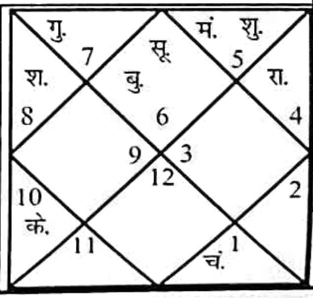
'साधारण' संवत्सर, दक्षिणायन, दक्षिणगोल, शरद्-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2375, अयनांश 24/05/17

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	शुक्र	40	03	22	21	रेवती	33	31	19	44	व्याघात	49	18	बालव	12	50	06	20	17	58	29	03	09	12	मेष19:44	2131	06अक्टू.	पंचक समाप्ति 19:44 पर
2	शनि	33	35	19	47	अश्विनी	29	06	17	59	हर्षण	40	59	तैतिल	06	49	06	21	17	57	28	59	08	54	मेष	22	07	अशून्यशयन व्रत
3	रवि	26	43	17	02	भरणी	24	12	16	02	वज्र	32	23	वणिज	00	09	06	22	17	56	28	55	08	37	वृष21:32	23	08	भद्रा 06:24से 17:02 तक,संकष्टहरचतुर्थी A
4	सोम	19	46	14	16	कृत्तिका	19	10	14	02	सिद्धि	23	49	बालव	19	46	06	22	17	55	28	51	08	19	वृष	24	09	दशरथ चतुर्थी(बंगाल)
5	मंगल	13	05	11	36	रोहिणी	14	22	12	07	व्यतीपात	15	29	तैतिल	13	05	06	23	17	53	28	47	08	03	मिथुन23:15	25	10	
6	बुध	06	50	09	07	मृगसिरा	09	59	10	23	वरीयान	07	32	वणिज	06	50	06	23	17	52	28	42	07	47	मिथुन	26	11	भद्रा 09:07 से 20:00 तक।
7	गुरु	01	15	06	54	आर्द्रा	06	17	08	54	परिघ	00	09	बव	01	15	06	24	17	51	28	38	07	31	कर्क26:01	27	12	अहोई अष्टमी, अष्टमीव्रत, राधाष्टमी
8		56	25	28	58						शिव	53	22															
9	शुक्र	51	34	27	02	पुनर्वसु	03	19	07	44	सिद्ध	46	34	तैतिल	23	59	06	24	17	50	28	34	07	16	कर्क	28	13	श्रीराधाजयन्ती
10	शनि	48	22	25	45	पुष्य	01	08	06	52	साध्य	41	06	वणिज	19	58	06	25	17	49	28	30	07	01	सिंह30:19	29	14	भद्रा 14:23 से 25:45 तक।
						आश्लेषा	59	46	30	19																		
11	रवि	46	00	24	49	मघा	58	23	29	47	शुभ	36	18	बव	17	11	06	26	17	48	28	26	06	47	सिंह	30	15	रम्भा (रमा)एकादशी व्रत(समस्त)
12	सोम	44	25	24	12	पू.फा.	58	37	29	53	शुक्ल	32	06	कौलव	15	13	06	26	17	47	28	22	06	34	सिंह	31	16	गोवत्स द्वादशी
13	मंगल	43	40	23	54	उ.फा.	60	00	-	-	ब्रह्म	28	33	गर	14	03	06	27	17	46	28	17	06	21	कन्या12:04	01क	17	भद्रा 23:54 से, धन्वन्तरिजयन्ती, धनतेरस B
14	बुध	43	49	23	59	उ.फा.	00	28	06	38	ऐन्द्र	25	42	विष्टि	13	45	06	27	17	45	28	13	06	09	कन्या	02	18	भद्रा 11:56 तक,नरकचतुर्दशी,श्रीहनुमान C
30	गुरु	44	55	24	26	हस्त	02	26	07	26	वैधृति	23	35	चतुष्पद	14	22	06	28	17	44	28	09	05	58	तुला20:02	03	19	दीपावली, महालक्ष्मी पूजा, अमावस्या D

A व्रत, करकचतुर्थी व्रत, करवा चौथ। B धन त्रयोदशी,तुला संक्रान्ति 12: 41, पुण्यकाल मध्याह्न तक भौमप्रदोषव्रत, सायं दीपदान, कामेश्वरी जयन्ती। C जयन्ती (उत्तर भारत), माषपत्रभक्षण, यमदीपदान, यमतर्पण, प्रेत चतुर्दशी, महाकाली पूजा। D स्नानादि, पितृविसर्जन, प्रातः यमतर्पण, हनुमत्पूजा, लक्ष्मीकुबेरादि पूजन, सायं दीपदान,उल्काभ्रमण, गोत्रिरात्रि व्रत, केदारव्रत, श्रीमहावीर निर्वाण(जैन), **दरिद्रानिस्सारण** -एवं गते निशीथे तु जने निद्रार्धलोचने।तावन्नगरनारीभिः शूर्पडिंडमवादनैः।निष्कास्यते प्रहृष्टाभिरलक्ष्मीः स्वगृहांगणात्॥ **कार्तिके स्नानादि- महत्वम्** -कार्तिके सकलं मासं प्रातः स्नायी जितेन्द्रियः। जपन् हविष्यभुक् शान्तः सर्वपापैः प्रमुच्यते।धात्रीच्छाया समाश्रित्य भुंक्ते योन्नं हि मानवः। ब्राह्मणान् भोजयित्वा तु वार्षिकं किल्विषं हरेत्॥

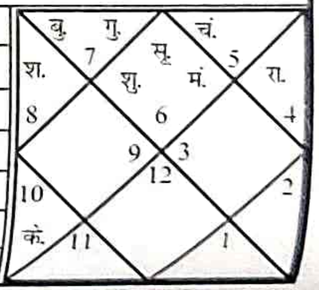
कार्तिक कृष्ण 03, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 08.10.2017

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	05	00	04	05	06	04	07	03	09
अं.	20	20	26	20	05	27	28	27	27
क.	49	51	36	12	18	58	32	16	16
वि.	55	14	12	58	03	50	07	41	41
गति	59	864	37	105	12	74	03	व3	व3
	12	39	57	10	49	07	57	11	11



कार्तिक कृष्ण 11, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 15.10.2017

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	05	04	05	06	06	05	07	03	09
अं.	27	00	01	02	06	06	29	26	26
क.	45	03	01	07	48	39	01	54	54
वि.	27	14	48	51	34	05	53	25	25
गति	59	818	37	99	12	74	04	व3	व3
	26	37	55	50	59	24	29	11	11



विक्रमसंवत् 2074, शाके 1939, कार्तिक शुक्ल पक्ष (दिनांक 20 अक्टूबर से 04 नवम्बर 2017 ई. तक)

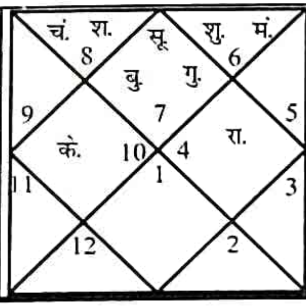
'साधारण 'संवत्सर, दक्षिणायन, दक्षिणगोल, शरद्/हेमन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2389, अयनांश 24/05/19

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं. अं.		चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	शुक्र	47	05	25	19	चित्रा	05	23	08	38	विष्कुम्भ	22	16	किंस्तुघ्न	16	00	06	29	17	43	28	05	05	47	तुला	04	20अक्टू.	गोक्रीडा, गोवर्धनपूजा, बलिपूजा, आकाशA
2	शनि	50	24	26	38	स्वाती	09	23	10	14	प्रीति	21	48	बालव	18	44	06	29	17	42	28	01	05	37	वृश्चि29:46	05	21	भ्रातृद्वितीया, भैया दूज, यमपूजा, चन्द्रदर्शन
3	रवि	54	53	28	27	विशाखा	14	29	12	17	आयुष्मान	22	13	तैतिल	22	38	06	30	17	41	27	57	05	28	वृश्चिक	06	22	त्रिलोचनगौरीव्रत
4	सोम	60	00	-	-	अनुराधा	20	40	14	46	सौभाग्य	23	29	वणिज	28	06	06	31	17	40	27	53	05	20	वृश्चिक	07	23	भद्रा 17:45से, नागचतुर्थी, विनायकचतुर्थीB
4	मंगल	01	19	07	03	ज्येष्ठा	27	46	17	37	शोभन	25	28	विष्टि	01	19	06	31	17	39	27	49	05	12	धनु17:37	08	24	भद्रा 07:03 तक,त्रिदिवसीय सूर्यषष्ठीव्रतारम्भ
5	बुध	07	38	09	35	मूल	35	30	20	44	अतिगण्ड	27	55	बालव	07	38	06	32	17	38	27	45	05	05	धनु	09	25	नागपंचमी, सौभाग्यपंचमी, स्कन्दषष्ठी
6	गुरु	14	15	12	14	पू.षा.	43	23	23	54	सुकर्मा	30	29	तैतिल	14	15	06	33	17	37	27	41	04	59	धनु	10	26	सूर्यषष्ठीव्रत, प्रतिहारषष्ठी व्रत(सांयार्घ्य)
7	शुक्र	20	37	14	48	उ.षा.	50	51	26	53	धृति	32	44	वणिज	20	37	06	33	17	36	27	37	04	53	मकर06:39	11	27	भद्रा 14:48से 27:53तक,प्रतिहारषष्ठीसूर्यार्घ्य
8	शनि	26	02	16	59	श्रवण	57	10	29	26	शूल	34	07	बव	26	02	06	34	17	36	27	33	04	49	मकर	12	28	दुर्गाष्टमी, गोपाष्टमी, कार्तवीर्योत्पत्ति
9	रवि	29	58	18	34	धनिष्ठा	60	00	-	-	गण्ड	34	18	कौलव	29	58	06	35	17	35	27	29	04	45	कुम्भ18:05	13	29	पंचक प्रारम्भ 18:05से, अक्षयनवमी C
10	सोम	31	55	19	21	धनिष्ठा	00	22	06	44	वृद्धि	32	54	तैतिल	00	57	06	35	17	34	27	25	04	42	कुम्भ	14	30	
11	मंगल	31	37	19	15	शतभिषा	02	35	07	38	ध्रुव	29	43	वणिज	01	46	06	36	17	33	27	22	04	40	मीन25:40	15	31	भद्रा 07:18 से 19:15 तक, हरिप्रबोधिनीD
12	बुध	29	05	18	15	पू.भा.	02	41	07	41	व्याघात	24	48	बालव	00	21	06	37	17	32	27	18	04	38	मीन	16	01नव.	प्रदोषव्रत, तुलसी विवाह, गरुडद्वादशी E
13	गुरु	24	31	16	26	उ.भा. रेवती	00 57	46 06	06 29	56 28	हर्षण	18	15	तैतिल	24	31	06	38	17	32	27	14	04	38	मेष29:28	17	02	पंचकसमाप्ति 29:28 पर, वैकुण्ठचतुर्दशी
14	शुक्र	18	14	13	56	अश्विनी	53	28	28	01	वज्र	10	20	वणिज	18	14	06	38	17	31	27	10	04	38	मेष	18	03	भद्रा 13:56 से 24:26तक,पाषाणचतुर्दशीF
15	शनि	10	44	10	57	भरणी	26	56	25	25	सिद्धि व्यतिपात	01 51	24 52	बव	10	44	06	39	17	30	27	07	04	39	मेष	19	04	कार्तिकपूर्णिमा,कार्तिकव्रतोद्यापन,स्नानादि G

A दीपारम्भ, अन्नकूट, अखण्डदीपारम्भ, मंगलमालिका, द्यूतक्रीडा।B दूर्वागणपति व्रत, सायनसूर्य वृश्चिक में 10:57 पर। C कूष्माण्डनवमी, सतयुगादि, विष्णुत्रिरात्रिव्रतारम्भ, जगद्धात्री पूजा, धात्रीवृक्ष के नीचे भोजन, अयोध्या मथुरा परिक्रमा।D एकादशी व्रत(समस्त),देवउठनी, भीष्मपंचक प्रारम्भ, श्रीविष्णु त्रिरात्रिव्रतसमाप्त। E भीष्मपंचकव्रतारम्भ, चातुर्मास्य समाप्ति। F पूर्णिमाव्रत, विश्वेश्वरप्रतिष्ठाव्रत, काशी विश्वनाथ प्रतिष्ठा, धात्रीपजन, श्रीमहाविष्णु पूजा। G पूर्णिमा,सत्यनारायणव्रत,गुरुनानक जयन्ती,त्रिपुरोत्सव,तुलसी उद्यापन, पुष्कर मेला,भीष्मपंचकसमाप्ति, देव दीपावली,निम्बार्क जयन्ती, वैशानस दीप(द.भा.)।

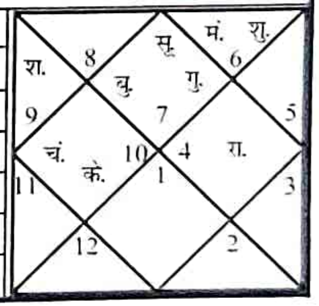
कार्तिक शुक्ल 03, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 22.10.2017

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	06	07	05	06	06	05	07	03	09
अं.	04	00	05	13	08	15	29	26	26
क.	42	21	27	28	19	21	35	32	32
वि.	41	31	15	47	53	23	13	09	09
गति	59	738	37	95	13	74	04	व3	व3
	41	44	53	24	05	41	58	11	11



कार्तिक शुक्ल 09, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 29.10.2017

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	06	09	05	06	06	05	08	03	09
अं.	11	24	09	24	09	24	00	26	26
क.	41	06	52	22	51	05	11	09	09
वि.	34	41	35	06	35	26	48	53	53
गति	59	730	37	91	13	74	05	व3	व3
	54	07	52	46	06	55	25	11	11



विक्रमसंवत् 2074, शाके 1939, मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष (दिनांक 05 नवम्बर से 18 नवम्बर 2017 ई. तक)

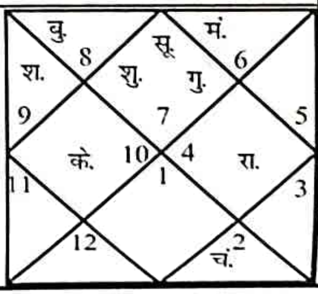
'साधारण' संवत्सर, दक्षिणायन, दक्षिणगोल, हेमन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2405, अयनांश 24/05/21

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं. अं.		चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	रवि	02	32	07	40	कृत्तिका	39	58	22	39	वरीयान	42	22	कौलव	02	32	06	40	17	29	27	03	04	41	वृष06:43	20का	05नव.	कार्तिकव्रतपारणा
2		54	05	28	18																							
3	सोम	45	39	24	56	रोहिणी	33	05	19	55	परिघ	32	07	वणिज	19	52	06	41	17	29	26	59	04	44	मिथुन30:39	21	06	भद्रा 14:37 से 24:56तक,सौभाग्यसुन्दरीव्रत
4	मंगल	37	29	21	41	मृगसिरा	26	45	17	23	शिव	22	24	बव	11	34	06	42	17	28	26	56	04	47	मिथुन	22	07	संकष्टहरचतुर्थी व्रत
5	बुध	30	22	18	51	आर्द्रा	21	20	15	14	सिद्ध	13	27	कौलव	03	56	06	42	17	27	26	52	04	52	मिथुन	23	08	
6	गुरु	24	28	16	30	पुनर्वसु	17	02	13	31	साध्य	05	23	वणिज	24	28	06	43	17	27	26	49	04	57	कर्क07:57	24	09	भद्रा 16:30 से 27:35 तक
											शुभ	58	19															
7	शुक्र	19	51	14	40	पुष्य	13	58	12	19	शुक्ल	51	07	बव	19	51	06	44	17	26	26	45	05	03	कर्क	25	10	सावित्रीकल्प,रुक्मणी अष्टमी,कालभैरवाष्टमी
8	शनि	16	35	13	22	आश्लेषा	12	13	11	38	ब्रह्म	46	14	कौलव	16	35	06	45	17	26	26	42	05	10	सिंह11:38	26	11	
9	रवि	14	37	12	36	मघा	11	45	11	27	ऐन्द्र	42	22	गर	14	37	06	45	17	25	26	39	05	18	सिंह	27	12	भद्रा 24:27 से
10	सोम	13	51	12	19	पू.फा.	12	28	11	45	वैधृति	39	23	विष्टि	13	51	06	46	17	25	26	35	05	27	कन्या17:56	28	13	भद्रा 12:19 तक
11	मंगल	14	15	12	29	उ.फा.	14	19	12	30	विष्कुम्भ	37	15	बालव	14	15	06	47	17	24	26	32	05	37	कन्या	29	14	उत्पन्ना एकादशी व्रत (समस्त), बालदिवस
12	बुध	15	43	13	05	हस्त	17	12	13	40	प्रीति	35	53	तैतिल	15	43	06	48	17	24	26	29	05	47	तुला26:26	30	15	प्रदोषव्रत
13	गुरु	18	08	14	04	चित्रा	20	59	15	12	आयुष्मान	35	12	वणिज	18	08	06	49	17	23	26	26	05	58	तुला	01मा	16	भद्रा 14:04से 26:44तक,वृश्चिकसंक्रान्तिA
14	शुक्र	21	27	15	24	स्वाती	25	39	17	05	सौभाग्य	35	11	शकुनि	21	27	06	49	17	23	26	23	06	10	तुला	02	17	
30	शनि	25	40	17	06	विशाखा	31	10	19	18	शोभन	35	49	नाग	25	40	06	50	17	22	26	20	06	23	वृश्चि12:44	03	18	स्नानादि अमावस्या, शनैश्चरी अमावस्याB

A 12:28, पुण्यकाल सम्पूर्ण दिन। B श्राद्धादि अमावस्या, कार्तिक पूजा बंगाल। **नवान्नभक्षणम्**-वृश्चिकके पूर्वभागे तु नवान्नं शस्यते बुधैः। अपरे क्रियमाणे तु धनुष्येव कृतं भवेत्।। धनुषि यत्कृतं श्राद्धं मृगनेत्रासु रात्रिषु। पितरस्तन्न गृहणन्ति नवान्नामृतकांक्षिणः।। कालभैरवपूजने विशेषः - कृत्वा च विविधां पूजां महासम्भार- विस्तरैः। नरो मार्गासिताष्टम्यां वार्षिकं विघ्नमुत्सृजेत्। तीर्थे कालोदके स्नात्वा कृत्वा तर्पणमत्वरः। विलोक्य कालराजानं निरयादुद्धरेत्पितृन्। **रविवासरे त्याज्य वस्तूनि**-क्षौरं तैलं जलं चोष्णमामिषं निशि भोजनम्। रतिः स्नानं च मध्याह्ने रवौ सप्त विवर्जयेत्।।

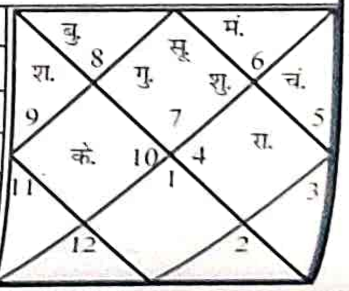
मार्गशीर्ष कृष्ण 01, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 05.11.2017

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	06	01	05	07	06	06	08	03	09
अं.	18	00	14	04	11	02	00	25	25
क.	42	06	07	50	23	50	51	47	47
वि.	01	54	45	55	12	53	18	37	37
गति	60	890	37	88	13	75	05	व3	व3
	07	11	51	16	03	06	48	11	11



मार्गशीर्ष कृष्ण 09, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 12.11.2017

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	06	04	05	07	06	06	08	03	09
अं.	25	10	18	14	12	11	01	25	25
क.	43	41	42	53	54	37	33	25	25
वि.	59	22	47	00	19	27	22	21	21
गति	60	809	37	83	12	75	06	व3	व3
	20	56	50	57	57	14	09	11	11



विक्रमसंवत् 2074, शाके 1939, मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष (दिनांक 19नवम्बर से 03दिसम्बर 2017 ई. तक)

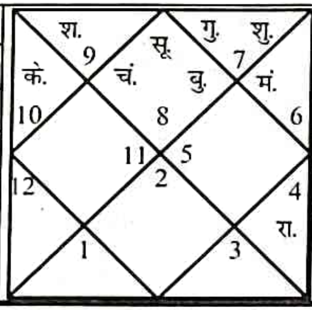
'साधारण 'संवत्सर, दक्षिणायन, दक्षिण गोल, हेमन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2419, अयनांश 24/05/23

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं. अं.		चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	रवि	30	42	19	08	अनुराधा	37	26	21	49	अतिगण्ड	37	03	बव	30	42	06	51	17	22	26	17	06	36	वृश्चिक	04मा.	19नव.	प्रतिपदप्रदोप, रुद्रव्रत
2	सोम	36	28	21	27	ज्येष्ठा	44	24	24	37	सुकर्मा	38	49	बालव	03	35	06	52	17	22	26	14	06	51	धनु24:37	05	20	रम्भाव्रत, चन्द्रदर्शन
3	मंगल	42	56	24	03	मूल	52	01	27	41	धृति	41	05	तैतिल	09	42	06	53	17	21	26	11	07	06	धनु	06	21	
4	बुध	49	47	26	48	पू.षा.	60	00	-	-	शूल	43	38	वणिज	16	21	06	54	17	21	26	08	07	22	धनु	07	22	भद्रा 13:25से 26:48तक, विनायकचतुर्थी A
5	गुरु	56	40	29	34	पू.षा.	00	06	06	57	गण्ड	46	12	बव	23	14	06	54	17	21	26	06	07	38	मकर13:43	08	23	रामविवाहोत्सव, नागपंचमी
6	शुक्र	60	00	-	-	उ.षा.	07	45	10	01	वृद्धि	48	25	कौलव	29	34	06	55	17	21	26	03	07	56	मकर	09	24	स्कन्दषष्ठी, संहारषष्ठी, मल्लारषष्ठी B
6	शनि	02	29	07	55	श्रवण	14	46	12	50	ध्रुव	49	51	तैतिल	02	29	06	56	17	20	26	01	08	14	कुम्भ26:00	10	25	पंचकप्रारम्भ26:00से,नन्दासप्तमी,मित्रसप्तमी
7	रवि	07	17	09	51	धनिष्ठा	20	33	15	10	व्याघात	50	05	वणिज	07	17	06	57	17	20	25	58	08	33	कुम्भ	11	26	भद्रा 09:51 से 22:28 तक,
8	सोम	10	20	11	05	शतभिषा	24	37	16	48	हर्षण	48	41	बव	10	20	06	58	17	20	25	56	08	52	कुम्भ	12	27	दुर्गाष्टमी,
9	मंगल	11	17	11	29	पू.भा.	26	36	17	36	वज्र	45	28	कौलव	11	17	06	58	17	20	25	53	09	12	मीन11:24	13	28	महानवमीव्रत, कल्पादि 9
10	बुध	09	55	10	57	उ.भा.	26	16	17	29	सिद्धि	40	17	गर	09	55	06	59	17	20	25	51	09	33	मीन	14	29	भद्रा 22:13 से
11	गुरु	06	14	09	29	रेवती	23	40	16	28	व्यतीपात	33	15	विष्टि	06	14	07	00	17	20	25	49	09	54	मेष16:28	15	30	भद्रा 09:29तक, मोक्षदा एकादशी व्रत C
12	शुक्र	00	32	07	13	अश्विनी	19	06	14	39	वरीयान	24	40	बालव	00	32	07	01	17	20	25	47	10	16	मेष	16	01दि.	प्रदोषव्रत, अखण्डद्वादशी, मत्स्या द्वादशी
13		53	12	28	18																							
14	शनि	45	57	25	24	भरणी	12	59	12	13	परिघ	14	54	गर	19	29	07	02	17	20	25	45	10	39	वृष17:30	17	02	भद्रा 25:24से, दत्तजयन्ती, दत्तात्रेय उत्पत्ति
15	रवि	36	06	21	29	कृत्तिका	05	52	09	23	शिव	04	24	विष्टि	11	01	07	02	17	20	25	43	11	02	वृष	18	03	भद्रा 11:26 तक, मार्गशीर्ष पूर्णिमा D
						रोहिणी	58	17	30	21	सिद्ध	53	34															

A व्रत, सायन सूर्य धनु में 08:35 पर। B चम्पाषष्ठी(महाराष्ट्र), सुब्रह्मण्यमषष्ठी(द.भारत)। C (समस्त), गीता जयन्ती, पंचकसमाप्ति 16:28 पर, मौन एकादशी(जैन), धरणी व्रत। D सत्यनारायणव्रत, काशी पिशाचमोचनयात्रा, दर्शन तर्पणादि, स्नानदानादि पूर्णिमा, पूर्णिमा व्रत। **अथसौरव्रतम्**-मार्गे मासि तथा माघे वैशाखाषाढयोरपि। शुक्लपक्षे व्रतं कुर्यात्सम्यग्देवस्य भास्वत:।। **नवान्नफलभक्षणम्** - हरियुगलेऽदितियुगले पूषायुगले विरंचियुगले च। करपंचकोत्तरेषु च नवान्नफलभक्षणं शस्तम्।।

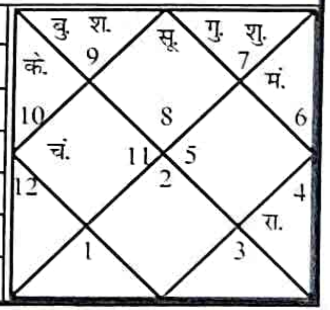
मार्गशीर्ष शुक्ल 01, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 19.11.2017

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	07	07	05	07	06	06	08	03	09
अं.	02	09	23	24	14	20	02	25	25
क.	47	05	07	10	24	24	17	03	03
वि.	19	46	36	22	27	52	38	05	05
गति	60	727	37	75	12	75	06	व3	व3
	31	51	48	17	48	20	26	11	11



मार्गशीर्ष शुक्ल 07, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 26.11.2017

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	07	10	05	08	06	06	08	03	09
अं.	09	02	2	01	15	29	03	24	24
क.	51	31	32	43	53	12	03	40	40
वि.	55	02	13	41	07	55	44	49	49
गति	60	726	37	54	12	75	06	व3	व3
	41	26	46	15	34	27	41	11	11



विक्रमसंवत् 2074, शाके 1939, पौष कृष्ण पक्ष (दिनांक 04 दिसम्बर से 18 दिसम्बर 2017 ई. तक)

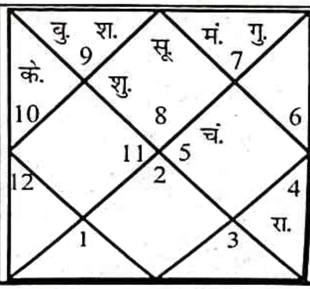
'साधारण 'संवत्सर, दक्षिणायन, दक्षिणगोल, हेमन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2434, अयनांश 24/05/25

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	सोम	26	11	17	31	मृगसिरा	50	49	27	22	साध्य	42	48	बालव	01	09	07	03	17	20	25	41	11	26	मिथु16:51	19मा.	04दिस.	
2	मंगल	16	43	13	45	आर्द्रा	43	11	24	20	शुभ	31	55	गर	16	43	07	04	17	20	25	40	11	50	मिथुन	20	05	भद्रा 24:01 से
3	बुध	08	03	10	17	पुनर्वसु	36	39	21	44	शुक्ल	21	54	विष्टि	08	03	07	05	17	20	25	38	12	15	कर्क16:23	21	06	भद्रा 10:17 तक, संकष्टहरचतुर्थी व्रत
4	गुरु	00	29	07	16	पुष्य	31	27	19	40	ब्रह्म	12	54	बालव	00	29	07	05	17	20	25	36	12	40	कर्क	22	07	
5		54	17	28	48																							
6	शुक्र	48	02	26	18	आश्लेषा	27	50	18	14	ऐन्द्र	05	07	गर	21	09	07	06	17	20	25	35	13	05	सिंह18:14	23	08	भद्रा 26:18 से
											वैधृति	58	36															
7	शनि	45	05	25	09	मघा	25	52	17	27	विष्कुम्भ	53	23	विष्टि	16	34	07	07	17	20	25	34	13	31	सिंह	24	09	भद्रा 13:43 तक,भानुसप्तमी, व्यष्टकाश्राद्ध
8	रवि	43	54	24	41	पू.फा.	25	35	17	21	प्रीति	48	11	बालव	14	30	07	07	17	21	25	32	13	58	कन्या23:29	25	10	अष्टकाश्राद्ध, कालाष्टमी
9	सोम	44	21	24	52	उ.फा.	26	55	17	54	आयुष्मान	45	33	तैतिल	14	08	07	08	17	21	25	31	14	25	कन्या	26	11	अन्वष्टकाश्राद्ध
10	मंगल	46	21	25	41	हस्त	29	47	19	03	सौभाग्य	44	26	वणिज	15	21	07	09	17	21	25	30	14	52	कन्या	27	12	भद्रा 13:16 से 25:41 तक
11	बुध	49	39	27	01	चित्रा	33	57	20	44	शोभन	44	07	बव	18	00	07	09	17	21	25	29	15	19	तुला07:53	28	13	सफला एकादशी व्रत(समस्त)
12	गुरु	54	02	28	47	स्वाती	39	14	22	51	अतिगण्ड	44	36	कौलव	21	51	07	10	17	22	25	28	15	47	तुला	29	14	सुरूपा द्वादशी(गुजरात)
13	शुक्र	60	00	-	-	विशाखा	45	25	25	20	सुकर्मा	45	45	गर	27	02	07	11	17	22	25	28	16	15	वृश्चि18:43	01पौ	15	प्रदोषव्रत, धनुसंक्रान्ति 27:06 पर
13	शनि	00	02	07	12	अनुराधा	52	14	28	04	धृति	47	22	वणिज	00	02	07	11	17	22	25	27	16	43	वृश्चिक	02	16	भद्रा 07:12से20:21तक,संक्रान्तिपुण्यकालA
14	रवि	05	47	09	30	ज्येष्ठा	59	29	30	59	शूल	49	19	शकुनि	05	47	07	12	17	23	25	26	17	12	धनु30:59	03	17	श्राद्ध हेतु अमावस्या
30	सोम	12	00	12	00	मूल	60	00	-	-	गण्ड	51	32	नाग	12	00	07	12	17	23	25	26	17	40	धनु	04	18	सोमवती अमावस्या,स्नानदानादि अमावस्याB

A प्रात: काल से मध्याह्न तक, मासशिवरात्रिव्रत।B बकुला अमावस्या, पौषी अमावस्या। **दशतारकविचार** -पौषे मूलभरण्यन्तं चन्द्रचारेण वर्षति। आर्द्रादितो विशाखान्तं सूर्यचारेण वर्षति। एवं चैत्रे तथा ज्येष्ठे शुक्लपक्षे प्रयत्नत:। आर्द्रादिदशताराणां ज्ञात्वा गर्भं वदेत्फलम्।। **मेघगर्भपुष्टिविचार:**-वाताभ्रगर्जत्तडितोदकानि हिमप्रपात: करकावघात:।अकालसन्ध्या परिवेषणश्च नवप्रकारै: प्रभवन्ति गर्भा:।। **सोमवती अमावस्या**-सिनीवाली कुहूर्वापि यदि सोमदिने भवेत्।गोसहस्रफलं दद्यात्स्नानं वै मौनिना कृतम्।।

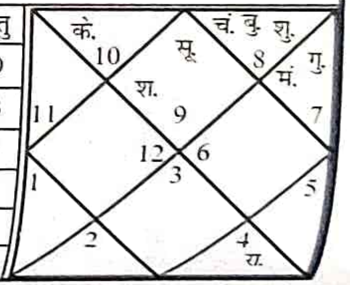
पौष कृष्ण 08, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 10.12.2017

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	07	04	06	08	06	07	08	03	09
अं.	24	20	06	01	18	16	04	23	23
क.	04	52	20	04	44	49	39	56	56
वि.	10	28	32	38	07	59	52	16	16
गति	60	814	37	व66	11	75	06	व3	व3
	58	44	40	16	52	30	59	11	11



पौष कृष्ण 14, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 17.12.2017

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	08	07	06	07	06	07	08	03	09
अं.	01	18	10	21	20	25	05	23	23
क.	11	08	44	57	05	38	29	34	34
वि.	28	02	05	33	25	46	08	00	00
गति	61	717	37	व68	11	75	07	व3	व3
	04	59	37	45	25	31	04	11	11



विक्रमसंवत् 2074, शाके 1939, पौष शुक्ल पक्ष (दिनांक 19 दिसम्बर से 02 जनवरी 2018 ई. तक)

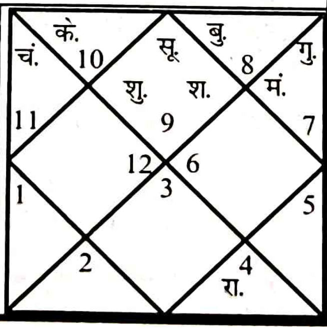
'साधारण 'संवत्सर, दक्षिण/उत्तरायण, दक्षिणगोल, हेमन्त/शिशिर-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2449, अयनांश 24/05/27

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	मंगल	18	31	14	37	मूल	07	20	10	09	वृद्धि	53	52	बव	18	31	07	13	17	23	25	26	18	09	धनु	05पौ	19दिस.	चन्द्रदर्शन
2	बुध	25	11	17	17	पू.षा.	15	00	13	13	ध्रुव	56	16	कौलव	25	11	07	13	17	24	25	25	18	38	मकर19:59	06	20	
3	गुरु	31	45	19	56	उ.षा.	22	36	16	16	व्याघात	58	29	गर	31	45	07	14	17	24	25	25	19	07	मकर	07	21	सायनसूर्य मकर में 21:58
4	शुक्र	37	57	22	25	श्रवण	29	53	19	11	हर्षण	60	00	वणिज	04	51	07	14	17	25	25	25	19	36	मकर	08	22	भद्रा 09:10 से 22:25 तक, वैनायकी A
5	शनि	43	21	24	35	धनिष्ठा	36	29	21	50	हर्षण	00	07	बव	10	39	07	15	17	25	25	25	20	05	कुम्भ08:30	09	23	पंचकप्रारम्भ 08:30 से
6	रवि	47	30	26	15	शतभिषा	41	55	24	01	वज्र	00	42	कौलव	15	26	07	15	17	26	25	26	20	34	कुम्भ	10	24	अन्नरूपाषष्ठी
7	सोम	49	56	27	14	पू.भा.	45	47	25	34	सिद्धि व्यतीपात	00 58	25 46	गर	18	43	07	16	17	26	25	26	21	03	मीन19:11	11	25	भद्रा 27:14 से, गुरु गोविन्दसिंह जयन्ती क्रिसमस (ईसाई)
8	मंगल	50	16	27	22	उ.भा.	47	41	26	20	वरीयान	55	31	विष्टि	20	06	07	16	17	27	25	26	21	32	मीन	12	26	भद्रा 15:18 तक,महाभद्राष्टमीव्रत,दुर्गाष्टमी
9	बुध	48	17	26	35	रेवती	47	22	26	13	परिघ	52	17	बालव	19	16	07	17	17	27	25	27	22	01	मेष26:13	13	27	पंचक समाप्ति 26:13पर।
10	गुरु	44	00	24	52	अश्विनी	44	50	25	13	शिव	45	33	तैतिल	16	08	07	17	17	28	25	27	22	29	मेष	14	28	साम्ब दशमी, सूर्य पूजा (उडीसा)
11	शुक्र	37	40	22	21	भरणी	40	16	23	24	सिद्ध	37	13	वणिज	10	50	07	17	17	29	25	28	22	58	वृष28:47	15	29	भद्रा 11:36 से 22:21तक,पुत्रदा एकादशीB
12	शनि	29	45	19	11	कृत्तिका	34	08	20	57	साध्य	27	38	बव	03	42	07	18	17	29	25	29	23	26	वृष	16	30	कूर्म द्वादशी, शनि प्रदोष व्रत
13	रवि	20	44	15	35	रोहिणी	26	53	18	03	शुभ	17	09	तैतिल	20	44	07	18	17	30	25	30	23	54	मिथुन28:29	17	31	आंग्लसन् 2017 समाप्त।
14	सोम	11	09	11	45	मृगसिरा	19	04	14	55	शुक्ल ब्रहम	06 55	13 14	वणिज	11	09	07	18	17	31	25	31	24	22	मिथुन	18	01जन.	भद्रा 11:45 से 21:49, पूर्णिमा व्रत C
15 1	मंगल	01 52	29 10	07 28	54 10	आर्द्रा	11	13	11	47	ऐन्द्र	44	16	बव	01	29	07	18	17	31	25	32	24	50	कर्क27:33	19	02	स्नानदानादि पूर्णिमा, पौषी पूर्णिमा, माघ D

A गणेश चतुर्थी B व्रत (समस्त), रैवत मन्वादि 1। C श्रीसत्यनारायण व्रत, आंग्लवर्ष 2018 प्रारम्भ। D स्नान आरम्भ, तूल परीक्षा, दशाश्वमेध गंगा स्नान, शाकम्भरी जयन्ती। **माघ विष्णुपूजा** – पौष्यां तु समतीतायां यावद्भवति पौर्णिमा। माघमासस्य तावद्धि पूजा विष्णोर्विधीयते।। **पूर्णिमातः माघस्नानारम्भे मन्त्रः** –दुःखदारिद्र्यनाशाय श्रीविष्णोस्तोषणाय च। प्रातः स्नानं करोम्यद्य माघे पापविनाशिने। **माघे अर्घ्यदानमन्त्रः** –सवित्रे प्रसवित्रे च परं धाम जले मम। त्वत्तेजसा परिभ्रष्टं पापं यातु सहस्रधा।

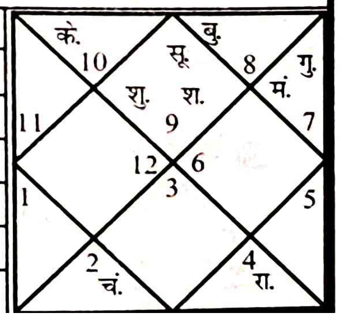
पौष शुक्ल 06, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 24.12.2017

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	08	10	06	07	06	08	08	03	09
अं.	08	11	15	18	21	04	06	23	23
क.	19	31	07	48	23	27	18	11	11
वि.	14	32	09	16	11	31	40	45	45
गति	61	727	37	04	10	75	07	व3	व3
	07	33	32	19	53	30	04	11	11



पौष शुक्ल 13, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 31.12.2017

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	08	01	06	07	06	08	08	03	09
अं.	15	16	19	22	22	13	07	22	22
क.	27	39	29	52	36	16	08	49	49
वि.	18	43	34	23	52	13	04	29	29
गति	61	893	37	52	10	75	07	व3	व3
	09	09	26	15	16	30	02	11	11



विक्रमसंवत् 2074, शाके 1939, माघ कृष्ण पक्ष (दिनांक 03 जनवरी से 17 जनवरी 2018 ई. तक)

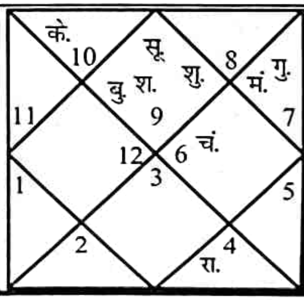
'साधारण' संवत्सर, उत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2464, अयनांश 24/05/30

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
2	बुध	42	49	24	26	पुनर्वसु पुष्य	03 57	48 11	08 30	49 11	वैधृति	33	40	तैतिल	17	29	07	19	17	32	25	33	25	17	कर्क	20पौ	03जन.	माघस्नान, मूली त्याग
3	गुरु	34	59	21	18	आश्लेषा	50	28	27	30	विष्कुम्भ	24	03	वणिज	08	54	07	19	17	33	25	35	25	45	सिंह27:30	21	04	भद्रा 10:52 से 21:18 तक, संकष्टहर A
4	शुक्र	28	39	18	46	मघा	46	13	25	48	प्रीति	15	36	बव	01	49	07	19	17	33	25	36	26	11	सिंह	22	05	गौरी चतुर्थीव्रत, गुरुगोविन्दसिंह जयन्ती
5	शनि	24	05	16	57	पू.फा.	43	50	24	51	आयुष्मान	08	31	तैतिल	24	05	07	19	17	34	25	37	26	38	कन्या30:48	23	06	
6	रवि	21	21	15	51	उ.फा.	43	18	24	38	सौभाग्य शोभन	02 58	50 41	वणिज	21	21	07	19	17	35	25	39	27	04	कन्या	24	07	भद्रा 15:51 से 27:42 तक, रामानन्दाचार्य जयन्ती
7	सोम	20	36	15	33	हस्त	44	45	25	13	अतिगण्ड	56	00	बव	20	36	07	19	17	36	25	41	27	29	कन्या	25	08	व्यष्टका श्राद्ध, कालाष्टमी
8	मंगल	21	46	16	01	चित्रा	48	02	26	32	सुकर्मा	53	17	कौलव	21	46	07	19	17	37	25	43	27	54	तुला13:52	26	09	अष्टकाश्राद्ध
9	बुध	24	42	17	12	स्वाती	52	58	28	30	धृति	53	30	गर	24	42	07	19	17	37	25	44	28	19	तुला	27	10	भद्रा 30:05 से, अन्वष्टकाश्राद्ध
10	गुरु	29	11	18	59	विशाखा	60	00	-	-	शूल	54	44	विष्टि	29	11	07	19	17	38	25	46	28	43	वृश्चि24:43	28	11	भद्रा 18:59 तक
11	शुक्र	34	47	21	14	विशाखा	00	20	07	27	गण्ड	56	39	बव	01	59	07	19	17	39	25	48	29	07	वृश्चिक	29	12	षट्तिला एकादशीव्रत(स.)विवेकानन्दजयन्ती
12	शनि	41	14	23	49	अनुराधा	07	23	10	16	वृद्धि	59	06	कौलव	08	01	07	19	17	40	25	51	29	30	वृश्चिक	30	13	तिलद्वादशी, लोहडी
13	रवि	47	59	26	30	ज्येष्ठा	14	54	13	17	ध्रुव	60	00	गर	14	37	07	19	17	41	25	53	29	52	धनु13:17	01मा.	14	भद्रा 26:30 से,प्रदोषव्रत,मेरुत्रयोदशी जैन B
14	सोम	54	47	29	14	मूल	22	37	16	22	ध्रुव	01	47	विष्टि	21	23	07	19	17	41	25	55	30	14	धनु	02	15	भद्रा 15:52 तक, मास शिवरात्रि
30	मंगल	60	00	-	-	पू.षा.	30	14	19	24	व्याघात	04	03	चतुष्पद	27	58	07	19	17	42	25	57	30	36	मकर26:08	03	16	मौनी अमावस्या, माघी अमावस्या, C
30	बुध	01	09	07	46	उ.षा.	37	35	22	21	हर्षण	06	09	नाग	01	09	07	19	17	43	26	00	30	56	मकर	04	17	स्नान दान अमावस्या

A गणेश चतुर्थी व्रत, चन्द्रार्घ्यदान। B मकरसंक्रान्ति 13:50 पुण्यकाल सम्पूर्ण दिन, पोंगल(दक्षिणभारत), बिहू(आसाम), माघी(हिमाचल प्रदेश), तिलसंक्रान्ति(मध्यभारत), खिचडीसंक्रान्ति, खरमास समाप्ति। C भौमवती अमावस्या, त्रिवेणी गंगा स्नान, थई अमावस्या (दक्षिण भारत) । **मकरसंक्रान्तौ स्नानमन्त्रः** -मकरस्थे रवौ माघे गोविन्दाच्युतमाधव। स्नानेनानेन मे देव यथोक्तफलदो भव।। माघमासे नियमा:- भूमौ शयीतहोतव्यं साज्यं तिलसमन्वितं सर्वान् कामानवाप्नोति विन्दते परमं सुखम्।।

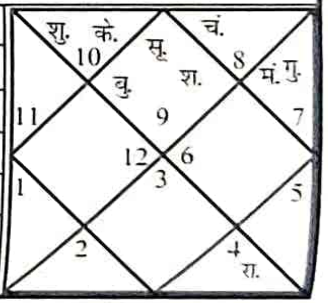
माघ कृष्ण 06, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 07.01.2018

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	08	05	06	08	06	08	08	03	09
अं.	22	00	23	00	23	22	07	22	22
क.	35	02	51	33	45	04	56	27	27
वि.	26	32	15	22	52	47	57	13	13
गति	61	827	37	73	09	75	06	व3	व3
	09	47	19	17	33	30	56	11	11



माघ कृष्ण 13, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 14.01.2018

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	08	07	06	08	06	09	08	03	09
अं.	29	27	28	09	24	00	08	22	22
क.	43	03	12	47	49	53	44	04	04
वि.	24	09	04	24	37	06	54	58	58
गति	61	711	37	82	08	75	06	व3	व3
	08	34	12	32	46	29	47	11	11



विक्रमसंवत् 2074, शाके 1939, माघ शुक्ल पक्ष (दिनांक 18 जनवरी से 31 जनवरी 2018 ई. तक)

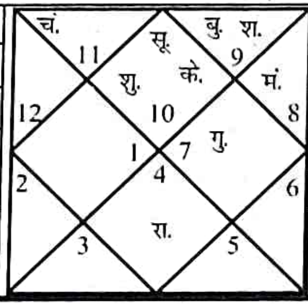
'साधारण' संवत्सर, उत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2479, अयनांश 24/05/32

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	गुरु	07	10	10	10	श्रवण	44	28	25	06	वज्र	07	55	बव	07	10	07	19	17	44	26	02	31	17	मकर	05मा.	18जन.	गुप्तनवरात्रारम्भ,चन्द्रदर्शन,वल्लभाचार्यजयन्ती
2	शुक्र	12	35	12	20	धनिष्ठा	50	44	27	36	सिद्धि	09	15	कौलव	12	35	07	18	17	45	26	05	31	36	कुम्भ14:21	06	19	पंचकप्रारम्भ 14:21 से
3	शनि	17	16	14	12	शतभिषा	56	14	29	48	व्यतीपात	10	02	गर	17	16	07	18	17	46	26	08	31	55	कुम्भ	07	20	भद्रा 26:56 से. A
4	रवि	20	55	15	40	पू.भा.	60	00	-	-	वरीयान	10	03	विष्टि	20	55	07	18	17	46	26	11	32	13	मीन25:02	08	21	भद्रा 15:40 तक,तिल/कुन्द/विनायक चतुर्थी
5	सोम	23	16	16	36	पू.भा.	00	23	07	27	परिघ	09	06	बालव	23	16	07	18	17	47	26	13	32	30	मीन	09	22	वसन्तपंचमी, सरस्वती पूजन,मदनपंचमी B
6	मंगल	24	04	16	55	उ.भा.	02	18	08	12	शिव	07	00	तैतिल	24	04	07	17	17	48	26	16	32	47	मीन	10	23	शीतलाषष्ठी, नेताजी सुभाषचन्द्रबोस जयन्ती
7	बुध	23	10	16	33	रेवती	03	27	08	40	सिद्ध	03	37	वणिज	23	10	07	17	17	49	26	19	33	03	मेष08:40	11	24	भद्रा 16:33 से 28:00तक,पंचकसमाप्ति C
8	गुरु	20	27	15	27	अश्विनी	02	53	08	26	साध्य	01	07	बव	20	27	07	17	17	50	26	22	33	18	मेष	12	25	दुर्गाष्टमी, भीमाष्टमी, भीष्माष्टमी
											शुभ	52	49															
9	शुक्र	16	04	13	42	भरणी	00	41	07	32	शुक्ल	46	45	कौलव	16	04	07	16	17	51	26	25	33	32	वृष13:10	13	26	महानन्दा नवमी, गुप्तनवरात्रि समाप्त D
						कृत्तिका	56	59	30	04																		
10	शनि	10	10	11	20	रोहिणी	53	18	28	35	ब्रहम	38	06	गर	10	10	07	16	17	52	26	28	33	46	वृष	14	27	भद्रा 21:54 से,
11	रवि	03	01	08	28	मृगसिरा	46	55	26	01	ऐन्द्र	28	34	विष्टि	03	01	07	16	17	52	26	32	33	59	मिथु15:18	15	28	भद्रा 08:28 तक,जया एकादशीव्रत(समस्त)
12		55	03	29	17																							भीमद्वादशी, वराहद्वादशी E
13	सोम	47	08	26	06	आर्द्रा	39	56	23	13	वैधृति	18	31	कौलव	21	05	07	15	17	53	26	35	34	11	मिथुन	16	29	सोमप्रदोष, कल्पादि 13
14	मंगल	38	01	22	27	पुनर्वसु	32	47	20	21	विष्कुम्भ	08	15	गर	12	34	07	15	17	54	26	38	34	22	कर्क15:04	17	30	भद्रा 22:27 से, शहीददिवस
15	बुध	29	13	18	55	पुष्य	25	52	17	34	प्रीति	01	57	विष्टि	03	37	07	14	17	55	26	42	34	33	कर्क	18	31	भद्रा 08:41 तक,महामाघी, माघीपूर्णिमा F
											आयुष्मान	48	12															

A गुडलवणदान, सोपपदम्, गौरीतृतीया व्रत, सायनसूर्य कुम्भ में 08:39। **B** वागीश्वरी जयन्ती, लेखनी पूजा(बंगाल), तक्षकपूजा। **C** 08:40 पर, रथ सप्तमी, अचलासप्तमी, सूर्यजयन्ती, आरोग्य सप्तमी, अभोज्यर्कव्रत। **D** नन्दिनीदेवी पूजा, 69 वां भारतीय गणतन्त्र दिवस। **E** भैमी एकादशी, भक्तपुण्डरीक उत्सव। सन्तानद्वादशी, सोपपदम्, आमलकी द्वादशी, भीष्म द्वादशी, भीष्म तर्पण। **F** स्नानदानादि पूर्णिमा, पूर्णिमाव्रत, माघ स्नान समाप्ति, श्रीसत्यनारायण व्रत, गुरु रविदास जयन्ती, ग्रस्तोदित खग्रास चन्द्रग्रहण, कम्बलदान, थईपूपम् (दक्षिण भारत)।

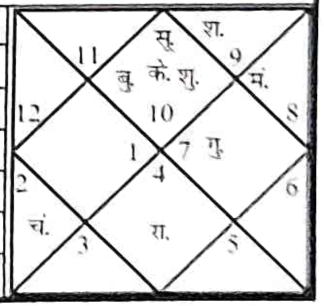
माघ शुक्ल 04, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 21.01.2018

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	09	10	07	08	06	09	08	03	09
अं.	06	20	02	19	25	09	09	21	21
क.	50	55	31	47	47	41	31	42	42
वि.	59	17	51	57	32	07	31	43	43
गति	61	737	37	87	07	75	06	व3	व3
	04	02	03	58	54	25	35	11	11



माघ शुक्ल 11, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 28.01.2018

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	09	01	07	09	06	09	08	03	09
अं.	13	25	06	00	26	18	10	21	21
क.	58	16	50	22	38	28	16	20	20
वि.	00	56	25	52	58	42	27	27	27
गति	60	873	36	92	06	75	06	व3	व3
	58	27	52	43	57	21	18	11	11



विक्रमसंवत् 2074, शाके 1939, फाल्गुन कृष्ण पक्ष (दिनांक 01 फरवरी से 15 फरवरी 2018 ई. तक)

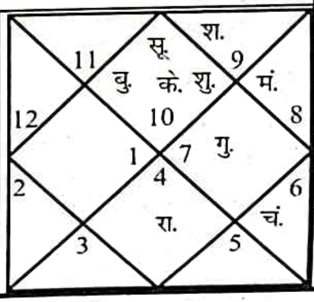
'साधारण' संवत्सर, उत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2493, अयनांश 24/05/34

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	गुरु	21	09	15	41	आश्लेषा	19	36	15	04	सौभाग्य	38	18	कौलव	21	09	07	14	17	56	26	45	34	42	सिंह15:04	19मा.	01फर.	
2	शुक्र	14	08	12	52	मघा	14	21	12	57	शोभन	29	47	गर	14	08	07	13	17	57	26	49	34	51	सिंह	20	02	भद्रा 23:43 से
3	शनि	08	28	10	35	पू.फा.	10	25	11	22	अतिगण्ड	22	30	विष्टि	08	28	07	12	17	57	26	52	34	59	कन्या17:08	21	03	भद्रा 10:35 तक,संकष्टहर गणेशचतुर्थी व्रत
4	रवि	04	25	08	57	उ.फा.	08	05	10	26	सुकर्मा	16	36	बालव	04	25	07	12	17	58	26	56	35	07	कन्या	22	04	
5	सोम	02	13	08	04	हस्त	07	36	10	13	धृति	12	13	तैतिल	02	13	07	11	17	59	26	59	35	13	तुला22:30	23	05	
6	मंगल	02	01	07	59	चित्रा	09	03	10	48	शूल	09	24	वणिज	02	01	07	11	18	00	27	03	35	19	तुला	24	06	भद्रा 07:59 से 20:20 तक
7	बुध	03	51	08	42	स्वाती	12	28	12	09	गण्ड	08	09	बव	03	51	07	10	18	01	27	07	35	23	तुला	25	07	कालाष्टमी, व्यष्टका श्राद्ध
8	गुरु	07	31	10	09	विशाखा	17	38	14	12	वृद्धि	08	16	कौलव	07	31	07	09	18	02	27	10	35	27	वृश्चि07:41	26	08	अष्टका श्राद्ध, सीताष्टमी, जानकी जयन्ती
9	शुक्र	12	44	12	14	अनुराधा	24	14	16	50	ध्रुव	09	32	गर	12	44	07	09	18	02	27	14	35	30	वृश्चिक	27	09	भद्रा 25:29 से, अन्वष्टका श्राद्ध
10	शनि	19	04	14	45	ज्येष्ठा	31	49	19	51	व्याघात	11	37	विष्टि	19	04	07	08	18	03	27	18	35	33	धनु19:51	28	10	भद्रा 14:45 तक
11	रवि	25	54	17	29	मूल	39	48	23	02	हर्षण	14	06	बालव	25	54	07	07	18	04	27	22	35	34	धनु	29	11	विजया एकादशी व्रत (समस्त)
12	सोम	32	45	20	12	पू.षा.	47	44	26	12	वज्र	16	37	तैतिल	32	45	07	06	18	05	27	25	35	35	धनु	01फा	12	महाद्वादशी, कुम्भ संक्रान्ति 26:48
13	मंगल	39	06	22	44	उ.षा.	55	06	29	08	सिद्धि	18	49	गर	05	55	07	06	18	06	27	29	35	35	मकर08:56	02	13	भद्रा 22:44 से, महाशिवरात्रि, संक्रान्ति A
14	बुध	44	42	24	57	श्रवण	60	00	-	-	व्यतीपात	20	30	विष्टि	11	54	07	05	18	06	27	33	35	34	मकर	03	14	भद्रा 11:50 तक, आरटन्ती चतुर्दशी
30	गुरु	49	20	26	48	श्रवण	01	06	07	30	वरीयान	21	31	चतुष्पद	17	01	07	04	18	07	27	37	35	32	कुम्भ20:22	04	15	स्नानदानादि अमावस्या,पंचकप्रारम्भ B

A पुण्यकाल प्रातः काल से मध्याह्न तक, भौम प्रदोष व्रत। B 20:22 से, ब्रह्मपूजा, फाल्गुन अमावस्या। **शिवरात्रि**-माघफाल्गुनयोर्मध्ये कृष्णा या च चतुर्दशी। दत्तो शिवः फलं यस्मात्तेन सर्वसुरासुरैः।। शिवरात्रिरिति ख्याता मत्कलेव पृथक् स्थिता। मम भक्त्यस्तु यो देवि शिवरात्रिमुपोषकः। गणत्वमक्षयं दिव्यं लभते शिवशासनम्।। सर्वान्भुक्त्वा महाभोगान् ततो मोक्षमवाप्नुयात्।। **शिवरात्रिनिर्णयः** -तत्कालव्यापिनी ग्राह्या शिवरात्रिव्रते तिथिः। अर्धरात्रादधश्चोर्ध्वं युक्ता यत्र चतुर्दशी।। शिवरात्रिपूजने विशेषः - तद्दिने प्रथमप्रहरे दुग्धेन 'ऊं ह्रौं ईशानाय नमः' इति मन्त्रेण, द्वितीयप्रहरे दधिद्वारा 'ऊं ह्रौं अघोराय नमः' इति मन्त्रेण, तृतीयप्रहरे घृतेन ' ऊं ह्रौं वामदेवाय नमः' इति मन्त्रेण तथा च चतुर्थप्रहरे मधुद्वारा 'ऊं ह्रौं सद्योजाताय नमः' इति मन्त्रेण पूजनमभिषेकं च कुर्यात्। अर्धरात्रौ विल्वार्चनं कार्यम्। यथासम्भवं 'ऊं नमः शिवाय' इति मन्त्रस्य जपं कुर्यात्।

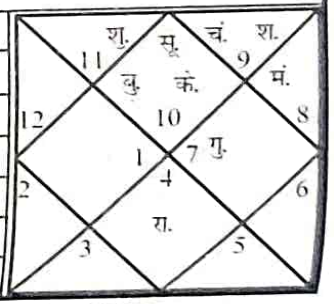
फाल्गुन कृष्ण 04, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 04.02.2018

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	09	05	07	09	06	09	08	03	09
अं.	21	08	11	11	27	27	10	20	20
क.	04	07	07	31	23	15	59	58	58
वि.	14	02	35	02	22	46	17	13	13
गति	60	837	36	97	05	75	05	व3	व3
	52	56	40	36	54	18	59	11	11



फाल्गुन कृष्ण 11, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 11.02.2018

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	09	08	07	09	06	10	08	03	09
अं.	28	05	15	23	28	06	11	20	20
क.	09	29	23	15	00	02	39	35	35
वि.	31	31	07	37	09	08	37	58	58
गति	60	709	36	103	04	75	05	व3	व3
	43	06	24	07	46	11	37	11	11



विक्रमसंवत् 2074, शाके 1939, फाल्गुन शुक्ल पक्ष (दिनांक 16 फरवरी से 01 मार्च 2018 ई. तक)

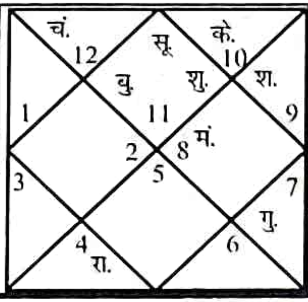
'साधारण' संवत्सर, उत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर/वसन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2508, अयनांश 24/05/36

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	शुक्र	52	57	28	14	धनिष्ठा	06	36	09	41	परिघ	21	47	किंस्तुघ्न	21	09	07	03	18	08	27	41	35	30	कुम्भ	05फा	16फर.	
2	शनि	55	31	29	14	शतभिषा	11	09	11	30	शिव	21	17	बालव	24	14	07	02	18	09	27	45	35	27	मीन30:31	06	17	चन्द्रदर्शन,फुलैरादूज, रामकृष्णपरमहंस जय.
3	रवि	56	49	29	45	पू.भा.	14	36	12	51	सिद्ध	19	52	तैतिल	26	10	07	01	18	09	27	49	35	23	मीन	07	18	सायन सूर्य मेष में 22:48,वसन्त-ऋतुप्रारम्भ
4	सोम	56	58	29	47	उ.भा.	16	57	13	47	साध्य	17	35	वणिज	26	53	07	01	18	10	27	53	35	18	मीन	08	19	भद्रा 17:46 से 29:47 तक,वैनायकी A
5	मंगल	55	49	29	19	रेवती	18	07	14	14	शुभ	14	21	बव	26	24	07	00	18	11	27	57	35	13	मेष14:14	09	20	पंचकसमाप्ति 14:14
6	बुध	53	27	28	21	अश्विनी	18	06	14	13	शुक्ल	10	10	कौलव	24	38	06	59	18	12	28	02	35	06	मेष	10	21	गोरूपिणी षष्ठीव्रत।
7	गुरु	49	55	26	56	भरणी	16	57	13	44	ब्रह्म	05	04	गर	21	41	06	58	18	12	28	06	34	59	वृष19:31	11	22	भद्रा 26:56 से, होलाष्टक प्रारम्भ B
8	शुक्र	45	22	25	05	कृत्तिका	14	45	12	51	ऐन्द्र	00	51	विष्टि	17	39	06	57	18	13	28	10	34	52	वृष	12	23	भद्रा 14:00 तक, लक्ष्मीपूजन, सीतापूजन
											वैधृति	52	26												वृष			
9	शनि	39	52	22	52	रोहिणी	11	35	11	34	विष्कुम्भ	45	40	बालव	12	37	06	56	18	14	28	14	34	44	मिथु22:45	13	24	
10	रवि	33	34	20	20	मृगसिरा	07	35	09	56	प्रीति	37	28	तैतिल	06	43	06	55	18	14	28	18	34	35	मिथुन	14	25	फल्गुदशमी (उडीसा)
11	सोम	26	44	17	35	आर्द्रा	02	56	08	04	आयुष्मान	28	51	विष्टि	00	09	06	54	18	15	28	22	34	25	कर्क24:33	15	26	भद्रा 06: 57 से 17:35 तक, आमलकीC
						पुनर्वसु	57	52	30	03															कर्क			
12	मंगल	19	35	14	43	पुष्य	52	46	27	59	सौभाग्य	20	00	बालव	19	35	06	53	18	16	28	27	34	15	कर्क	16	27	भौमप्रदोषव्रत, द्वादशीव्रत, गोविन्द द्वादशी
13	बुध	12	23	11	49	आश्लेषा	47	15	25	45	शोभन	11	07	तैतिल	12	23	06	52	18	16	28	31	34	04	सिंह25:45	17	28	
14	गुरु	05	26	09	01	मघा	42	13	23	44	अतिगण्ड	02	28	वणिज	05	26	06	51	18	17	28	35	33	53	सिंह	18	01मा.	भद्रा 09:01 से 19:44 तक, होलिकादहनD
15		59	01	30	27						सुकर्मा	54	16												सिंह			

A गणेश चतुर्थी, पुत्रगणपति व्रत। B कामदा सप्तमीव्रत। C एकादशी व्रत(समस्त), रंगभरी एकादशी।D भद्रोपरान्त होलीदहन, अनुदया पूर्णिमा, होलाष्टकसमाप्त, मन्वादि 15, चैतन्यमहाप्रभु जयन्ती, कुलदेवता को सिन्दूर अर्पण। निशागमे प्रपूज्येत होलिका सर्वदा बुधैः। न दिवा पूजयेड्ढुण्ढां पूजिता दुःखदा भवेत्। **होलिकाप्रदीपनमन्त्रः** - दीपयाम्यत्र ते घोरां चिति राक्षसि ते नमः।हिताय सर्वजगतः प्रीतये पार्वतीपतेः।।**होलाष्टकनिषेधः**-विपाशेरावतीतीरे शुतद्रूंश्च त्रिपुष्करे।विवाहादिशुभे नेष्टं होलिका प्राग्दिनाष्टकम्।।

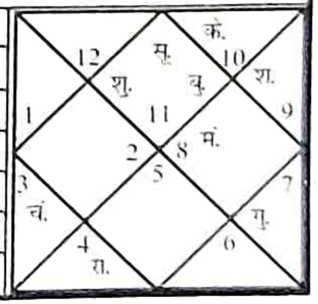
फाल्गुन शुक्ल 03, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 18.02.2018

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	10	11	07	10	06	10	08	03	09
अं.	05	00	19	05	28	14	12	20	20
क.	13	16	36	41	28	47	17	13	13
वि.	40	21	45	04	49	40	08	43	43
गति	60	754	36	109	03	75	05	व3	व3
	33	39	08	06	35	04	10	11	11



फाल्गुन शुक्ल 10, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 25.02.2018

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	10	02	07	10	06	10	08	03	09
अं.	12	04	23	18	28	23	12	19	19
क.	16	51	48	43	48	32	51	51	51
वि.	32	57	09	09	54	13	27	29	29
गति	60	854	35	113	02	74	04	व3	व3
	22	44	47	17	20	55	41	11	11



विक्रमसंवत् 2074, शाके 1939, चैत्र कृष्ण पक्ष (दिनांक 02 मार्च से 17 मार्च 2018 ई. तक)

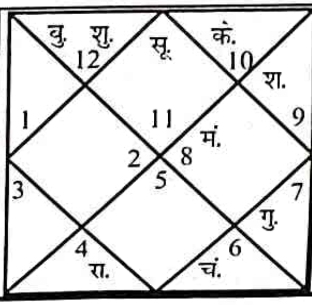
'साधारण' संवत्सर, उत्तरायण, दक्षिण गोल, वसन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2522, अयनांश 24/05/38

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	शुक्र	52	28	27	49	पू.फा.	37	56	22	00	धृति	45	57	बालव	25	44	06	50	18	18	28	39	33	41	कन्या27:41	19फा	02मार्च	होली, वसन्तोत्सव, होलिका भस्मधारण, A
2	शनि	47	49	25	56	उ.फा.	34	46	20	43	शूल	39	10	तैतिल	20	09	06	49	18	18	28	43	33	28	कन्या	20	03	
3	रवि	44	44	24	41	हस्त	33	03	20	00	गण्ड	33	38	वणिज	16	17	06	48	18	19	28	48	33	15	कन्या	21	04	भद्रा 13:18 से 24:41 तक, शिवाजीजयन्ती
4	सोम	43	28	24	10	चित्रा	33	01	19	59	वृद्धि	29	30	बव	14	06	06	47	18	20	28	52	33	02	तुला07:59	22	05	संकष्टहरचतुर्थी व्रत
5	मंगल	44	10	24	25	स्वाती	34	52	20	42	ध्रुव	26	53	कौलव	13	49	06	45	18	20	28	56	32	48	तुला	23	06	रंगपंचमी, मेला नौचन्दी (मेरठ)प्रारम्भ
6	बुध	46	48	25	27	विशाखा	38	35	22	10	व्याघात	25	45	गर	15	29	06	44	18	21	29	01	32	33	वृश्चि15:48	24	07	भद्रा 25:27 से, स्कन्द षष्ठी (बंगाल)
7	गुरु	51	22	27	16	अनुराधा	44	09	24	23	हर्षण	26	06	विष्टि	19	05	06	43	18	21	29	05	32	18	वृश्चिक	25	08	भद्रा 14:21 तक,भानुसप्तमी,व्यष्टकाश्राद्ध B
8	शुक्र	57	21	29	38	ज्येष्ठा	51	08	27	09	वज्र	27	36	बालव	24	21	06	42	18	22	29	09	32	03	धनु27:09	26	09	अष्टका श्राद्ध, शीतलाष्टमी (बासोडा) C
9	शनि	60	00	32	25	मूल	59	07	30	19	सिद्धि	29	57	तैतिल	31	12	06	41	18	23	29	13	31	47	धनु	27	10	अन्वष्टका श्राद्ध
9	रवि	05	04	08	41	पू.षा.	60	00	-	-	व्यतीपात	32	40	गर	05	04	06	40	18	23	29	18	31	31	धनु	28	11	भद्रा 22:01 से
10	सोम	11	45	11	21	पू.षा.	07	33	09	40	वरीयान	35	15	विष्टि	11	45	06	39	18	24	29	22	31	14	मकर16:24	29	12	भद्रा 11:21 तक
11	मंगल	18	00	13	49	उ.षा.	15	00	12	37	परिघ	37	20	बालव	18	00	06	38	18	24	29	26	30	57	मकर	30	13	पापमोचिनी एकादशी व्रत (समस्त)
12	बुध	23	17	15	55	श्रवण	21	33	15	13	शिव	38	33	तैतिल	23	17	06	36	18	25	29	31	30	40	कुम्भ28:16	01चै.	14	पंचकप्रारम्भ 28:16से,मीनसंक्रान्ति 23:39 D
13	गुरु	27	16	17	29	धनिष्ठा	26	54	17	20	सिद्ध	38	43	वणिज	27	16	06	35	18	26	29	35	30	23	कुम्भ	02	15	भद्रा 17:29से 29:59 तक, मासशिवरात्रिव्रत
14	शुक्र	29	50	18	30	शतभिषा	30	54	18	55	साध्य	37	47	शकुनि	29	50	06	34	18	26	29	39	30	05	कुम्भ	03	16	
30	शनि	30	56	18	55	पू.भा.	33	30	19	57	शुभ	35	42	चतुष्पद	00	23	06	33	18	27	29	44	29	47	मीन13:41	04	17	स्नानदानादि अमावस्या, शनैश्चरी अमा. E

A होला मेला (पंजाब), धुलैण्डी, आम्रकुसुमप्राशन। B मेला नौचन्दी समाप्त C कालाष्टमी D पुण्यकाल मध्याह्न के पश्चात् सूर्यास्त पर्यन्त, प्रदोषव्रत। E मन्वादि, वर्षान्त, विक्रमसंवत् 2074 पूर्ण। **होलिकादिने कर्त्तव्यम्** -प्रवृत्ते मधुमासे तु प्रतिपद्युदिते रवौ। कृत्वा चावश्यककार्याणि सन्तर्प्य पितृदेवता:। वन्दयेत् होलिकाभूमिं सर्वदु:खोपशान्तये। यतस्तत्रश्वपचं स्पृष्ट्वा स्नानं कुर्यान्नरोत्तम:। न तस्य दुरितं किंचिन्नाधयो व्याधयो नृप।। **आम्रकुसुमप्राशनमन्त्र:** - चूतमग्रं वसन्तस्य माकन्दकुसुमं तव। सचन्दनं पिबाम्यद्य सर्वकामार्थसिद्धये।। **होलिकाभस्मधारणमन्त्र:**-वन्दितासि सुरेन्द्रेण ब्रह्माच्युतशिवादिभि:। अतस्त्वं पाहि नो भीतेर्भूषिता भूतिदा भव।।

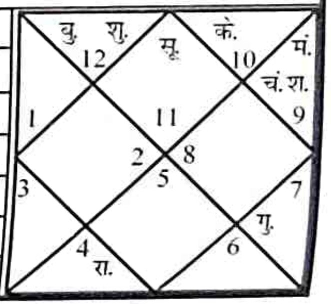
चैत्र कृष्ण 03, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 04.03.2018

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	10	05	07	11	06	11	08	03	09
अं.	19	15	27	01	29	02	13	19	19
क.	18	39	57	50	00	15	22	29	29
वि.	01	36	00	50	04	39	15	14	14
गति	60	835	35	110	01	74	04	व3	व3
	10	45	24	32	03	46	10	11	11



चैत्र कृष्ण 09, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 11.03.2018

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	10	08	08	11	06	11	08	03	09
अं.	26	13	02	13	29	10	13	19	19
क.	17	23	02	36	02	57	49	07	07
वि.	59	07	51	00	03	47	13	00	00
गति	59	709	34	90	व0	74	03	व3	व3
	56	15	57	07	17	33	36	11	11



औदयिक स्पष्ट ग्रह, मार्च 2017

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अं	क.	वि.	रा.	अं	क.	वि.	रा.	अं	क.	वि.	रा.	अं	क.	वि.	रा.	अं	क.	वि.	रा.	अं	क.	वि.	रा.	अं	क.	वि.	रा.	अं	क.	वि.
01	10	16	33	00	11	17	53	00	11	29	26	09	10	11	24	37	05	28	09	10	11	18	55	19	08	02	35	29	04	08	59	18
02	10	17	33	11	00	02	04	08	00	00	09	49	10	13	14	01	05	28	04	53	11	19	01	59	08	02	38	52	04	08	56	07
03	10	18	33	19	00	16	20	40	00	00	53	26	10	15	04	28	05	28	00	29	11	19	06	13	08	02	42	11	04	08	52	57
04	10	19	33	26	01	00	38	27	00	01	37	00	10	16	55	56	05	27	55	53	11	19	08	04	08	02	45	23	04	08	49	46
05	10	20	33	31	01	14	54	08	00	02	20	32	10	18	48	24	05	27	51	08	11	19	07	26	08	02	48	31	04	08	46	36
06	10	21	33	33	01	29	04	18	00	03	04	02	10	20	41	48	05	27	46	15	11	19	04	20	08	02	51	34	04	08	43	25
07	10	22	33	35	02	13	06	49	00	03	47	29	10	22	36	08	05	27	41	12	11	18	58	42	08	02	54	31	04	08	40	14
08	10	23	33	34	02	27	00	00	00	04	30	53	10	24	31	18	05	27	36	00	11	18	50	26	08	02	57	22	04	08	37	04
09	10	24	33	32	03	10	42	28	00	05	14	16	10	26	27	15	05	27	30	39	11	18	39	44	08	03	00	08	04	08	33	53
10	10	25	33	27	03	24	13	43	00	05	57	35	10	28	23	53	05	27	25	09	11	18	26	27	08	03	02	49	04	08	30	42
11	10	26	33	21	04	07	33	09	00	06	40	53	11	00	21	06	05	27	19	32	11	18	10	41	08	03	05	23	04	08	27	32
12	10	27	33	12	04	20	39	58	00	07	24	07	11	02	18	48	05	27	13	47	11	17	52	20	08	03	07	53	04	08	24	21
13	10	28	33	02	05	03	33	55	00	08	07	19	11	04	16	51	05	27	07	53	11	17	31	45	08	03	10	17	04	08	21	11
14	10	29	32	49	05	16	14	37	00	08	50	29	11	06	15	04	05	27	01	52	11	17	08	34	08	03	12	35	04	08	18	00
15	11	00	32	35	05	28	42	11	00	09	33	36	11	08	13	17	05	26	55	43	11	16	43	18	08	03	14	49	04	08	14	49
16	11	01	32	19	06	10	57	10	00	10	16	40	11	10	11	19	05	26	49	27	11	16	15	56	08	03	16	56	04	08	11	39
17	11	02	32	01	06	23	01	10	00	10	59	43	11	12	08	53	05	26	43	04	11	15	46	31	08	03	18	57	04	08	08	28
18	11	03	31	41	07	04	56	55	00	11	42	42	11	14	05	41	05	26	36	35	11	15	15	16	08	03	20	52	04	08	05	17
19	11	04	31	19	07	16	48	02	00	12	25	39	11	16	01	27	05	26	29	58	11	14	42	23	08	03	22	42	04	08	02	07
20	11	05	30	55	07	28	39	15	00	13	08	33	11	17	55	48	05	26	23	16	11	14	07	54	08	03	24	26	04	07	58	56
21	11	06	30	29	08	10	35	39	00	13	51	25	11	19	48	20	05	26	16	29	11	13	32	13	08	03	26	04	04	07	55	46
22	11	07	30	00	08	22	42	28	00	14	34	14	11	21	38	38	05	26	09	34	11	12	55	36	08	03	27	36	04	07	52	35
23	11	08	29	30	09	05	04	18	00	15	17	00	11	23	26	16	05	26	02	36	11	12	18	03	08	03	29	03	04	07	49	24
24	11	09	28	58	09	17	44	57	00	15	59	45	11	25	10	46	05	25	55	32	11	11	40	02	08	03	30	23	04	07	46	14
25	11	10	28	24	10	00	47	49	00	16	42	26	11	26	51	40	05	25	48	24	11	11	01	48	08	03	31	38	04	07	43	03
26	11	11	27	47	10	14	14	01	00	17	25	05	11	28	28	30	05	25	41	09	11	10	23	24	08	03	32	47	04	07	39	53
27	11	12	27	08	10	28	03	42	00	18	07	41	00	00	00	48	05	25	33	53	11	09	45	17	08	03	33	50	04	07	36	42
28	11	13	26	29	11	12	15	11	00	18	50	15	00	01	28	11	05	25	26	31	11	09	07	45	08	03	34	47	04	07	33	31
29	11	14	25	46	11	26	43	57	00	19	32	46	00	02	50	15	05	25	19	06	11	08	30	51	08	03	35	38	04	07	30	21
30	11	15	25	01	00	11	24	09	00	20	15	14	00	04	06	36	05	25	11	39	11	07	55	00	08	03	36	23	04	07	27	10
31	11	16	24	19	00	26	05	08	00	20	57	45	00	05	22	59	05	25	04	12	11	07	19	07	08	03	37	08	04	07	23	59

औदयिक स्पष्ट ग्रह, अप्रैल 2017

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	11	17	23	26	01	10	49	21	00	21	40	04	00	06	21	05	05	24	56	25	11	06	46	56	08	03	37	53	04	07	20	49
02	11	18	22	35	01	25	20	18	00	22	22	24	00	07	18	42	05	24	48	49	11	06	15	21	08	03	38	20	04	07	17	38
03	11	19	21	43	02	09	36	39	00	23	04	43	00	08	09	37	05	24	41	11	11	05	45	27	08	03	38	42	04	07	14	28
04	11	20	20	48	02	23	36	07	00	23	46	59	00	08	53	43	05	24	33	32	11	05	17	32	08	03	38	57	04	07	11	17
05	11	21	19	52	03	07	17	52	00	24	29	12	00	09	30	52	05	24	25	51	11	04	51	40	08	03	39	07	04	07	08	06
06	11	22	18	53	03	20	42	51	00	25	11	23	00	10	00	60	05	24	18	10	11	04	28	03	08	03	39	11	04	07	04	56
07	11	23	17	53	04	03	52	44	00	25	53	30	00	10	24	02	05	24	10	27	11	04	06	44	08	03	39	08	04	07	01	45
08	11	24	16	49	04	16	49	14	00	26	35	36	00	10	40	03	05	24	02	45	11	03	47	33	08	03	38	60	04	06	58	34
09	11	25	15	45	04	29	34	10	00	27	17	39	00	10	49	06	05	23	55	02	11	03	30	57	08	03	38	45	04	06	55	24
10	11	26	14	38	05	12	08	40	00	27	59	39	00	10	51	18	05	23	47	19	11	03	16	46	08	03	38	24	04	06	52	13
11	11	27	13	30	05	24	34	00	00	28	41	37	00	10	46	56	05	23	39	38	11	03	05	06	08	03	37	59	04	06	49	03
12	11	28	12	18	06	06	50	23	00	29	23	32	00	10	36	10	05	23	31	58	11	02	55	52	08	03	37	27	04	06	45	52
13	11	29	11	06	06	18	58	23	01	00	05	25	00	10	19	30	05	23	24	18	11	02	49	06	08	03	36	48	04	06	42	41
14	00	00	09	51	07	00	58	51	01	00	47	15	00	09	57	23	05	23	16	41	11	02	44	46	08	03	36	06	04	06	39	31
15	00	01	08	35	07	12	53	15	01	01	29	02	00	09	30	20	05	23	09	04	11	02	42	55	08	03	35	16	04	06	36	20
16	00	02	07	16	07	24	44	08	01	02	10	48	00	08	58	55	05	23	01	31	11	02	43	28	08	03	34	20	04	06	33	09
17	00	03	05	55	08	06	34	52	01	02	52	30	00	08	23	51	05	22	54	00	11	02	46	21	08	03	33	20	04	06	29	59
18	00	04	04	32	08	18	29	56	01	03	34	11	00	07	45	50	05	22	46	32	11	02	51	34	08	03	32	13	04	06	26	48
19	00	05	03	08	09	00	33	43	01	04	15	49	00	07	05	35	05	22	39	08	11	02	59	02	08	03	31	00	04	06	23	38
20	00	06	01	41	09	12	51	35	01	04	57	24	00	06	23	58	05	22	31	46	11	03	08	37	08	03	29	42	04	06	20	27
21	00	07	00	14	09	25	28	12	01	05	38	57	00	05	41	38	05	22	24	28	11	03	20	28	08	03	28	19	04	06	17	16
22	00	07	58	44	10	08	27	45	01	06	20	27	00	04	59	30	05	22	17	15	11	03	34	19	08	03	26	49	04	06	14	06
23	00	08	57	12	10	21	53	41	01	07	01	55	00	04	18	04	05	22	10	05	11	03	50	10	08	03	25	15	04	06	10	55
24	00	09	55	37	11	05	47	37	01	07	43	20	00	03	38	12	05	22	03	01	11	04	07	58	08	03	23	35	04	06	07	44
25	00	10	54	03	11	20	08	49	01	08	24	44	00	03	00	30	05	21	56	02	11	04	27	45	08	03	21	49	04	06	04	34
26	00	11	52	25	00	04	53	24	01	09	06	04	00	02	25	27	05	21	49	07	11	04	49	12	08	03	19	58	04	06	01	23
27	00	12	50	46	00	19	54	23	01	09	47	23	00	01	53	39	05	21	42	19	11	05	12	30	08	03	18	02	04	05	58	12
28	00	13	49	04	01	05	02	08	01	10	28	38	00	01	25	24	05	21	35	36	11	05	37	28	08	03	16	00	04	05	55	02
29	00	14	47	22	01	20	06	19	01	11	09	52	00	01	01	14	05	21	28	58	11	06	04	03	08	03	13	53	04	05	51	51
30	00	15	45	37	02	04	57	23	01	11	51	03	00	00	41	13	05	21	22	28	11	06	32	13	08	03	11	41	04	05	48	40

औदयिक स्पष्ट ग्रह, मई 2017

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	00	16	43	51	02	19	28	30	01	12	32	11	00	00	25	40	05	21	16	04	11	07	01	52	08	03	09	24	04	05	45	30
02	00	17	42	03	03	03	36	07	01	13	13	17	00	00	14	44	05	21	09	46	11	07	32	58	08	03	07	02	04	05	42	19
03	00	18	40	13	03	17	19	19	01	13	54	21	00	00	08	32	05	21	03	36	11	08	05	29	08	03	04	36	04	05	39	08
04	00	19	38	21	04	00	39	41	01	14	35	23	00	00	07	03	05	20	57	33	11	08	39	20	08	03	02	04	04	05	35	58
05	00	20	36	28	04	13	40	12	01	15	16	23	00	00	10	23	05	20	51	37	11	09	14	29	08	02	59	27	04	05	32	47
06	00	21	34	33	04	26	23	54	01	15	57	20	00	00	18	23	05	20	45	49	11	09	50	51	08	02	56	47	04	05	29	36
07	00	22	32	36	05	08	54	01	01	16	38	14	00	00	31	05	05	20	40	08	11	10	28	25	08	02	54	00	04	05	26	26
08	00	23	30	39	05	21	13	44	01	17	19	07	00	00	48	26	05	20	34	37	11	11	07	07	08	02	51	09	04	05	23	15
09	00	24	28	39	06	03	25	13	01	17	59	57	00	01	10	12	05	20	29	12	11	11	46	55	08	02	48	14	04	05	20	04
10	00	25	26	38	06	15	30	15	01	18	40	45	00	01	36	20	05	20	23	57	11	12	27	47	08	02	45	14	04	05	16	54
11	00	26	24	35	06	27	30	20	01	19	21	30	00	02	06	41	05	20	18	49	11	13	09	39	08	02	42	11	04	05	13	43
12	00	27	22	31	07	09	26	18	01	20	02	14	00	02	41	06	05	20	13	51	11	13	52	30	08	02	39	03	04	05	10	32
13	00	28	20	25	07	21	19	14	01	20	42	55	00	03	19	27	05	20	09	02	11	14	36	17	08	02	35	51	04	05	07	22
14	00	29	18	18	08	03	10	42	01	21	23	34	00	04	01	34	05	20	04	23	11	15	20	57	08	02	32	35	04	05	04	11
15	01	00	16	10	08	15	03	03	01	22	04	11	00	04	47	19	05	19	59	51	11	16	06	30	08	02	29	15	04	05	01	00
16	01	01	13	59	08	26	59	13	01	22	44	45	00	05	36	35	05	19	55	30	11	16	52	51	08	02	25	50	04	04	57	50
17	01	02	11	48	09	09	03	11	01	23	25	18	00	06	32	15	05	19	51	18	11	17	40	02	08	02	22	23	04	04	54	39
18	01	03	09	35	09	21	19	13	01	24	05	48	00	07	25	10	05	19	47	16	11	18	27	58	08	02	18	51	04	04	51	28
19	01	04	07	20	10	03	52	06	01	24	46	16	00	08	24	16	05	19	43	23	11	19	16	38	08	02	15	16	04	04	48	17
20	01	05	05	04	10	16	46	35	01	25	26	42	00	09	26	27	05	19	39	41	11	20	06	01	08	02	11	38	04	04	45	07
21	01	06	02	48	11	00	06	50	01	26	07	06	00	10	31	40	05	19	36	08	11	20	56	06	08	02	07	56	04	04	41	56
22	01	07	00	29	11	13	55	45	01	26	47	28	00	11	39	48	05	19	32	45	11	21	46	50	08	02	04	11	04	04	38	45
23	01	07	58	10	11	28	14	12	01	27	27	48	00	12	50	51	05	19	29	34	11	22	38	12	08	02	00	24	04	04	35	35
24	01	08	55	49	00	12	59	36	01	28	08	05	00	14	04	43	05	19	26	31	11	23	30	10	08	01	56	32	04	04	32	24
25	01	09	53	27	00	28	05	58	01	28	48	21	00	15	21	25	05	19	23	39	11	24	22	45	08	01	52	38	04	04	29	13
26	01	10	51	04	01	13	23	20	01	29	28	34	00	16	40	53	05	19	20	58	11	25	15	54	08	01	48	41	04	04	26	02
27	01	11	48	39	01	28	40	31	02	00	08	45	00	18	03	05	05	19	18	28	11	26	09	35	08	01	44	42	04	04	22	52
28	01	12	46	14	02	13	46	13	02	00	48	55	00	19	28	01	05	19	16	07	11	27	03	49	08	01	40	40	04	04	19	41
29	01	13	43	48	02	28	31	37	02	01	29	03	00	20	55	38	05	19	13	57	11	27	58	33	08	01	36	36	04	04	16	30
30	01	14	41	20	03	12	51	21	02	02	09	08	00	22	25	55	05	19	11	59	11	28	53	46	08	01	32	29	04	04	13	19
31	01	15	38	52	03	26	43	17	02	02	49	12	00	23	58	52	05	19	10	10	11	29	49	29	08	01	28	20	04	04	10	09

औदयिक स्पष्ट ग्रह, जून 2017

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	01	16	36	22	04	10	08	36	02	03	29	13	00	25	34	25	05	19	08	32	00	00	45	39	08	01	24	10	04	04	06	58
02	01	17	33	52	04	23	09	40	02	04	09	13	00	27	12	32	05	19	07	06	00	01	42	16	08	01	19	57	04	04	03	47
03	01	18	31	20	05	05	50	23	02	04	49	11	00	28	53	12	05	19	05	50	00	02	39	19	08	01	15	42	04	04	00	36
04	01	19	28	47	05	18	14	49	02	05	29	07	01	00	36	20	05	19	04	45	00	03	36	46	08	01	11	26	04	03	57	26
05	01	20	26	14	06	00	26	40	02	06	09	01	01	02	21	56	05	19	03	50	00	04	34	38	08	01	07	09	04	03	54	15
06	01	21	23	40	06	12	29	43	02	06	48	53	01	04	09	55	05	19	03	06	00	05	32	53	08	01	02	49	04	03	51	04
07	01	22	21	04	06	24	27	17	02	07	28	43	01	06	00	15	05	19	02	34	00	06	31	31	08	00	58	29	04	03	47	53
08	01	23	18	28	07	06	21	34	02	08	08	32	01	07	52	51	05	19	02	12	00	07	30	31	08	00	54	07	04	03	44	43
09	01	24	15	51	07	18	14	35	02	08	48	18	01	09	47	41	05	19	02	02	00	08	29	52	08	00	49	45	04	03	41	32
10	01	25	13	14	08	00	07	44	02	09	28	03	01	11	44	40	05	19	02	02	00	09	29	34	08	00	45	22	04	03	38	21
11	01	26	10	35	08	12	02	20	02	10	07	46	01	13	43	45	05	19	02	13	00	10	29	37	08	00	40	58	04	03	35	10
12	01	27	07	56	08	23	59	31	02	10	47	27	01	15	44	49	05	19	02	34	00	11	29	58	08	00	36	33	04	03	32	00
13	01	28	05	17	09	06	01	29	02	11	27	07	01	17	47	45	05	19	03	05	00	12	30	38	08	00	32	08	04	03	28	49
14	01	29	02	36	09	18	11	07	02	12	06	44	01	19	52	28	05	19	03	49	00	13	31	36	08	00	27	42	04	03	25	38
15	01	29	59	54	10	00	31	16	02	12	46	20	01	21	58	48	05	19	04	43	00	14	32	52	08	00	23	17	04	03	22	27
16	02	00	57	13	10	13	06	08	02	13	25	55	01	24	06	37	05	19	05	48	00	15	34	26	08	00	18	51	04	03	19	16
17	02	01	54	31	10	25	59	48	02	14	05	27	01	26	15	41	05	19	07	03	00	16	36	16	08	00	14	26	04	03	16	06
18	02	02	51	49	11	09	16	10	02	14	44	58	01	28	25	52	05	19	08	29	00	17	38	24	08	00	10	01	04	03	12	55
19	02	03	49	06	11	22	58	19	02	15	24	27	02	00	36	49	05	19	10	05	00	18	40	47	08	00	05	35	04	03	09	44
20	02	04	46	22	00	07	07	41	02	16	03	55	02	02	48	22	05	19	11	51	00	19	43	25	08	00	01	10	04	03	06	33
21	02	05	43	38	00	21	43	05	02	16	43	21	02	05	00	13	05	19	13	48	00	20	46	18	07	29	56	46	04	03	03	22
22	02	06	40	54	01	06	39	52	02	17	22	46	02	07	12	05	05	19	15	56	00	21	49	25	07	29	52	24	04	03	00	12
23	02	07	38	09	01	21	50	21	02	18	02	09	02	09	23	41	05	19	18	15	00	22	52	47	07	29	48	01	04	02	57	01
24	02	08	35	23	02	07	04	17	02	18	41	30	02	11	34	46	05	19	20	43	00	23	56	22	07	29	43	40	04	02	53	50
25	02	09	32	38	02	22	11	01	02	19	20	49	02	13	45	05	05	19	23	22	00	25	00	11	07	29	39	20	04	02	50	39
26	02	10	29	53	03	07	01	00	02	20	00	07	02	15	54	22	05	19	26	10	00	26	04	14	07	29	35	00	04	02	47	28
27	02	11	27	06	03	21	27	53	02	20	39	24	02	18	02	25	05	19	29	10	00	27	08	29	07	29	30	43	04	02	44	18
28	02	12	24	20	04	05	28	10	02	21	18	39	02	20	09	02	05	19	32	18	00	28	12	56	07	29	26	27	04	02	41	07
29	02	13	21	34	04	19	00	56	02	21	57	53	02	22	14	07	05	19	35	37	00	29	17	35	07	29	22	12	04	02	37	56
30	02	14	18	47	05	02	07	46	02	22	37	04	02	24	17	29	05	19	39	07	01	00	22	27	07	29	18	00	04	02	34	45

औदयिक स्पष्ट ग्रह, जुलाई 2017

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	02	15	16	01	05	14	51	50	02	23	16	15	02	26	19	03	05	19	42	46	01	01	27	30	07	29	13	49	04	02	31	34
02	02	16	13	14	05	27	16	46	02	23	55	24	02	28	18	45	05	19	46	34	01	02	32	45	07	29	09	42	04	02	28	24
03	02	17	10	27	06	09	27	04	02	24	34	32	03	00	16	30	05	19	50	33	01	03	38	10	07	29	05	36	04	02	25	13
04	02	18	07	40	06	21	27	16	02	25	13	38	03	02	12	16	05	19	54	41	01	04	43	46	07	29	01	31	04	02	22	02
05	02	19	04	53	07	03	21	20	02	25	52	43	03	04	06	00	05	19	58	58	01	05	49	33	07	28	57	30	04	02	18	51
06	02	20	02	06	07	15	13	09	02	26	31	47	03	05	57	43	05	20	03	26	01	06	55	29	07	28	53	30	04	02	15	40
07	02	20	59	20	07	27	05	51	02	27	10	49	03	07	47	20	05	20	08	02	01	08	01	37	07	28	49	33	04	02	12	29
08	02	21	56	33	08	09	01	41	02	27	49	50	03	09	34	53	05	20	12	47	01	09	07	54	07	28	45	39	04	02	09	19
09	02	22	53	46	08	21	01	57	02	28	28	50	03	11	20	19	05	20	17	43	01	10	14	20	07	28	41	49	04	02	06	08
10	02	23	50	60	09	03	07	59	02	29	07	48	03	13	03	39	05	20	22	47	01	11	20	55	07	28	38	01	04	02	02	57
11	02	24	48	14	09	15	20	56	03	29	46	44	03	14	44	55	05	20	28	00	01	12	27	40	07	28	34	16	04	01	59	46
12	02	25	45	27	09	27	42	21	03	00	25	40	03	16	24	04	05	20	33	22	01	13	34	34	07	28	30	35	04	01	56	35
13	02	26	42	41	10	10	14	24	03	01	04	34	03	18	01	09	05	20	38	53	01	14	41	36	07	28	26	57	04	01	53	24
14	02	27	39	56	10	22	59	31	03	01	43	27	03	19	36	11	05	20	44	33	01	15	48	48	07	28	23	22	04	01	50	14
15	02	28	37	11	11	06	00	44	03	02	22	19	03	21	09	09	05	20	50	22	01	16	56	07	07	28	19	50	04	01	47	03
16	02	29	34	26	11	19	20	23	03	03	01	10	03	22	40	04	05	20	56	19	01	18	03	35	07	28	16	23	04	01	43	52
17	03	00	31	41	00	03	00	40	03	03	39	59	03	24	08	58	05	21	02	24	01	19	11	11	07	28	12	59	04	01	40	41
18	03	01	28	57	00	17	02	29	03	04	18	47	03	25	35	50	05	21	08	38	01	20	18	55	07	28	09	38	04	01	37	30
19	03	02	26	14	01	01	24	40	03	04	57	34	03	27	00	40	05	21	15	01	01	21	26	46	07	28	06	23	04	01	34	19
20	03	03	23	30	01	16	04	13	03	05	36	20	03	28	23	27	05	21	21	32	01	22	34	45	07	28	03	10	04	01	31	09
21	03	04	20	47	02	00	55	40	03	06	15	05	03	29	44	10	05	21	28	10	01	23	42	53	07	28	00	03	04	01	27	58
22	03	05	18	04	02	15	51	31	03	06	53	48	04	01	02	47	05	21	34	58	01	24	51	06	07	27	56	59	04	01	24	47
23	03	06	15	23	03	00	43	32	03	07	32	31	04	02	19	17	05	21	41	53	01	25	59	28	07	27	53	58	04	01	21	36
24	03	07	12	42	03	15	24	04	03	08	11	12	04	03	33	34	05	21	48	56	01	27	07	56	07	27	51	03	04	01	18	25
25	03	08	10	02	03	29	46	53	03	08	49	53	04	04	45	37	05	21	56	07	01	28	16	31	07	27	48	13	04	01	15	14
26	03	09	07	22	04	13	47	11	03	09	28	32	04	05	55	20	05	22	03	25	01	29	25	13	07	27	45	26	04	01	12	03
27	03	10	04	43	04	27	23	13	03	10	07	10	04	07	02	38	05	22	10	51	02	00	34	03	07	27	42	45	04	01	08	53
28	03	11	02	05	05	10	34	40	03	10	45	47	04	08	07	24	05	22	18	25	02	01	42	57	07	27	40	08	04	01	05	42
29	03	11	59	27	05	23	23	05	03	11	24	23	04	09	09	33	05	22	26	06	02	02	51	59	07	27	37	35	04	01	02	31
30	03	12	56	49	06	05	51	12	03	12	02	58	04	10	08	56	05	22	33	54	02	04	01	06	07	27	35	08	04	00	59	20
31	03	13	54	13	06	18	03	12	03	12	41	33	04	11	05	27	05	22	41	50	02	05	10	21	07	27	32	45	04	00	56	09

औदयिक स्पष्ट ग्रह, अगस्त 2017

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	03	14	51	38	07	00	03	32	03	13	20	06	04	11	58	56
02	03	15	49	03	07	11	56	57	03	13	58	38	04	12	49	12
03	03	16	46	30	07	23	48	26	03	14	37	10	04	13	36	09
04	03	17	43	56	08	05	42	17	03	15	15	40	04	14	19	33
05	03	18	41	25	08	17	41	35	03	15	54	09	04	14	59	17
06	03	19	38	54	08	29	48	54	03	16	32	38	04	15	35	07
07	03	20	36	23	09	12	05	58	03	17	11	05	04	16	06	52
08	03	21	33	54	09	24	33	32	03	17	49	32	04	16	34	22
09	03	22	31	26	10	07	12	30	03	18	27	58	04	16	57	22
10	03	23	29	00	10	20	03	38	03	19	06	23	04	17	15	43
11	03	24	26	34	11	03	07	59	03	19	44	47	04	17	29	12
12	03	25	24	10	11	16	26	14	03	20	23	11	04	17	37	34
13	03	26	21	47	11	29	58	50	03	21	01	34	04	17	40	40
14	03	27	19	24	00	13	46	10	03	21	39	56	04	17	38	20
15	03	28	17	03	00	27	47	01	03	22	18	17	04	17	30	24
16	03	29	14	44	01	12	00	08	03	22	56	37	04	17	16	47
17	04	00	12	24	01	26	22	53	03	23	34	57	04	16	57	26
18	04	01	10	08	02	10	51	31	03	24	13	16	04	16	32	25
19	04	02	07	51	02	25	21	43	03	24	51	34	04	16	01	47
20	04	03	05	37	03	09	48	39	03	25	29	52	04	15	25	48
21	04	04	03	23	03	24	07	30	03	26	08	09	04	14	44	49
22	04	05	01	11	04	08	13	28	03	26	46	25	04	13	59	17
23	04	05	59	01	04	22	02	51	03	27	24	40	04	13	09	53
24	04	06	56	51	05	05	33	08	03	28	02	55	04	12	17	23
25	04	07	54	44	05	18	42	35	03	28	41	09	04	11	22	43
26	04	08	52	38	06	01	31	36	03	29	19	23	04	10	26	57
27	04	09	50	32	06	14	01	23	03	29	57	36	04	09	31	14
28	04	10	48	30	06	26	15	10	04	00	35	48	04	08	36	48
29	04	11	46	28	07	08	16	17	04	01	14	01	04	07	44	48
30	04	12	44	28	07	20	09	52	04	01	52	12	04	06	56	37
31	04	13	42	30	08	02	01	19	04	02	30	23	04	06	13	08

ग्रह	गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	05	22	49	53	02	06	19	42	07	27	30	27	04	00	52	58
02	05	22	58	02	02	07	29	28	07	27	28	15	04	00	49	48
03	05	23	06	20	02	08	38	40	07	27	26	08	04	00	46	37
04	05	23	14	43	02	09	48	18	07	27	24	05	04	00	43	26
05	05	23	23	14	02	10	58	02	07	27	22	08	04	00	40	15
06	05	23	31	51	02	12	07	51	07	27	20	16	04	00	37	04
07	05	23	40	35	02	13	17	46	07	27	18	29	04	00	33	53
08	05	23	49	26	02	14	27	47	07	27	16	48	04	00	30	42
09	05	23	58	22	02	15	37	53	07	27	15	12	04	00	27	32
10	05	24	07	25	02	16	48	05	07	27	13	42	04	00	24	21
11	05	24	16	35	02	17	58	22	07	27	12	17	04	00	21	10
12	05	24	25	51	02	19	08	44	07	27	10	57	04	00	17	59
13	05	24	35	13	02	20	19	11	07	27	09	43	04	00	14	48
14	05	24	44	40	02	21	29	44	07	27	08	35	04	00	11	37
15	05	24	54	14	02	22	40	21	07	27	07	31	04	00	08	26
16	05	25	03	53	02	23	51	04	07	27	06	34	04	00	05	16
17	05	25	13	39	02	25	01	50	07	27	05	43	04	00	02	05
18	05	25	23	29	02	26	12	43	07	27	04	57	03	29	58	54
19	05	25	33	25	02	27	23	39	07	27	04	17	03	29	55	43
20	05	25	43	28	02	28	34	42	07	27	03	43	03	29	52	32
21	05	25	53	35	02	29	45	47	07	27	03	15	03	29	49	21
22	05	26	03	47	03	00	56	59	07	27	02	52	03	29	46	11
23	05	26	14	05	03	02	08	14	07	27	02	34	03	29	43	00
24	05	26	24	28	03	03	19	34	07	27	02	23	03	29	39	49
25	05	26	34	56	03	04	31	00	07	27	02	18	03	29	36	38
26	05	26	45	29	03	05	42	30	07	27	02	18	03	29	33	27
27	05	26	56	07	03	06	54	03	07	27	02	25	03	29	30	16
28	05	27	06	49	03	08	05	41	07	27	02	37	03	29	27	06
29	05	27	17	36	03	09	17	23	07	27	02	55	03	29	23	55
30	05	27	28	28	03	10	29	10	07	27	03	18	03	29	20	44
31	05	27	39	24	03	11	41	01	07	27	03	48	03	29	17	33

औदयिक स्पष्ट ग्रह, सितम्बर 2017

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	04	14	40	33	08	13	55	22	04	03	08	33	04	05	35	31	05	27	50	25	03	12	52	58	07	27	04	24	03	29	14	22
02	04	15	38	38	08	25	56	55	04	03	46	43	04	05	04	32	05	28	01	30	03	14	04	56	07	27	05	05	03	29	11	11
03	04	16	36	44	09	08	09	47	04	04	24	52	04	04	40	54	05	28	12	39	03	15	17	00	07	27	05	53	03	29	08	01
04	04	17	34	52	09	20	36	12	04	05	03	00	04	04	25	15	05	28	23	54	03	16	29	09	07	27	06	45	03	29	04	50
05	04	18	33	02	10	03	18	09	04	05	41	09	04	04	17	51	05	28	35	11	03	17	41	21	07	27	07	44	03	29	01	39
06	04	19	31	13	10	16	16	21	04	06	19	17	04	04	19	00	05	28	46	33	03	18	53	37	07	27	08	49	03	28	58	28
07	04	20	29	26	10	29	30	55	04	06	57	24	04	04	28	50	05	28	57	59	03	20	05	56	07	27	09	59	03	28	55	17
08	04	21	27	41	11	13	00	55	04	07	35	31	04	04	47	20	05	29	09	29	03	21	18	21	07	27	11	16	03	28	52	06
09	04	22	25	58	11	26	44	47	04	08	13	38	04	05	14	26	05	29	21	02	03	22	30	50	07	27	12	38	03	28	48	55
10	04	23	24	17	00	10	40	33	04	08	51	43	04	05	49	57	05	29	32	39	03	23	43	21	07	27	14	06	03	28	45	45
11	04	24	22	37	00	24	45	03	04	09	29	48	04	06	33	35	05	29	44	21	03	24	55	57	07	27	15	39	03	28	42	34
12	04	25	20	59	01	08	55	11	04	10	07	53	04	07	25	04	05	29	56	05	03	26	08	37	07	27	17	18	03	28	39	23
13	04	26	19	23	01	23	08	06	04	10	45	59	04	08	24	01	06	00	07	54	03	27	21	21	07	27	19	03	03	28	36	12
14	04	27	17	48	02	07	20	58	04	11	24	03	04	09	29	57	06	00	19	45	03	28	34	10	07	27	20	53	03	28	33	01
15	04	28	16	16	02	21	31	26	04	12	02	07	04	10	42	27	06	00	31	40	03	29	47	01	07	27	22	50	03	28	29	51
16	04	29	14	46	03	05	37	30	04	12	40	10	04	12	00	57	06	00	43	37	04	00	59	56	07	27	24	51	03	28	26	40
17	05	00	13	18	03	19	37	23	04	13	18	13	04	13	24	54	06	00	55	38	04	02	12	55	07	27	26	59	03	28	23	29
18	05	01	11	52	04	03	29	03	04	13	56	16	04	14	53	46	06	01	07	43	04	03	25	58	07	27	29	12	03	28	20	18
19	05	02	10	27	04	17	10	27	04	14	34	19	04	16	26	55	06	01	19	50	04	04	39	04	07	27	31	31	03	28	17	07
20	05	03	09	04	05	00	39	46	04	15	12	21	04	18	03	49	06	01	32	00	04	05	52	14	07	27	33	55	03	28	13	56
21	05	04	07	43	05	13	54	46	04	15	50	23	04	19	43	53	06	01	44	14	04	07	05	28	07	27	36	24	03	28	10	45
22	05	05	06	24	05	26	54	07	04	16	28	25	04	21	26	34	06	01	56	30	04	08	18	45	07	27	38	59	03	28	07	35
23	05	06	05	07	06	09	37	09	04	17	06	26	04	23	11	24	06	02	08	48	04	09	32	05	07	27	41	39	03	28	04	24
24	05	07	03	52	06	22	04	11	04	17	44	26	04	24	57	55	06	02	21	10	04	10	45	29	07	27	44	25	03	28	01	13
25	05	08	02	39	07	04	16	41	04	18	22	27	04	26	45	42	06	02	33	33	04	11	58	57	07	27	47	16	03	27	58	02
26	05	09	01	28	07	16	17	28	04	19	00	27	04	28	34	23	06	02	46	00	04	13	12	28	07	27	50	12	03	27	54	51
27	05	10	00	19	07	28	10	38	04	19	38	27	05	00	23	41	06	02	58	28	04	14	26	02	07	27	53	14	03	27	51	40
28	05	10	59	12	08	10	00	50	04	20	16	27	05	02	13	18	06	03	11	00	04	15	39	39	07	27	56	21	03	27	48	30
29	05	11	58	07	08	21	53	39	04	20	54	27	05	04	03	03	06	03	23	33	04	16	53	20	07	27	59	33	03	27	45	19
30	05	12	57	04	09	03	54	32	04	21	32	26	05	05	52	43	06	03	36	09	04	18	07	04	07	28	02	50	03	27	42	08

औदयिक स्पष्ट ग्रह, अक्टूबर 2017

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	05	13	56	03	09	16	08	11	04	22	10	25	05	07	42	07	06	03	48	46	04	19	20	51	07	28	06	12	03	27	38	57
02	05	14	55	04	09	28	38	54	04	22	48	23	05	09	31	11	06	04	01	26	04	20	34	42	07	28	09	39	03	27	35	46
03	05	15	54	08	10	11	29	45	04	23	26	22	05	11	19	45	06	04	14	08	04	21	48	36	07	28	13	12	03	27	32	35
04	05	16	53	13	10	24	42	41	04	24	04	20	05	13	07	46	06	04	26	51	04	23	02	32	07	28	16	49	03	27	29	25
05	05	17	52	20	11	08	17	37	04	24	42	18	05	14	55	08	06	04	39	37	04	24	16	32	07	28	20	31	03	27	26	14
06	05	18	51	30	11	22	13	16	04	25	20	17	05	16	41	49	06	04	52	24	04	25	30	34	07	28	24	18	03	27	23	03
07	05	19	50	42	00	06	26	18	04	25	58	14	05	18	27	46	06	05	05	14	04	26	44	41	07	28	28	10	03	27	19	52
08	05	20	49	55	00	20	51	14	04	26	36	12	05	20	12	58	06	05	18	03	04	27	58	50	07	28	32	07	03	27	16	41
09	05	21	49	11	01	05	21	49	04	27	14	09	05	21	57	24	06	05	30	55	04	29	13	01	07	28	36	08	03	27	13	30
10	05	22	48	28	01	19	51	46	04	27	52	06	05	23	41	02	06	05	43	49	05	00	27	15	07	28	40	15	03	27	10	19
11	05	23	47	48	02	04	16	02	04	28	30	03	05	25	23	55	06	05	56	43	05	01	41	32	07	28	44	25	03	27	07	09
12	05	24	47	10	02	18	30	27	04	29	07	59	05	27	06	01	06	06	09	39	05	02	55	51	07	28	48	40	03	27	03	58
13	05	25	46	34	03	02	33	22	04	29	45	56	05	28	47	21	06	06	22	36	05	04	10	13	07	28	52	59	03	27	00	47
14	05	26	46	00	03	16	24	16	05	00	23	52	06	00	27	58	06	06	35	35	05	05	24	39	07	28	57	24	03	26	57	36
15	05	27	45	27	04	00	03	14	05	01	01	48	06	02	07	51	06	06	48	34	05	06	39	05	07	29	01	53	03	26	54	25
16	05	28	44	58	04	13	31	05	05	01	39	44	06	03	47	03	06	07	01	34	05	07	53	36	07	29	06	25	03	26	51	14
17	05	29	44	30	04	26	47	59	05	02	17	40	06	05	25	36	06	07	14	36	05	09	08	08	07	29	11	03	03	26	48	04
18	06	00	44	04	05	09	53	47	05	02	55	35	06	07	03	28	06	07	27	38	05	10	22	43	07	29	15	45	03	26	44	53
19	06	01	43	40	05	22	48	30	05	03	33	30	06	08	40	41	06	07	40	41	05	11	37	19	07	29	20	30	03	26	41	42
20	06	02	43	19	06	05	31	28	05	04	11	26	06	10	17	19	06	07	53	44	05	12	51	59	07	29	25	20	03	26	38	31
21	06	03	42	58	06	18	02	28	05	04	49	21	06	11	53	21	06	08	06	48	05	14	06	40	07	29	30	15	03	26	35	20
22	06	04	42	41	07	00	21	31	05	05	27	15	06	13	28	47	06	08	19	53	05	15	21	23	07	29	35	13	03	26	32	09
23	06	05	42	26	07	12	29	17	05	06	05	10	06	15	03	41	06	08	32	59	05	16	36	09	07	29	40	15	03	26	28	58
24	06	06	42	12	07	24	27	36	05	06	43	05	06	16	38	02	06	08	46	04	05	17	50	58	07	29	45	21	03	26	25	48
25	06	07	42	01	08	06	19	06	05	07	20	59	06	18	11	52	06	08	59	10	05	19	05	47	07	29	50	31	03	26	22	37
26	06	08	41	51	08	18	07	44	05	07	58	53	06	19	45	11	06	09	12	16	05	20	20	39	07	29	55	44	03	26	19	26
27	06	09	41	43	08	29	58	11	05	08	36	47	06	21	17	59	06	09	25	23	05	21	35	33	08	00	01	02	03	26	16	15
28	06	10	41	38	09	11	56	09	05	09	14	41	06	22	50	17	06	09	38	28	05	22	50	29	08	00	06	23	03	26	13	04
29	06	11	41	34	09	24	06	41	05	09	52	35	06	24	22	06	06	09	51	35	05	24	05	26	08	00	11	48	03	26	09	53
30	06	12	41	32	10	06	35	19	05	10	30	28	06	25	53	24	06	10	04	41	05	25	20	25	08	00	17	16	03	26	06	42
31	06	13	41	32	10	19	26	48	05	11	08	22	06	27	24	14	06	10	17	47	05	26	35	25	08	00	22	48	03	26	03	31

औदयिक स्पष्ट ग्रह, नवम्बर 2017

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	06	14	41	34	11	02	44	13	05	11	46	15	06	28	54	34	06	10	30	54	05	27	50	28	08	00	28	23	03	26	00	21
02	06	15	41	38	11	16	29	15	05	12	24	08	07	00	24	24	06	10	43	59	05	29	05	32	08	00	34	02	03	25	57	10
03	06	16	41	44	00	00	41	15	05	13	02	00	07	01	53	45	06	10	57	04	06	00	20	38	08	00	39	44	03	25	53	59
04	06	17	41	52	00	15	16	07	05	13	39	53	07	03	22	36	06	11	10	08	06	01	35	44	08	00	45	29	03	25	50	48
05	06	18	42	01	01	00	06	54	05	14	17	45	07	04	50	55	06	11	23	12	06	02	50	53	08	00	51	18	03	25	47	37
06	06	19	42	12	01	15	04	56	05	14	55	37	07	06	18	43	06	11	36	16	06	04	06	02	08	00	57	10	03	25	44	26
07	06	20	42	26	02	00	00	38	05	15	33	29	07	07	46	00	06	11	49	18	06	05	21	14	08	01	03	05	03	25	41	15
08	06	21	42	41	02	14	45	22	05	16	11	21	07	09	12	42	06	12	02	21	06	06	36	26	08	01	09	02	03	25	38	04
09	06	22	42	58	02	29	13	33	05	16	49	13	07	10	38	47	06	12	15	21	06	07	51	40	08	01	15	03	03	25	34	54
10	06	23	43	16	03	13	22	22	05	17	27	04	07	12	04	14	06	12	28	22	06	09	06	54	08	01	21	06	03	25	31	43
11	06	24	43	37	03	27	11	13	05	18	04	55	07	13	29	00	06	12	41	21	06	10	22	10	08	01	27	13	03	25	28	32
12	06	25	43	59	04	10	41	22	05	18	42	47	07	14	53	00	06	12	54	19	06	11	37	27	08	01	33	22	03	25	25	21
13	06	26	44	23	04	23	54	59	05	19	20	37	07	16	16	09	06	13	07	16	06	12	52	46	08	01	39	34	03	25	22	10
14	06	27	44	48	05	06	54	02	05	19	58	27	07	17	38	20	06	13	20	11	06	14	08	05	08	01	45	48	03	25	18	59
15	06	28	45	16	05	19	40	21	05	20	36	18	07	18	59	29	06	13	33	05	06	15	23	25	08	01	52	05	03	25	15	48
16	06	29	45	44	06	02	15	43	05	21	14	08	07	20	19	26	06	13	45	58	06	16	38	45	08	01	58	25	03	25	12	37
17	07	00	46	14	06	14	41	16	05	21	51	58	07	21	38	01	06	13	58	49	06	17	54	07	08	02	04	47	03	25	09	27
18	07	01	46	46	06	26	57	38	05	22	29	47	07	22	55	05	06	14	11	38	06	19	09	29	08	02	11	12	03	25	06	16
19	07	02	47	19	07	09	05	46	05	23	07	36	07	24	10	22	06	14	24	27	06	20	24	52	08	02	17	38	03	25	03	05
20	07	03	47	55	07	21	06	37	05	23	45	25	07	25	23	42	06	14	37	13	06	21	40	17	08	02	24	07	03	24	59	54
21	07	04	48	31	08	03	00	55	05	24	23	14	07	26	34	46	06	14	49	57	06	22	55	42	08	02	30	38	03	24	56	43
22	07	05	49	09	08	14	50	44	05	25	01	03	07	27	43	15	06	15	02	39	06	24	11	07	08	02	37	11	03	24	53	32
23	07	06	49	48	08	26	38	38	05	25	38	50	07	28	48	48	06	15	15	19	06	25	26	33	08	02	43	46	03	24	50	21
24	07	07	50	29	09	08	28	14	05	26	16	38	07	29	51	02	06	15	27	57	06	26	41	59	08	02	50	24	03	24	47	10
25	07	08	51	11	09	20	23	58	05	26	54	26	08	00	49	30	06	15	40	33	06	27	57	26	08	02	57	03	03	24	43	16
26	07	09	51	55	10	02	31	02	05	27	32	13	08	01	43	41	06	15	53	07	06	29	12	55	08	03	03	44	03	24	40	49
27	07	10	52	40	10	14	54	58	05	28	10	00	08	02	33	05	06	16	05	38	07	00	28	22	08	03	10	26	03	24	37	38
28	07	11	53	26	10	27	40	49	05	28	47	46	08	03	17	05	06	16	18	06	07	01	43	52	08	03	17	11	03	24	34	27
29	07	12	54	14	11	10	53	22	05	29	25	32	08	03	55	03	06	16	30	33	07	02	59	20	08	03	23	57	03	24	31	16
30	07	13	55	02	11	24	35	58	06	00	03	18	08	04	26	16	06	16	42	56	07	04	14	49	08	03	30	44	03	24	28	05

औदयिक स्पष्ट ग्रह, दिसम्बर 2017

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	07	14	55	52	00	08	48	50	06	00	41	03	08	04	50	01	06	16	55	17	07	05	30	18	08	03	37	34	03	24	24	54
02	07	15	56	44	00	23	29	36	06	01	18	48	08	05	05	31	06	17	07	35	07	06	45	49	08	03	44	24	03	24	21	43
03	07	16	57	36	01	08	31	47	06	01	56	33	08	05	12	01	06	17	19	50	07	08	01	21	08	03	51	16	03	24	18	33
04	07	17	58	29	01	23	46	11	06	02	34	17	08	05	08	45	06	17	32	02	07	09	16	50	08	03	58	09	03	24	15	22
05	07	18	59	23	02	09	01	26	06	03	12	01	08	04	55	08	06	17	44	12	07	10	32	22	08	04	05	04	03	24	12	11
06	07	20	00	19	02	24	06	56	06	03	49	44	08	04	30	37	06	17	56	17	07	11	47	53	08	04	12	00	03	24	09	00
07	07	21	01	15	03	08	54	34	06	04	27	27	08	03	55	01	06	18	08	20	07	13	03	24	08	04	18	56	03	24	05	49
08	07	22	02	12	03	23	18	52	06	05	05	09	08	03	08	20	06	18	20	19	07	14	18	56	08	04	25	54	03	24	02	38
09	07	23	03	10	04	07	18	02	06	05	42	50	08	02	11	12	06	18	32	15	07	15	34	27	08	04	32	53	03	23	59	27
10	07	24	04	10	04	20	52	28	06	06	20	32	08	01	04	38	06	18	44	07	07	16	49	59	08	04	39	52	03	23	56	16
11	07	25	05	10	05	04	04	33	06	06	58	13	07	29	50	15	06	18	55	56	07	18	05	31	08	04	46	53	03	23	53	06
12	07	26	06	11	05	16	56	35	06	07	35	53	07	28	30	05	06	19	07	40	07	19	21	03	08	04	53	53	03	23	49	55
13	07	27	07	13	05	29	32	11	06	08	13	33	07	27	06	49	06	19	19	21	07	20	36	35	08	05	00	55	03	23	46	44
14	07	28	08	15	06	11	54	30	06	08	51	12	07	25	43	13	06	19	30	58	07	21	52	07	08	05	07	58	03	23	43	33
15	07	29	09	18	06	24	06	09	06	09	28	50	07	24	22	05	06	19	42	31	07	23	07	41	08	05	15	01	03	23	40	22
16	08	00	10	22	07	06	09	56	06	10	06	28	07	23	06	06	06	19	53	59	07	24	23	13	08	05	22	04	03	23	37	11
17	08	01	11	28	07	18	08	02	06	10	44	05	07	21	57	33	06	20	05	25	07	25	38	46	08	05	29	08	03	23	34	00
18	08	02	12	33	08	00	01	53	06	11	21	42	07	20	58	14	06	20	16	44	07	26	54	17	08	05	36	12	03	23	30	50
19	08	03	13	38	08	11	53	03	06	11	59	19	07	20	09	13	06	20	28	00	07	28	09	50	08	05	43	16	03	23	27	39
20	08	04	14	45	08	23	42	36	06	12	36	54	07	19	31	18	06	20	39	12	07	29	25	23	08	05	50	21	03	23	24	28
21	08	05	15	52	09	05	32	35	06	13	14	28	07	19	04	34	06	20	50	19	08	00	40	55	08	05	57	25	03	23	21	17
22	08	06	16	59	09	17	25	08	06	13	52	02	07	18	48	49	06	21	01	21	08	01	56	27	08	06	04	31	03	23	18	06
23	08	07	18	06	09	29	23	26	06	14	29	36	07	18	43	37	06	21	12	18	08	03	11	59	08	06	11	35	03	23	14	55
24	08	08	19	14	10	11	31	32	06	15	07	09	07	18	48	16	06	21	23	11	08	04	27	31	08	06	18	40	03	23	11	45
25	08	09	20	23	10	23	53	57	06	15	44	40	07	19	02	02	06	21	33	58	08	05	43	03	08	06	25	45	03	23	08	34
26	08	10	21	32	11	06	35	28	06	16	22	11	07	19	24	05	06	21	44	40	08	06	58	36	08	06	32	49	03	23	05	23
27	08	11	22	40	11	19	40	42	06	16	59	42	07	19	53	39	06	21	55	17	08	08	14	08	08	06	39	52	03	23	02	12
28	08	12	23	50	00	03	13	27	06	17	37	11	07	20	29	57	06	22	05	49	08	09	29	40	08	06	46	56	03	22	59	01
29	08	13	24	59	00	17	15	29	06	18	14	40	07	21	12	16	06	22	16	15	08	10	45	12	08	06	53	59	03	22	55	50
30	08	14	26	08	01	01	45	31	06	18	52	07	07	21	59	57	06	22	26	36	08	12	00	42	08	07	01	02	03	22	52	40
31	08	15	27	18	01	16	39	43	06	19	29	34	07	22	52	23	06	22	36	52	08	13	16	13	08	07	08	04	03	22	49	29

औदयिक स्पष्ट ग्रह, जनवरी 2018

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	08	16	28	28	02	01	50	40	06	20	07	00	07	23	49	01	06	22	47	01	08	14	31	44	08	07	15	05	03	22	46	18
02	08	17	29	37	02	17	08	19	06	20	44	25	07	24	49	22	06	22	57	05	08	15	47	16	08	07	22	06	03	22	43	07
03	08	18	30	47	03	02	22	07	06	21	21	49	07	25	53	01	06	23	07	02	08	17	02	46	08	07	29	06	03	22	39	56
04	08	19	31	57	03	17	22	21	06	21	59	12	07	26	59	33	06	23	16	54	08	18	18	17	08	07	36	05	03	22	36	46
05	08	20	33	07	04	02	01	54	06	22	36	34	07	28	08	38	06	23	26	39	08	19	33	46	08	07	43	04	03	22	33	35
06	08	21	34	17	04	16	15	39	06	23	13	56	07	29	20	00	06	23	36	19	08	20	49	17	08	07	50	01	03	22	30	24
07	08	22	35	26	05	00	02	32	06	23	51	15	08	00	33	22	06	23	45	52	08	22	04	47	08	07	56	57	03	22	27	13
08	08	23	36	35	05	13	22	31	06	24	28	34	08	01	48	29	06	23	55	19	08	23	20	17	08	08	03	51	03	22	24	02
09	08	24	37	44	05	26	18	12	06	25	05	52	08	03	05	12	06	24	04	39	08	24	35	45	08	08	10	45	03	22	20	52
10	08	25	38	52	06	08	52	55	06	25	43	08	08	04	23	18	06	24	13	53	08	25	51	14	08	08	17	37	03	22	17	41
11	08	26	40	01	06	21	10	38	06	26	20	24	08	05	42	42	06	24	23	00	08	27	06	42	08	08	24	30	03	22	14	30
12	08	27	41	09	07	03	15	48	06	26	57	39	08	07	03	15	06	24	31	59	08	28	22	10	08	08	31	18	03	22	11	19
13	08	28	42	16	07	15	11	48	06	27	34	52	08	08	24	50	06	24	40	52	08	29	37	37	08	08	38	07	03	22	08	09
14	08	29	43	24	07	27	03	09	06	28	12	04	08	09	47	24	06	24	49	37	09	00	53	06	08	08	44	54	03	22	04	58
15	09	00	44	30	08	08	52	29	06	28	49	14	08	11	10	51	06	24	58	16	09	02	08	33	08	08	51	39	03	22	01	47
16	09	01	45	37	08	20	42	16	06	29	26	24	08	12	35	09	06	25	06	48	09	03	23	59	08	08	58	22	03	21	58	36
17	09	02	46	42	09	02	34	04	07	00	03	32	08	14	00	15	06	25	15	12	09	04	39	27	08	09	05	04	03	21	55	26
18	09	03	47	48	09	14	29	34	07	00	40	39	08	15	26	06	06	25	23	28	09	05	54	52	08	09	11	44	03	21	52	15
19	09	04	48	52	09	26	30	27	07	01	17	44	08	16	52	40	06	25	31	37	09	07	10	18	08	09	18	21	03	21	49	04
20	09	05	49	56	10	08	38	03	07	01	54	48	08	18	19	58	06	25	39	08	09	08	25	43	08	09	24	57	03	21	45	53
21	09	06	50	59	10	20	55	17	07	02	31	51	08	19	47	57	06	25	47	32	09	09	41	07	08	09	31	31	03	21	42	43
22	09	07	52	02	11	03	24	56	07	03	08	52	08	21	16	37	06	25	55	18	09	10	56	30	08	09	38	03	03	21	39	32
23	09	08	53	04	11	16	10	32	07	03	45	51	08	22	45	59	06	26	02	55	09	12	11	55	08	09	44	33	03	21	36	21
24	09	09	54	05	11	29	14	49	07	04	22	49	08	24	16	01	06	26	10	24	09	13	27	17	08	09	51	01	03	21	33	10
25	09	10	55	06	00	12	41	06	07	04	59	46	08	25	46	44	06	26	17	46	09	14	42	39	08	09	57	26	03	21	30	00
26	09	11	56	04	00	26	30	27	07	05	36	40	08	27	18	06	06	26	24	58	09	15	58	02	08	10	03	48	03	21	26	49
27	09	12	57	03	01	10	43	00	07	06	13	34	08	28	50	09	06	26	32	02	09	17	13	23	08	10	10	09	03	21	23	38
28	09	13	58	00	01	25	16	56	07	06	50	25	09	00	22	52	06	26	38	58	09	18	28	42	08	10	16	27	03	21	20	27
29	09	14	58	57	02	10	07	29	07	07	27	15	09	01	56	16	06	26	45	45	09	19	44	03	08	10	22	42	03	21	17	17
30	09	15	59	53	02	25	07	56	07	08	04	03	09	03	30	19	06	26	52	23	09	20	59	22	08	10	28	55	03	21	14	06
31	09	17	00	47	03	10	10	41	07	08	40	49	09	05	05	03	06	26	58	54	09	22	14	40	08	10	35	05	03	21	10	55

औदयिक स्पष्ट ग्रह, फरवरी 2018

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	09	18	01	41	03	25	06	54	07	09	17	34	09	06	40	29	06	27	05	14	09	23	29	57	08	10	41	12	03	21	07	45
02	09	19	02	33	04	09	48	51	07	09	54	16	09	08	16	38	06	27	11	26	09	24	45	15	08	10	47	16	03	21	04	34
03	09	20	03	24	04	24	10	13	07	10	30	56	09	09	53	27	06	27	17	29	09	26	00	30	08	10	53	18	03	21	01	23
04	09	21	04	14	05	08	07	02	07	11	07	35	09	11	31	02	06	27	23	22	09	27	15	46	08	10	59	17	03	20	58	13
05	09	22	05	03	05	21	37	13	07	11	44	12	09	13	09	21	06	27	29	06	09	28	31	00	08	11	05	11	03	20	55	02
06	09	23	05	51	06	04	41	26	07	12	20	46	09	14	48	24	06	27	34	41	09	29	46	13	08	11	11	05	03	20	51	51
07	09	24	06	37	06	17	21	38	07	12	57	19	09	16	28	15	06	27	40	06	10	01	01	26	08	11	16	53	03	20	48	41
08	09	25	07	22	06	29	42	04	07	13	33	49	09	18	08	51	06	27	45	21	10	02	16	38	08	11	22	39	03	20	45	30
09	09	26	08	06	07	11	46	52	07	14	10	17	09	19	50	18	06	27	50	27	10	03	31	48	08	11	28	22	03	20	42	19
10	09	27	08	50	07	23	40	57	07	14	46	43	09	21	32	31	06	27	55	23	10	04	46	59	08	11	34	01	03	20	39	08
11	09	28	09	31	08	05	29	31	07	15	23	07	09	23	15	37	06	28	00	09	10	06	02	08	08	11	39	37	03	20	35	58
12	09	29	10	11	08	17	16	52	07	15	59	28	09	24	59	31	06	28	04	46	10	07	17	16	08	11	45	10	03	20	32	47
13	10	00	10	50	08	29	07	13	07	16	35	47	09	26	44	18	06	28	09	12	10	08	32	23	08	11	50	39	03	20	29	36
14	10	01	11	26	09	11	03	06	07	17	12	04	09	28	29	56	06	28	13	27	10	09	47	30	08	11	56	03	03	20	26	26
15	10	02	12	02	09	23	06	38	07	17	48	18	10	00	16	25	06	28	17	34	10	11	02	34	08	12	01	26	03	20	23	15
16	10	03	12	36	10	05	19	14	07	18	24	29	10	02	03	48	06	28	21	30	10	12	17	37	08	12	06	44	03	20	20	04
17	10	04	13	09	10	17	41	52	07	19	00	38	10	03	52	00	06	28	25	14	10	13	32	39	08	12	11	58	03	20	16	54
18	10	05	13	40	11	00	16	21	07	19	36	45	10	05	41	04	06	28	28	49	10	14	47	40	08	12	17	08	03	20	13	43
19	10	06	14	09	11	13	03	14	07	20	12	48	10	07	30	53	06	28	32	14	10	16	02	40	08	12	22	14	03	20	10	32
20	10	07	14	37	11	26	04	06	07	20	48	49	10	09	21	28	06	28	35	27	10	17	17	39	08	12	27	16	03	20	07	22
21	10	08	15	03	00	09	19	50	07	21	24	47	10	11	12	43	06	28	38	29	10	18	32	37	08	12	32	15	03	20	04	11
22	10	09	15	28	00	22	50	45	07	22	00	42	10	13	04	38	06	28	41	22	10	19	47	33	08	12	37	10	03	20	01	01
23	10	10	15	50	01	06	36	45	07	22	36	34	10	14	57	04	06	28	44	04	10	21	02	28	08	12	42	00	03	19	57	50
24	10	11	16	13	01	20	37	31	07	23	12	24	10	16	49	56	06	28	46	34	10	22	17	21	08	12	46	46	03	19	54	39
25	10	12	16	32	02	04	51	57	07	23	48	09	10	18	43	09	06	28	48	54	10	23	32	13	08	12	51	27	03	19	51	29
26	10	13	16	50	02	19	17	38	07	24	23	52	10	20	36	33	06	28	51	03	10	24	47	04	08	12	56	04	03	19	48	18
27	10	14	17	06	03	03	51	16	07	24	59	32	10	22	30	01	06	28	53	00	10	26	01	54	08	13	00	37	03	19	45	07
28	10	15	17	22	03	18	28	36	07	25	35	08	10	24	23	22	06	28	54	48	10	27	16	41	08	13	05	07	03	19	41	57

औदयिक स्पष्ट ग्रह, मार्च 2018

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि	रा.	अ.	क.	वि	रा.	अ.	क.	वि	रा.	अ.	क.	वि	रा.	अ.	क.	वि	रा.	अ.	क.	वि	रा.	अ.	क	वि	रा.	अ.	क.	वि
01	10	16	17	34	04	03	03	42	07	26	10	42	10	26	16	22	06	28	56	24	10	28	31	28	08	13	09	30	03	19	38	46
02	10	17	17	44	04	17	31	07	07	26	46	11	10	28	08	48	06	28	57	48	10	29	46	13	08	13	13	50	03	19	35	35
03	10	18	17	54	05	01	44	46	07	27	21	38	11	00	00	24	06	28	59	01	11	01	00	56	08	13	18	05	03	19	32	25
04	10	19	18	01	05	15	39	36	07	27	57	00	11	01	50	50	06	29	00	04	11	02	15	39	08	13	22	15	03	19	29	14
05	10	20	18	06	05	29	12	09	07	28	32	19	11	03	39	43	06	29	00	54	11	03	30	19	08	13	26	22	03	19	26	04
06	10	21	18	09	06	12	21	01	07	29	07	34	11	05	26	43	06	29	01	34	11	04	44	57	08	13	30	22	03	19	22	53
07	10	22	18	12	06	25	06	54	07	29	42	45	11	07	11	21	06	29	02	02	11	05	59	35	08	13	34	17	03	19	19	42
08	10	23	18	11	07	07	31	25	08	00	17	52	11	08	53	06	06	29	02	19	11	07	14	10	08	13	38	09	03	19	16	32
09	10	24	18	09	07	19	39	08	08	00	52	56	11	10	31	31	06	29	02	25	11	08	28	44	08	13	41	56	03	19	13	21
10	10	25	18	05	08	01	34	29	08	01	27	55	11	12	06	00	06	29	02	20	11	09	43	17	08	13	45	37	03	19	10	10
11	10	26	17	59	08	13	23	07	08	02	02	51	11	13	36	00	06	29	02	03	11	10	57	47	08	13	49	13	03	19	07	00
12	10	27	17	52	08	25	10	46	08	02	37	42	11	15	00	59	06	29	01	35	11	12	12	16	08	13	52	45	03	19	03	49
13	10	28	17	42	09	07	01	59	08	03	12	28	11	16	20	21	06	29	00	56	11	13	26	43	08	13	56	10	03	19	00	39
14	10	29	17	30	09	19	01	22	08	03	47	10	11	17	33	36	06	29	00	06	11	14	41	08	08	13	59	32	03	18	57	28
15	11	00	17	16	10	01	12	06	08	04	21	47	11	18	40	13	06	28	59	04	11	15	55	32	08	14	02	49	03	18	54	17
16	11	01	17	01	10	13	36	19	08	04	56	20	11	19	39	47	06	28	57	51	11	17	09	54	08	14	05	59	03	18	51	07
17	11	02	16	43	10	26	15	36	08	05	30	49	11	20	31	53	06	28	56	27	11	18	24	14	08	14	09	04	03	18	47	56
18	11	03	16	24	11	09	10	47	08	06	05	11	11	21	16	14	06	28	54	51	11	19	38	32	08	14	12	06	03	18	44	45
19	11	04	16	02	11	22	21	12	08	06	39	30	11	21	52	32	06	28	53	05	11	20	52	48	08	14	15	00	03	18	41	35
20	11	05	15	39	00	05	46	32	08	07	13	43	11	22	20	41	06	28	51	07	11	22	07	03	08	14	17	48	03	18	38	24
21	11	06	15	10	00	19	23	29	08	07	47	49	11	22	40	29	06	28	48	59	11	23	21	11	08	14	20	32	03	18	35	14
22	11	07	14	44	01	03	12	27	08	08	21	53	11	22	52	02	06	28	46	40	11	24	35	27	08	14	23	11	03	18	32	03
23	11	08	14	18	01	17	09	36	08	08	55	52	11	22	55	22	06	28	44	10	11	25	49	39	08	14	25	45	03	18	28	52
24	11	09	13	49	02	01	12	23	08	09	29	45	11	22	50	38	06	28	41	28	11	27	03	50	08	14	28	12	03	18	25	41
25	11	10	13	18	02	15	19	41	08	10	03	32	11	22	38	14	06	28	38	36	11	28	17	58	08	14	30	34	03	18	22	31
26	11	11	12	45	02	29	29	19	08	10	37	14	11	22	18	25	06	28	35	34	11	29	32	05	08	14	32	51	03	18	19	20
27	11	12	12	10	03	13	40	43	08	11	10	50	11	21	51	54	06	28	32	21	00	00	46	11	08	14	35	02	03	18	16	09
28	11	13	11	33	03	27	51	44	08	11	44	19	11	21	19	12	06	28	28	58	00	02	00	13	08	14	37	08	03	18	12	58
29	11	14	10	54	04	11	59	57	08	12	17	41	11	20	41	14	06	18	25	24	00	03	14	55	08	14	39	08	03	18	09	48
30	11	15	10	13	04	26	02	38	08	12	50	58	11	19	58	48	06	28	21	39	00	04	28	13	08	14	41	0!	03	18	06	37
31	11	16	09	30	05	09	55	46	08	13	24	08	11	19	12	53	06	28	17	45	00	05	42	10	08	14	42	49	03	18	03	26

ग्रहों का उदयास्त विचार

मंगलग्रह का उदयास्त

दिनांक	वार	समय	दिशा
31:05:2017	बुध	18:39	पश्चिम में अस्त
17.09:2017	रवि	11:39	पूर्व में उदय

बुध ग्रह का उदयास्त

दिनांक	वार	समय	दिशा
13:04:2017	गुरु	12:53	पूश्चिम में अस्त
27:04:2017	गुरु	22:33	पूर्व में उदय
09:06:2017	शुक्र	15:48	पूर्व में अस्त
03:07:2017	सोम	26:43	पश्चिम में उदय
20:08:2017	रवि	10:22	पश्चिम में अस्त
03:09:2017	रवि	07:03	पूर्व में उदय
21:09:2017	गुरु	19:59	पूर्व में अस्त
31:10:2017	भौम	20:28	पश्चिम में उदय
07:12:2017	गुरु	14:04	पश्चिम में अस्त
18:12:2017	सोम	17:57	पूर्व में उदय
27:01:2018	शनि	13:17	पूर्व में अस्त
05:03:2018	सोम	26:42	पश्चिम में उदय

गुरुग्रह का उदयास्त

दिनांक	वार	समय	दिशा
13.10.2017	शुक्र	14:55	पश्चिम में अस्त
08.11.2017	बुध	15:00	पूर्व में उदय

शुक्रग्रह का उदयास्त

दिनांक	वार	समय	दिशा
17.12.2017	रवि	11:54	पूर्व में अस्त
03.02.2018	शनि	07:19	पश्चिम में उदय

शनिग्रह का उदयास्त

दिनांक	वार	समय	दिशा
05:12:2017	भौम	10:12	पश्चिम में अस्त
07:10:2018	रवि	17:41	पूर्व में उदय

अगस्त्य का उदयास्त

दिनांक	वार	समय	स्थिति
25:04:2017	भौम	24:42	अस्त
29:08:2017	भौम	21:10	उदय

ग्रहों का मार्गत्व वक्रत्व

मंगलग्रह का मार्गत्व वक्रत्व

मंगल वर्ष भर मार्गी रहेगा।

बुध ग्रह का मार्गत्व वक्रत्व

दिनांक	वार	समय	स्थिति
10:04:2017	सोम	13:46	वक्री
04:05:2017	गुरु	12:20	मार्गी
13:08:2017	रवि	19:02	वक्री
05:09:2017	भौम	27:03	मार्गी
03:12:2017	रवि	23:34	वक्री
23:12:2017	शनि	20:44	मार्गी

ग्रहों का मार्गत्व वक्रत्व

गुरुग्रह का मार्गत्व वक्रत्व

दिनांक	वार	समय	स्थिति
09:06:2017	शुक्र	28:32	मार्गी
09:03:2017	शुक्र	20:13	वक्री

शुक्रग्रह का मार्गत्व वक्रत्व

दिनांक	वार	समय	स्थिति
15:04:2017	शनि	24:04	मार्गी

शनिग्रह का मार्गत्व वक्रत्व

दिनांक	वार	समय	स्थिति
06:04:2017	गुरु	18:52	वक्री
25.08.2017	शुक्र	26:43	मार्गी

अक्षांश, रेखांश, स्टैंडर्ड अन्तरादि सारणी

नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.
अजमेर	26।27	74।42	-31
अयोध्या	26।48	82।14	-01
अम्बाला	30।21	76।52	-23
अमृतसर	31।37	74।55	-31
अहमदपुर	29।17	71।35	-44
अलमोड़ा	29।37	79।40	-11
अखनूर	32।54	74।35	-32
अलीगढ	27।54	78।06	-18
अमेठी	26।07	81।47	-03
अगरतला	23।49	91।17	+35
अहमदनगर	19।05	74।48	-31
उधमपुर(पंजाब)	32।56	74।43	-31
औरंगाबाद, (महाराष्ट्र)	19।53	75।23	-28
औरंगाबाद(बिहार)	24।45	84।25	+08
कटक	20।28	85।54	+14
कराची(पाकिस्तान)	24।51	67।04	-32
कन्नौज	27।03	79।58	-10
करनाल	29।42	77।02	-22
कलकत्ता	22।34	88।24	+24
कपूरथला	31।23	75।25	-28
कल्याण(महाराष्ट्र)	19।17	73।11	-37
कोयम्बटूर	11।00	77।00	-22

नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.	नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.
अहमदाबाद	23।02	72।38	−39	कालका	30।50	76।56	−22
आबू	24।40	72।45	−39	काशी−वाराणसी	25।20	83।00	+02
आगरा	27।10	78।05	−18	काठमांडु,नेपाल	27।42	85।12	+11
आजमगढ	26।03	83।13	+03	कानपुर	26।28	80।24	−08
इटावा	26।47	79।02	−14	कांचीपुरम्,तमि.	12।51	79।53	−11
इन्दौर	22।45	75।50	−27	कांगडा	32।09	76।18	−25
इम्फाल	24।54	93।54	+46	किश्तवाड़ा,जम्मू	33।12	75।48	−27
उदयपुर(राज)	24।37	73।42	−35	कुरूक्षेत्र	29।58	76।48	−23
उज्जैन	23।09	75।43	−27	कन्याकुमारी	08।06	77।34	−20
उन्नाव	26।48	80।43	−07	कोल्हापुर	16।42	74।16	−33
कोटा(राज.)	25।10	75।52	−27	जम्मू	3244	74।54	−30
कोच्चीन	09।58	76।17	−25	जसवन्तनगर	2651	78।55	−14
खम्भात	22।19	72।36	−40	जामनगर	2227	70।07	−50
गुड़गांव	28।27	77।04	−22	जालन्धर	3119	75।18	−29
गुलबर्गा	17।22	76।47	−23	जूनागढ (गुज.)	2131	70।36	−48
गुन्टूर	16।20	80।27	−08	जैसलमेर	2655	70।57	−46
गयाजी	24।49	85।01	+10	जौनपुर	2542	82।44	+01
ग्वालियर	26।14	78।10	−17	जोधपुर	2619	73।04	−38

नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.	नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.
गाजीपुर	25।34	83।35	+04	झांसी	2537	78।37	-16
गिलगिल	35।54	74।22	-33	झालरापाटन	2432	76।12	-25
गोरखपुर	26।45	83।27	+04	ट्रावनकोर	0900	77।00	-22
गोंडा	27।28	82।01	-02	टुण्डला जं	2713	78।13	-17
गोवा	15।30	73।57	-34	टाटानगर	2909	80।10	-09
गोहाटी	26।11	91।45	+37	टोंक (राज.)	2611	75।50	-27
गोकर्ण	14।33	74।18	-33	डलहौजी	3230	75।54	-27
चम्बा	32।34	76।10	-25	डिबरूगढ	2729	94।56	+50
चंडीगढ	30।40	76।52	-22	ढाका(बांग्ला.)	2343	90।26	+32
चिकमंगलूर	13।20	75।46	-27	त्रिचूर	1032	76।14	-25
चित्तौड़गढ	24।54	74।42	-31	त्रिवेन्द्रम्	0830	76।54	-22
चित्रकूट	25।15	80।28	-08	दरभंगा	2610	85।57	+14
चेरापूंजी	25।17	91।47	-37	दाहोद(गुज.)	2250	74।15	-33
छपरा	24।47	84।31	+09	दार्जिलिंग	2706	88।18	+23
छतरपुर	24।54	79।38	-11	द्वारकाधाम	2212	69।01	-54
जलगांव	21।01	75।39	-29	दिल्ली	28।38	77।12	-21
जगन्नाथपुरी	19।46	85।48	+13	देहरादून	30।20	78।04	-18
जमशेदपुर	22।50	86।10	+15	दौलताबाद	19।57	75।12	-29

नगर	अक्षांश उत्तर	रेखांश पूर्व	स्टैं.अ. मि.	नगर	अक्षांश उत्तर	रेखांश पूर्व	स्टैं.अ. मि.
	अं. क.	अं. क.			अं. क.	अं. क.	
जलपाईगुडी	26।32	88।46	+25	धर्मशाला	32।16	76।23	-24
जबलपुर	23।10	80।01	-10	धारवाड़	15।26	75।00	-30
जयपुर	26।56	75।52	-27	धार (म.प्र)	22।36	75।12	-29
धूलिया	20।58	74।42	-31	फतेहपुर(उ.प्र.)	25।55	80।52	-06
नसीराबाद	26।08	74।46	-31	फतेहपुर(राज.)	27।52	75।02	-30
नड़ियाद,गुज.	22।41	72।55	-38	फिरोजपुर	30।56	74।40	-31
नासिक	20।02	73।50	-35	फैजाबाद	26।47	82।12	-01
नागपुर	21।09	79।09	-13	बड़ौदा (गुज.)	22।16	73।12	-37
नाथद्वारा	24।56	73।52	-35	बद्रीनाथ	30।44	79।32	-12
नीमच	24।27	74।52	-31	बरेली	28।22	79।27	-12
पटियाला	30।22	76।25	-24	बेलगांव	15।54	74।36	-32
पटना(बिहा.)	25।37	85।13	+11	बेलूर-कर्नाटक	13।08	75।51	-27
पठानकोट	32।15	75।42	-27	बांदा(उ.प्र.)	25।28	80।20	-09
प्रयागराज	25।24	81।54	-03	बांसवाड़ा	23।30	74।24	-32
पालीतादाा	21।30	71।40	-43	बिलासपुर(म.प्र.	22।05	82।13	-01
पानीपत	29।23	77।01	-21	बिलासपुर(हि.प्र	31।19	76।50	-23
पांडीचेरी	11।56	79।53	-10	बीजापुर	16।50	75।47	-27
पीलीभीत	28।40	79।50	-11	बीकानेर	28।01	73।22	-37

नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.	नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.
पुरुलिया,बिहा.	23।20	86।25	+16	बूंदी(राज.)	25।27	75।41	-27
पूना	18।19	73।55	-34	बुलन्दशहर	28।24	77।54	-18
पोरबन्दर	21।37	69।49	-51	बंगलौर	12।58	77।38	-19
फरीदकोट	30।40	74।57	-30	भिवानीहरि.	28।48	76।08	-36
फरीदाबाद	28।26	77।19	-21	भिवण्डी	19।15	73।05	-38
फर्रूखाबाद	27।24	79।37	-12	भुसावल	21।02	75।47	-27
भरतपुर	27।15	77।30	-20	रतलाम	23।21	75।07	-30
भटिण्डा	30।11	75।00	-30	रायचूर	16।15	77।20	-21
भड़ोच	21।41	73।00	-38	राजकोट	22।18	70।59	-46
भावनगर	21।46	72।11	-41	रायगढ	21।58	83।26	-04
भागलपुर	25।13	86।59	+18	रायबरेली	26।15	81।16	-05
भुवनेश्वर	20।28	85।54	+14	रामेश्वरम्	09।17	79।22	-13
भूटान	27।30	90।00	+30	रायपुर(छ.ग.)	21।15	81।41	-03
महेन्द्रगढ़ हरि.	28।17	76।09	-25	रांची	23।40	85।34	+12
भोपाल	23।16	77।36	-20	रायपुर(उ.प्र.)	28।48	75।05	-14
मदुराई	09।55	78।07	-18	रीवा	24।32	81।19	-05
मेहसाणा	23।42	72।37	-40	रेवाड़ी-जंक्शन	28।12	76।40	-23
मणीपुरस्टेट	24।44	93।58	+46	रोहतक	28।54	76।38	-23

नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.	नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.
मण्डी(हि.प्र.)	31 40	76 58	-22	रंगून(बर्मा)	16 50	96 13	+55
मद्रास	13 04	80 17	-09	लद्दाख	33 00	78 48	-15
मथुरा	27 28	77 41	-19	लखनऊ	26 55	80 59	-06
मालेगांव	20 31	74 30	-32	ललितपुर	24 22	78 28	-16
मिर्जापुर	25 06	82 37	-00	लातूर	18 24	76 34	-24
मुरादाबाद	28 50	78 49	-15	लुधियाना	30 55	75 54	-26
मुंगेर-बिहार	25 23	86 30	+16	लाहौर(पाकि.)	31 37	74 26	-02
मुर्शिदाबाद	24 10	88 19	+23	वर्धा	20 45	78 39	-15
मुजफ्फरनगर	29 30	77 44	-19	विजयवाड़ा	16 31	80 39	-07
मुजफ्फरपुर	26 12	85 27	+12	विशाखापटनम्	17 42	83 20	+03
मुम्बई	18 57	72 50	-39	शिमला	31 06	77 13	-21
मेरठ	29 00	77 45	-19	शिकोहाबाद	27 06	78 38	-15
मैसूर-कर्नाटक	12 18	75 42	-23	शिलांग-मेघाल.	25 34	91 45	+38
मैनपुरी	27 13	79 04	-14	श्रीगंगानगर	29 50	73 50	-35
मोतीहारी	26 40	84 57	+10	श्रीनगर कश्मीर	34 06	74 51	-31
रत्नागिरि	17 00	73 20	-37	श्रीनगर गढवाल	30 14	78 42	-15
श्रीमाधोपुर	27 25	75 25	-29	हथुना	26 12	84 05	+06
सतारा(महा.)	17 42	74 02	-34	हाजीपुर	25 35	83 11	+03

नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.	नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.
सम्बलपुर	21।28	84।00	+06	हाथरस	27।38	78।06	-18
सहारनपुर	29।59	77।23	-20	हिसार	29।10	75।46	-27
स्यालकोट	32।31	74।36	-02	हैदराबाद	17।18	78।30	-16
सागर(म.प्र.)	23।50	78।45	-15	होशियारपुर	31।32	75।57	-26
सिरसा	29।32	75।04	-30	हौशंगाबाद	22।46	77।45	-19
सिरोही	24।35	73।02	-38	होडल (हरि.)	27।53	77।22	-21
सिकन्दराबाद	17।27	78।33	-16	संथालपरगना	24।30	87।00	+18
सीतामढी	26।35	85।27	+12	संगमनेर	19।35	74।46	-31
सीतापुर	27।32	80।24	-08	हिंगोली	19।43	77।11	-21
सुल्तानपुर	26।16	82।07	-02	हरदोई	27।23	80।10	-09
सूरत-गुजरात	21।11	72।52	-39	हजारीबाग	23।59	85।25	+12
सेलम-तमिल	11।39	78।15	-17	हरिद्वार	29।56	78।13	-17
सोमनाथ	21।01	70।26	-48	हांसी	29।06	76।00	-26
सोलापुर	17।40	75।48	-27	तिरुपति	13।39	79।25	-12
सोनीपत	28।59	77।01	-22	पौड़ी	30।09	78।47	-15
सोजत,मारवाड	25।56	73।42	-35	पंचकूला	30।42	76।52	-22
सोनपुर,उड़ीसा	20।51	83।55	+06	पटियाला	30।20	76।25	-24
सोलन, हि.प्र.	30।57	77।09	-22	पुरी	19।48	85।52	+13

क्रान्ति सारिणी

	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर
01.	-23:00:45	-17:06:31	-07:35:28	04:38:10	15:09:28	22:05:50	23:06:04	17:57:40	08:11:40	-03:16:46	-14:30:31	-21:50:47
02.	-22:55:35	-16:49:17	-07:12:36	05:01:16	1:27:26	22:13:42	23:01:44	17:42:21	07:49:49	-03:40:02	-14:49:34	-21:59:49
03.	-22:49:57	-16:31:46	-06:49:39	05:24:17	15:45:10	22:21:10	22:57:00	17:26:44	07:27:50	-04:03:14	-15:08:23	-22:08:25
04.	-22:43:52	-16:13:57	-06:26:35	05:47:12	16:02:37	22:28:15	22:51:51	17:10:51	07:05:43	-04:26:24	-15:26:57	-22:16:36
05.	-22:37:20	-15:55:52	-06:03:26	06:10:02	16:19:49	22:34:57	22:46:19	16:54:40	06:43:30	-04:49:30	-15:45:16	-22:24:21
06.	-22:30:21	-15:37:30	-05:40:12	06:32:44	16:36:44	22:41:14	22:40:23	16:38:14	06:21:11	-05:12:34	-16:03:19	-22:31:40
07.	-22:22:55	-15:18:53	-05:16:53	06:55:21	16:53:22	22:47:08	22:34:03	16:21:31	05:58:44	-05:35:33	-16:21:06	-22:38:32
08.	-22:15:03	-14:59:59	-04:53:30	07:17:50	17:09:44	22:52:38	22:27:21	16:04:32	05:36:12	-05:58:28	-16:38:37	-22:44:58
09.	-22:06:45	-14:40:50	-04:30:03	07:40:12	17:25:49	22:57:44	22:20:14	15:47:18	05:13:35	-06:21:18	-16:55:50	-22:50:57
10.	-21:58:01	-14:21:27	-04:06:32	08:02:25	17:41:36	23:02:25	22:12:45	15:29:49	04:50:52	-06:44:03	-17:12:47	-22:56:29
11.	-21:48:51	-14:01:49	-03:42:59	08:24:31	17:57:05	23:06:43	22:04:53	15:12:05	04:28:04	-07:06:42	-17:29:26	-23:01:34
12.	-21:39:16	-13:41:57	-03:19:23	08:46:29	18:12:16	23:10:35	21:56:38	14:54:06	04:05:11	-07:29:16	-17:45:47	-23:06:11
13.	-21:29:15	-13:21:52	-02:55:45	09:08:17	18:27:09	23:14:04	21:48:00	14:35:53	03:42:15	-07:51:44	-18:01:49	-23:10:21
14.	-21:18:50	-13:01:34	-02:32:05	09:29:57	18:41:43	23:17:07	21:39:00	14:17:26	03:19:13	-08:14:05	-18:17:33	-23:14:04
15.	-21:08:00	-12:41:03	-02:08:23	09:51:26	18:55:58	23:19:46	21:29:38	13:58:46	02:56:09	-08:36:19	-18:32:57	-23:17:18
16.	-20:56:46	-12:20:20	-01:44:40	10:12:47	19:09:54	23:22:00	21:19:54	13:39:52	02:33:01	-08:58:27	-18:48:02	-23:20:05
17.	-20:45:07	-12:59:25	-01:20:56	10:33:57	19:23:31	23:23:50	21:09:48	13:20:46	02:09:50	-09:20:26	-19:02:46	-23:22:24
18.	-20:33:05	-11:38:18	-00:57:12	10:54:56	19:36:48	23:25:15	20:59:21	13:01:26	01:46:37	-09:42:17	-19:17:11	-23:24:15
19.	-20:20:40	-11:17:01	-00:33:27	11:15:45	19:49:44	23:26:15	20:48:33	12:41:54	01:23:21	-10:04:00	-19:31:14	-23:25:37
20.	-20:07:52	-10:55:32	-00:09:43	11:36:20	20:02:21	23:26:50	20:37:23	12:22:10	01:00:03	-10:25:34	-19:44:57	-23:26:32
21.	-19:54:41	-10:33:54	00:14:02	11:56:49	20:14:37	23:27:00	20:25:53	12:02:15	00:36:43	-10:46:59	-19:58:17	-23:26:58
22.	-19:41:08	-10:12:06	00:37:44	12:17:03	20:26:32	23:26:46	20:14:02	11:42:08	00:13:22	-11:08:14	-20:11:16	-23:26:56
23.	-19:27:13	-09:50:08	01:01:25	12:37:05	20:38:06	23:26:06	20:01:51	11:21:50	-00:09:58	-11:29:19	-20:23:53	-23:26:25
24.	-19:12:56	-09:28:02	01:25:05	12:56:55	20:49:19	23:25:02	19:49:20	11:01:21	-00:33:21	-11:50:14	-20:36:07	-23:25:26
25.	-18:58:18	-09:05:47	01:48:42	13:16:32	21:00:10	23:23:33	19:36:29	10:40:42	-00:56:43	-12:10:59	-20:47:59	-23:24:00
26.	-18:43:19	-08:43:24	02:12:16	13:35:56	21:10:40	23:21:40	19:23:18	10:19:52	-01:20:06	-12:31:31	-20:59:27	-23:22:04
27.	-18:28:00	-08:20:52	02:35:48	13:55:07	21:20:47	23:19:22	19:09:48	09:58:53	-01:43:28	-12:51:53	-21:10:31	-23:19:41
28.	-18:12:21	-07:58:14	02:59:17	14:14:04	21:30:33	23:16:39	18:55:59	09:37:44	-02:06:50	-13:12:02	-21:21:11	-23:16:50
29.	-17:56:22	-	03:22:42	14:32:46	21:39:56	23:13:32	18:41:52	09:16:26	-02:30:10	-13:31:59	-21:31:28	-23:13:30
30.	-17:40:03	-	03:46:03	14:51:15	21:48:57	23:10:00	18:27:26	08:54:59	-02:53:29	-13:51:43	-21:41:20	-23:09:43
31.	-17:23:26	-	04:09:20	-	21:57:35	-	18:12:42	08:33:24	-	-14:11:14	-	-23:05:28

(+) उत्तरा क्रान्ति (-) दक्षिणा क्रान्ति

मार्च मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ
1	07:27:05	08:50:56	10:26:52	12:21:19	14:38:13	16:57:50	19:15:36	21:34:15	23:49:49	2:10:51	4:17:38	5:59:03
2	07:23:08	08:46:59	10:22:55	12:17:22	14:34:16	16:53:53	19:11:39	21:30:18	23:45:52	2:06:54	4:13:42	5:55:06
3	07:19:11	08:43:03	10:18:59	12:13:26	14:30:19	16:49:57	19:07:43	21:26:22	23:41:55	2:02:58	4:09:45	5:51:09
4	07:15:15	08:39:06	10:15:02	12:09:29	14:26:23	16:46:00	19:03:46	21:22:25	23:37:59	1:59:01	4:05:48	5:47:13
5	07:11:18	08:35:09	10:11:05	12:05:32	14:22:26	16:42:03	18:59:49	21:18:28	23:34:02	1:55:04	4:01:51	5:43:16
6	07:07:21	08:31:13	10:07:09	12:01:36	14:18:29	16:38:06	18:55:52	21:14:31	23:30:05	1:51:07	3:57:55	5:39:19
7	07:03:24	08:27:16	10:03:12	11:57:39	14:14:33	16:34:10	18:51:56	21:10:35	23:26:08	1:47:11	3:53:58	5:35:23
8	06:59:28	08:23:19	9:59:15	11:53:42	14:10:36	16:30:13	18:47:59	21:06:38	23:22:12	1:43:14	3:50:01	5:31:26
9	06:55:31	08:19:22	9:55:18	11:49:45	14:06:39	16:26:16	18:44:02	21:02:41	23:18:15	1:39:17	3:46:05	5:27:29
10	06:51:34	08:15:26	9:51:22	11:45:49	14:02:42	16:22:20	18:40:06	20:58:45	23:14:18	1:35:21	3:42:08	5:23:33
11	06:47:38	08:11:29	9:47:25	11:41:52	13:58:46	16:18:23	18:36:09	20:54:48	23:10:22	1:31:24	3:38:11	5:19:36
12	06:43:41	08:07:32	9:43:28	11:37:55	13:54:49	16:14:26	18:32:12	20:50:51	23:06:25	1:27:27	3:34:14	5:15:39
13	06:39:44	08:03:36	9:39:32	11:33:59	13:50:52	16:10:29	18:28:15	20:46:54	23:02:28	1:23:30	3:30:18	5:11:42
14	06:35:47	07:59:39	9:35:35	11:30:02	13:46:56	16:06:33	18:24:19	20:42:58	22:58:31	1:19:34	3:26:21	5:07:46
15	06:31:50	07:55:42	9:31:38	11:26:05	13:42:59	16:02:36	18:20:22	20:39:01	22:54:35	1:15:37	3:22:24	5:03:49
16	06:27:54	07:51:45	9:27:41	11:22:08	13:39:02	15:58:39	18:16:25	20:35:04	22:50:38	1:11:40	3:18:28	4:59:52
17	06:23:57	07:47:49	9:23:45	11:18:12	13:35:06	15:54:43	18:12:29	20:31:08	22:46:41	1:07:44	3:14:31	4:55:56
18	06:20:00	07:43:52	9:19:48	11:14:15	13:31:09	15:50:46	18:08:32	20:27:11	22:42:45	1:03:47	3:10:34	4:51:59
19	06:16:03	07:39:55	9:15:51	11:10:18	13:27:12	15:46:49	18:04:35	20:23:14	22:38:48	0:59:50	3:06:37	4:48:02
20	06:12:07	07:35:59	9:11:55	11:06:22	13:23:15	15:42:52	18:00:38	20:19:18	22:34:51	0:55:53	3:02:41	4:44:05
21	06:08:10	07:32:02	9:07:58	11:02:25	13:19:19	15:38:56	17:56:42	20:15:21	22:30:54	0:51:57	2:58:44	4:40:09
22	06:04:13	07:28:05	9:04:01	10:58:28	13:15:22	15:34:59	17:52:45	20:11:24	22:26:58	0:48:00	2:54:47	4:36:12
23	06:00:17	07:24:08	9:00:04	10:54:31	13:11:25	15:31:02	17:48:48	20:07:27	22:23:01	0:44:03	2:50:51	4:32:15
24	05:56:20	07:20:12	8:56:08	10:50:35	13:07:29	15:27:06	17:44:52	20:03:31	22:19:04	0:40:07	2:46:54	4:28:19
25	05:52:23	07:16:15	8:52:11	10:46:38	13:03:32	15:23:09	17:40:55	19:59:34	22:15:08	0:36:10	2:42:57	4:24:22
26	05:48:26	07:12:18	8:48:14	10:42:41	12:59:35	15:19:12	17:36:58	19:55:37	22:11:11	0:32:13	2:39:01	4:20:25
27	05:44:30	07:08:22	8:44:18	10:38:45	12:55:38	15:15:15	17:33:01	19:51:41	22:07:14	0:28:16	2:35:04	4:16:28
28	05:40:33	07:04:25	8:40:21	10:34:48	12:51:42	15:11:19	17:29:05	19:47:44	22:03:17	0:24:20	2:31:07	4:12:32
29	05:36:36	07:00:28	8:36:24	10:30:51	12:47:45	15:07:22	17:25:08	19:43:47	21:59:21	0:20:23	2:27:10	4:08:35
30	05:32:40	06:56:31	8:32:27	10:26:55	12:43:48	15:03:25	17:21:11	19:39:50	21:55:24	0:16:26	2:23:14	4:04:38
31	05:28:43	06:52:35	8:28:31	10:22:58	12:39:52	14:59:29	17:17:15	19:35:54	21:51:27	0:12:30	2:19:17	4:00:42

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

अप्रैल मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	06:48:38	8:24:34	10:19:01	12:35:55	14:55:32	17:13:18	19:31:57	21:47:31	0:08:33	2:15:20	3:56:45	05:24:46
2	06:44:41	8:20:37	10:15:04	12:31:58	14:51:35	17:09:21	19:28:00	21:43:34	0:04:36	2:11:24	3:52:48	05:20:49
3	06:40:45	8:16:41	10:11:08	12:28:01	14:47:38	17:05:25	19:24:04	21:39:37	0:00:40	2:07:27	3:48:51	05:16:53
4	06:36:48	8:12:44	10:07:11	12:24:05	14:43:42	17:01:28	19:20:07	21:35:40	23:56:43	2:03:30	3:44:55	05:12:56
5	06:32:51	8:08:47	10:03:14	12:20:08	14:39:45	16:57:31	19:16:10	21:31:44	23:52:46	1:59:33	3:40:58	05:08:59
6	06:28:54	8:04:51	9:59:18	12:16:11	14:35:48	16:53:34	19:12:13	21:27:47	23:48:49	1:55:37	3:37:01	05:05:03
7	06:24:58	8:00:54	9:55:21	12:12:15	14:31:52	16:49:38	19:08:17	21:23:50	23:44:53	1:51:40	3:33:05	05:01:06
8	06:21:01	7:56:57	9:51:24	12:08:18	14:27:55	16:45:41	19:04:20	21:19:54	23:40:56	1:47:43	3:29:08	04:57:09
9	06:17:04	7:53:00	9:47:27	12:04:21	14:23:58	16:41:44	19:00:23	21:15:57	23:36:59	1:43:47	3:25:11	04:53:13
10	06:13:08	7:49:04	9:43:31	12:00:24	14:20:01	16:37:48	18:56:27	21:12:00	23:33:03	1:39:50	3:21:14	04:49:16
11	06:09:11	7:45:07	9:39:34	11:56:28	14:16:05	16:33:51	18:52:30	21:08:03	23:29:06	1:35:53	3:17:18	04:45:19
12	06:05:14	7:41:10	9:35:37	11:52:31	14:12:08	16:29:54	18:48:33	21:04:07	23:25:09	1:31:56	3:13:21	04:41:22
13	06:01:17	7:37:14	9:31:41	11:48:34	14:08:11	16:25:57	18:44:36	21:00:10	23:21:12	1:28:00	3:09:24	04:37:26
14	05:57:20	7:33:17	9:27:44	11:44:38	14:04:15	16:22:01	18:40:40	20:56:13	23:17:16	1:24:03	3:05:28	04:33:29
15	05:53:24	7:29:20	9:23:47	11:40:41	14:00:18	16:18:04	18:36:43	20:52:17	23:13:19	1:20:06	3:01:31	04:29:32
16	05:49:27	7:25:23	9:19:50	11:36:44	13:56:21	16:14:07	18:32:46	20:48:20	23:09:22	1:16:10	2:57:34	04:25:36
17	05:45:30	7:21:27	9:15:54	11:32:47	13:52:25	16:10:11	18:28:50	20:44:23	23:05:26	1:12:13	2:53:37	04:21:39
18	05:41:33	7:17:30	9:11:57	11:28:51	13:48:28	16:06:14	18:24:53	20:40:27	23:01:29	1:08:16	2:49:41	04:17:42
19	05:37:37	7:13:33	9:08:00	11:24:54	13:44:31	16:02:17	18:20:56	20:36:30	22:57:32	1:04:19	2:45:44	04:13:45
20	05:33:40	7:09:37	9:04:04	11:20:57	13:40:34	15:58:20	18:16:59	20:32:33	22:53:35	1:00:23	2:41:47	04:09:49
21	05:29:43	7:05:40	9:00:07	11:17:01	13:36:38	15:54:24	18:13:03	20:28:36	22:49:39	0:56:26	2:37:51	04:05:52
22	05:25:47	7:01:43	8:56:10	11:13:04	13:32:41	15:50:27	18:09:06	20:24:40	22:45:42	0:52:29	2:33:54	04:01:55
23	05:21:50	6:57:46	8:52:13	11:09:07	13:28:44	15:46:30	18:05:09	20:20:43	22:41:45	0:48:33	2:29:57	03:57:59
24	05:17:53	6:53:50	8:48:17	11:05:10	13:24:48	15:42:34	18:01:13	20:16:46	22:37:49	0:44:36	2:26:01	03:54:02
25	05:13:56	6:49:53	8:44:20	11:01:14	13:20:51	15:38:37	17:57:16	20:12:50	22:33:52	0:40:39	2:22:04	03:50:05
26	05:10:00	6:45:56	8:40:23	10:57:17	13:16:54	15:34:40	17:53:19	20:08:53	22:29:55	0:36:42	2:18:07	03:46:08
27	05:06:03	6:42:00	8:36:27	10:53:20	13:12:57	15:30:43	17:49:22	20:04:56	22:25:58	0:32:46	2:14:10	03:42:12
28	05:02:06	6:38:03	8:32:30	10:49:24	13:09:01	15:26:47	17:45:26	20:00:59	22:22:02	0:28:49	2:10:14	03:38:15
29	04:58:10	6:34:06	8:28:33	10:45:27	13:05:04	15:22:50	17:41:29	19:57:03	22:18:05	0:24:52	2:06:17	03:34:18
30	04:54:13	6:30:09	8:24:36	10:41:30	13:01:07	15:18:53	17:37:32	19:53:06	22:14:08	0:20:56	2:02:20	03:30:22

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

मई मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष
1	6:26:13	8:20:40	10:37:34	12:57:11	15:14:57	17:33:36	19:49:09	22:10:12	0:16:59	1:58:24	03:26:25	04:50:16
2	6:22:16	8:16:43	10:33:37	12:53:14	15:11:00	17:29:39	19:45:13	22:06:15	0:13:02	1:54:27	03:22:28	04:46:19
3	6:18:19	8:12:46	10:29:40	12:49:17	15:07:03	17:25:42	19:41:16	22:02:18	0:09:06	1:50:30	03:18:31	04:42:23
4	6:14:23	8:08:50	10:25:43	12:45:20	15:03:06	17:21:46	19:37:19	21:58:21	0:05:09	1:46:33	03:14:35	04:38:26
5	6:10:26	8:04:53	10:21:47	12:41:24	14:59:10	17:17:49	19:33:22	21:54:25	0:01:12	1:42:37	03:10:38	04:34:29
6	6:06:29	8:00:56	10:17:50	12:37:27	14:55:13	17:13:52	19:29:26	21:50:28	23:57:15	1:38:40	03:06:41	04:30:33
7	6:02:32	7:57:00	10:13:53	12:33:30	14:51:16	17:09:55	19:25:29	21:46:31	23:53:19	1:34:43	03:02:45	04:26:36
8	5:58:36	7:53:03	10:09:57	12:29:34	14:47:20	17:05:59	19:21:32	21:42:35	23:49:22	1:30:47	02:58:48	04:22:39
9	5:54:39	7:49:06	10:06:00	12:25:37	14:43:23	17:02:02	19:17:36	21:38:38	23:45:25	1:26:50	02:54:51	04:18:43
10	5:50:42	7:45:09	10:02:03	12:21:40	14:39:26	16:58:05	19:13:39	21:34:41	23:41:29	1:22:53	02:50:54	04:14:46
11	5:46:46	7:41:13	9:58:06	12:17:43	14:35:29	16:54:09	19:09:42	21:30:44	23:37:32	1:18:56	02:46:58	04:10:49
12	5:42:49	7:37:16	9:54:10	12:13:47	14:31:33	16:50:12	19:05:45	21:26:48	23:33:35	1:15:00	02:43:01	04:06:52
13	5:38:52	7:33:19	9:50:13	12:09:50	14:27:36	16:46:15	19:01:49	21:22:51	23:29:38	1:11:03	02:39:04	04:02:56
14	5:34:55	7:29:23	9:46:16	12:05:53	14:23:39	16:42:18	18:57:52	21:18:54	23:25:42	1:07:06	02:35:08	03:58:59
15	5:30:58	7:25:26	9:42:20	12:01:57	14:19:43	16:38:22	18:53:55	21:14:58	23:21:45	1:03:10	02:31:11	03:55:02
16	5:27:02	7:21:29	9:38:23	11:58:00	14:15:46	16:34:25	18:49:59	21:11:01	23:17:48	0:59:13	02:27:14	03:51:06
17	5:23:05	7:17:32	9:34:26	11:54:03	14:11:49	16:30:28	18:46:02	21:07:04	23:13:52	0:55:16	02:23:17	03:47:09
18	5:19:08	7:13:36	9:30:29	11:50:06	14:07:53	16:26:32	18:42:05	21:03:08	23:09:55	0:51:19	02:19:21	03:43:12
19	5:15:11	7:09:39	9:26:33	11:46:10	14:03:56	16:22:35	18:38:08	20:59:11	23:05:58	0:47:23	02:15:24	03:39:15
20	5:11:15	7:05:42	9:22:36	11:42:13	13:59:59	16:18:38	18:34:12	20:55:14	23:02:01	0:43:26	02:11:27	03:35:19
21	5:07:18	7:01:46	9:18:39	11:38:16	13:56:02	16:14:41	18:30:15	20:51:17	22:58:05	0:39:29	02:07:31	03:31:22
22	5:03:21	6:57:49	9:14:43	11:34:20	13:52:06	16:10:45	18:26:18	20:47:21	22:54:08	0:35:33	02:03:34	03:27:25
23	4:59:25	6:53:52	9:10:46	11:30:23	13:48:09	16:06:48	18:22:22	20:43:24	22:50:11	0:31:36	01:59:37	03:23:29
24	4:55:28	6:49:55	9:06:49	11:26:26	13:44:12	16:02:51	18:18:25	20:39:27	22:46:15	0:27:39	01:55:41	03:19:32
25	4:51:31	6:45:59	9:02:52	11:22:29	13:40:16	15:58:55	18:14:28	20:35:31	22:42:18	0:23:42	01:51:44	03:15:35
26	4:47:34	6:42:02	8:58:56	11:18:33	13:36:19	15:54:58	18:10:31	20:31:34	22:38:21	0:19:46	01:47:47	03:11:38
27	4:43:38	6:38:05	8:54:59	11:14:36	13:32:22	15:51:01	18:06:35	20:27:37	22:34:24	0:15:49	01:43:50	03:07:42
28	4:39:41	6:34:09	8:51:02	11:10:39	13:28:25	15:47:04	18:02:38	20:23:40	22:30:28	0:11:52	01:39:54	03:03:45
29	4:35:44	6:30:12	8:47:06	11:06:43	13:24:29	15:43:08	17:58:41	20:19:44	22:26:31	0:07:56	01:35:57	02:59:48
30	4:31:48	6:26:15	8:43:09	11:02:46	13:20:32	15:39:11	17:54:45	20:15:47	22:22:34	0:03:59	01:32:00	02:55:52
31	4:27:51	6:22:18	8:39:12	10:58:49	13:16:35	15:35:14	17:50:48	20:11:50	22:18:38	0:00:02	01:28:04	02:51:55

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

जून मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष
1	6:18:22	8:35:15	10:54:53	13:12:39	15:31:18	17:46:51	20:07:54	22:14:41	23:56:06	01:24:07	02:47:58	4:23:54
2	6:14:25	8:31:19	10:50:56	13:08:42	15:27:21	17:42:55	20:03:57	22:10:44	23:52:09	01:20:10	02:44:01	4:19:57
3	6:10:28	8:27:22	10:46:59	13:04:45	15:23:24	17:38:58	20:00:00	22:06:47	23:48:12	01:16:13	02:40:05	4:16:01
4	6:06:32	8:23:25	10:43:02	13:00:48	15:19:27	17:35:01	19:56:03	22:02:51	23:44:15	01:12:17	02:36:08	4:12:04
5	6:02:35	8:19:29	10:39:06	12:56:52	15:15:31	17:31:04	19:52:07	21:58:54	23:40:19	01:08:20	02:32:11	4:08:07
6	5:58:38	8:15:32	10:35:09	12:52:55	15:11:34	17:27:08	19:48:10	21:54:57	23:36:22	01:04:23	02:28:15	4:04:11
7	5:54:41	8:11:35	10:31:12	12:48:58	15:07:37	17:23:11	19:44:13	21:51:01	23:32:25	01:00:27	02:24:18	4:00:14
8	5:50:45	8:07:39	10:27:16	12:45:02	15:03:41	17:19:14	19:40:17	21:47:04	23:28:29	00:56:30	02:20:21	3:56:17
9	5:46:48	8:03:42	10:23:19	12:41:05	14:59:44	17:15:18	19:36:20	21:43:07	23:24:32	00:52:33	02:16:24	3:52:21
10	5:42:51	7:59:45	10:19:22	12:37:08	14:55:47	17:11:21	19:32:23	21:39:10	23:20:35	00:48:36	02:12:28	3:48:24
11	5:38:55	7:55:48	10:15:25	12:33:11	14:51:50	17:07:24	19:28:26	21:35:14	23:16:38	00:44:40	02:08:31	3:44:27
12	5:34:58	7:51:52	10:11:29	12:29:15	14:47:54	17:03:27	19:24:30	21:31:17	23:12:42	00:40:43	02:04:34	3:40:30
13	5:31:01	7:47:55	10:07:32	12:25:18	14:43:57	16:59:31	19:20:33	21:27:20	23:08:45	00:36:46	02:00:38	3:36:34
14	5:27:04	7:43:58	10:03:35	12:21:21	14:40:00	16:55:34	19:16:36	21:23:24	23:04:48	00:32:50	01:56:41	3:32:37
15	5:23:07	7:40:02	9:59:39	12:17:25	14:36:04	16:51:37	19:12:40	21:19:27	23:00:52	00:28:53	01:52:44	3:28:40
16	5:19:11	7:36:05	9:55:42	12:13:28	14:32:07	16:47:41	19:08:43	21:15:30	22:56:55	00:24:56	01:48:47	3:24:44
17	5:15:14	7:32:08	9:51:45	12:09:31	14:28:10	16:43:44	19:04:46	21:11:34	22:52:58	00:20:59	01:44:51	3:20:47
18	5:11:17	7:28:11	9:47:48	12:05:34	14:24:14	16:39:47	19:00:49	21:07:37	22:49:01	00:17:03	01:40:54	3:16:50
19	5:07:20	7:24:15	9:43:52	12:01:38	14:20:17	16:35:50	18:56:53	21:03:40	22:45:05	00:13:06	01:36:57	3:12:53
20	5:03:24	7:20:18	9:39:55	11:57:41	14:16:20	16:31:54	18:52:56	20:59:43	22:41:08	00:09:09	01:33:01	3:08:57
21	4:59:27	7:16:21	9:35:58	11:53:44	14:12:23	16:27:57	18:48:59	20:55:47	22:37:11	00:05:13	01:29:04	3:05:00
22	4:55:30	7:12:25	9:32:02	11:49:48	14:08:27	16:24:00	18:45:03	20:51:50	22:33:15	00:01:16	01:25:07	3:01:03
23	4:51:34	7:08:28	9:28:05	11:45:51	14:04:30	16:20:04	18:41:06	20:47:53	22:29:18	23:57:19	01:21:11	2:57:07
24	4:47:37	7:04:31	9:24:08	11:41:54	14:00:33	16:16:07	18:37:09	20:43:57	22:25:21	23:53:22	01:17:14	2:53:10
25	4:43:40	7:00:34	9:20:11	11:37:57	13:56:37	16:12:10	18:33:12	20:40:00	22:21:24	23:49:26	01:13:17	2:49:13
26	4:39:43	6:56:38	9:16:15	11:34:01	13:52:40	16:08:13	18:29:16	20:36:03	22:17:28	23:45:29	01:09:20	2:45:16
27	4:35:47	6:52:41	9:12:18	11:30:04	13:48:43	16:04:17	18:25:19	20:32:06	22:13:31	23:41:32	01:05:24	2:41:20
28	4:31:50	6:48:44	9:08:21	11:26:07	13:44:46	16:00:20	18:21:22	20:28:10	22:09:34	23:37:36	01:01:27	2:37:23
29	4:27:53	6:44:48	9:04:25	11:22:11	13:40:50	15:56:23	18:17:26	20:24:13	22:05:38	23:33:39	00:57:30	2:33:26
30	4:23:57	6:40:51	9:00:28	11:18:14	13:36:53	15:52:27	18:13:29	20:20:16	22:01:41	23:29:42	00:53:34	2:29:30

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

जुलाई मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन
1	6:36:54	8:56:31	11:14:17	13:32:56	15:48:30	18:09:32	20:16:20	21:57:44	23:25:46	00:49:37	2:25:33	4:20:00
2	6:32:57	8:52:34	11:10:21	13:29:00	15:44:33	18:05:36	20:12:23	21:53:47	23:21:49	00:45:40	2:21:36	4:16:03
3	6:29:01	8:48:38	11:06:24	13:25:03	15:40:36	18:01:39	20:08:26	21:49:51	23:17:52	00:41:43	2:17:39	4:12:06
4	6:25:04	8:44:41	11:02:27	13:21:06	15:36:40	17:57:42	20:04:29	21:45:54	23:13:55	00:37:47	2:13:43	4:08:10
5	6:21:07	8:40:44	10:58:30	13:17:09	15:32:43	17:53:45	20:00:33	21:41:57	23:09:59	00:33:50	2:09:46	4:04:13
6	6:17:11	8:36:48	10:54:34	13:13:13	15:28:46	17:49:49	19:56:36	21:38:01	23:06:02	00:29:53	2:05:49	4:00:16
7	6:13:14	8:32:51	10:50:37	13:09:16	15:24:50	17:45:52	19:52:39	21:34:04	23:02:05	00:25:57	2:01:53	3:56:20
8	6:09:17	8:28:54	10:46:40	13:05:19	15:20:53	17:41:55	19:48:43	21:30:07	22:58:09	00:22:00	1:57:56	3:52:23
9	6:05:20	8:24:58	10:42:44	13:01:23	15:16:56	17:37:59	19:44:46	21:26:10	22:54:12	00:18:03	1:53:59	3:48:26
10	6:01:24	8:21:01	10:38:47	12:57:26	15:12:59	17:34:02	19:40:49	21:22:14	22:50:15	00:14:06	1:50:02	3:44:30
11	5:57:27	8:17:04	10:34:50	12:53:29	15:09:03	17:30:05	19:36:52	21:18:17	22:46:18	00:10:10	1:46:06	3:40:33
12	5:53:30	8:13:07	10:30:53	12:49:32	15:05:06	17:26:08	19:32:56	21:14:20	22:42:22	00:06:13	1:42:09	3:36:36
13	5:49:34	8:09:11	10:26:57	12:45:36	15:01:09	17:22:12	19:28:59	21:10:24	22:38:25	00:02:16	1:38:12	3:32:39
14	5:45:37	8:05:14	10:23:00	12:41:39	14:57:13	17:18:15	19:25:02	21:06:27	22:34:28	23:58:20	1:34:16	3:28:43
15	5:41:40	8:01:17	10:19:03	12:37:42	14:53:16	17:14:18	19:21:06	21:02:30	22:30:32	23:54:23	1:30:19	3:24:46
16	5:37:43	7:57:21	10:15:07	12:33:46	14:49:19	17:10:22	19:17:09	20:58:34	22:26:35	23:50:26	1:26:22	3:20:49
17	5:33:46	7:53:24	10:11:10	12:29:49	14:45:23	17:06:25	19:13:12	20:54:37	22:22:38	23:46:29	1:22:25	3:16:53
18	5:29:50	7:49:27	10:07:13	12:25:52	14:41:26	17:02:28	19:09:15	20:50:40	22:18:41	23:42:33	1:18:29	3:12:56
19	5:25:53	7:45:30	10:03:16	12:21:55	14:37:29	16:58:31	19:05:19	20:46:43	22:14:45	23:38:36	1:14:32	3:08:59
20	5:21:56	7:41:34	9:59:20	12:17:59	14:33:32	16:54:35	19:01:22	20:42:47	22:10:48	23:34:39	1:10:35	3:05:02
21	5:17:59	7:37:37	9:55:23	12:14:02	14:29:36	16:50:38	18:57:25	20:38:50	22:06:51	23:30:43	1:06:39	3:01:06
22	5:14:03	7:33:40	9:51:26	12:10:05	14:25:39	16:46:41	18:53:29	20:34:53	22:02:55	23:26:46	1:02:42	2:57:09
23	5:10:06	7:29:44	9:47:30	12:06:09	14:21:42	16:42:45	18:49:32	20:30:57	21:58:58	23:22:49	0:58:45	2:53:12
24	5:06:09	7:25:47	9:43:33	12:02:12	14:17:46	16:38:48	18:45:35	20:27:00	21:55:01	23:18:52	0:54:49	2:49:16
25	5:02:13	7:21:50	9:39:36	11:58:15	14:13:49	16:34:51	18:41:38	20:23:03	21:51:04	23:14:56	0:50:52	2:45:19
26	4:58:16	7:17:53	9:35:39	11:54:18	14:09:52	16:30:54	18:37:42	20:19:06	21:47:08	23:10:59	0:46:55	2:41:22
27	4:54:19	7:13:57	9:31:43	11:50:22	14:05:55	16:26:58	18:33:45	20:15:10	21:43:11	23:07:02	0:42:58	2:37:25
28	4:50:22	7:10:00	9:27:46	11:46:25	14:01:59	16:23:01	18:29:48	20:11:13	21:39:14	23:03:06	0:39:02	2:33:29
29	4:46:26	7:06:03	9:23:49	11:42:28	13:58:02	16:19:04	18:25:52	20:07:16	21:35:18	22:59:09	0:35:05	2:29:32
30	4:42:29	7:02:07	9:19:53	11:38:32	13:54:05	16:15:08	18:21:55	20:03:20	21:31:21	22:55:12	0:31:08	2:25:35
31	4:38:32	6:58:10	9:15:56	11:34:35	13:50:09	16:11:11	18:17:58	19:59:23	21:27:24	22:51:16	0:27:12	2:21:39

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

अगस्त मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क
1	6:54:13	9:11:59	11:30:38	13:46:12	16:07:14	18:14:02	19:55:26	21:23:27	22:47:19	0:23:15	2:17:42	4:34:36
2	6:50:16	9:08:02	11:26:42	13:42:15	16:03:17	18:10:05	19:51:29	21:19:31	22:43:22	0:19:18	2:13:45	4:30:39
3	6:46:20	9:04:06	11:22:45	13:38:18	15:59:21	18:06:08	19:47:33	21:15:34	22:39:25	0:15:21	2:09:48	4:26:42
4	6:42:23	9:00:09	11:18:48	13:34:22	15:55:24	18:02:11	19:43:36	21:11:37	22:35:29	0:11:25	2:05:52	4:22:45
5	6:38:26	8:56:12	11:14:51	13:30:25	15:51:27	17:58:15	19:39:39	21:07:41	22:31:32	0:07:28	2:01:55	4:18:49
6	6:34:30	8:52:16	11:10:55	13:26:28	15:47:31	17:54:18	19:35:43	21:03:44	22:27:35	0:03:31	1:57:58	4:14:52
7	6:30:33	8:48:19	11:06:58	13:22:32	15:43:34	17:50:21	19:31:46	20:59:47	22:23:39	23:59:35	1:54:02	4:10:55
8	6:26:36	8:44:22	11:03:01	13:18:35	15:39:37	17:46:25	19:27:49	20:55:50	22:19:42	23:55:38	1:50:05	4:06:59
9	6:22:39	8:40:26	10:59:05	13:14:38	15:35:40	17:42:28	19:23:52	20:51:54	22:15:45	23:51:41	1:46:08	4:03:02
10	6:18:43	8:36:29	10:55:08	13:10:41	15:31:44	17:38:31	19:19:56	20:47:57	22:11:48	23:47:44	1:42:11	3:59:05
11	6:14:46	8:32:32	10:51:11	13:06:45	15:27:47	17:34:34	19:15:59	20:44:00	22:07:52	23:43:48	1:38:15	3:55:09
12	6:10:49	8:28:35	10:47:14	13:02:48	15:23:50	17:30:38	19:12:02	20:40:04	22:03:55	23:39:51	1:34:18	3:51:12
13	6:06:53	8:24:39	10:43:18	12:58:51	15:19:54	17:26:41	19:08:06	20:36:07	21:59:58	23:35:54	1:30:21	3:47:15
14	6:02:56	8:20:42	10:39:21	12:54:55	15:15:57	17:22:44	19:04:09	20:32:10	21:56:02	23:31:58	1:26:25	3:43:18
15	5:58:59	8:16:45	10:35:24	12:50:58	15:12:00	17:18:48	19:00:12	20:28:14	21:52:05	23:28:01	1:22:28	3:39:22
16	5:55:02	8:12:49	10:31:28	12:47:01	15:08:04	17:14:51	18:56:15	20:24:17	21:48:08	23:24:04	1:18:31	3:35:25
17	5:51:05	8:08:52	10:27:31	12:43:04	15:04:07	17:10:54	18:52:19	20:20:20	21:44:11	23:20:07	1:14:34	3:31:28
18	5:47:09	8:04:55	10:23:34	12:39:08	15:00:10	17:06:57	18:48:22	20:16:23	21:40:15	23:16:11	1:10:38	3:27:32
19	5:43:12	8:00:58	10:19:37	12:35:11	14:56:13	17:03:01	18:44:25	20:12:27	21:36:18	23:12:14	1:06:41	3:23:35
20	5:39:15	7:57:02	10:15:41	12:31:14	14:52:17	16:59:04	18:40:29	20:08:30	21:32:21	23:08:17	1:02:44	3:19:38
21	5:35:18	7:53:05	10:11:44	12:27:18	14:48:20	16:55:07	18:36:32	20:04:33	21:28:25	23:04:21	0:58:48	3:15:41
22	5:31:22	7:49:08	10:07:47	12:23:21	14:44:23	16:51:11	18:32:35	20:00:37	21:24:28	23:00:24	0:54:51	3:11:45
23	5:27:25	7:45:12	10:03:51	12:19:24	14:40:27	16:47:14	18:28:38	19:56:40	21:20:31	22:56:27	0:50:54	3:07:48
24	5:23:28	7:41:15	9:59:54	12:15:27	14:36:30	16:43:17	18:24:42	19:52:43	21:16:34	22:52:30	0:46:58	3:03:51
25	5:19:32	7:37:18	9:55:57	12:11:31	14:32:33	16:39:20	18:20:45	19:48:46	21:12:38	22:48:34	0:43:01	2:59:55
26	5:15:35	7:33:21	9:52:00	12:07:34	14:28:36	16:35:24	18:16:48	19:44:50	21:08:41	22:44:37	0:39:04	2:55:58
27	5:11:38	7:29:25	9:48:04	12:03:37	14:24:40	16:31:27	18:12:52	19:40:53	21:04:44	22:40:40	0:35:07	2:52:01
28	5:07:41	7:25:28	9:44:07	11:59:41	14:20:43	16:27:30	18:08:55	19:36:56	21:00:48	22:36:44	0:31:11	2:48:04
29	5:03:45	7:21:31	9:40:10	11:55:44	14:16:46	16:23:34	18:04:58	19:33:00	20:56:51	22:32:47	0:27:14	2:44:08
30	4:59:48	7:17:35	9:36:14	11:51:47	14:12:50	16:19:37	18:01:02	19:29:03	20:52:54	22:28:50	0:23:17	2:40:11
31	4:55:51	7:13:38	9:32:17	11:47:51	14:08:53	16:15:40	17:57:05	19:25:06	20:48:57	22:24:54	0:19:21	2:36:14

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

सितम्बर मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह
1	7:09:41	9:28:20	11:43:54	14:04:56	16:11:43	17:53:08	19:21:09	20:45:01	22:20:57	0:15:24	2:32:18	4:51:55
2	7:05:44	9:24:23	11:39:57	14:00:59	16:07:47	17:49:11	19:17:13	20:41:04	22:17:00	0:11:27	2:28:21	4:47:58
3	7:01:48	9:20:27	11:36:00	13:57:03	16:03:50	17:45:15	19:13:16	20:37:07	22:13:03	0:07:30	2:24:24	4:44:01
4	6:57:51	9:16:30	11:32:04	13:53:06	15:59:53	17:41:18	19:09:19	20:33:11	22:09:07	0:03:34	2:20:27	4:40:04
5	6:53:54	9:12:33	11:28:07	13:49:09	15:55:57	17:37:21	19:05:23	20:29:14	22:05:10	23:59:37	2:16:31	4:36:08
6	6:49:58	9:08:37	11:24:10	13:45:13	15:52:00	17:33:25	19:01:26	20:25:17	22:01:13	23:55:40	2:12:34	4:32:11
7	6:46:01	9:04:40	11:20:14	13:41:16	15:48:03	17:29:28	18:57:29	20:21:20	21:57:17	23:51:44	2:08:37	4:28:14
8	6:42:04	9:00:43	11:16:17	13:37:19	15:44:06	17:25:31	18:53:32	20:17:24	21:53:20	23:47:47	2:04:41	4:24:18
9	6:38:07	8:56:47	11:12:20	13:33:22	15:40:10	17:21:34	18:49:36	20:13:27	21:49:23	23:43:50	2:00:44	4:20:21
10	6:34:11	8:52:50	11:08:23	13:29:26	15:36:13	17:17:38	18:45:39	20:09:30	21:45:26	23:39:53	1:56:47	4:16:24
11	6:30:14	8:48:53	11:04:27	13:25:29	15:32:16	17:13:41	18:41:42	20:05:34	21:41:30	23:35:57	1:52:50	4:12:28
12	6:26:17	8:44:56	11:00:30	13:21:32	15:28:20	17:09:44	18:37:46	20:01:37	21:37:33	23:32:00	1:48:54	4:08:31
13	6:22:21	8:41:00	10:56:33	13:17:36	15:24:23	17:05:48	18:33:49	19:57:40	21:33:36	23:28:03	1:44:57	4:04:34
14	6:18:24	8:37:03	10:52:37	13:13:39	15:20:26	17:01:51	18:29:52	19:53:44	21:29:40	23:24:07	1:41:00	4:00:37
15	6:14:27	8:33:06	10:48:40	13:09:42	15:16:30	16:57:54	18:25:55	19:49:47	21:25:43	23:20:10	1:37:04	3:56:41
16	6:10:30	8:29:10	10:44:43	13:05:45	15:12:33	16:53:57	18:21:59	19:45:50	21:21:46	23:16:13	1:33:07	3:52:44
17	6:06:33	8:25:13	10:40:46	13:01:49	15:08:36	16:50:01	18:18:02	19:41:53	21:17:49	23:12:16	1:29:10	3:48:47
18	6:02:37	8:21:16	10:36:50	12:57:52	15:04:39	16:46:04	18:14:05	19:37:57	21:13:53	23:08:20	1:25:13	3:44:51
19	5:58:40	8:17:19	10:32:53	12:53:55	15:00:43	16:42:07	18:10:09	19:34:00	21:09:56	23:04:23	1:21:17	3:40:54
20	5:54:43	8:13:23	10:28:56	12:49:59	14:56:46	16:38:11	18:06:12	19:30:03	21:05:59	23:00:26	1:17:20	3:36:57
21	5:50:46	8:09:26	10:25:00	12:46:02	14:52:49	16:34:14	18:02:15	19:26:07	21:02:03	22:56:30	1:13:23	3:33:00
22	5:46:50	8:05:29	10:21:03	12:42:05	14:48:53	16:30:17	17:58:18	19:22:10	20:58:06	22:52:33	1:09:27	3:29:04
23	5:42:53	8:01:33	10:17:06	12:38:08	14:44:56	16:26:20	17:54:22	19:18:13	20:54:09	22:48:36	1:05:30	3:25:07
24	5:38:56	7:57:36	10:13:09	12:34:12	14:40:59	16:22:24	17:50:25	19:14:16	20:50:12	22:44:39	1:01:33	3:21:10
25	5:35:00	7:53:39	10:09:13	12:30:15	14:37:02	16:18:27	17:46:28	19:10:20	20:46:16	22:40:43	0:57:37	3:17:14
26	5:31:03	7:49:42	10:05:16	12:26:18	14:33:06	16:14:30	17:42:32	19:06:23	20:42:19	22:36:46	0:53:40	3:13:17
27	5:27:06	7:45:46	10:01:19	12:22:22	14:29:09	16:10:34	17:38:35	19:02:26	20:38:22	22:32:49	0:49:43	3:09:20
28	5:23:09	7:41:49	9:57:23	12:18:25	14:25:12	16:06:37	17:34:38	18:58:30	20:34:26	22:28:53	0:45:46	3:05:23
29	5:19:13	7:37:52	9:53:26	12:14:28	14:21:16	16:02:40	17:30:42	18:54:33	20:30:29	22:24:56	0:41:50	3:01:27
30	5:15:16	7:33:56	9:49:29	12:10:32	14:17:19	15:58:43	17:26:45	18:50:36	20:26:32	22:20:59	0:37:53	2:57:30

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

अक्टूबर मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या
1	7:29:59	9:45:32	12:06:35	14:13:22	15:54:47	17:22:48	18:46:39	20:22:35	22:17:03	0:33:56	2:53:33	5:11:19
2	7:26:02	9:41:36	12:02:38	14:09:25	15:50:50	17:18:51	18:42:43	20:18:39	22:13:06	0:30:00	2:49:37	5:07:23
3	7:22:05	9:37:39	11:58:41	14:05:29	15:46:53	17:14:55	18:38:46	20:14:42	22:09:09	0:26:03	2:45:40	5:03:26
4	7:18:09	9:33:42	11:54:45	14:01:32	15:42:57	17:10:58	18:34:49	20:10:45	22:05:12	0:22:06	2:41:43	4:59:29
5	7:14:12	9:29:46	11:50:48	13:57:35	15:39:00	17:07:01	18:30:53	20:06:49	22:01:16	0:18:09	2:37:46	4:55:32
6	7:10:15	9:25:49	11:46:51	13:53:39	15:35:03	17:03:05	18:26:56	20:02:52	21:57:19	0:14:13	2:33:50	4:51:36
7	7:06:19	9:21:52	11:42:55	13:49:42	15:31:06	16:59:08	18:22:59	19:58:55	21:53:22	0:10:16	2:29:53	4:47:39
8	7:02:22	9:17:56	11:38:58	13:45:45	15:27:10	16:55:11	18:19:02	19:54:58	21:49:26	0:06:19	2:25:56	4:43:42
9	6:58:25	9:13:59	11:35:01	13:41:48	15:23:13	16:51:14	18:15:06	19:51:02	21:45:29	0:02:23	2:22:00	4:39:46
10	6:54:28	9:10:02	11:31:04	13:37:52	15:19:16	16:47:18	18:11:09	19:47:05	21:41:32	23:58:26	2:18:03	4:35:49
11	6:50:32	9:06:05	11:27:08	13:33:55	15:15:20	16:43:21	18:07:12	19:43:08	21:37:35	23:54:29	2:14:06	4:31:52
12	6:46:35	9:02:09	11:23:11	13:29:58	15:11:23	16:39:24	18:03:16	19:39:12	21:33:39	23:50:32	2:10:09	4:27:56
13	6:42:38	8:58:12	11:19:14	13:26:02	15:07:26	16:35:28	17:59:19	19:35:15	21:29:42	23:46:36	2:06:13	4:23:59
14	6:38:42	8:54:15	11:15:18	13:22:05	15:03:30	16:31:31	17:55:22	19:31:18	21:25:45	23:42:39	2:02:16	4:20:02
15	6:34:45	8:50:19	11:11:21	13:18:08	14:59:33	16:27:34	17:51:25	19:27:22	21:21:49	23:38:42	1:58:19	4:16:05
16	6:30:48	8:46:22	11:07:24	13:14:11	14:55:36	16:23:37	17:47:29	19:23:25	21:17:52	23:34:46	1:54:23	4:12:09
17	6:26:51	8:42:25	11:03:27	13:10:15	14:51:39	16:19:41	17:43:32	19:19:28	21:13:55	23:30:49	1:50:26	4:08:12
18	6:22:54	8:38:28	10:59:31	13:06:18	14:47:43	16:15:44	17:39:35	19:15:31	21:09:58	23:26:52	1:46:29	4:04:15
19	6:18:58	8:34:32	10:55:34	13:02:21	14:43:46	16:11:47	17:35:39	19:11:35	21:06:02	23:22:55	1:42:32	4:00:19
20	6:15:01	8:30:35	10:51:37	12:58:25	14:39:49	16:07:51	17:31:42	19:07:38	21:02:05	23:18:59	1:38:36	3:56:22
21	6:11:04	8:26:38	10:47:41	12:54:28	14:35:53	16:03:54	17:27:45	19:03:41	20:58:08	23:15:02	1:34:39	3:52:25
22	6:07:07	8:22:42	10:43:44	12:50:31	14:31:56	15:59:57	17:23:48	18:59:45	20:54:12	23:11:05	1:30:42	3:48:28
23	6:03:11	8:18:45	10:39:47	12:46:34	14:27:59	15:56:00	17:19:52	18:55:48	20:50:15	23:07:09	1:26:46	3:44:32
24	5:59:14	8:14:48	10:35:50	12:42:38	14:24:02	15:52:04	17:15:55	18:51:51	20:46:18	23:03:12	1:22:49	3:40:35
25	5:55:17	8:10:51	10:31:54	12:38:41	14:20:06	15:48:07	17:11:58	18:47:54	20:42:21	22:59:15	1:18:52	3:36:38
26	5:51:21	8:06:55	10:27:57	12:34:44	14:16:09	15:44:10	17:08:02	18:43:58	20:38:25	22:55:18	1:14:56	3:32:42
27	5:47:24	8:02:58	10:24:00	12:30:48	14:12:12	15:40:14	17:04:05	18:40:01	20:34:28	22:51:22	1:10:59	3:28:45
28	5:43:27	7:59:01	10:20:04	12:26:51	14:08:16	15:36:17	17:00:08	18:36:04	20:30:31	22:47:25	1:07:02	3:24:48
29	5:39:30	7:55:05	10:16:07	12:22:54	14:04:19	15:32:20	16:56:12	18:32:08	20:26:35	22:43:28	1:03:05	3:20:51
30	5:35:34	7:51:08	10:12:10	12:18:58	14:00:22	15:28:23	16:52:15	18:28:11	20:22:38	22:39:32	0:59:09	3:16:55
31	5:31:37	7:47:11	10:08:13	12:15:01	13:56:25	15:24:27	16:48:18	18:24:14	20:18:41	22:35:35	0:55:12	3:12:58

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

नवम्बर मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला
1	7:43:14	10:04:17	12:11:04	13:52:29	15:20:30	16:44:21	18:20:17	20:14:44	22:31:38	0:51:15	3:09:01	5:27:40
2	7:39:18	10:00:20	12:07:07	13:48:32	15:16:33	16:40:25	18:16:21	20:10:48	22:27:42	0:47:19	3:05:05	5:23:44
3	7:35:21	9:56:23	12:03:11	13:44:35	15:12:37	16:36:28	18:12:24	20:06:51	22:23:45	0:43:22	3:01:08	5:19:47
4	7:31:24	9:52:27	11:59:14	13:40:39	15:08:40	16:32:31	18:08:27	20:02:54	22:19:48	0:39:25	2:57:11	5:15:50
5	7:27:28	9:48:30	11:55:17	13:36:42	15:04:43	16:28:35	18:04:31	19:58:58	22:15:51	0:35:28	2:53:14	5:11:53
6	7:23:31	9:44:33	11:51:21	13:32:45	15:00:46	16:24:38	18:00:34	19:55:01	22:11:55	0:31:32	2:49:18	5:07:57
7	7:19:34	9:40:37	11:47:24	13:28:48	14:56:50	16:20:41	17:56:37	19:51:04	22:07:58	0:27:35	2:45:21	5:04:00
8	7:15:37	9:36:40	11:43:27	13:24:52	14:52:53	16:16:44	17:52:40	19:47:07	22:04:01	0:23:38	2:41:24	5:00:03
9	7:11:41	9:32:43	11:39:30	13:20:55	14:48:56	16:12:48	17:48:44	19:43:11	22:00:05	0:19:42	2:37:28	4:56:07
10	7:07:44	9:28:46	11:35:34	13:16:58	14:45:00	16:08:51	17:44:47	19:39:14	21:56:08	0:15:45	2:33:31	4:52:10
11	7:03:47	9:24:50	11:31:37	13:13:02	14:41:03	16:04:54	17:40:50	19:35:17	21:52:11	0:11:48	2:29:34	4:48:13
12	6:59:51	9:20:53	11:27:40	13:09:05	14:37:06	16:00:58	17:36:54	19:31:21	21:48:14	0:07:51	2:25:37	4:44:17
13	6:55:54	9:16:56	11:23:44	13:05:08	14:33:10	15:57:01	17:32:57	19:27:24	21:44:18	0:03:55	2:21:41	4:40:20
14	6:51:57	9:13:00	11:19:47	13:01:11	14:29:13	15:53:04	17:29:00	19:23:27	21:40:21	23:59:58	2:17:44	4:36:23
15	6:48:00	9:09:03	11:15:50	12:57:15	14:25:16	15:49:07	17:25:03	19:19:31	21:36:24	23:56:01	2:13:47	4:32:26
16	6:44:03	9:05:06	11:11:53	12:53:18	14:21:19	15:45:11	17:21:07	19:15:34	21:32:28	23:52:05	2:09:51	4:28:30
17	6:40:07	9:01:09	11:07:57	12:49:21	14:17:23	15:41:14	17:17:10	19:11:37	21:28:31	23:48:08	2:05:54	4:24:33
18	6:36:10	8:57:13	11:04:00	12:45:25	14:13:26	15:37:17	17:13:13	19:07:40	21:24:34	23:44:11	2:01:57	4:20:36
19	6:32:13	8:53:16	11:00:03	12:41:28	14:09:29	15:33:21	17:09:17	19:03:44	21:20:37	23:40:14	1:58:00	4:16:40
20	6:28:16	8:49:19	10:56:07	12:37:31	14:05:33	15:29:24	17:05:20	18:59:47	21:16:41	23:36:18	1:54:04	4:12:43
21	6:24:20	8:45:23	10:52:10	12:33:34	14:01:36	15:25:27	17:01:23	18:55:50	21:12:44	23:32:21	1:50:07	4:08:46
22	6:20:23	8:41:26	10:48:13	12:29:38	13:57:39	15:21:30	16:57:26	18:51:54	21:08:47	23:28:24	1:46:10	4:04:49
23	6:16:26	8:37:29	10:44:16	12:25:41	13:53:42	15:17:34	16:53:30	18:47:57	21:04:51	23:24:28	1:42:14	4:00:53
24	6:12:30	8:33:32	10:40:20	12:21:44	13:49:46	15:13:37	16:49:33	18:44:00	21:00:54	23:20:31	1:38:17	3:56:56
25	6:08:33	8:29:36	10:36:23	12:17:48	13:45:49	15:09:40	16:45:36	18:40:03	20:56:57	23:16:34	1:34:20	3:52:59
26	6:04:36	8:25:39	10:32:26	12:13:51	13:41:52	15:05:44	16:41:40	18:36:07	20:53:00	23:12:37	1:30:24	3:49:03
27	6:00:39	8:21:42	10:28:30	12:09:54	13:37:56	15:01:47	16:37:43	18:32:10	20:49:04	23:08:41	1:26:27	3:45:06
28	5:56:43	8:17:46	10:24:33	12:05:58	13:33:59	14:57:50	16:33:46	18:28:13	20:45:07	23:04:44	1:22:30	3:41:09
29	5:52:46	8:13:49	10:20:36	12:02:01	13:30:02	14:53:53	16:29:50	18:24:17	20:41:10	23:00:47	1:18:33	3:37:12
30	5:48:49	8:09:52	10:16:39	11:58:04	13:26:05	14:49:57	16:25:53	18:20:20	20:37:14	22:56:51	1:14:37	3:33:16

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

दिसम्बर मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक
1	8:05:55	10:12:43	11:54:07	13:22:09	14:46:00	16:21:56	18:16:23	20:33:17	22:52:54	1:10:40	3:29:19	5:44:53
2	8:01:59	10:08:46	11:50:11	13:18:12	14:42:03	16:17:59	18:12:26	20:29:20	22:48:57	1:06:43	3:25:22	5:40:56
3	7:58:02	10:04:49	11:46:14	13:14:15	14:38:07	16:14:03	18:08:30	20:25:23	22:45:01	1:02:47	3:21:26	5:36:59
4	7:54:05	10:00:53	11:42:17	13:10:19	14:34:10	16:10:06	18:04:33	20:21:27	22:41:04	0:58:50	3:17:29	5:33:02
5	7:50:09	9:56:56	11:38:21	13:06:22	14:30:13	16:06:09	18:00:36	20:17:30	22:37:07	0:54:53	3:13:32	5:29:06
6	7:46:12	9:52:59	11:34:24	13:02:25	14:26:16	16:02:13	17:56:40	20:13:33	22:33:10	0:50:56	3:09:35	5:25:09
7	7:42:15	9:49:03	11:30:27	12:58:28	14:22:20	15:58:16	17:52:43	20:09:37	22:29:14	0:47:00	3:05:39	5:21:12
8	7:38:18	9:45:06	11:26:30	12:54:32	14:18:23	15:54:19	17:48:46	20:05:40	22:25:17	0:43:03	3:01:42	5:17:16
9	7:34:22	9:41:09	11:22:34	12:50:35	14:14:26	15:50:22	17:44:49	20:01:43	22:21:20	0:39:06	2:57:45	5:13:19
10	7:30:25	9:37:12	11:18:37	12:46:38	14:10:30	15:46:26	17:40:53	19:57:46	22:17:24	0:35:10	2:53:49	5:09:22
11	7:26:28	9:33:16	11:14:40	12:42:42	14:06:33	15:42:29	17:36:56	19:53:50	22:13:27	0:31:13	2:49:52	5:05:26
12	7:22:32	9:29:19	11:10:44	12:38:45	14:02:36	15:38:32	17:32:59	19:49:53	22:09:30	0:27:16	2:45:55	5:01:29
13	7:18:35	9:25:22	11:06:47	12:34:48	13:58:40	15:34:36	17:29:03	19:45:56	22:05:33	0:23:19	2:41:58	4:57:32
14	7:14:38	9:21:26	11:02:50	12:30:51	13:54:43	15:30:39	17:25:06	19:42:00	22:01:37	0:19:23	2:38:02	4:53:35
15	7:10:41	9:17:29	10:58:53	12:26:55	13:50:46	15:26:42	17:21:09	19:38:03	21:57:40	0:15:26	2:34:05	4:49:39
16	7:06:44	9:13:32	10:54:57	12:22:58	13:46:49	15:22:45	17:17:12	19:34:06	21:53:43	0:11:29	2:30:08	4:45:42
17	7:02:48	9:09:35	10:51:00	12:19:01	13:42:53	15:18:49	17:13:16	19:30:10	21:49:47	0:07:33	2:26:12	4:41:45
18	6:58:51	9:05:39	10:47:03	12:15:05	13:38:56	15:14:52	17:09:19	19:26:13	21:45:50	0:03:36	2:22:15	4:37:49
19	6:54:54	9:01:42	10:43:07	12:11:08	13:34:59	15:10:55	17:05:22	19:22:16	21:41:53	23:59:39	2:18:18	4:33:52
20	6:50:57	8:57:45	10:39:10	12:07:11	13:31:03	15:06:59	17:01:26	19:18:19	21:37:56	23:55:42	2:14:21	4:29:55
21	6:47:01	8:53:49	10:35:13	12:03:14	13:27:06	15:03:02	16:57:29	19:14:23	21:34:00	23:51:46	2:10:25	4:25:58
22	6:43:04	8:49:52	10:31:16	11:59:18	13:23:09	14:59:05	16:53:32	19:10:26	21:30:03	23:47:49	2:06:28	4:22:02
23	6:39:07	8:45:55	10:27:20	11:55:21	13:19:12	14:55:08	16:49:35	19:06:29	21:26:06	23:43:52	2:02:31	4:18:05
24	6:35:11	8:41:58	10:23:23	11:51:24	13:15:16	14:51:12	16:45:39	19:02:33	21:22:10	23:39:56	1:58:35	4:14:08
25	6:31:14	8:38:02	10:19:26	11:47:28	13:11:19	14:47:15	16:41:42	18:58:36	21:18:13	23:35:59	1:54:38	4:10:12
26	6:27:17	8:34:05	10:15:30	11:43:31	13:07:22	14:43:18	16:37:45	18:54:39	21:14:16	23:32:02	1:50:41	4:06:15
27	6:23:20	8:30:08	10:11:33	11:39:34	13:03:26	14:39:22	16:33:49	18:50:42	21:10:19	23:28:05	1:46:45	4:02:18
28	6:19:24	8:26:12	10:07:36	11:35:38	12:59:29	14:35:25	16:29:52	18:46:46	21:06:23	23:24:09	1:42:48	3:58:21
29	6:15:27	8:22:15	10:03:39	11:31:41	12:55:32	14:31:28	16:25:55	18:42:49	21:02:26	23:20:12	1:38:51	3:54:25
30	6:11:30	8:18:18	9:59:43	11:27:44	12:51:35	14:27:31	16:21:59	18:38:52	20:58:29	23:16:15	1:34:54	3:50:28
31	6:07:34	8:14:21	9:55:46	11:23:47	12:47:39	14:23:35	16:18:02	18:34:56	20:54:33	23:12:19	1:30:58	3:46:31

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

जनवरी मांस की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु
1	8:10:25	9:51:49	11:19:51	12:43:42	14:19:38	16:14:05	18:30:59	20:50:36	23:08:22	1:27:01	3:42:35	6:03:37
2	8:06:28	9:47:53	11:15:54	12:39:45	14:15:41	16:10:08	18:27:02	20:46:39	23:04:25	1:23:04	3:38:38	5:59:40
3	8:02:31	9:43:56	11:11:57	12:35:49	14:11:45	16:06:12	18:23:05	20:42:42	23:00:29	1:19:08	3:34:41	5:55:43
4	7:58:35	9:39:59	11:08:01	12:31:52	14:07:48	16:02:15	18:19:09	20:38:46	22:56:32	1:15:11	3:30:44	5:51:47
5	7:54:38	9:36:03	11:04:04	12:27:55	14:03:51	15:58:18	18:15:12	20:34:49	22:52:35	1:11:14	3:26:48	5:47:50
6	7:50:41	9:32:06	11:00:07	12:23:58	13:59:54	15:54:22	18:11:15	20:30:52	22:48:38	1:07:17	3:22:51	5:43:53
7	7:46:44	9:28:09	10:56:10	12:20:02	13:55:58	15:50:25	18:07:19	20:26:56	22:44:42	1:03:21	3:18:54	5:39:57
8	7:42:48	9:24:12	10:52:14	12:16:05	13:52:01	15:46:28	18:03:22	20:22:59	22:40:45	0:59:24	3:14:58	5:36:00
9	7:38:51	9:20:16	10:48:17	12:12:08	13:48:04	15:42:31	17:59:25	20:19:02	22:36:48	0:55:27	3:11:01	5:32:03
10	7:34:54	9:16:19	10:44:20	12:08:12	13:44:08	15:38:35	17:55:28	20:15:05	22:32:52	0:51:31	3:07:04	5:28:07
11	7:30:58	9:12:22	10:40:24	12:04:15	13:40:11	15:34:38	17:51:32	20:11:09	22:28:55	0:47:34	3:03:07	5:24:10
12	7:27:01	9:08:26	10:36:27	12:00:18	13:36:14	15:30:41	17:47:35	20:07:12	22:24:58	0:43:37	2:59:11	5:20:13
13	7:23:04	9:04:29	10:32:30	11:56:21	13:32:18	15:26:45	17:43:38	20:03:15	22:21:01	0:39:40	2:55:14	5:16:16
14	7:19:07	9:00:32	10:28:33	11:52:25	13:28:21	15:22:48	17:39:42	19:59:19	22:17:05	0:35:44	2:51:17	5:12:20
15	7:15:10	8:56:35	10:24:37	11:48:28	13:24:24	15:18:51	17:35:45	19:55:22	22:13:08	0:31:47	2:47:21	5:08:23
16	7:11:14	8:52:39	10:20:40	11:44:31	13:20:27	15:14:54	17:31:48	19:51:25	22:09:11	0:27:50	2:43:24	5:04:26
17	7:07:17	8:48:42	10:16:43	11:40:35	13:16:31	15:10:58	17:27:51	19:47:29	22:05:15	0:23:54	2:39:27	5:00:30
18	7:03:20	8:44:45	10:12:47	11:36:38	13:12:34	15:07:01	17:23:55	19:43:32	22:01:18	0:19:57	2:35:30	4:56:33
19	6:59:23	8:40:49	10:08:50	11:32:41	13:08:37	15:03:04	17:19:58	19:39:35	21:57:21	0:16:00	2:31:34	4:52:36
20	6:55:27	8:36:52	10:04:53	11:28:44	13:04:41	14:59:08	17:16:01	19:35:38	21:53:24	0:12:03	2:27:37	4:48:39
21	6:51:30	8:32:55	10:00:56	11:24:48	13:00:44	14:55:11	17:12:05	19:31:42	21:49:28	0:08:07	2:23:40	4:44:43
22	6:47:33	8:28:58	09:57:00	11:20:51	12:56:47	14:51:14	17:08:08	19:27:45	21:45:31	0:04:10	2:19:44	4:40:46
23	6:43:37	8:25:02	09:53:03	11:16:54	12:52:50	14:47:17	17:04:11	19:23:48	21:41:34	0:00:13	2:15:47	4:36:49
24	6:39:40	8:21:05	09:49:06	11:12:58	12:48:54	14:43:21	17:00:14	19:19:52	21:37:38	23:56:17	2:11:50	4:32:53
25	6:35:43	8:17:08	09:45:10	11:09:01	12:44:57	14:39:24	16:56:18	19:15:55	21:33:41	23:52:20	2:07:54	4:28:56
26	6:31:46	8:13:12	09:41:13	11:05:04	12:41:00	14:35:27	16:52:21	19:11:58	21:29:44	23:48:23	2:03:57	4:24:59
27	6:27:50	8:09:15	09:37:16	11:01:08	12:37:04	14:31:31	16:48:24	19:08:01	21:25:47	23:44:26	2:00:00	4:21:02
28	6:23:53	8:05:18	09:33:19	10:57:11	12:33:07	14:27:34	16:44:28	19:04:05	21:21:51	23:40:30	1:56:03	4:17:06
29	6:19:56	8:01:21	09:29:23	10:53:14	12:29:10	14:23:37	16:40:31	19:00:08	21:17:54	23:36:33	1:52:07	4:13:09
30	6:16:00	7:57:25	09:25:26	10:49:17	12:25:13	14:19:40	16:36:34	18:56:11	21:13:57	23:32:36	1:48:10	4:09:12
31	6:12:03	7:53:28	09:21:29	10:45:21	12:21:17	14:15:44	16:32:38	18:52:15	21:10:01	23:28:40	1:44:13	4:05:16

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

फरवरी मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर
1	7:49:31	09:17:33	10:41:24	12:17:20	14:11:47	16:28:41	18:48:18	21:06:04	23:24:43	1:40:17	4:01:19	6:08:06
2	7:45:35	09:13:36	10:37:27	12:13:23	14:07:50	16:24:44	18:44:21	21:02:07	23:20:46	1:36:20	3:57:22	6:04:09
3	7:41:38	09:09:39	10:33:31	12:09:27	14:03:54	16:20:47	18:40:24	20:58:10	23:16:50	1:32:23	3:53:25	6:00:13
4	7:37:41	09:05:43	10:29:34	12:05:30	13:59:57	16:16:51	18:36:28	20:54:14	23:12:53	1:28:26	3:49:29	5:56:16
5	7:33:44	09:01:46	10:25:37	12:01:33	13:56:00	16:12:54	18:32:31	20:50:17	23:08:56	1:24:30	3:45:32	5:52:19
6	7:29:48	08:57:49	10:21:40	11:57:36	13:52:03	16:08:57	18:28:34	20:46:20	23:04:59	1:20:33	3:41:35	5:48:23
7	7:25:51	08:53:52	10:17:44	11:53:40	13:48:07	16:05:01	18:24:38	20:42:24	23:01:03	1:16:36	3:37:39	5:44:26
8	7:21:54	08:49:56	10:13:47	11:49:43	13:44:10	16:01:04	18:20:41	20:38:27	22:57:06	1:12:40	3:33:42	5:40:29
9	7:17:58	08:45:59	10:09:50	11:45:46	13:40:13	15:57:07	18:16:44	20:34:30	22:53:09	1:08:43	3:29:45	5:36:33
10	7:14:01	08:42:02	10:05:54	11:41:50	13:36:17	15:53:10	18:12:47	20:30:33	22:49:13	1:04:46	3:25:48	5:32:36
11	7:10:04	08:38:06	10:01:57	11:37:53	13:32:20	15:49:14	18:08:51	20:26:37	22:45:16	1:00:49	3:21:52	5:28:39
12	7:06:07	08:34:09	09:58:00	11:33:56	13:28:23	15:45:17	18:04:54	20:22:40	22:41:19	0:56:53	3:17:55	5:24:42
13	7:02:10	08:30:12	09:54:03	11:29:59	13:24:27	15:41:20	18:00:57	20:18:43	22:37:22	0:52:56	3:13:58	5:20:46
14	6:58:14	08:26:15	09:50:07	11:26:03	13:20:30	15:37:24	17:57:01	20:14:47	22:33:26	0:48:59	3:10:02	5:16:49
15	6:54:17	08:22:19	09:46:10	11:22:06	13:16:33	15:33:27	17:53:04	20:10:50	22:29:29	0:45:03	3:06:05	5:12:52
16	6:50:20	08:18:22	09:42:13	11:18:09	13:12:36	15:29:30	17:49:07	20:06:53	22:25:32	0:41:06	3:02:08	5:08:56
17	6:46:23	08:14:25	09:38:17	11:14:13	13:08:40	15:25:33	17:45:10	20:02:57	22:21:36	0:37:09	2:58:11	5:04:59
18	6:42:27	08:10:29	09:34:20	11:10:16	13:04:43	15:21:37	17:41:14	19:59:00	22:17:39	0:33:12	2:54:15	5:01:02
19	6:38:30	08:06:32	09:30:23	11:06:19	13:00:46	15:17:40	17:37:17	19:55:03	22:13:42	0:29:16	2:50:18	4:57:05
20	6:34:33	08:02:35	09:26:26	11:02:22	12:56:50	15:13:43	17:33:20	19:51:06	22:09:45	0:25:19	2:46:21	4:53:09
21	6:30:37	07:58:38	09:22:30	10:58:26	12:52:53	15:09:47	17:29:24	19:47:10	22:05:49	0:21:22	2:42:25	4:49:12
22	6:26:40	07:54:42	09:18:33	10:54:29	12:48:56	15:05:50	17:25:27	19:43:13	22:01:52	0:17:26	2:38:28	4:45:15
23	6:22:43	07:50:45	09:14:36	10:50:32	12:44:59	15:01:53	17:21:30	19:39:16	21:57:55	0:13:29	2:34:31	4:41:19
24	6:18:46	07:46:48	09:10:40	10:46:36	12:41:03	14:57:56	17:17:33	19:35:20	21:53:59	0:09:32	2:30:35	4:37:22
25	6:14:50	07:42:52	09:06:43	10:42:39	12:37:06	14:54:00	17:13:37	19:31:23	21:50:02	0:05:35	2:26:38	4:33:25
26	6:10:53	07:38:55	09:02:46	10:38:42	12:33:09	14:50:03	17:09:40	19:27:26	21:46:05	0:01:39	2:22:41	4:29:28
27	6:06:56	07:34:58	08:58:49	10:34:46	12:29:13	14:46:06	17:05:43	19:23:29	21:42:08	23:57:42	2:18:44	4:25:32
28	6:03:00	07:31:01	08:54:53	10:30:49	12:25:16	14:42:10	17:01:47	19:19:33	21:38:12	23:53:45	2:14:48	4:21:35

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

लग्न सारिणी –दिल्ली,अक्षांश 28/39/00, पलभा 06/33/22 अयनांश 24/03/00,गाजियाबाद, गुड़गॉव, रोहतक, मेरठ आदि

राशि / अंश	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
0	02:50:45	06:50:57	11:40:21	17:15:33	23:05:09	28:51:21	34:36:21	40:26:09	46:11:33	51:20:21	55:37:57	59:17:45
1	02:57:51	06:59:11	11:50:21	17:27:01	23:16:51	29:02:51	34:47:51	40:37:51	46:23:01	51:30:21	55:46:11	59:24:51
2	03:04:57	07:07:25	12:00:21	17:38:29	23:28:33	29:14:21	34:59:21	40:49:33	46:34:29	51:40:21	55:54:25	59:31:57
3	03:12:03	07:15:39	12:10:21	17:49:57	23:40:15	29:25:51	35:10:51	41:01:15	46:45:57	51:50:21	56:02:39	59:39:03
4	03:19:09	07:23:53	12:20:21	18:01:25	23:51:57	29:37:21	35:22:21	41:12:57	46:57:25	52:00:21	56:10:53	59:46:09
5	03:26:15	07:32:07	12:30:21	18:12:53	24:03:39	29:48:51	35:33:51	41:24:39	47:08:53	52:10:21	56:19:07	59:53:15
6	03:33:21	07:40:21	12:40:21	18:24:21	24:15:21	30:00:21	35:45:21	41:36:21	47:20:21	52:20:21	56:27:21	00:00:21
7	03:41:35	07:50:21	12:51:49	18:36:03	24:26:51	30:11:51	35:57:03	41:47:49	47:30:21	52:28:35	56:34:27	00:07:27
8	03:49:49	08:00:21	13:03:17	18:47:45	24:38:21	30:23:21	36:08:45	41:59:17	47:40:21	52:36:49	56:41:33	00:14:33
9	03:58:03	08:10:21	13:14:45	18:59:27	24:49:51	30:34:51	36:20:27	42:10:45	47:50:21	52:45:03	56:48:39	00:21:39
10	04:06:17	08:20:21	13:26:13	19:11:09	25:01:21	30:46:21	36:32:09	42:22:13	48:00:21	52:53:17	56:55:45	00:28:45
11	04:14:31	08:30:21	13:37:41	19:22:51	25:12:51	30:57:51	36:43:51	42:33:41	48:10:21	53:01:31	57:02:51	00:35:51
12	04:22:45	08:40:21	13:49:09	19:34:33	25:24:21	31:09:21	36:55:33	42:45:09	48:20:21	53:09:45	57:09:57	00:42:57
13	04:30:59	08:50:21	14:00:37	19:46:15	25:35:51	31:20:51	37:07:15	42:56:37	48:30:21	53:17:59	57:17:03	00:50:03
14	04:39:13	09:00:21	14:12:05	19:57:57	25:47:21	31:32:21	37:18:57	43:08:05	48:40:21	53:26:13	57:24:09	00:57:09
15	04:47:27	09:10:21	14:23:33	20:09:39	25:58:51	31:43:51	37:30:39	43:19:33	48:50:21	53:34:27	57:31:15	01:04:15
16	04:55:41	09:20:21	14:35:01	20:21:21	26:10:21	31:55:21	37:42:21	43:31:01	49:00:21	53:42:41	57:38:21	01:11:21
17	05:03:55	09:30:21	14:46:29	20:33:03	26:21:51	32:06:51	37:54:03	43:42:29	49:10:21	53:50:55	57:45:27	01:18:27
18	05:12:09	09:40:21	14:57:57	20:44:45	26:33:21	32:18:21	38:05:45	43:53:57	49:20:21	53:59:09	57:52:33	01:25:33
19	05:20:23	09:50:21	15:09:25	20:56:27	26:44:51	32:29:51	38:17:27	44:05:25	49:30:21	54:07:23	57:59:39	01:32:39
20	05:28:37	10:00:21	15:20:53	21:08:09	26:56:21	32:41:21	38:29:09	44:16:53	49:40:21	54:15:37	58:06:45	01:39:45
21	05:36:51	10:10:21	15:32:21	21:19:51	27:07:51	32:52:51	38:40:51	44:28:21	49:50:21	54:23:51	58:13:51	01:46:51
22	05:45:05	10:20:21	15:43:49	21:31:33	27:19:21	33:04:21	38:52:33	44:39:49	50:00:21	54:32:05	58:20:57	01:53:57
23	05:53:19	10:30:21	15:55:17	21:43:15	27:30:51	33:15:51	39:04:15	44:51:17	50:10:21	54:40:19	58:28:03	02:01:03
24	06:01:33	10:40:21	16:06:45	21:54:57	27:42:21	33:27:21	39:15:57	45:02:45	50:20:21	54:48:33	58:35:09	02:08:09
25	06:09:47	10:50:21	16:18:13	22:06:39	27:53:51	33:38:51	39:27:39	45:14:13	50:30:21	54:56:47	58:42:15	02:15:15
26	06:18:01	11:00:21	16:29:41	22:18:21	28:05:21	33:50:21	39:39:21	45:25:41	50:40:21	55:05:01	58:49:21	02:22:21
27	06:26:15	11:10:21	16:41:09	22:30:03	28:16:51	34:01:51	39:51:03	45:37:09	50:50:21	55:13:15	58:56:27	02:29:27
28	06:34:29	11:20:21	16:52:37	22:41:45	28:28:21	34:13:21	40:02:45	45:48:37	51:00:21	55:21:29	59:03:33	02:36:33
29	06:42:43	11:30:21	17:04:05	22:53:27	28:39:51	34:24:51	40:14:27	46:00:05	51:10:21	55:29:43	59:10:39	02:43:39

विक्रम संवत् 2074 (ई.सन् 2017-18) के मुहूर्त हेतु काल विवरण

विवाहादि मांगलिक कार्यो के लिये चैत्र मास, पौष मास, अधिमास, श्राद्ध-पक्ष, भीष्मपंचक, होलिकाष्टक एवं गुरु-शुक्र के अस्तकाल वर्जित कहे गये हैं । उपनयन संस्कार चैत्रमास में तथा पुरातन गृहप्रवेश गुरु-शुक्र के अस्तकाल में भी किये जा सकते हैं।

मीन राशि गत सूर्य - संवत् 2073 चैत्र कृष्ण 2 मंगलवार दिनाङ्क-14/03/2017 से प्रारम्भ होकर संवत् 2074 वैशाख कृष्ण 2 गुरुवार दिनाङ्क- 13/04/2017 तक तथा संवत् 2074 चैत्र कृष्ण 12 बुधवार दिनाङ्क 14/03/2018 से संवत् 2075 वैशाख कृष्ण 13 शनिवार दिनाङ्क 14/04/2018 तक सूर्य मीन राशि में रहेगा।

श्रीहरि-देवशयन-काल- संवत् 2074 आषाढ़ शुक्ल 11 मंगलवार दिनाङ्क- 04/07/2017 से कार्तिक शुक्ल 11 मंगलवार दिनाङ्क 31/10/2017 तक।

महालय (श्राद्धपक्ष)- संवत् 2074 भाद्रपद शुक्ल 15 बुधवार दिनाङ्क-06/09/2017 से आश्विन कृष्ण 14 मंगलवार दिनाङ्क 19/09/2017 तक रहेगा।

गुरु अस्तोदय- संवत् 2074 कार्तिक कृष्ण 9 शुक्रवार दिनाङ्क 13/10/2017 को अस्त एवं मार्गशीर्ष कृष्ण 5 बुधवार दिनाङ्क 08/11/2017 को उदित।

धनु राशि गत सूर्य- संवत् 2074 पौष कृष्ण 13 शुक्रवार दिनाङ्क 15/12/2017 से माघ कृष्ण 13 रविवार दिनाङ्क 14/01/2018 तक रहेगी।

शुक्र अस्तोदय- संवत् 2074 पौष कृष्ण 14 रविवार दिनाङ्क-17/12/2017 को अस्त एवं फाल्गुन कृष्ण 3 शनिवार दिनाङ्क 03/02/2018 को उदित।

होलाष्टक- संवत् 2074 फाल्गुन शुक्ल 7 गुरुवार दिनाङ्क 22/02/2018 से फाल्गुन शुक्ल 14 गुरुवार दिनाङ्क 01/03/2018 तक रहेगा।

चन्द्रबलविचारः-

पापान्तः पापयुग्द्यूने पापाच्चन्द्रः शुभोऽप्यसत्।
शुभांशे वाधिमित्रांशे गुरुदृष्टोऽशुभोऽपि सत्।।

(मु.चि.गो.प्र.श्लोक ७)

भूमिशयनविचारः -

प्रद्योतनात्पंचनगांकसूर्यनवेन्दुषड्विंशमितेषु भेषु।
शेते मही नैव गृहं विधेयं तडागवापीखननं न शस्तम्।।

(वास्तुरत्नाकर १/४२)

विवाह-मुहूर्त विक्रमसंवत् 2074 (ई.सन् 2017-18)

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	रेखा	सूर्यराशि	गुरुराशि	चन्द्रराशि	लग्नादि विवरण
18/04/2017	वैशाख	कृष्ण	7	मंगल	उ.षा.	07	मेष	कन्या	धनु/मकर	ल. 10, 12 (गुरु दान)
19/04/2017	वैशाख	कृष्ण	8	बुध	उ.षा.	08	मेष	कन्या	मकर	ल. 4
28/04/2017	वैशाख	शुक्ल	2	शुक्र	रोहिणी	09	मेष	कन्या	वृष	ल.10(शु. श. दान),12(गु.दान)
29/04/2017	वैशाख	शुक्ल	3	शनि	मृगशिरा	10	मेष	कन्या	वृष	ल. 4, (तिथि क्षय दान)
29/04/2017	वैशाख	शुक्ल	3	शनि	मृगशिरा	09	मेष	कन्या	मिथुन	ल. 12(गुरु, तिथि क्षय दान)
06/05/2017	वैशाख	शुक्ल	11	शनि	उ.फा.	09	मेष	कन्या	कन्या	ल.10शु.,श. दान, 12चं.,गु. दान
12/05/2017	ज्येष्ठ	कृष्ण	2	शुक्र	अनुराधा	07	मेष	कन्या	वृश्चिक	ल. 04
16/05/2017	ज्येष्ठ	कृष्ण	5	मंगल	उ.षा.	07	वृष	कन्या	मकर	ल. 12 (03:43 तक)गु. दान
21/05/2017	ज्येठ	कृष्ण	10	रवि	उ. भा.	06	वृष	कन्या	मीन	ल. 10 (शु. श. दान)
22/05/2017	ज्येष्ठ	कृष्ण	11	सोम	उ. भा.	07	वृष	कन्या	मीन	ल. 04
22/05/2017	ज्येष्ठ	कृष्ण	11/12	सोम	रेवती	07	वृष	कन्या	मीन	ल. 10(शु. श. दान), 1
26/05/2017	ज्येष्ठ	शुक्ल	1	शुक्र	मृगशिरा	08	वृष	कन्या	वृष	ल10(शु.श.दान),12(गु.दान)
27/05/2017	ज्येष्ठ	शुक्ल	2	शनि	मृगशिरा	09	वृष	कन्या	मिथुन	ल. 04
31/05/2017	ज्येष्ठ	शुक्ल	6	बुध	मघा	07	वृष	कन्या	सिंह	ल. 01 राहु दान
02/06/2017	ज्येष्ठ	शुक्ल	8	शुक्र	उ. फा.	10	वृष	कन्या	कन्या	ल. 10श. दान, 12चं. गु. दान
03/06/2017	ज्येष्ठ	शुक्ल	9	शनि	उ. फा.	10	वृष	कन्या	कन्या	ल. 4

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	रेखा	सूर्यराशि	गुरुराशि	चन्द्रराशि	लग्नादि विवरण
06/06/2017	ज्येष्ठ	शुक्ल	12	मंगल	स्वाति	08	वृष	कन्या	तुला	ल. 4
07/06/2017	ज्येष्ठ	शुक्ल	13	बुध	अनुराधा	08	वृष	कन्या	वृश्चिक	ल. 10 श.दान, 12 गु.दान
08/06/2017	ज्येष्ठ	शुक्ल	14	गुरु	अनुराधा	09	वृष	कन्या	वृश्चिक	ल. 4
18/06/2017	आषाढ़	कृष्ण	9	रवि	रेवती	08	मिथुन	कन्या	मीन	ल. 10 श.दान, 1, 2 रा.दान
19/06/2017	आषाढ़	कृष्ण	10	सोम	रेवती	08	मिथुन	कन्या	मीन	ल. 4
28/06/2017	आषाढ़	शुक्ल	5	बुध	मघा	06	मिथुन	कन्या	सिंह	ल. 4, 6 (मं. दान)
30/06/2017	आषाढ़	शुक्ल	7	शुक्र	उ.फा.	08	मिथुन	कन्या	कन्या	ल. 4
01/07/2017	आषाढ़	शुक्ल	8	शनि	हस्त	07	मिथुन	कन्या	कन्या	ल.10 (09:50 तक)
03/07/2017	आषाढ़	शुक्ल	10	सोम	स्वाति	08	मिथुन	कन्या	तुला	ल. 4, 6मं. दान, 10, 1
23/11/2017	मार्गशीर्ष	शुक्ल	5	गुरु	उ.षा.	07	वृश्चिक	तुला	धनु/मकर	ल. 11 मं. दान, गोधूलि
29/11/2017	मार्गशीर्ष	शुक्ल	10	बुध	उ.भा.	06	वृश्चिक	तुला	मीन	ल. 11 मं. दान
03/12/2017	मार्गशीर्ष	शुक्ल	15	रवि	रोहिणी	07	वृश्चिक	तुला	वृष	ल. 11, 5, 6 शु.दान
04/12/2017	पौष	कृष्ण	1	सोम	मृगशिरा	08	वृश्चिक	तुला	वृष/मिथुन	ल. 11, 5, 6 शु.दान
10/12/2017	पौष	कृष्ण	8	रवि	उ. फा.	08	वृश्चिक	तुला	कन्या	ल. 5(11:39 तक)
11/12/2017	पौष	कृष्ण	9	सोम	हस्त	09	वृश्चिक	तुला	कन्या	ल. 5
06/02/2018	फाल्गुन	कृष्ण	6	मंगल	स्वाति	08	मकर	तुला	तुला	ल. 6 शु. दान
07/02/2018	फाल्गुन	कृष्ण	7	बुध	स्वाति	07	मकर	तुला	तुला	ल. 11 मं. दान
18/02/2018	फाल्गुन	शुक्ल	3	रवि	उ.भा.	09	कुम्भ	तुला	मीन	ल. विचारणीय

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	रेखा	सूर्यराशि	गुरुराशि	चन्द्रराशि	लग्नादि विवरण
06/03/2018	चैत्र	कृष्ण	5	मंगल	स्वाति	10	कुम्भ	तुला	तुला	ल. 6 बु. शु. दान
08/03/2018	चैत्र	कृष्ण	7	गुरु	अनुराधा	08	कुम्भ	तुला	वृश्चिक	ल. 6 बु. शु. दान

विवाह-मुहूर्त विक्रमसंवत् 2074 (ई.सन् 2017-18)

(जम्मू-कश्मीर, पंजाब एवं हिमाचल आदि त्रिगर्तस्थ प्रदेशों के लिए)

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	रेखा	सूर्यराशि	गुरुराशि	चन्द्रराशि	लग्नादि विवरण
06/07/2017	आषाढ़	शुक्ल	13	गुरु	अनुराधा	07	मिथुन	कन्या	वृश्चिक	ल. 4
19/07/2017	श्रावण	कृष्ण	10	बुध	रोहिणी	07	कर्क	कन्या	वृष	ल. 12 गु. दान, 1, 3
20/07/2017	श्रावण	कृष्ण	12	गुरु	रोहिणी	08	कर्क	कन्या	वृष	ल. 6
20/07/2017	श्रावण	कृष्ण	12	गुरु	मृगशिरा	06	कर्क	कन्या	वृष	ल. 12 गु. दान, 1
25/07/2017	श्रावण	शुक्ल	2	मंगल	मघा	06	कर्क	कन्या	सिंह	ल. 3 राहुयुति परिहार
27/07/2017	श्रावण	शुक्ल	04	गुरु	हस्त	08	कर्क	कन्या	कन्या	ल. 3
28/07/2017	श्रावण	शुक्ल	05	शुक्र	हस्त	07	कर्क	कन्या	कन्या	ल. 7 मं.दान, 12 चं.गु.दान
29/07/2017	श्रावण	शुक्ल	06	शनि	चित्रा	10	कर्क	कन्या	कन्या/तुला	ल. 7 मं.दान, 1चं.दान, 3
30/07/2017	श्रावण	शुक्ल	07	रवि	स्वाति	07	कर्क	कन्या	तुला	ल. 1 चं. दान, 3
01/08/2017	श्रावण	शुक्ल	9	मंगल	अनुराधा	07	कर्क	कन्या	वृश्चिक	ल. 7 मं. दान, 12 गु. दान
02/08/2017	श्रावण	शुक्ल	10	बुध	अनुराधा	07	कर्क	कन्या	वृश्चिक	ल. 6
11/08/2017	भाद्रपद	कृष्ण	4	शुक्र	उ.भा.	08	कर्क	कन्या	मीन	ल. 6 चं. दान, 1 शु.दान, 3

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	रेखा	सूर्यराशि	गुरुराशि	चन्द्रराशि	लग्नादि विवरण
12/08/2017	भाद्रपद	कृष्ण	5	शनि	रेवती	09	कर्क	कन्या	मीन	ल. 6 चं. दान, 1 शु.दान, 3
18/08/2017	भाद्रपद	कृष्ण	10	गुरु	मृगशिरा	06	सिंह	कन्या	मिथुन	ल. 7 मं. दान, 12 गु.दान
23/08/2017	भाद्रपद	शुक्ल	2	बुध	उ.फा.	08	सिंह	कन्या	सिंह/कन्या	ल. 12 चं.गु.दान, 3
24/08/2017	भाद्रपद	शुक्ल	3	गुरु	उ.फा.	09	सिंह	कन्या	कन्या	ल. 7
25/08/2017	भाद्रपद	शुक्ल	4	शुक्र	चित्रा	07	सिंह	कन्या	कन्या/तुला	ल. 12 चं. गु. दान, 3
26/08/2017	भाद्रपद	शुक्ल	5	शनि	स्वाति	10	सिंह	कन्या	तुला	ल. 1 रा.चं.दान, 3
28/08/2017	भाद्रपद	शुक्ल	7	सोम	अनुराधा	07	सिंह	कन्या	वृश्चिक	ल. 12 गु.दान
30/08/2017	भाद्रपद	शुक्ल	9	बुध	मूल	08	सिंह	कन्या	धनु	ल. 3 चं. दान
02/09/2017	भाद्रपद	शुक्ल	11	शनि	उ.षा.	09	सिंह	कन्या	धनु	ल. 7
03/09/2017	भाद्रपद	शुक्ल	12	रवि	उ.षा.	10	सिंह	कन्या	मकर	ल. 6
21/09/2017	आश्विन	शुक्ल	1	गुरु	हस्त	08	कन्या	तुला	कन्या	ल. 9 श. दान
21/09/2017	आश्विन	शुक्ल	1	गुरु	चित्रा	08	कन्या	तुला	कन्या	ल. 3 शु. दान
22/09/2017	आश्विन	शुक्ल	2	शुक्र	स्वाति	10	कन्या	तुला	तुला	ल. 3
25/09/2017	आश्विन	शुक्ल	5	सोम	अनुराधा	08	कन्या	तुला	वृश्चिक	ल. 7, 9 श.दान
29/09/2017	आश्विन	शुक्ल	9	शुक्र	उ.षा.	09	कन्या	तुला	धनु	ल. 1 गु. दान
30/09/2017	आश्विन	शुक्ल	10	शनि	उ.षा.	08	कन्या	तुला	मकर	ल. 7, 9 श.दान
30/09/2017	आश्विन	शुक्ल	10	शनि	श्रवण	08	कन्या	तुला	मकर	ल. 1 गु. दान
01/10/2017	आश्विन	शुक्ल	11	रवि	श्रवण	09	कन्या	तुला	मकर	ल. 7, 9 श. दान

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	रेखा	सूर्यराशि	गुरुराशि	चन्द्रराशि	लग्नादि विवरण
05/10/2017	आश्विन	शुक्ल	15	गुरु	रेवती	06	कन्या	तुला	मीन	ल. 3 शु. दान क्रान्तिसाम्याभाव
11/11/2017	मार्गशीर्ष	कृष्ण	8	शनि	मघा	08	कन्या	तुला	सिंह	ल. 11 चं.मं.दान
12/11/2017	मार्गशीर्ष	कृष्ण	9	रवि	मघा	08	कन्या	तुला	सिंह	ल. 8
13/11/2017	मार्गशीर्ष	कृष्ण	10	सोम	उ.फा.	06	कन्या	तुला	कन्या	ल. 5 शु. दान
14/11/2017	मार्गशीर्ष	कृष्ण	11	मंगल	उ.फा.	06	कन्या	तुला	कन्या	ल. 8

गोधूलि प्रशंसा

ऋषि मुनियों ने गोधूलि वेला सभी प्रकार के विवाहादि मंगल कार्यो में शुभ कही गयी है। गोधूलि वेला में पञ्चांग शुद्धि एवं लग्न शुद्धि विचार नहीं करना चाहिए। यथा -

नास्यामृक्षं न तिथि-करणं नैव लग्नस्य चिंता
नो वा वारो न च लवविधिर्नो मुहूर्तस्य चर्चा।
नो वा योगो न मृतिभवनं नैव जामित्रदोषो
गोधूलिः सा मुनिभिरुदिता सर्वकार्येषु शस्ता।।

(मुहूर्तचिन्तामणि विवाह प्रकरण श्लोक सं 100)

विशेष - प्रशस्त गोधूलि लग्न का आवश्यक होने पर मुहूर्त्ताभाव में उपयोग करना चाहिये। अन्यथा शुद्धि देखते हुये विवाह करना प्रशस्त होता है। नारद के मतानुसार कुछ विशिष्ट स्थानों पर गोधूलि का उपयोग करना चाहिये। यथा-

प्राच्यानां च कलिंगानां मुख्यं गोधूलिकं स्मृतं।
गान्धर्वादिविवाहेषु वैश्योद्वाहे च योजयेत्।।

गोधूलि लक्षणं

हेमन्तऋतु अर्थात् मार्गशीर्ष पौष माघ फाल्गुन मासों में जब सूर्य बिम्ब निस्तेज गोलक के समान हो जाता है उस समय गोधूलि लग्न होती है। ग्रीष्मऋतु अर्थात् चैत्र वैशाख ज्येष्ठ आषाढ़ मासों में सूर्य बिम्ब का आधा भाग अस्त होने पर तथा वर्षाऋतु अर्थात् श्रावण भाद्रपद आश्विन कार्तिक मासों में सम्पूर्ण बिम्ब के अस्त होने पर गोधूलि लग्न होती है। इस प्रकार ऋतु भेद से तीन प्रकार की गोधूलि लग्न कही गयी है। इसका सभी प्रकार के शुभ कार्यों में उपयोग करना शुभकारक होता है। यथा -

पिण्डीभूते दिनकृति हेमन्ततौं स्यादर्धास्ते तपसमये गोधूलिः।
सम्पूर्णास्ते जलधरमालाकाले त्रेधा योज्या सकलशुभे कार्यादौ।।

(मुहूर्तचिन्तामणि विवाह प्रकरण श्लोक सं 101)

गोधूलि में त्याज्य

गुरुवार के दिन सूर्यास्त के बाद एवं शनिवार के दिन सूर्यास्त से पूर्व गोधूलि वेला शुभ कही गयी है। गोधूलि काल में विवाह लग्न से अष्टम षष्ठ और लग्न में यदि चन्द्रमा हो तो कन्या के लिये कष्टप्रद होता है। लग्न सप्तं और अष्टं भाव में मंगल हो तो वर के लिये कष्टप्रद होता है। एकादश द्वितीय एवं तृतीय भाव में स्थित चन्द्रमा सुख कारक होता है। यथा-

अस्तं याते गुरुदिवसे सौरे सार्के लग्नान्मृत्यौ रिपुभवने लग्ने चेन्दौ।
कन्यानाशस्तनुमदमृत्युस्थे भौमे वोढुर्लाभे धनसहजे चन्द्रे सौख्यम्।।

(मुहूर्तचिन्तामणि विवाह प्रकरण श्लोक सं 102)

गृह निर्माण मुहूर्त

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न/भा.स्टे.टा
19/04/2017	वैशाख	कृष्ण	08	बुध	उ.षा.	विचारणीय
21/04/2017	वैशाख	कृष्ण	10	शुक्र	धनिष्ठा	ल.अभिजित
22/04/2017	वैशाख	कृष्ण	11	शनि	शतभिषा	ल.अभिजित
24/04/2017	वैशाख	कृष्ण	13	सोम	उ.भा.	ल.विचारणीय
29/04/2017	वैशाख	शुक्ल	03	शनि	रोहिणी	ल.विचारणीय
06/05/2017	वैशाख	शुक्ल	11	शनि	उ.फा.	ल.विचारणीय
08/05/2017	वैशाख	शुक्ल	13	सोम	चित्रा	ल.अभिजित
12/05/2017	ज्येष्ठ	कृष्ण	02	शुक्र	अनुराधा	ल.4/अभि.
19/05/2017	ज्येष्ठ	कृष्ण	08	शुक्र	शतभिषा	ल.अभिजित
22/05/2017	ज्येष्ठ	कृष्ण	11	सोम	रेवती	ल.अभिजित
03/06/2017	ज्येष्ठ	शुक्ल	09	शनि	उ.फा.	ल.अभिजित
05/06/2017	ज्येष्ठ	शुक्ल	11	सोम	चित्रा	ल.अभिजित
15/06/2017	आषाढ़	कृष्ण	06	गुरु	धनिष्ठा	ल.अभिजित
19/06/2017	आषाढ़	कृष्ण	10	सोम	रेवती	ल.अभिजित
22/06/2017	आषाढ़	कृष्ण	13	गुरु	रोहिणी	ल.अभिजित

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न/भा.स्टे.टा
30/06/2017	आषाढ़	शुक्ल	07	शुक्र	उ.फा.	ल.अभिजित
03/07/2017	आषाढ़	शुक्ल	10	सोम	स्वाती	ल.अभिजित
05/07/2017	आषाढ़	शुक्ल	12	बुध	अनुराधा	विचारणीय
10/07/2017	श्रावण	कृष्ण	01	सोम	उ.षा.	ल.विचारणीय
15/07/2017	श्रावण	कृष्ण	06	शनि	उ.भा.	ल.6/अभि.
20/07/2017	श्रावण	कृष्ण	12	गुरु	रोहिणी	ल.6/अभि.
21/07/2017	श्रावण	कृष्ण	13	शुक्र	मृगशिरा	ल.6/अभि.
27/07/2017	श्रावण	शुक्ल	04	गुरु	उ.फा.	ल.6/अभि.
29/07/2017	श्रावण	शुक्ल	06	शनि	चित्रा	ल.6/अभि.
31/07/2017	श्रावण	शुक्ल	08	सोम	स्वाती	विचारणीय
02/08/2017	श्रावण	शुक्ल	10	बुध	अनुराधा	ल.6
09/08/2017	भाद्रपद	कृष्ण	02	बुध	शतभिषा	ल.6
12/08/2017	भाद्रपद	कृष्ण	05	शनि	रेवती	ल.6/अभि.
24/08/2017	भाद्रपद	शुक्ल	03	गुरु	उ.फा.	ल.6/अभि
26/08/2017	भाद्रपद	शुक्ल	05	शनि	चित्रा	ल.6/अभि
02/09/2017	भाद्रपद	शुक्ल	11	शनि	उ.षा.	ल.6/अभि.

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न/भा.स्टे.टा
21/09/2017	आश्विन	शुक्ल	01	गुरु	हस्त	ल.अभिजित
22/09/2017	आश्विन	शुक्ल	02	शुक्र	चित्रा	ल.7/अभि.
25/09/2017	आश्विन	शुक्ल	05	सोम	अनुराधा	ल.7/अभि.
30/09/2017	आश्विन	शुक्ल	10	शनि	उ.षा.	ल.7/अभि.
02/10/2017	आश्विन	शुक्ल	12	सोम	धनिष्ठा	ल.7/अभि.
06/10/2017	कार्तिक	कृष्ण	01	शुक्र	रेवती	ल.7/अभि.
15/11/2017	मार्गशीर्ष	कृष्ण	12	बुध	हस्त	ल.विचारणीय
16/11/2017	मार्गशीर्ष	कृष्ण	13	गुरु	चित्रा	ल.अभिजित
23/11/2017	मार्गशीर्ष	शुक्ल	05	गुरु	उ.षा.	ल.अभिजित
24/11/2017	मार्गशीर्ष	शुक्ल	06	शुक्र	उ.षा.	ल.विचारणीय
27/11/2017	मार्गशीर्ष	शुक्ल	08	सोम	शतभिषा	ल.विचारणीय
29/11/2017	मार्गशीर्ष	शुक्ल	10	बुध	उ.भा.	ल.विचारणीय
04/12/2017	पौष	कृष्ण	01	सोम	मृगशिरा	ल.अभिजित
07/12/2017	पौष	कृष्ण	05	गुरु	पुष्य	ल.अभिजित
07/02/2018	फाल्गुन	कृष्ण	07	बुध	स्वाती	ल.विचारणीय
17/02/2018	फाल्गुन	शुक्ल	02	शनि	शतभिषा	ल.विचारणीय
03/03/2018	चैत्र	कृष्ण	02	शनि	उ.फा.	ल.अभिजित
12/03/2018	चैत्र	कृष्ण	10	सोम	उ.षा.	ल.अभिजित

गृह प्रवेश मुहूर्त

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न/भा.स्टे.टा
19/04/2017	वैशाख	कृष्ण	08	बुध	उ.षा.	विचारणीय
22/04/2017	वैशाख	कृष्ण	11	शनि	शतभिषा	ल.अभिजित
29/04/2017	वैशाख	शुक्ल	03	शनि	रोहिणी	ल.विचारणीय
06/05/2017	वैशाख	शुक्ल	11	शनि	उ.फा.	विचारणीय
12/05/2017	ज्येष्ठ	कृष्ण	02	शुक्र	अनुराधा	ल.अभिजित
19/05/2017	ज्येष्ठ	कृष्ण	08	शुक्र	शतभिषा	ल.अभिजित
22/05/2017	ज्येष्ठ	कृष्ण	11	सोम	रेवती	ल.अभिजित
03/06/2017	ज्येष्ठ	शुक्ल	09	शनि	उ.फा.	ल.अभिजित
05/06/2017	ज्येष्ठ	शुक्ल	11	सोम	चित्रा	ल.अभिजित
19/06/2017	आषाढ़	कृष्ण	10	सोम	रेवती	ल.अभिजित
22/06/2017	आषाढ़	कृष्ण	13	गुरु	रोहिणी	ल.अभिजित
30/06/2017	आषाढ़	शुक्ल	07	शुक्र	उ.फा.	ल.अभिजित

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न/भा.स्टे.टा
03/07/2017	आषाढ़	शुक्ल	10	सोम	स्वाती	ल.अभिजित
05/07/2017	आषाढ़	शुक्ल	12	बुध	अनुराधा	ल.विचारणीय
06/07/2017	आषाढ़	शुक्ल	13	गुरु	अनुराधा	ल.विचारणीय
10/07/2017	श्रावण	कृष्ण	01	सोम	उ.षा.	ल.अभिजित
15/07/2017	श्रावण	कृष्ण	06	शनि	उ.भा.	ल.अभिजित
20/07/2017	श्रावण	कृष्ण	12	गुरु	रोहिणी	ल.06/अभि.
21/07/2017	श्रावण	कृष्ण	13	शुक्र	मृगशिरा	ल.06/अभि.
29/07/2017	श्रावण	शुक्ल	06	शनि	चित्रा	ल.06/अभि.
31/07/2017	श्रावण	शुक्ल	08	सोम	स्वाती	ल.विचारणीय
02/08/2017	श्रावण	शुक्ल	10	बुध	अनुराधा	ल.06
06/10/2017	कार्तिक	कृष्ण	01	शुक्र	रेवती	ल.07/अभि.
16/11/2017	मार्गशीर्ष	कृष्ण	13	गुरु	चित्रा	ल.अभिजित
23/11/2017	मार्गशीर्ष	शुक्ल	05	गुरु	उ.षा.	ल.अभिजित
24/11/2017	मार्गशीर्ष	शुक्ल	06	शुक्र	उ.षा.	ल.विचारणीय
27/11/2017	मार्गशीर्ष	शुक्ल	08	सोम	शतभिषा	ल.विचारणीय
29/11/2017	मार्गशीर्ष	शुक्ल	10	बुध	उ.भा.	ल.विचारणीय
04/12/2017	पौष	कृष्ण	01	सोम	मृगशिरा	ल.अभिजित
07/02/2018	फाल्गुन	कृष्ण	07	बुध	स्वाति	ल.विचारणीय
17/02/2018	फाल्गुन	शुक्ल	02	शनि	शतभिषा	विचारणीय
03/03/2018	चैत्र	कृष्ण	02	शनि	उ.फा.	ल.01/अभि.
12/03/2018	चैत्र	कृष्ण	10	सोम	उ.षा.	ल.अभिजित

सौम्य देव प्रतिष्ठा मुहूर्त

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न/भा.स्टे.टा
19/04/2017	वैशाख	कृष्ण	08	बुध	उ.षा.	विचारणीय
22/04/2017	वैशाख	कृष्ण	11	शनि	शतभिषा	ल.अभिजित
29/04/2017	वैशाख	शुक्ल	03	शनि	रोहिणी	ल.विचारणीय
30/04/2017	वैशाख	शुक्ल	05	रवि	मृगशिरा	ल.विचारणीय
06/05/2017	वैशाख	शुक्ल	11	शनि	उ.फा.	ल.विचारणीय
07/05/2017	वैशाख	शुक्ल	12	रवि	हस्त	ल.अभिजित
08/05/2017	वैशाख	शुक्ल	13	सोम	चित्रा	ल.अभिजित
12/05/2017	ज्येष्ठ	कृष्ण	02	शुक्र	अनुराधा	ल.अभिजित
19/05/2017	ज्येष्ठ	कृष्ण	08	शुक्र	शतभिषा	ल.अभिजित

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न/भा.स्टे.टा
22/05/2017	ज्येष्ठ	कृष्ण	11	सोम	रेवती	ल.अभिजित
03/06/2017	ज्येष्ठ	शुक्ल	09	शनि	उ.फा.	ल.अभिजित
05/06/2017	ज्येष्ठ	शुक्ल	11	सोम	चित्रा	ल.अभिजित
19/06/2017	आषाढ़	कृष्ण	10	सोम	रेवती	ल.अभिजित
07/02/2018	फाल्गुन	कृष्ण	07	बुध	स्वाती	ल.विचारणीय
17/02/2018	फाल्गुन	शुक्ल	02	शनि	शतभिषा	ल.विचारणीय
21/02/2018	फाल्गुन	शुक्ल	06	बुध	अश्विनी	ल.विचारणीय
03/03/2018	चैत्र	कृष्ण	02	शनि	उ.फा.	ल.अभिजित
12/03/2018	चैत्र	कृष्ण	10	सोम	उ.षा.	ल.अभिजित

उग्र देवप्रतिष्ठा मुहूर्त

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न/भा.स्टे.टा
22/06/2017	आषाढ़	कृष्ण	13	गुरु	रोहिणी	ल.अभिजित
25/06/2017	आषाढ़	शुक्ल	02	रवि	पुनर्वसु	ल.अभिजित
30/06/2017	आषाढ़	शुक्ल	07	शुक्र	उ.फा.	ल.अभिजित
03/07/2017	आषाढ़	शुक्ल	10	सोम	स्वाती	ल.अभिजित
15/11/2017	मार्गशीर्ष	कृष्ण	12	बुध	हस्त	ल.विचारणीय
16/11/2017	मार्गशीर्ष	कृष्ण	13	गुरु	चित्रा	ल.अभिजित

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न/भा.स्टे.टा
23/11/2017	मार्गशीर्ष	शुक्ल	05	गुरु	उ.षा.	ल.अभिजित
24/11/2017	मार्गशीर्ष	शुक्ल	06	शुक्र	श्रवण	ल.अभिजित
25/11/2017	मार्गशीर्ष	शुक्ल	06	शनि	श्रवण	ल.विचारणीय
27/11/2017	मार्गशीर्ष	शुक्ल	08	सोम	शतभिषा	ल.विचारणीय
29/11/2017	मार्गशीर्ष	शुक्ल	10	बुध	उ.भा.	ल.विचारणीय
01/12/2017	मार्गशीर्ष	शुक्ल	13	शुक्र	अश्विनी	ल.अभिजित
03/12/2017	मार्गशीर्ष	शुक्ल	15	रवि	रोहिणी	ल.अभिजित
04/12/2017	पौष	कृष्ण	01	सोम	मृगशिरा	ल.अभिजित

क्षौरकर्म (मुण्डन) मुहूर्त्त

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न/भा.स्टे.टा
08/05/2017	वैशाख	शुक्ल	13	सोम	हस्त	ल.विचारणीय
08/05/2017	वैशाख	शुक्ल	13	सोम	चित्रा	ल.अभिजित
18/05/2017	ज्येष्ठ	कृष्ण	07	गुरु	श्रवण	ल.विचारणीय
22/05/2017	ज्येष्ठ	कृष्ण	11	सोम	रेवती	ल.अभिजित
19/06/2017	आषाढ़	कृष्ण	10	सोम	रेवती	ल.अभिजित
07/02/2018	फाल्गुन	कृष्ण	07	बुध	स्वाती	ल.विचारणीय

उपनयन (यज्ञोपवीत) मुहूर्त्त

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न/भा.स्टे.टा
29/03/2017	चैत्र	शुक्ल	02	बुध	अश्विनी	ल.विचारणीय
06/04/2017	चैत्र	शुक्ल	10	गुरु	आश्लेषा	ल.02/अभि.
30/04/2017	वैशाख	शुक्ल	05	रवि	आर्द्रा	ल.अभिजित
05/05/2017	वैशाख	शुक्ल	10	शुक्र	पू.फा.	ल.अभिजित
07/05/2017	वैशाख	शुक्ल	12	रवि	हस्त	ल.अभिजित
28/05/2017	ज्येष्ठ	शुक्ल	03	रवि	आर्द्रा	ल.04/अभि.
05/06/2017	ज्येष्ठ	शुक्ल	11	सोम	चित्रा	ल.अभिजित
25/06/2017	आषाढ़	शुक्ल	02	रवि	पुनर्वसु	ल.अभिजित
23/11/2017	मार्गशीर्ष	शुक्ल	05	गुरु	उ.षा.	ल.अभिजित
29/11/2017	मार्गशीर्ष	शुक्ल	10	बुध	उ.भा.	ल.विचारणीय
18/02/2018	फाल्गुन	शुक्ल	03	रवि	उ.भा.	ल.अभिजित
04/03/2018	चैत्र	कृष्ण	03	रवि	हस्त	ल.01/अभि.

विद्यारम्भ मुहूर्त्त

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न/भा.स्टे.टा
30/04/2017	वैशाख	शुक्ल	05	रवि	मृगशिरा	ल.विचारणीय
30/04/2017	वैशाख	शुक्ल	05	रवि	आर्द्रा	ल.अभिजित
05/05/2017	वैशाख	शुक्ल	10	शुक्र	पू.फा.	ल.अभिजित
12/05/2017	ज्येष्ठ	कृष्ण	02	शुक्र	अनुराधा	ल.अभिजित
31/05/2017	ज्येष्ठ	शुक्ल	06	बुध	आश्लेषा	ल.विचारणीय
18/02/2018	फाल्गुन	शुक्ल	03	रवि	पू.भा.	ल.विचारणीय
21/02/2018	फाल्गुन	शुक्ल	06	बुध	अश्विनी	ल.विचारणीय
04/03/2018	चैत्र	कृष्ण	03	रवि	हस्त	ल.01/अभि.

द्विरागमन मुहूर्त्त

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न/भा.स्टे.टा
19/04/2017	वैशाख	कृष्ण	08	बुध	उ.षा.	ल.विचारणीय
08/05/2017	वैशाख	शुक्ल	13	सोम	चित्रा	ल.अभिजित
12/05/2017	ज्येष्ठ	कृष्ण	02	शुक्र	अनुराधा	ल.अभिजित
19/05/2017	ज्येष्ठ	कृष्ण	08	शुक्र	शतभिषा	ल.अभिजित
22/05/2017	ज्येष्ठ	कृष्ण	11	सोम	रेवती	ल.अभिजित
05/06/2017	ज्येष्ठ	शुक्ल	11	सोम	चित्रा	ल.अभिजित
19/06/2017	आषाढ़	कृष्ण	10	सोम	रेवती	ल.अभिजित
22/06/2017	आषाढ़	कृष्ण	13	गुरु	रोहिणी	ल.अभिजित

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न/भा.स्टे.टा
30/06/2017	आषाढ़	शुक्ल	07	शुक्र	उ.फा.	ल.अभिजित
03/07/2017	आषाढ़	शुक्ल	10	सोम	स्वाती	ल.अभिजित
15/11/2017	मार्गशीर्ष	कृष्ण	12	बुध	हस्त	ल.विचारणीय
16/11/2017	मार्गशीर्ष	कृष्ण	13	गुरु	चित्रा	ल.अभिजित
23/11/2017	मार्गशीर्ष	शुक्ल	05	गुरु	उ.षा.	ल.अभिजित
24/11/2017	मार्गशीर्ष	शुक्ल	06	शुक्र	श्रवण	ल.अभिजित
27/11/2017	मार्गशीर्ष	शुक्ल	08	सोम	शतभिषा	ल.विचारणीय
29/11/2017	मार्गशीर्ष	शुक्ल	10	बुध	उ.भा.	ल.विचारणीय
01/12/2017	मार्गशीर्ष	शुक्ल	13	शुक्र	अश्विनी	ल.अभिजित
04/12/2017	पौष	कृष्ण	01	सोम	मृगशिरा	ल.अभिजित
07/02/2018	फाल्गुन	कृष्ण	07	बुध	स्वाती	ल.विचारणीय
21/02/2018	फाल्गुन	शुक्ल	06	बुध	अश्विनी	ल.विचारणीय
12/03/2018	चैत्र	कृष्ण	10	सोम	उ.षा.	ल.अभिजित

विविध मुहूर्तों का विचार

गर्भाधान मुहूर्त

यह षोडश संस्कारों में प्रथम संस्कार हैं, क्योंकि जीवन का प्रारम्भ इसी से होता है।

निषिक्तो यत्प्रयोगेण गर्भ संधार्यते स्त्रिया।

तद्गर्भालम्भनं नामकर्म प्रोक्तं मनीषिभिः॥

रजोदर्शन प्रारम्भ से 4 रात्रि उपरान्त सम रात्रियों में रोहिणी, हस्त, मृगशिरा, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा तीनों उत्तरा इन नक्षत्रों में मेष, कर्क, सिंह, धनु, मकर इन लग्नों मे तथा लग्न से 3-6-11वें स्थान पर पाप ग्रह हो रवि, मंगल, और गुरु की लग्न पर दृष्टि, नवांश विषम राशि का हो (स्त्री का विशेष रूप से चन्द्र श्रेष्ठ हो) ऐसे समय का विचार कर गर्भाधान संस्कार करें। पुनर्वसु, अश्विनी, पुष्य, चित्रा नक्षत्रों में गर्भाधान मध्यम है।

श्रेष्ठ नक्षत्र - रोहणी, हस्त, मृगशिरा, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा तीनों उत्तरा

मध्यम नक्षत्र - पुनर्वसु, अश्विनी, पुष्य, चित्रा

लग्न - मेष, कर्क, सिंह, धनु, मकर व लग्न से 3,6,11 वें पापग्रह

नवांश - 1, 3, 5, 7, 9, 11

रात्रियां रजोदर्शन से - 6, 8, 10, 12, 14, 16 वीं

पुंसवन तथा सीमन्तोनयन मुहूर्त

गर्भधारण का निश्चय हो जाने के पश्चात् शिशु को पुंसवन नामक संस्कार के द्वारा अभिषिक्त किया जाता है। इसका अभिप्राय पुमान् (पुरुष) का सवन (जन्म) हो।

पुमान् प्रसूयते येन कर्मणा तत् पुंसवनमीरितम्।

गर्भ के तृतीय मास में रवि, मंगल, गुरुवार को दम्पति के श्रेष्ठ चन्द्र मे, तारा शुद्धि मे रोहिणी, मृगशिरा, पुष्य, पुनर्वसु, हस्त, मूल. श्रवण, 3 उत्तरा नक्षत्रों में जन्म नक्षत्र को त्याग कर, शुक्लपक्ष की 1, 2, 3, 4, 5, 7, 10, 11, 13 तथा कृष्ण पक्ष में दशमी पर्यन्त तिथियों में दिन के पूर्व भाग में पुरुष संज्ञक नवांश लग्न में होने पर तथा लग्न से 1, 4, 5, 7, 9, 10 स्थानों पर शुभ ग्रह तथा 3, 6, 11 वें स्थानों पर पापग्रहों की स्थिति में एवं चन्द्र की 1,6,8,12वें स्थिति न होने पर पुंसवन व सीमन्त संस्कार शुभ हैं इस संस्कार में गुरु शुक्रास्त अविचारणीय है। गर्भ से 6, 8 मासों मे मासाधिपति बली होने पर शुभ हैं।

मास - गर्भ से 6, 8 मासों मे मासाधिपति बली होने पर शुभ है।

तिथि - शुक्लपक्ष की 1,2,3,4,5,7,10,11,13 तथा कृष्ण पक्ष में दशमी पर्यन्त

नक्षत्र - रोहिणी, मृगशिरा, पुष्य, पुनर्वसु, हस्त, मूल. श्रवण, 3 उत्तरा नक्षत्रों में जन्म नक्षत्र को त्याग कर

लग्न - 1,3,5,7,11

वार - रवि, मंगल, बुध, गुरु, मतान्तर से सोम, बुध, शुक्र

स्तनपान मुहूर्त

जन्म से पांचवें दिन अथवा भद्रा, व्यतिपात, 4,9,14 तिथि को छोड़कर शुभ तिथि को सोम, बुध, गुरु, शुक्र वारों में पुनर्वसु. पुष्य, मृगशिरा, मघा, श्रवण, रेवती नक्षत्रों में बालक को प्रथम बार स्तनपान कराना शुभ हैं।

तिथि - 2,3,5,8,10,11,13,15

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र - पुनर्वसु, पुष्य, मृगशिरा, मघा, श्रवण, रेवती

त्याज्य - भद्रा, व्यतिपात, वैधृति 4, 9, 14 तिथि

जलपूजन मुहूर्त

जन्म के अनन्तर प्रथम मास की समाप्ति पर बुध, गुरु, चन्द्र, वारों में 4,9,14,30 तिथियों को छोड़कर अन्य तिथियों में मृगशिरा,पुनर्वसु. पुष्य, हस्त, अनुराधा मूल, श्रवण नक्षत्रों में प्रसूता स्त्री द्वारा जलपूजन करना (कुंआ-पूजना) श्रेष्ठ है।

चैत्र, पौष, अधिमास, गुरु-शुक्रास्त का विचार एक मास के बाद ही करें।

तिथि - 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13,15

वार - बुध-गुरु-चन्द्र

नक्षत्र - मृगशिरा, पुनर्वसु. पुष्य, हस्त, अनुराधा मूल, श्रवण, धनिष्ठा

त्याज्य - प्रथममासोपरान्त चैत्र, पौष, अधिमास, गुरु-शुक्रास्त, रिक्ता व अमावस्य तिथि

जातकर्म और नामकरण संस्कार मुहूर्त

जीवन में व्यवहार का सम्पूर्ण आधार नाम पर ही निर्भर होता है।

नामाखिलस्य जगतः व्यवहार हेतुः शुभावहं कर्मसु भाग्यहेतुः।
नाम्नैव कीर्तिं लभते मनुष्यस्ततः प्रशस्तं खलु नाम कर्म।।

जातकर्म अर्थात् शिशु के जन्म होने के बाद का कार्य नाल छेदन से पूर्व करना उचित है। नामकरण सूतक निवृत्ति के उपरान्त ब्राह्मण 11वें दिन, क्षत्रिय 13वें दिन, शूद्र 21वें दिन, कुल की परम्परा के अनुसार करें। दस दिन से पूर्व कदापि शुद्धि के अभाव के करण नामकरण संस्कार न करें। सूतक समाप्ति पर 11वें या 12वें दिन नामकरण संस्कार विना विचारें कर लें। 12 दिन के बाद भद्रा, व्यतिपात, वैधृति, संक्रान्ति रहित दिनों में रिक्ता 1,2,3,5,6,7,10,11,12,13 इन

तिथियों में शुभवार, अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, अनुराधा, तीनों उत्तरा, अभिजित, स्वाति, मूल श्रवणा, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती नक्षत्रों में लग्न नवांश के बल का विचार कर नामकरण करें।

तिथि - 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र - अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, अनुराधा, तीनों उत्तरा, अभिजित, स्वाति, मूल श्रवणा, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती

त्याज्य - जन्म से 10 दिन, भद्रा, व्यतिपात, वैधृति, संक्रान्ति रहित दिन

निष्क्रमण मुहूर्त

बालक को प्रथम बार घर से बाहर निकलनें को ही निष्क्रमण कहते हैं। जन्म से बारहवें दिन बिना मुहूर्त विचार के बालक का निष्क्रमण कर, सूर्य नक्षत्र का पूजन कर सूर्य नक्षत्र व देवताओं का दर्शन करावें। यदि बारहवें दिन यह न हो पाये तब 3 मास में मंगल शनि वर्जित वारों व रिक्ता, विष्टि, अमावस्य आदि अशुभ योग से भिन्न शुभ दिन में, अश्विनी, रोहिणी, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, अनुराधा, स्वाति, मूल श्रवणा, धनिष्ठा नक्षत्रों में प्रथम निष्क्रमण शुभ है।

तिथि - पञ्चमास में 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13,15

वार - सोम-बुध-गुरु-शुक्र

नक्षत्र - अश्विनी, रोहिणी, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, अनुराधा, स्वाति, मूल श्रवण, धनिष्ठा

त्याज्य - मंगल शनि वर्जित वारों व रिक्ता तिथि, अमावस्या., विष्टि, अशुभ योग

भूमि पर प्रथमोपवेशन मुहूर्त्त

जन्म से पञ्चम मास में रिक्ता, अमावस्य रहित तिथि, शुभवार, अश्विनी., रोहिणी, मृगशिरा, पुष्य हस्त अनुराधा ज्येष्ठा अभिजित तीनों उत्तरा नक्षत्रों में स्थिर लग्न का विचार कर बालक की कमर में काला सूत्र बांधकर पृथ्वी और वराह का पूजन कर "पृथ्वी" पर बैठावें। इस समय बालक के सामने विविध वस्तुएं रखें आजीविका की जिस वस्तु को वह उठावे उसी से आजीविका समझनी चाहिये।

तिथि - पंचम मास में 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13,15

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र - अश्विनी. रोहिणी., मृगशिरा. पुष्य, हस्त, अनुराधा. ज्येष्ठा, तीनों उत्तरा

लग्न - 2, 5, 8, 11

अन्नप्राशन मुहूर्त

बालक के नामकरण, निष्क्रमण, भूमि उपवेशन के बाद 6,8,10,12वें मास में पुत्र को और 5,7,9 वें मास में कन्या को अन्नप्राशन करावें।

विशेष-उक्त मासों में भद्रा व्यतिपात दोष रहित 1,3,5,7,10,13,15 तिथियों में शुभवार अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त चित्रा स्वाति. अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, तीनों उत्तरा, रेवती नक्षत्रों में 1,3,4,5,7,9 स्थानों मे शुभ ग्रह हो जन्म लग्न या जन्मराशि से अष्टम लग्न या नवांश तथा 12,1,8 लग्न को त्यागकर पाप-शुद्ध दशम भाव इन सभी बातों का ध्यान कर अन्नप्राशन कराना श्रेष्ठ है।

मास - 6,8,10,12वें मास में पुत्र 5,7,9 वें मास मे कन्या

तिथि - 1,3,5,7,10,13,15

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र - अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा तीनों उत्तरा, रेवती

लग्न - 1,3,4,5,6,7,9,10,11

त्याज्य - जन्म लग्न या जन्मराशि से अष्टम लग्न या नवांश तथा 12,1,8 लग्न, पाप-शुद्ध दशम भाव

कर्णवेध मुहूर्त

कर्ण वेध के महत्व के सन्दर्भ मे सुश्रुत ने कहा है कि कर्णवेध करने से अन्त्रवृद्धि, अण्डकोष वृद्धि आदि का निरोध होता है।

शंङ्खोपरि च कर्णान्ते त्यक्त्वा यत्नेन् सेवनीयम्।
व्यत्यासाद्वा शिरां विध्येद् अन्त्रवृद्धि निवृत्तये॥

समवर्ष, चैत्र, पौष, जन्ममास, देवशयन, जन्म नक्षत्र व तिथि, क्षयतिथि व रिक्ता को छोड़कर जन्म से 12वें या 16वें दिन अथवा 6, 7, 8वें मास में या विषम वर्षो में शुभवार, अश्विनि, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, रेवती नक्षत्रों में लग्न से अष्टम शुद्ध समय में वृष, तुला, धनु, मीन लग्न में तथा गुरु की लग्न में स्थिति होने पर कर्ण-वेध श्रेष्ठ होता है।

वर्षादि - विषम वर्ष, 6,7,8 वें मास, जन्म से 12वें या 16वें दिन

तिथि - 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13,15

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र - अश्विनी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, रेवती

लग्न - 2,7,9,12

त्याज्य - समवर्ष, चैत्र, पौष, जन्ममास, देवशयन, जन्म नक्षत्र व जन्म तिथि, क्षयतिथि व रिक्ता।

चूडाकर्म (मुण्डन) मुहूर्त्त

अपने कुल की परम्परा के अनुसार इष्टदेव या तीर्थ स्थान पर मुण्डन संस्कार और कर्ण वेध किया जा सकता है। यह चौलकर्म विषमवर्ष या उत्तरायण में 2,3,5,10,11,13 तिथियों, शुभवारों में अश्विनी, मृगशिरा, पुनवर्सु, पुष्य, हस्त, चित्रा, स्वाति, ज्येष्ठा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती, नक्षत्रों मे करना श्रेष्ठ है। अष्टम भाव शुद्ध होना चाहिये। ज्येष्ठ, चैत्र मास मे न करें। बालक की माता को पांच मास की गर्भ स्थिति होने पर 5 वर्ष से न्यून अवस्था के शिशु का मुण्डन न करें।

सूनोर्मातरि गर्भिण्यां चूडाकर्म न कारयेत्।

पञ्चाब्दात्प्रागथेर्ध्वं तु गर्भिण्यामपि कारयेत्॥

वर्षादि - विषमवर्ष या उत्तरायण

तिथि - 2,3,5,7,10,11,13

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र - अश्विनी, मृगशिरा, पुनवर्सु, पुष्य, हस्त, चित्रा, स्वाति, ज्येष्ठा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती।

त्याज्य - लग्न से अष्टम ग्रह, ज्येष्ठ, चैत्र मास, समवर्ष, दक्षिणायन।

कन्या के नाक बिंधवाने का मुहूर्त्त

शुक्लपक्ष की रिक्ता व अमावस्या रहित तिथि, सोम, बुध, गुरु, शुक्र अशुभ योग रहित प्रथम प्रहर, अश्वि. मृग. पुन. पुष्य, हस्त, चि., अनु., श्रव, ध नि, रेव, तीनों उत्तरा, स्वाती, शत, इन नक्षत्रों में कन्या की नाक बींधना शुभ है।

पक्ष - शुक्लपक्ष

तिथि - 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13,15

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

प्रहर - प्रथम

नक्षत्र - अश्विनी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, रेवती, तीनों उत्तरा, स्वाती, शतभिषा

अक्षरारम्भ मुहूर्त

बालक को विद्यारम्भ से पूर्व अक्षरारम्भ का विचार होता है। सूर्य उत्तरायण हो जन्म से 5,7 वें वर्ष में 2, 3, 5, 6, 10, 11, 12 तिथि, शुभवार, अश्विनी, आर्द्रा, पुनवर्सु, पुष्य, हस्त, स्वाति, अनुराधा, श्रवण, रेवती इन नक्षत्रों में, चर लग्नों को छोड़कर, अन्य लग्नों में गणेश, विष्णु, सरस्वती, लक्ष्मी, तथा अपने देवताओं का पूजन कर अक्षरारम्भ करें।

अयन - उत्तरायण

वर्ष - 5, 7

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

तिथि - 2, 3, 5, 6, 10, 11, 12

लग्न - 1,3,5,6,8,9,11,12

नक्षत्र - अश्विनी, आर्द्रा, पुनवर्सु, पुष्य, हस्त, स्वाति, अनुराधा, श्रवण, रेवती

विद्यारम्भ मुहूर्त

अक्षरारम्भ के उपरान्त विशेष ज्ञान को वढाने वाली किसी भी भाषास्थ विद्या(विशेषत: संस्कृत भाषस्थ विद्या) का प्रारम्भ फाल्गुन मास छोड़कर उत्तरायण 2,3,5,6,10,11,12 तिथियों में, रवि, बुध,गुरु शुक्र वारों में और अश्विनी आश्लेषा, मृगशिरा, आर्द्रा. पुनर्वसु, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, तीनों पूर्वा, रेवती इन नक्षत्रों में श्रेष्ठ हैं। अंग्रेजी, फारसी, उर्दू के विद्यारम्भ के लिये रवि, मंगल, शनिवार, रिक्ता तिथि, ज्येष्ठा. आश्लेषा, मघा, 3पूर्वा, भरणी, कृतिका., विशाखा, आर्द्रा, उत्तराषाढ़ा, शतभिषा, इन नक्षत्रों मे शुभ है।

अयन - उत्तरायण

तिथि - 2,3,5,6,10,11,12 तिथियों में

विद्यारम्भ त्याज्य - फाल्गुन मास रिक्ता, अमावस्या तिथियां

वार - रवि, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र - अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, आश्लेषा, आर्द्रा, पुनर्वसु, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, तीनों पूर्वा, रेवती

उपनयन मुहूर्त

उपनयनसंस्कार बालक के जन्म से या गर्भ से ब्राह्मण का 8 वें, क्षत्रिय का 11 वें, वैश्य का 12 वें वर्ष में करना श्रेयस्कर है। इस काल के व्यतीत हो जाने पर ब्राह्मण 16 वें वर्ष, क्षत्रिय 22 वें वर्ष वैश्य 24 वें वर्ष तक उपनयन संस्कार करा सकते हैं।-

विप्राणां व्रतबन्धनं निगदितं गर्भाज्जनेर्वाष्टमे।

वर्षे वाप्यथ पञ्चमे क्षितिभुजां षष्ठे तथैकादशे।

वैश्यानां पुनरष्टमेऽप्यथ पुनः स्याद् द्वादशे वत्सरे।

कालेऽथ द्विगुणे गते निगदिते गौणं तदाहुर्बुधाः॥

बालक(बटुक) का गुरुबल तथा चन्द्रबल विचार करें। देवशयन से पूर्व तक उत्तरायण सूर्य मे, रवि, चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्रवारों में शुक्लपक्ष की 2,3,5,10,11,12 तथा कृष्णपक्ष की 2,3,5 तिथियों में अश्विनी, राहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, तीनों पूर्वा, तीनों उत्तरा, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती इन नक्षत्रों के क्रूर तथा वेधरहित होने पर, पूर्वाह्न में, अभिजित मुहूर्त में, यज्ञोपवीत संस्कार करावें।

चैत्र व मीन के सूर्य में, वृष या कर्क के पूर्ण चन्द्रमा के लग्न में रहने पर विशेष श्रेष्ठतम होता है। सामवेदियों को मंगलवार भी श्रेष्ठ होता है। तथा भौम

बल विचार भी आवश्यक होता है। उपनयन संस्कार में दक्षिणायन सूर्य, ज्ये. शुक्ल 2, तथा आषाढ़ शुक्ल 10, पौष शुक्ल 11, माघ शुक्ल 12, संक्रांति दिन, रोगबाण, रवि के 8, 12, 26 गतांश, लग्नेश और चन्द्र, शुक्र, गुरु की 6, 8,12 में स्थिति, 1,5,8 वें भावों में पापग्रह अशुभ हैं। अत: इन सब का परित्याग कर उपनयन संस्कार करें।

वर्ष - ब्राह्मण-(8या16),क्षत्रिय-(11या 22), वैश्य-(12या 24)

अयन - देवशयन से पूर्व तक उत्तरायण में।

वार - रवि, चन्द्र, बुध, गुरु एवं शुक्र

तिथि - शुक्लपक्ष की 2,3,5,10,11,12 तथा कृष्णपक्ष की 2,3,5

नक्षत्र - अश्विनी, राहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा,, तीनों पूर्वा, तीनों उत्तरा, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा

गुरु - 5,11,9,2,7 श्रेष्ठ, 10,6,3,1 पूज्य, 4,8,12 निन्दित

अन्य ग्राह्य पूर्वाह्न, अभिजित मुहूर्त(सामवेदियों का भौमबल व मंगलवार भी)

त्याज्य - गुरु शुक्र का बाल वृद्धास्त, दक्षिणायन, संक्रान्ति दिवस रोगबाण तथा लग्नेश ,चन्द्र, शुक्र, गुरु की 6, 8,12 में स्थिति, 1,5,8 वें भावों में पापग्रह अशुभ

विवाह संस्कार मुहूर्त्त

भारतीय मनीषियों नें मानव जीवन को चार आश्रमों में विभाजित किया है- ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और सन्यास इन चारों आश्रमों में गृहस्थाश्रम की मुख्याधारा विवाह है। यह संस्कार ही वस्तुत: धर्मार्थकाममोक्षस्वरूपी चतुर्वर्ग फलप्राप्ति का आधार है। इस संस्कार के उपरान्त ही मनुष्य सन्तानोत्पत्ति के साथ देव-ऋषि एवं पितृ ऋणों से मुक्ति प्राप्त करता है। अत: विवाह संस्कार के समय का निर्णय हमारे ऋषिमुनियों ने बड़ी सूक्ष्मता से किया है। धर्मशास्त्रों में अष्टविध विवाह में विशेषरूप से आज कल गन्धर्व विवाह पद्धति (जिसको प्रेम विवाह कहा जाता है) को अपनाया जा रहा है। "ब्राह्म विवाह" विधि मे मुख्य रूप से वर कन्या की गोत्रादि भिन्नता, मेलापक (नक्षत्र व मंगली आदि का मिलान), जाति का विचार किया जाता है।

स्त्री को मुख्य रूप से धर्म-अर्थ-काम की प्रदात्री मानकर तथा सन्तान सिद्धि का मुख्य साधन समझ कर विवाह के समय का विशेष विचार किया जाता है।

भार्या त्रिवर्गकरणं शुभशील युक्ता।

शीलं शुभं भवति लग्नवशेन तस्या:।

तस्माद्विवाहसमय: परिचिन्त्यते हि।

तन्निघ्नतामुपगता: सुतशीलधर्मा:॥

इस विवाह संस्कार को ब्रह्मचर्य के पश्चात् पुरुष 25 वर्षोपरान्त विषम वर्षों में कन्या 16 वर्षों के अनन्तर समवर्षों में शुभ समय का विचार कर करें। विवाह से पूर्व उसके अंगभूत वरवरण व कन्यवरण का भी विचार कर लें। इन सब में नाम राशि तथा जन्मराशि में से जन्मराशि का ही ग्रहण करें, क्योंकि-

विवाहे सर्वमांगल्ये यात्रायां ग्रहगोचरे ।

जन्मराशे: प्रधानत्वं नामराशिं न चिन्तयेत्॥1॥

कुर्यात् षोडशकर्माणि जन्मराशौ बलान्विते।

सर्वाण्यन्यपि कर्माणि नामराशौ बलान्विते॥2॥

यदि जन्म की राशि अज्ञात हो तो नाम की राशि से मेलापकादि कार्य किये जा सकते है। परन्तु महत्व जन्मराशि का ही है।

जन्मलग्नमिदमङ्गमङ्गिनां मेनिरे मन इतीन्दुमन्दिरम्।

सौहृदं हि मनसोर्न देहयो: मेलकस्तदयमिन्दुगेहयो:।

विवाह वृन्दावनम्

किसी का मत है कि यदि प्रसिद्ध नामराशि से ही मेलापक करना हो तो एक बात का विशेष ध्यान रहे कि वर का प्रसिद्ध नाम, कन्या का जन्म नाम व कन्या का प्रसिद्ध नाम वर का जन्मनाम ऐसा विपरीत ग्रहण न करें। दोनों का जन्म नाम ही लें अथवा दोनों का प्रसिद्ध नाम ही लें। क्योंकि-

जन्मभं जन्मधिष्ण्येन नामधिष्ण्येन नामभम्।

व्यत्ययेन यदा योज्यं दम्पत्योर्निधनप्रदम्॥

वर-कन्या की जन्मपत्रिका में मेलापक विचार - वर-कन्या की कुन्डली में वर्ण, वश्य, तारा, योनि, ग्रहमैत्री, गणमैत्री, भकूट, तथा नाड़ी इन आठ बातों का विशेष रूप से विचार किया जाता है। वर्ण का 1, वश्य के 2, तारा के 3, योनि के 4, ग्रहमैत्री के 5, गणमैत्री के 6, भकूट के 7, तथा नाड़ी के 8 गुण उत्तरोत्तर ग्रहण किये जाते हैं। इस प्रकार इन सभी गुणों का योग 36 होता है। यथा-

वर्णो वश्यं तथा तारा योनिश्च ग्रह मैत्रकम्।

गणमैत्रं भकूटञ्च नाड़ी चेते गुणाधिकाः॥

गुण संख्या ग्रहण करने का विचार - वर कन्या की कुन्डली का विचार करने पर 16 गुणों से कम गुण मिलने पर निन्द्य, 20 से कम मिलने पर मध्यम तथा 20 गुण से अधिक मिलने पर उत्तम कहा गया है।

गुणाः षोडशभिः न्यूना निन्द्या मध्यस्तु विंशतिः।

श्रेष्ठास्त्रिंशद् गुणाः प्रोक्ताः परतस्तूत्तमोत्तमाः॥

दुष्ट भकूट, गणकूट का परिहार - यदि मिलान करने पर दुष्ट भकूट प्राप्त हो और वर कन्या के राशि के स्वामी एक हो अथवा राशि के स्वामियों में परस्पर मित्रता हो तथा नाड़ी नक्षत्र शुद्ध हों तो दुष्टभकूट का दोष नहीं होता तथा षडाष्टक से भिन्न राशियों में परस्पर राशियों के स्वामियों की शत्रुता में भी यदि राशि के नवांश के स्वामी बली और आपस मे मित्र हों और नाड़ी नक्षत्र शुद्ध हों तो दुष्टभकूट के दोषों का नाश करता है। तथा कन्या की तारा व नाड़ी नक्षत्र की परस्पर शुद्धि होने पर पुरुष राशि से स्त्री की राशि वश्य न होने पर भी दुष्ट-भकूट का परिहार हो जाता है।

प्रोक्ते दुष्टभकूटके परिणयस्त्वेकाधिपत्येशुभो-

ऽथोराशीश्वरसौहृदऽपि गदितो नाड्र्क्षशुद्धिर्यदि।

अन्यर्क्षेऽशपयोर्बलित्वसखिते नाड्र्क्षशुद्धौ तथा-

ताराशुद्धिवशेन राशिवशताभावे निरुक्तो बुधैः॥

इसी प्रकार वर-कन्या के राशि के स्वामियों तथा नवांश के स्वामियों की परस्पर मित्रता होने पर गणदोष का नाश करती है, तथा शुभ भकूट ग्रह शत्रुता के दोष को नष्ट कर देता है।

मैत्र्यां राशिस्वामिनोरंशनाथ-द्वन्ददस्याऽपि स्याद् गणानां न दोषः।

खेटारित्वं नाशयेत् सद् भकूटं खेटप्रीतिश्चाऽपिदुष्टं भकूटम्।

नाड़ी दोष तथा गणदोष का परिहार - वर-कन्या की राशि एक हो तथा नक्षत्र भिन्न हो अथवा नक्षत्र एक हो और राशि भिन्न हो तो नाड़ि दोष तथा गण दोष का नाश होता है। एक नक्षत्र होने पर भी चरण के भेद से उक्त दोष नही होता।

राश्यैक्ये चेद् भिन्नमशक्षं द्वयोः स्यान्। नक्षत्रैक्येराशियुग्मं तथैव।

नाड़ी दोषो नो गणानां च दोषो। नक्षत्रैक्ये पादभेदे शुभं स्यात्॥

एकराशौ पृथग् धिष्ण्ये पुंतारा प्रथमा भवेत्।

अतीवशोभना प्रोक्ता स्त्रीतारा चेत्वशोभना॥

वर-वरण मुहूर्त

विवाह संस्कार से पूर्व शुभलग्न, शुभवार, शुभतिथि, शुभ नवांश में कुयोग रहित दिन मे कृ, रो, 3 पूर्वा 3 उत्तरा इन नक्षत्रों में चन्द्र बल देखकर ब्राह्मण वा कन्या का सहोदर (भाई) वस्त्र, यज्ञोपवीत, द्रव्य, मिष्ठान्न, श्रीफल, ऋतुफल आदि सहित वर के गृह पर आकर वर को वरण करे अर्थात् तिलक लगावें।

कन्या-वरण मुहूर्त

वर की माता या स्वयं वर अथवा वर के कुलाचार के अनुसार अन्य कोई-अशुभ योग रहित शुभ दिन में कृत्तिका, 3पूर्वा, स्वाती, अनु., उ.षा., श्र. ध निष्ठा तथा विवाहोक्त नक्षत्रों, (रोहिणी, तीनों उत्तरा, रेवती, मूल, मृगशिरा, मघा, हस्त) में शुभ समय (लग्न) में वस्त्र भूषणादि सहित फलपुष्पादि से कन्या को वरण करें।

त्रिबल शुद्धि विचार

सूर्य, गुरु एवं चन्द्र शोधन का विचार त्रिवल शुद्धि कहलाता है। त्रिबल शुद्धि के अन्तर्गत वर की राशि से सूर्य व चन्द्र का विचार तथा कन्या की राशि से गुरु व चन्द्र का विचार करना चाहिये। मुहूर्तचिन्तामणि के अनुसार कन्या के जन्म से 6 वर्ष की आयु के बाद रजोदर्शन से पूर्व गुरु की शुद्धि तथा वर की राशि से सूर्य की शुद्धि से विषम वर्षों में एवं दोनों की राशि से चन्द्र शुद्धि अनिवार्य है।

स्त्रीणां गुरुबलं श्रेष्ठं पुरुषाणां रवेर्बलम्।

तयोश्चन्द्रबलं श्रेष्ठमिति गर्गेण निश्चितम्॥

फल	सूर्य (वर)	गुरु (कन्या)	चन्द्र (वर-कन्या)
श्रेष्ठ	3, 6, 10, 11	2, 5, 7, 9, 11	1, 2, 3, 5, 6 7, 9 10, 11
पूज्य	1, 2, 5, 7, 9	1, 3, 6, 10	0
नेष्ट	4, 8, 12	4, 8, 12	4, 8, 12

गोचरे वा विलग्ने वा ये ग्रहारिष्टसूचकाः।

पूजयेत्तान प्रयत्नेन पूजिता स्युः शुभप्रदाः॥

ज्येष्ठ विचार

ज्येष्ठ विचार के अन्तर्गत त्रि ज्येष्ठ (ज्येष्ठ वर, ज्येष्ठ कन्या व ज्येष्ठ मास) नेष्ट और द्वि ज्येष्ठ (वर, कन्या व मास में से कोइ भी दो) मध्यम होता है। मुहूर्तचिन्तामणि के अनुसार-

ज्येष्ठद्वन्द्वं मध्यमं सम्प्रदिष्टं त्रिज्येष्ठं चेन्नैव युक्तं कदापि।

केचित्सूर्यं वह्निगं प्रोज्झ्य चाऽऽहुर्नैवान्योऽन्यं ज्येष्ठयोः स्याद्विवाहः॥

वर-कन्या तेलबान-दिन संख्या

जन्म राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
तैल संख्या	7	10	5	10	5	7	7	5	5	5	5	7

विवाह लग्न शोधन

व्यये शनिः खेऽवनिजस्तृतीये भृगुस्तनौ चन्द्रखला न शस्ताः।

लग्नेट् कविग्लौश्च रिपौ मृतौ ग्लौर्लग्नेट् शुभाराश्च मदे च सर्वे॥

विवाह लग्न से 12वें शनि, 10वें भौम, 3रे शुक्र, लग्न में चन्द्र व पापग्रह (सू. भौ. श. रा. के.) शुभ नहीं होते हैं। 6वें स्थान पर लग्नेश, शुक्र और चन्द्र, 8वें स्थान में चन्द्र, भौम, लग्नेश व सभी शुभग्रह तथा सातवें स्थान पर सभी ग्रह त्याज्य हैं।

गोधूलि विचार - गोधूलि समय में यदि 6वें, 8वें व लग्न में चन्द्र हो तो कन्या के लिये अशुभ कारक तथा लग्न, 7वें एवं 8वें भाव में भौम हो तो वर के लिये अनिष्ट कारक होगा। गोधूलि वेला में यदि चन्द्र 2रे, 3रे और 11वें भाव में हो तो उपरोक्त दोनों दोषों का शमन कर शुभफल प्रदान करता है।

अस्तं याते गुरुदिवसे सौरे सार्के लग्नान्मृत्यौ रिपुभवने लग्ने चेन्दौ।

कन्यानाशस्तनुमदमृत्युस्थे भौमे वोढुर्लाभे धनसहजे चन्द्रे सौख्यम्।।

भाव	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
त्याज्य	पाप चन्द्र	0	शु.	रा.	0	चं. शु. लग्नेश	सभी	चं.,भौ. शुभग्रह लग्नेश	0	भौ.	0	श.
गोधू. त्याज्य	भौम चन्द्र	-	-	-	-	चन्द्र	भौम	चन्द्र भौम	-	-	-	-

वधू-प्रवेश मुहूर्त

विवाह संस्कार हो जाने के बाद प्रथम बार वधू का पतिगृह में प्रवेश वधू-प्रवेश कहलाता है। विवाह से 16 दिन के अन्दर बिना तिथ्यादि का विचार किये भी स्थिर लग्न मे वधू प्रवेश शुभ है। एक मास तक विषम दिनों में, एक वर्ष के भीतर विषम मास में और एक वर्ष के उपरान्त स्थिर लग्न में तीसरे पाञ्चवें वर्ष में भी शुभ हैं। इसके उपरान्त शुभ मुहूर्त (तिथ्यादि का) विचार कभी भी हो सकता है। वधू प्रवेश में रेवती, अश्विनी, राहिणी, मृगशिरा, श्रवण, धनिष्ठा, हस्त, चित्रा, स्वाति, भरणी, मघा, तीनों उत्तरा, पुष्य, अनुराधा इन नक्षत्रों में शुभ वारों में 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13,15 तिथियों में स्थिर लग्नों में चतुर्थाष्टम भाव शुद्ध होने पर शुभ होता है। व्यतिपात, क्षयतिथि, ग्रहण, वैधृति, अमावस्या, संक्रान्ति, रिक्ता तिथियों में वधू प्रवेश वर्जित है।

दिन - विवाह से 16 दिन के अन्दर अथवा 7,5,9 वें दिनों में।

मास एवं वर्ष - विषम मास, विषम वर्ष।

तिथि - 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13,15

नक्षत्र - रेवती, अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, श्रवण, धनिष्ठा, हस्त, चित्रा, स्वाति, भरणी, मघा, तीनों उत्तरा, पुष्य, अनुराधा।

वार - चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र।

लग्न - स्थिर लग्नों में चतुर्थ एवं अष्टम भाव शुद्ध हो।

त्याज्य - व्यतिपात, क्षयतिथि, ग्रहण, वैधृति, अमावस्या, संक्रान्ति व रिक्ता तिथि।

वधूप्रवेशो न दिवा प्रशस्तः राजप्रवेशो न निशि प्रशस्तः।

दिवा च रात्रौ च गृहप्रवेशः सत्कीर्तिदः स्यात्त्रिविधः प्रवेशः।।

द्विरागमन-मुहूर्त

वधुप्रवेशोपरान्त द्वितीय बार पिता के घर से पतिगृह में प्रवेश द्विरागमन कहलाता है। यह 1,2,5 इन विषम वर्षों में 1,8,11 राशि के सूर्य में सूर्य गुरु की शुद्धि देखकर शुभ वार 1,2,3,6,7,12 लग्नों में हस्त, अश्विनी, रेवती, तीनों उत्तरा, रोहिणी, मृगशिरा, स्वाती, पुनर्वसु, पुष्य, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, मूल, चित्रा, अनुराधा नक्षत्रों में शुभ माना गया है।

वर्ष - विषम (5 वर्ष तक)

मास - 1 8 11 राशि के सूर्य में सूर्य गुरु की शुद्धि

तिथि - 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,15

वार - सोम, बुध, गुरु एवं शुक्र

लग्न - 1,2,3,6,7,12

नक्षत्र - हस्त, अश्विनी, रेवती, तीनों उत्तरा रोहिणी, मृगशिरा, स्वाती, पुनर्वसु, पुष्य, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, मूल, चित्रा, अनुराधा

त्याज्य - सम्मुख तथा दक्षिण शुक्र। (रेवती से मृगशिरा तक चन्द्र के रहने पर शुक्र शुभ हो जाता है। (सामान्य अवस्था में त्याज्य)

यात्रा मुहूर्त्त

शुभतिथि	शुक्लपक्ष 2, 3, 5, 7, 10, 11, 13, 15
	कृष्णपक्ष 1, 2, 3, 5, 7, 10, 11, 13
शुभवार	सोम, बुध, गुरु, शुक्र श्रेष्ठ
शुभनक्षत्र	अश्वि., मृग., पुन., पुष्य, हस्त, अनु., श्रव., धनि., रेव.

यात्रा काल में सूर्य विचार

सूर्य स्थिति	यात्रा फल
मेष, सिंह, धनु	प्रशस्त
वृष, मिथुन, तुला, मकर कुम्भ मीन	मध्यम
कर्क, वृश्चिक, मीन	अधम

यात्रा काल में चन्द्रविचार

दिशा	चन्द्र की राशि में स्थिति
पूर्व	मेष, सिंह, धनु
दक्षिण	वृष, कन्या, मकर
पश्चिम	मिथुन, तुला, कुम्भ
उत्तर	कर्क, वृश्चिक, मीन

चन्द्र स्थिति वश फल

चन्द्र स्थिति	यात्रा फल
सन्मुख	अर्थलाभ
दक्षिण भाग	सुख-सम्पत्ति
पृष्ठ भाग	प्राण हानि
वाम भाग	धन नाश

यात्रा मे दिशाशूल विचार

दिशा	त्याज्य वार
पूर्व	शनि, चन्द्र
दक्षिण	गुरु
पश्चिम	शुक्र, रवि
उत्तर	बुध, मंगल

दिशाशूल परिहार वाक्य

न वारदोषाः प्रभवन्ति रात्रौ देवेज्यदैत्येज्यदिवकराणाम्।
दिवा शशांकार्कजभूसुतानां सर्वत्र निन्द्यो बुधवारदोषः॥
सूर्यवारे घृतं प्राश्य चन्द्रवारे पयस्तथा
गुड़मंगारकेवारे बुधवारे तिलान्यपि।

गुरुवारे दधि प्राश्यं शुक्रवारे यवानपि

माषान्भुक्त्वा शनेर्वारे गच्छञ्छूले न दोषभाक्॥

गृह-निर्माण मुहूर्त

भूमि परीक्षण - इष्ट भूमि पर जहां मकान का निर्माण होना है एक हाथ गहरा एक हाथ लम्बा एक हाथ चौडा गढ्ढा बनावें। उसको पानी से पूर्ण कर दें। प्रातः वेला में उसे देखें। यदि जल युक्त पूर्ण हो तो शुभ निर्जल मध्यम तथा निर्जल छिन्न भिन्न हो तो अशुभ भूमि।

शुभ मास -वैशाख,श्रावण, मर्गशीर्ष, माघ फाल्गुन, एवं मेष, वृष कर्क, सिंह, तुला, वृश्चिक, मकर, कुम्भ सूर्य रहते गृहाराम्भ शुभ तथा भाद्रपद-कार्तिक मास भी समान्यतया मान्य है।

शुभतिथि - 2, 3, 5, 6, 7, 10, 11, 12, 13, 15 तथा कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा।

शुभवार - चन्द्र,वुध,गुरु,श्चुक्र,श्चानि।

शुभनक्षत्र - राहि., मृग., चित्रा, हस्त, स्वा., अनु., उत्तरा 3, धनि, श्चात, रेवती तथा पुष्य।

शुभ लग्न -मेष मिथुन सिंह कन्या वृश्चिक कुम्भ मीन तथा लग्न बल हेतु केन्द्र त्रिकोण स्थानों में शुभ ग्रह तथा 3 6 11 में पाप ग्रह एवं अज़्टम स्थान शुद्ध होने पर नवीन भवन निर्माण शुभद रहता है।

भूशयन गणना क्रम -सूर्य जिस नक्षत्र में रहें उससे 5, 7, 9, 12, 19, 26 इन दिन नक्षत्रों में पृथ्वी शयन शील रहती है। इन नक्षत्रों में भी क्रमशः 4, 8, 5, 3, 6, 7 घटी कालांश मात्र में भूशयन शेष घटियों में सुप्त नही इनमें कूप, तडाग, बीज वपन, हल चलाना, खननेज़्ट है।

भूशयने मतान्तरम् - इष्ट सूर्य संक्रान्ति से 5, 7, 11, 9, 15, 20, 22 23, 28 इन दिनों में धरती शयन दोष कतिपय विद्वान 5, 7, 9, 15, 21, 24 दिन मात्र में ही भूशयन मानते है।

गृहारम्भे वृषभ वत्स गणना - सूर्य नक्षत्र से इष्ट दिन नक्षत्र गणना 7 तक अशुभ, तदग्रे 11 तक शुभ तदग्रे 10 गणना तक अशुभ, अभिजित सहित गणना करना चाहिएं।

भूमि क्रय विक्रय मुहूर्त्त - दानो पक्ष की 5, 6, 10, 11, 15 तथा कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा। गुरु तथा शुक्रवार एवं मृग., पुन., आश्ले., मघा, विशा., अनु., 3पूर्वा, मूल, रेव. आदि नक्षत्रो में भूमि खरीदना व बेचना शुभ फल देता है।

अग्निवास विशेषता - नित्य नैमित्तिक कार्य, जन्म समय, दूर्गा पूजा, यात्रा, विवाह, ग्रहणरोग, पीड़ा तथा दुर्भिक्ष श्चान्ति यज्ञ विवाह याज्ञोपवीत आदि में अग्निवास का विचार नहीं करें।

विवाहयात्राव्रतगोचरेषु चूड़ोपनीतिग्रहणे यंक्तगादौः।

दुर्गा विधाने च सुतप्रसूतौ नैवाग्निचक्रं परिचिंतनीयम्॥

नवीन गृह प्रवेश मुहूर्त्त

मास - वैशाख, ज्येष्ठ, माघ, फाल्गुन आदि चान्द्र मास विशेष शुभ तथा कार्तिक मार्गशीर्ष मास सामान्यतया मान्य हैं

तिथि - चतुर्थी, नवमी, चतुर्दशी रहित सभी तिथि मान्य

शुभ लग्न -वृष, सिंह, वृश्चिक, कुम्भ लग्नों में सामान्यतः 3 6 9 12 लग्नों में भी मान्यता। लग्न से 1, 2, 3, 4, 5, 7, 9, 10 इन स्थानों शुभ ग्रह तथा 3, 6, 11 भावों में पाप ग्रह रहे तथा चन्द्रमा 1, 4, 6, 8, 12 स्थानों में नहीं होवें तथा चतुर्थ अष्टम भाव शुद्ध हो। जन्म राशि से अष्टम राशि का लग्न न हो तथा कलश

चक्र की शुद्धि देखकर सन्मुख में गाय, कन्या , जलपूर्ण कलश पुज़्पमाला, श्रीफल सहित वेदध्वनि मार्गलिक गायन वाद्य के साथ नवगृह प्रवेश शुभ है।

शुभ वार -चन्द्र बुध, गुरु, शुक्र, शनि

शुभ नक्षत्र -रोहि., मृग., चि., अनु., उत्तरा 3 तथा रेवती विशेष शुभ एवं जीर्ण गृह में पुष्य स्वाति धनिष्ठा शतभिषा भी मान्य है।

कलशचक्र गणना - अभिजित नक्षत्र रहित करे सूर्य नक्षत्र से इष्ट दिन नक्षत्र गणना 5 तक अशुभ, अग्रिम 8 तक शुभ, तदग्रे 8 तक अशुभ एवं आगे 6 तक शुभ शुद्धि गणना समझे।

खात विचार

देवालय निर्माण में सूर्य राशि के अनुसार राहु मुख विचार				
सूर्य राशि	मेष, वृष,मिथुन	कर्क,सिंह,कन्या	तुला,वृश्चिक,धनु	मकर,कुम्भ,मीन
राहु मुख	ईशान कोण	वायव्य कोण	नैऋत्य कोण	आग्नेय कोण
खात दिशा	आग्नेय कोण	ईशान कोण	वायव्य कोण	नैऋत्य कोण

गृह निर्माण में सूर्य राशि के अनुसार राहु मुख विचार				
सूर्य राशि	सिंह,कन्या,तुला	वृश्चिक,धनु,मकर	कुम्भ,मीन,मेष	वृष,मिथुन,कर्क
राहु मुख	ईशान कोण	वायव्य कोण	नैऋत्य कोण	आग्नेय कोण
खात दिशा	अग्नेय कोण	ईशान कोण	वायव्य कोण	नैऋत्य कोण

जलाशय निर्माण में सूर्य राशि के अनुसार राहु मुख विचार				
सूर्य राशि	मकर,कुम्भ,मीन	मेष, वृष,मिथुन	कर्क,सिंह,कन्या	तुला,वृश्चि.,धनु
राहु मुख	ईशान कोण	वायव्य कोण	नैऋत्य कोण	आग्नेय कोण
खात दिशा	अग्नेय कोण	ईशान कोण	वायव्य कोण	नैऋत्य कोण

काकिणी विचार

स्ववर्गं द्विगुणं कृत्वा परवर्गेण योजयेत् अष्टभिः हरेद् भागं योऽधिकः स ऋणी भवेत्॥

गांव के नाम वर्ग संख्या एवं गृहस्वामी के नाम वर्ग को संख्या अलग-अलग दुगुना करके परस्पर एक दूसरे की वर्ग संख्या में जोड़कर आठ से भाग देनेपर शेष में जो भी अधिक हो उसे हानि होगी। तात्पर्य यह है कि गृहस्वामी की संख्या यदि स्थान के नाम की संख्या से अधिक है तो वहां निवास करने से उस व्यक्ति विशेष को हानि होगी। निम्नलिखित आधार पर वर्गों की संख्या एवं वर्णों को तथा सारणी द्वारा निवास के लिए शुभाशुभ फल को जानना चाहिए -

अवर्ग = 1 - सभी स्वर　　कवर्ग = 2 - क,ख,ग,घ,ङ　　चवर्ग = 3 - च,छ,ज,झ,ञ

टवर्ग = 4 - ट,ठ,ड,ढ,ण　　तवर्ग = 5 - त,थ,द,ध,न　　पवर्ग = 6 - प,फ,ब,भ,म

यवर्ग = 7 - य,र,ल,व　　शवर्ग = 8 - श,ष,स,ह

स्थान	अवर्ग	अवर्ग	अवर्ग	अवर्ग	अवर्ग	अवर्ग	अवर्ग	अवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	शुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ

स्थान	कवर्ग	कवर्ग	कवर्ग	कवर्ग	कवर्ग	कवर्ग	कवर्ग	कवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	शुभ	शुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ

स्थान	चवर्ग	चवर्ग	चवर्ग	चवर्ग	चवर्ग	चवर्ग	चवर्ग	चवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	शुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ

स्थान	टवर्ग	टवर्ग	टवर्ग	टवर्ग	टवर्ग	टवर्ग	टवर्ग	टवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ

स्थान	तवर्ग	तवर्ग	तवर्ग	तवर्ग	तवर्ग	तवर्ग	तवर्ग	तवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	अशुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ

स्थान	पवर्ग	पवर्ग	पवर्ग	पवर्ग	पवर्ग	पवर्ग	पवर्ग	पवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	अशुभ	शुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	अशुभ	अशुभ

स्थान	यवर्ग	यवर्ग	यवर्ग	यवर्ग	यवर्ग	यवर्ग	यवर्ग	यवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ	शुभ	अशुभ

स्थान	शवर्ग	शवर्ग	शवर्ग	शवर्ग	शवर्ग	शवर्ग	शवर्ग	शवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	अशुभ	अशुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ

तिथि एवं वार के योग से बनने वाले विभिन्न शुभाशुभ योग

योग \ वार	रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
सिद्धि योग	-	-	3, 8, 13	2, 7, 12	5, 10, 15	1, 6, 11	4, 9, 14
मृत्यु योग	1, 6, 11	2, 7, 12	1, 6, 11	3, 8, 13	4, 9, 14	2, 7, 12	5, 10, 15
विष योग	4	6	7	2	8	9	7
हुताशन योग	12	6	7	8	9	10	11
क्रकच योग	12	11	10	9	8	7	6

नक्षत्र एवं वार के योग से बनने वाले विभिन्न शुभाशुभ योग

योग \ वार	रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
दग्ध योग	भरणी	चित्रा	उत्तराषाढ़ा	धनिष्ठा	उत्तराफाल्गुनी	ज्येष्ठा	रेवती
यमघंट योग	मघा	विशाखा	आर्द्रा	मूल	कृत्तिका	रोहिणी	हस्त
सर्वार्थसिद्धि योग	अश्वि. पुष्य हस्त मूल उत्तरा-3	श्रवण रोहिणी मृग. पुष्य अनुराधा	अश्वि. उ.भा. कृत्ति. आश्ले.	रोहिणी अनु. हस्त कृत्ति. मृग.	रेवती अनु. अश्वि. पुन. पुष्य	रेवती अनु. अश्वि. पुन. श्रवण	श्रवण रोहिणी स्वाती

नन्दा च भद्रा च जया च रिक्ता ....सितज्ञभौमार्किगुरौ च सिद्धाः । मु. चि., 1.4
नन्दा भद्रा नन्दिकाख्या .... रवेर्दग्धभं स्यात् । मु. चि., 1.5

षष्ठयादितिथियो ....रदधावने । मु. चि., 1.6
सूर्येश..................त्वश्यम् । मु. चि., 1.8,9
सूर्येऽर्कमूलोत्तरपुष्यदास्रं .... सर्वाथसिद्ध्यै कथितानि पूर्वैः । मु. चि., 1.28 29

गण्डमूल नक्षत्र-घटी बोधक चक्र

अश्विनी, मघा, मूल की आरम्भिक 3, 4, 9 घटी एवं रेवती, आश्लेषा, ज्येष्ठा की अंतिम 12, 11, 6 घटी गण्डमूल संज्ञक होती हैं।

नक्षत्र	अश्विनी	मघा	मूल	रेवती	आश्लेषा	ज्येष्ठा
घटी	3	4	9	12	11	6
स्थिति	आरम्भिक	आरम्भिक	आरम्भिक	अंतिम	अंतिम	अंतिम

षोडश कक्ष व्यवस्था

ईशान — पूर्व — आग्नेय

उत्तर / दक्षिण

मन्दिर	भण्डार कक्ष	स्नानगृह	दधिमन्थनकक्ष	रसोईघर
औषधि कक्ष				घी/तेल कक्ष
कोषागार				शयन कक्ष
रतिकक्ष				शौचालय
धान्य/पशुशाला	रोदन कक्ष	भोजनगृह	अध्ययनकक्ष	शस्त्र भण्डार

वायव्य — पश्चिम — नैऋत्य

विंशोत्तरी महादशा एवं अन्तर्दशा बोधक चक्र

सूर्य 6 वर्ष कृ.,उ.फा.,उ.षा.				चन्द्र 10 वर्ष रोहि.,हस्त,श्रव.				मंगल 7 वर्ष मृग.,चित्रा,धनि.			
ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.
सू.	00	03	18	चं.	00	10	00	मं.	00	04	27
चं.	00	06	00	मं.	00	07	00	रा.	01	00	18
मं.	00	04	06	रा.	01	06	00	बृ.	00	11	06
रा.	00	10	24	बृ.	01	04	00	श.	01	01	09
बृ.	00	09	18	श.	01	07	00	बु.	00	11	27
श.	00	11	12	बु.	01	05	00	के.	00	04	27
बु.	00	10	06	के.	00	07	00	शु.	01	02	00
के.	00	04	06	शु.	01	08	00	सू.	00	04	06
शु.	01	00	00	सू.	00	06	00	चं.	00	07	00

राहु 18 वर्ष आ.,स्वा.,शत.				गुरु 16 वर्ष पुन.,विशा.,पू.भा.				शनि 19 वर्ष पुष्य,अनु.,उ.भा.			
ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.
रा.	02	08	12	बृ.	02	01	18	श.	03	00	03
बृ.	02	04	24	श.	02	06	12	बु.	02	08	09
श.	02	10	06	बु.	02	03	06	के.	01	01	09
बु.	02	06	18	के.	00	11	06	शु.	03	02	00
के.	01	00	18	शु.	02	08	00	सू.	00	11	12
शु.	03	00	00	सू.	00	09	18	चं.	01	07	00
सू.	00	10	24	चं.	01	04	00	मं.	01	01	09
चं.	01	06	00	मं.	00	11	06	रा.	02	10	06
मं.	01	00	18	रा.	02	04	24	बृ.	02	06	12

बुध 17 वर्ष आश्ले.,ज्ये.,रेव.				केतु 7 वर्ष मघा,मूल,अश्वि.				शुक्र 20 वर्ष पू.फा.,पू.षा.,भर.			
ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.
बु.	02	04	27	के.	00	04	27	शु.	03	04	00
के.	00	11	27	शु.	01	02	00	सू.	01	00	00
शु.	02	10	00	सू.	00	04	06	चं.	01	08	00
सू.	00	10	06	चं.	00	07	00	मं.	01	02	00
चं.	01	05	00	मं.	00	04	27	रा.	03	00	00
मं.	00	11	27	रा.	01	00	18	बृ.	02	08	00
रा.	02	06	18	बृ.	00	11	06	श.	03	02	00
बृ.	02	03	06	श.	01	01	09	बु.	02	10	00
श.	02	08	09	बु.	00	11	27	के.	01	02	00

योगिनी दशा एवं अन्तर्दशा बोधक चक्र

मंगला 1 वर्ष श्रव.,आर्द्रा चित्रा			पिंगला 2 वर्ष धनि.,पुन. स्वाती			धान्या 3 वर्ष शत.,पुष्य विशा.			भ्रामरी 4 वर्ष अश्वि.,आश्ले. अनु.,पू.भा.		
यो.	मा.	दि.	यो.	मा.	दि.	यो.	मा.	दि.	यो.	मा.	दि.
मं.	00	10	पिं.	01	10	धा.	03	00	भ्रा.	05	10
पिं.	00	20	धा.	02	00	भ्रा.	04	00	भ.	06	20
धा.	01	00	भ्रा.	02	20	भ.	05	00	उ.	08	00
भ्रा.	01	10	भ.	03	10	उ.	06	00	सि.	09	10
भ.	01	20	उ.	04	00	सि.	07	00	सं.	10	20
उ.	02	00	सि.	04	20	सं.	08	00	मं.	01	10
सि.	02	10	सं.	05	10	मं.	01	00	पिं.	02	20
सं.	02	20	मं.	00	20	पिं.	02	00	धा.	04	00

भद्रिका 5 वर्ष भर.,मघा ज्ये.,उ.भा.			उल्का 6 वर्ष कृत्ति.,पू.फा. मूल,रेवती			सिद्धा 7 वर्ष रो.,उ.फा. पू.षा.			संकटा 8 वर्ष मृग.,हस्त उ.षा.		
यो.	मा.	दि.	यो.	मा.	दि.	यो.	मा.	दि.	यो.	मा.	दि.
भ.	08	10	उ.	12	00	सि.	16	10	सं.	21	10
उ.	10	00	सि.	14	00	सं.	18	20	मं.	02	20
सि.	11	20	सं.	16	00	मं.	02	10	पिं.	05	10
सं.	13	10	मं.	02	00	पिं.	04	20	धा.	08	00
मं.	01	20	पिं.	04	00	धा.	07	00	भ्रा.	10	20
पिं.	03	10	धा.	06	00	भ्रा.	09	10	भ.	13	10
धा.	05	00	भ्रा.	08	00	भ.	11	20	उ.	16	00
भ्रा.	06	20	भ.	10	00	उ.	14	00	सि.	18	20

नैसर्गिकमैत्री एवं उच्च नीच चक्र

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
मित्र	चं.,मं.,गु.	सू.,बु.	सू.,चं.,गु.	सू.,शु.	सू.,चं.,मं.	बु.,श.	बु.,शु.
सम	बु.	मं.,गु.,शु.,श.	शु.,श.	मं.,गु.,श.	श.	मं.,गु.	गु.
शत्रु	शु.,श.		बु.	चं.	बु.,शु.	सू.,चं.	सू.,चं.,मं.
उच्च	मे.10	वृष.03	म.28	कं.15	क.05	मी.27	तु.20
नीच	तु.10	वृ.03	क.28	मी.15	म.05	कं.27	मे.20

पुरुष कुण्डली में द्वादश भावों में स्थित ग्रह फल

ग्रह / भाव	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	पंचम	षष्ठ	सप्तम	अष्टम	नवम	दशम	एकादश	द्वादश
सूर्य	अंगपीड़ा	धनहानि	आरोग्य	दु:ख	सन्तानहानि	शत्रुक्षय	दुष्टपत्नी	अल्पायु	दुष्टबुद्धि	पराक्रमी	धनवान	दुष्टस्वभाव
चन्द्र	कान्तियुक्त	सम्पत्तियुक्त	कीर्तिवान्	सुखी	धन,पुत्रयुक्त	अल्पायु	सुशीलापत्नी	योगी	धर्मात्मा	तेजवान	धनवान	कामी
मंगल	रक्तविकार	ऋणी	पराक्रमी	दु:ख	पुत्रहीन	शत्रुक्षय	स्त्रीक्षय	शरीरकष्ट	पापबुद्धि	तेजवान	धनवान	दुष्टपत्नी
बुध	सुखी	धन,गुणयुक्त	शत्रुक्षय	सुखी	अल्पपुत्र	रोगयुक्त	धर्मज्ञ	गुणवान	सुखी	कीर्तिमान	धनवान	दरिद्र
बृहस्पति	विद्वान	धनागम	पापरत	सुखी	प्रतापवान	कामी	सुशीलापत्नी	नीचस्वभाव	धर्मरत	सम्पत्तियुक्त	लाभ	दुष्ट
शुक्र	सुखी	धनयुक्त	पापरत	सुखी	बुद्धिमान	रोगयुक्त	कामी	नीचस्वभाव	तपस्वी	सम्पत्तियुक्त	सुमति	रोगी
शनि	दु:खी	धनहानी	पराक्रमी	दु:खी	पुत्रहीन	शत्रुक्षय	दुष्टपत्नी	नेत्रविकार	दुष्टबुद्धि	पराक्रमी	धनवान	दु:खी
राहु	रोगी	निर्धन	पराक्रमी	मातृकष्ट	दुर्बुद्धि	बलयुक्त	पत्नीकष्ट	रोगी	दीन	मानसम्मान	सुविख्यात	पतित
केतु	कामी	दुष्ट	पराक्रमी	दु:खी	मन्दबुद्धि	बलवान	पत्नीहानी	क्लेश	पापी	पिताकीहानी	धनवान	दुर्जन

स्त्री कुण्डली में द्वादश भावों में स्थित ग्रह फल

ग्रह / भाव	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	पंचम	षष्ठ	सप्तम	अष्टम	नवम	दशम	एकादश	द्वादश
सूर्य	क्रोधी	दरिद्रा	सुपुत्रयुक्ता	पीड़ा	विपुत्रा	सुखिनी	दु:खकष्ट	वैधव्य	धर्मज्ञा	सुकर्मयुक्ता	लाभयुक्ता	रोगिणी
चन्द्र	अल्पायु	बहुधनयुक्ता	सुखिनी	सुभगा	सुपुत्रयुक्ता	रोगिणी	पतिप्रिया	रोगिणी	सुखिनी	धर्मज्ञा	गुणवती	हीनांगी
मंगल	वैधव्य	वन्ध्या	विसहजा	दु:खकष्ट	विपुत्रा	आरोग्या	वैधव्य	नेत्ररोग	दु:खी	कुपुत्रा	लाभयुक्ता	दुष्टा
बुध	सुभगा	धनयुक्ता	पुत्रवती	सुगृहा	बुद्धितेजयुक्ता	क्रोधी	पतिव्रता	कृतघ्ना	सुभोगा	सत्कर्मा	पतिव्रता	कृशांगी
बृहस्पति	सती	धनयुक्ता	सुसहजा	सुखी	गुणवती	विपत्ति	कीर्तियुक्ता	रोगिणी	पुत्रवती	साधवी	सुपुत्रा	सुव्यया
शुक्र	सुखी	सुभगा	धनवती	सुखी	पुत्रवती	दरिद्रा	पतिप्रिया	विसुखा	धर्मरता	धनवती	सुपुत्रा	सुव्यया
शनि	वन्ध्या	दु:खी	सुदक्षा	हृदयरोगी	विपुत्रा	गुणवती	वैधव्य	दु:खी	वन्ध्या	पापी	लाभयुक्ता	मुर्खा
राहु	अपुत्रा	दरिद्रा	धनयुक्ता	रोगकष्ट	विपुत्रा	धनयुक्ता	दु:खिता	वैधव्य	वन्ध्या	दुष्कर्मा	आरोग्या	दुष्टा
केतु	दु:खी	दु:खकष्ट	रोगयुक्ता	मातृहानि	अपुत्रा	धनयुक्ता	वैधव्य	दु:खी	शोकयुक्ता	पापरता	सुभगा	रोगयुक्ता

द्वादश भावों में स्थित गोचर ग्रह फल

भाव / ग्रह	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	पंचम	षष्ठ	सप्तम	अष्टम	नवम	दशम	एकादश	द्वादश
सूर्य	स्थानहानि	भय	धनलाभ	मानहानि	दीनता	विजय	यात्रा	कष्ट	पुण्यक्षय	सिद्धि	धनलाभ	धननाश
चन्द्र	अन्नलाभ	धननाश	सुख	रोग	कार्यहानि	धनलाभ	स्त्रीसुख	रोग	धर्मलाभ	सुख	धनलाभ	धननाश
मंगल	शत्रुभय	धननाश	धनलाभ	शत्रुभय	धननाश	धनलाभ	धननाश	शत्रुभय	शत्रुभय	शोक	धनलाभ	धननाश
बुध	बन्धन	धनलाभ	शत्रुभय	पशुलाभ	सुख	स्थानलाभ	कष्ट	धनलाभ	कष्ट	सुख	धनलाभ	धननाश
बृहस्पति	भय	धननाश	क्लेश	धननाश	सुख	शोक	राजसम्मान	पीड़ा	सुख	दीनता	धनलाभ	कष्ट
शुक्र	शत्रुक्षय	धनलाभ	सुख	धनलाभ	पुत्रलाभ	शत्रुभय	शोक	धनलाभ	वस्त्रलाभ	दु:ख	धनलाभ	धननाश
शनि	भय	धननाश	ऐश्वर्य	शत्रुभय	पुत्रनाश	धनलाभ	दोष	पीड़ा	धर्मनाश	मनमुटाव	धनलाभ	धननाश
राहु	हानि	धननाश	धनलाभ	शत्रुता	शोक	धनप्राप्ति	क्लेश	मृत्यु	दु:ख	शत्रुता	सुख	शोक
केतु	रोग	शत्रुता	सुख	भय	सुख	धनलाभ	क्लेश	रोग	पाप	शोक	कीर्ति	शत्रुभय

वर्ष कुण्डली में द्वादश भावों में स्थित ग्रह फल

भाव / ग्रह	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	पंचम	षष्ठ	सप्तम	अष्टम	नवम	दशम	एकादश	द्वादश
सूर्य	त्रिदोषपीड़ा	परिवारविरोध	भ्रातृकष्ट	कृषिपशुहानि	पित्तप्रकोप	शत्रुक्षय	पत्नीकष्ट	भ्रातृकष्ट	भ्रातृकष्ट	धन सम्मान	धनीविलासी	उद्विग्नता
चन्द्र	कफपीड़ा	कुटुम्ब प्रभाव	धनीभ्रातृसुख	व्यापारलाभ	प्रबुद्धमित्र	वादविवाद	खांसीवातरोग	मूत्ररोग	भाग्योदय	शत्रुक्षयधनी	व्यापारलाभ	नेत्ररोग
मंगल	नेत्ररोग	धनहानि	वाहनसुख	व्रण,अग्निभय	पुत्रकष्ट	शत्रुक्षय	स्त्रीरोग	शत्रुपीड़ा	भाग्ययशवृद्धि	धनलाभ	राज्यधनलाभ	व्यय,व्याधि
बुध	पत्नीसुख	वाहनसुख	धनयशपुत्रसुख	भूमिलाभ	धनपुत्रलाभ	पत्नीकष्ट	विलासी	ज्वर,कफ	पुत्र,धनलाभ	पुत्र,धनलाभ	धन,यशलाभ	शत्रुभय
बृहस्पति	यशस्वी	धनलाभ	कीर्तिलाभ	वाहनसुख	सन्तानसुख	पत्नी,शत्रुकष्ट	दाम्पत्यसुख	ज्वरपीड़ा	धनलाभ	राज्यलाभ	विजय	रोग,शत्रुभय
शुक्र	यशस्वी	धन,मानलाभ	भ्रातृसुख	वाहनकृषिसुख	सन्तानलाभ	उदरपीड़ा	पत्नीसुख	शरीरपीड़ा	धर्म,शील	व्यापारी,धनी	सन्तानलाभ	नेत्र,चर्मरोग
शनि	वातरोग	भ्रातृहानि	पराक्रमी	अग्निभय	पुत्रहानि	कीर्तिलाभ	पत्नीकष्ट	ज्वरपीड़ा	भाग्योदय	कृषिहानि	कीर्तिलाभ	विशेषव्यय
राहु	पत्नीकष्ट	बन्धुविवाद	धन,यशलाभ	वाहनकष्ट	बुद्धिनाश	शत्रुक्षय	गुप्तरोग	मृत्युतुल्यकष्ट	धर्मवृद्धि	यशवृद्धि	शत्रुक्षय	स्थानच्युत
केतु	चिंता,व्रण	परिवारकलह	यशलाभ	वाहनकष्ट	दुर्बुद्धि	रोगनाश	विवाद	अरिष्टप्राप्ति	भाग्यहानि	धनलाभ	विविधलाभ	दुष्टसंगति

शतपदचक्र

नक्षत्र	अश्वि ।।।।	भर. ।।।।	कृत्ति. ।।।।	रोहि. ।।।।	मृग. ।।।।	आर्द्रा ।।।।	पुन. ।।।।	पुष्य ।।।।	आश्ले ।।।।	मघा ।।।।	पू.फा. ।।।।	उ.फा. ।।।।	हस्त ।।।।	चित्रा ।।।।	स्वाती ।।।।	विशा. ।।।।	अनु. ।।।।	ज्येष्ठा ।।।।	मूल ।।।।	पूषा. ।।।।	उषा. ।।।।	श्रवण ।।।।	धनि. ।।।।	शत. ।।।।	पू.भा. ।।।।	उ.भा ।।।।	रेवती ।।।।
अक्षर	चू,चे चो,ला	ली,लू ले,लो	अ,इ उ,ए	ओ,वा वी,वू	वे,वो का,की	कू,घ ङ,छ	के,को ह,ही	हू,हे हो,डा	डी,डू डे,डो	मा,मी मू,मे	मो,टा टी,टू	टे,टो पा,पी	पू,ष ण,ठ	पे,पो रा,री	रू,रे रो,ता	ती,तू ते,तो	ना,नी नू,ने	नो,या यी,यू	ये,यो भा,भी	भू,ध फ,ढ़	भे,भो जा,जी	खी,खू खे,खो	गा,गी गू,गे	गो,सा सी,सू	से,सो दा,दी	दू,थ झ,ञ	दे,दो च,ची
राशि	मेष	मेष	मेष। वृष।।।	वृष	वृष।। मि.।।	मि.	मि.।।। कर्क।	कर्क	कर्क	सिंह	सिंह	सिंह। क.।।।	कन्या	क.।। तुला।।	तुला	तु.।।। वृ.।	वृश्चि.	वृश्चि.	धनु	धनु	धनु। म.।।।	मकर	म.।। कुं.।।	कुम्भ	कुं.।।। मीन।	मीन	मीन
स्वामी	मंगल	मंगल	मंगल। शुक्र।।।	शुक्र	शुक्र।। बुध।।	बुध	बुध।।। चन्द्र।	चन्द्र	चन्द्र	सूर्य	सूर्य	सूर्य। बुध।।।	बुध	बुध।। शुक्र।।	शुक्र	शुक्र।।। मंगल।	मंगल	मंगल	गुरु	गुरु	गुरु। म.।।।	शनि	शनि। शनि।।	शनि	शनि।।। गुरु।	गुरु	गुरु
वर्ण	क्ष.	क्ष.	क्ष.। वै.।।।	वै.	वै.।। शूद्र।।	शूद्र	शूद्र।।। ब्रा.।	ब्रा.	ब्रा.	क्ष.	क्ष.	क्ष.। वै.।।।	वै.	वै.।। शूद्र।।	शूद्र	शूद्र।।। ब्रा.।	ब्रा.	ब्रा.	क्ष.	क्ष.	क्ष.। वै.।।।	वै.	वै.।। शूद्र।।	शूद्र	शूद्र।।। ब्रा.।	ब्रा.	ब्रा.
वश्य	चतु.	चतु.	चतु.। चतु.।।।	चतु.	चतु.।। मनु.।।	मनु.	मनु.।।। जल.।	जल.	जल.	चतु.	चतु.	चतु.। मनु.।।।	मनु.	मनु.।। मनु.।।	मनु.	मनु.।।। कीट।	कीट	कीट	मनु.	मनु०.५ चतु३.५	चतु.	चतु१.५ जल२.५	जल.।। मनु.।।	मनु.	मनु.।।। जल.।	जल.	जल.
योनी	अश्व	गज	मेष	सर्प	सर्प	श्वान	मार्जार	मेष	मार्जार	मूषक	मुषक	गौ	महिष	व्याघ्र	महिष	व्याघ्र	मृग	मृग	श्वान	वानर	नकुल	वानर	सिंह	अश्व	सिंह	गौ	गज
गण	देव	मनुष्य	राक्षस	मनुष्य	देव	मनुष्य	देव	देव	राक्षस	राक्षस	मनुष्य	मनुष्य	देव	राक्षस	देव	राक्षस	देव	राक्षस	राक्षस	मनुष्य	मनुष्य	देव	राक्षस	राक्षस	मनुष्य	मनुष्य	देव
नाड़ी	आदि	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अन्त्य

मेलापक विमर्श

वर्ण विचार (1)

वर \ कन्या	विप्र	क्षत्रिय	वैश्य	शूद्र
विप्र	1	0	0	0
क्षत्रिय	1	1	0	0
वैश्य	1	1	1	0
शूद्र	1	1	1	1

वश्य विचार (2)

वर \ कन्या	चतु.	मानव	जल.	वन.	कीट
चतु.	2	1	1	0	1
मानव	1	2	0.5	0	1
जल.	1	0.5	2	1	1
वन.	0	0	1	2	0
कीट	1	1	1	0	2

तारा विचार (3)

वर \ कन्या	1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3
2	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3
3	1.5	1.5	0	1.5	0	1.5	0	1.5	1.5
4	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3
5	1.5	1.5	0	1.5	0	1.5	0	1.5	1.5
6	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3
7	1.5	1.5	0	1.5	3	1.5	0	1.5	1.5
8	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3
9	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3

गण विचार (6)

व \ क	देव	मानव	राक्षस
देव	6	5	0
मानव	5	6	0
राक्षस	0	0	6

नाड़ी विचार (8)

व \ क	आद्य	मध्य	अन्त्य
आद्य	0	8	8
मध्य	8	0	8
अन्त्य	8	8	0

योनी विचार (4)

व \ क	अ.	ग.	मे.	स.	श्वा	मा.	मू.	गौ	म.	व्या	मृ.	वा.	न.	सि.
अ.	4	2	3	2	2	3	3	3	1	1	3	2	2	1
ग.	2	4	3	2	2	3	3	3	3	2	2	2	2	0
मे.	3	3	4	3	2	3	3	3	3	1	3	0	3	0
स.	2	2	3	4	2	2	1	1	2	2	2	2	2	0
श्वा	2	2	2	2	4	1	1	2	2	1	0	2	2	1
मा.	2	2	3	2	1	4	0	2	2	1	2	2	2	2
मू.	2	2	2	1	1	0	4	2	2	2	2	2	2	1
गौ	3	2	3	2	2	2	2	4	3	0	3	2	3	1
म.	1	3	3	2	2	2	2	3	4	1	2	2	2	3
व्या	1	2	1	2	1	1	2	0	1	4	2	1	2	2
मृ.	3	2	3	2	0	2	2	3	2	1	4	2	2	3
वा.	2	3	0	2	2	2	2	2	2	1	2	4	2	3
न.	2	2	3	0	2	2	2	3	2	2	2	4	4	2
सि.	1	0	1	2	1	2	2	2	3	2	2	2	2	4

ग्रहमैत्री विचार (5)

वर \ कन्या	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	5	5	5	4	5	0	0
चन्द्र	5	5	4	1	4	0.5	0.5
भौम	5	4	5	0.5	5	3	0.5
बुध	4	1	0.5	5	0.5	5	4
गुरु	5	4	5	0.5	5	0.5	3
शुक्र	0	0.5	3	5	0.5	5	5
शनि	0	0.5	0.5	4	3	5	5

भकूट विचार (7)

व \ क	मेष	वृष	मि.	क.	सिंह	कं.	तु.	वृ.	धनु	म.	कुं.	मीन
मेष	7	0	7	7	0	0	7	0	0	7	7	7
वृष	0	7	0	7	7	7	0	7	0	0	7	7
मि.	7	0	7	0	7	7	0	0	7	0	0	7
कर्क	7	7	0	7	0	7	7	0	0	7	0	0
सिंह	0	7	7	0	7	0	7	7	0	0	7	0
कं.	0	0	7	7	0	7	0	7	7	0	0	7
तु.	0	7	0	0	7	7	0	7	0	7	7	0
वृ.	0	7	0	0	7	7	0	7	0	7	7	0
धनु	0	0	7	0	0	7	7	0	7	0	7	7
म.	7	0	0	7	0	0	7	7	0	7	0	7
कुं.	7	7	0	0	7	0	0	7	7	0	7	0
मीन	0	7	7	0	0	7	0	0	7	7	0	7

मेलापक सारणी (खण्ड - 1)

कन्या \ वर		मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या		
		अश्वि. 4	भर. 4	कृत्ति. 1	कृत्ति. 3	रोहि. 4	मृग. 2	मृग. 2	आर्द्रा 4	पुन. 3	पुन. 1	पुष्य 4	आश्ले. 4	मघा 4	पू.फा. 4	उ.फा. 1	उ.फा. 3	हस्त 4	चित्रा 2
मेष	अश्वि. 4	28 8	33	28-5 3	18-5 173	21-5 173	22-5 173	26 135	17 1835	19 1835	23-5 83	31.5 3	28 6	21 276	25 27	15-5 2783	11 27835	9 134578	13 2735
	भर. 4	34	28 8	29 6	19 167	21.5 163	14.5 1738	18 8135	26 135	27 135	31.5 3	23.5 83	25.5 63	20 672	18 278	26 27	21.5 175	20 1753	4 176835
	कृत्ति. 1	27.5 63	29 6	28 8	18 178	10 6187	16.5 6173	20 613	20 613	21 6135	25.5 63	26.5 63	23.5 83	16.5 2783	20 627	20 627	15.5 627	15.5 627	18 173
वृष	कृत्ति. 3	18.5 673	20 67	19 78	28 8	20 68	26.5 63	17.5 6173	17.5 6173	18.5 6173	22 635	23 635	20 835	18.5 8235	22 256	22 256	21 67	21 67	23.5 73
	रोहि. 4	23.5 73	23.5 73	11 678	20 68	28 8	36	27.5 17	23.5 173	22.5 1734	26 345	27 35	12 68354	10.5 234568	24.5 2345	27 52	26 7	26 7	20 67
	मृग. 2	23.5 73	14.5 783	18.5 673	27.5 36	35	28 8	19 178	24 17	22.5 1347	26 345	19 358	21 3546	19.5 65234	15.5 52834	24.5 257	23.5 73	26 7	13 786
मिथुन	मृग. 2	27 35	18 358	22 356	19.5 763	27 7	20 78	28 8	33	31.5 34	19 72345	12 87235	14 723465	23.5 2346	19.5 2834	28.5 23	31.5 3	34	21 86
	आर्द्रा 4	19 358	27 35	21 356	18.5 673	24.5 73	26 7	34	28 8	25 84	12.5 68345	20 7235	13 765234	23.5 632	29.5 23	21.5 238	24.5 38	24.5 38	27 46
	पुन. 3	20 358	27 35	23 35	20.5 763	22.5 37	23.5 347	31.5 34	24 84	28 8	15.5 2578	22.5 257	17 23567	22.5 4236	26.5 423	21.5 823	24.5 38	25.5 38	27.5 36
कर्क	पुन. 1	22.5 138	29.5 13	25.5 136	22 1356	24 1345	25 1345	18 172345	10.5 124578	14.5 13578	28 8	35	29.5 36	16.5 13467	20.5 1347	15.5 1378	18 3578	19 12358	21 16235
	पुष्य 4	30.5 13	21.5 138	26.5 136	23 1356	25 135	18 1358	11 123578	18 12357	21.5 1257	35	28 8	30 6	19.5 1367	15.5 1378	23.5 137	26 1235	27 1235	12 1234568
	आश्ले. 4	26 16	24.5 136	22.5 138	19 1358	11 134568	19 13456	12 1234567	12 123567	15 123567	28.5 63	29 6	28 8	15 1478	15.5 13467	18.5 2367	21 12356	21 12356	26 1235
सिंह	मघा 4	20 267	20 267	16.5 2783	17.5 12583	9.5 1236584	17.5 123564	21.5 12364	22.5 1236	20.5 12643	16.5 6743	19.5 673	16 874	28 8	30 6	27.5 63	16.5 21673	16.5 21673	21.5 1273
	पू.फा. 4	26 27	18 278	20 267	21 1256	23.5 12534	15.5 218534	19.5 21834	28.5 213	26.6 2134	22.5 473	17.5 783	16.5 6743	30 6	28 8	35	24 217	22.5 2173	7.5 213687
	उ.फा. 1	16.5 2738	26 27	20 267	21 2165	26 215	24.5 2153	28.5 213	20.5 2138	21.5 2138	17.5 783	25.5 73	19.5 673	27.5 36	35	28 8	17 2178	16 2178	13.5 214367
कन्या	उ.फा. 3	13 7835	22.5 75	16.5 675	21 67	26 7	24.5 73	31.5 13	23.5 138	24.5 813	20 8235	28 235	22 6235	17.5 6273	25 72	18 278	28 8	27 8	24.5 463
	हस्त 4	10 47835	20 735	17.5 752	22 76	25 7	26 7	33 1	22.5 318	24.5 138	20 8235	28 235	23 2356	18.5 2736	22.5 273	16 278	26 8	28 8	28 46
	चित्रा 2	13 36745	5 378645	19 7345	23.5 734	20 67	12 678	19 618	26 164	25.5 136	21 6234	12 682345	27 235	22.5 273	8.5 62783	14.5 24673	24.5 643	27 64	28 8

1-वर्ण / 2- वश्य / 3-तारा / 4-योनी / 5-राशीश / 6-गण / 7-भकूट / 8-नाड़ी

मेलापक सारणी (खण्ड - 2)

वर / कन्या		तुला			वृश्चिक			धनु			मकर			कुम्भ			मीन		
		चित्रा 2	स्वाती 4	विशा. 3	विशा. 1	अनु. 4	ज्येष्ठा 4	मूल 4	पूषा. 4	उषा. 1	उषा. 3	श्रवण 4	धनि. 2	धनि. 2	शत. 4	पू.भा. 3	पू.भा. 1	उ.भा 4	रेवती 4
मेष	अश्वि. 4	22.5 1436	26.5 134	22.5 3146	18.5 6734	25.5 73	14 786	13.5 768	25 7	23.5 73	25 135	26 135	20 13456	20 13456	15 18356	16 18345	14.5 8734	24.5 73	26 7
	भर. 4	13.5 16834	29.5 13	21.5 6134	17.5 6734	17.5 873	19.5 673	20 67	18 87	26 7	27.5 15	26 135	10 146835	10 146835	20 6135	24 1435	22.5 374	17.5 873	26.5 73
	कृत्ति. 1	27.5 134	15.5 1683	19.5 1834	15.5 7834	19.5 673	25.5 73	24.5 73	18 674	12 678	13.5 1685	11.5 14568	25 1345	25 1345	27 135	19 16345	17.5 6734	19.5 673	11.5 6738
वृष	कृत्ति. 3	22.5 1734	10.5 61783	14.5 17384	20.5 834	24.5 63	30.5 3	20 735	13.5 4675	7.5 6785	12 678	10 4678	23.5 734	29.5 134	31.5 13	23.5 6134	20 6345	22 635	14 6835
	रोहि. 4	19 761	15.5 1783	9.5 31687	15.5 683	29.5 3	23.5 63	14 6735	19 5734	11.5 4785	16 748	17 874	20 67	26.5 61	24.5 613	30.5 13	27 35	27 35	19 583
	मृग. 2	12 7186	25 17	18.5 1736	24.5 36	21.5 83	24.5 36	15 7356	10 87345	17 4735	21.5 743	25 74	13 876	19 168	27 16	29.5 13	26 35	18 835	27 35
मिथुन	मृग. 2	14 876	27 7	20.5 736	14 72356	11 72835	14 72356	23 356	18 8345	25 435	20 7423	23.5 724	11.5 8726	13 876	21 76	23.5 73	25.5 325	17.5 8235	26.5 235
	आर्द्रा 4	20 674	27 7	20 674	13.5 56274	17 37245	3 4362785	16 6835	28 35	28 35	23 723	23 723	17.5 6724	19 674	12 768	17 874	19 8524	26.5 235	26.5 235
	पुन. 3	20.5 736	28 7	22 76	15.5 2756	21.5 275	7 562783	14 45386	27 35	27 35	22 237	23 237	17 23746	18.5 7634	14 876	16 874	18 5842	28 52	27.5 235
कर्क	पुन. 1	20.5 1356	28 251	22 2516	20 67	26 7	11.5 3678	8 2317684	21 1723	21 1723	26 135	27 135	21 16345	12.5 1723465	8 172865	10 175824	16 874	20 7	25.5 73
	पुष्य 4	11.5 6812345	26.5 1235	21 51624	19 746	18 78	21 76	17 61723	11 417382	21 1723	26 135	25 1435	13 618345	4.5 7164283	14.5 5123567	18 12745	24 74	18 87	27 7
	आश्ले. 4	25.5 1235	12.5 612358	17.5 81235	15.5 873	20 67	26 7	22.5 1724	16 61273	8 612783	13 61583	13 16385	26 1345	17.5 172345	19.5 17235	11.5 6172345	17.5 6734	21 67	13 678
सिंह	मघा 4	24.5 2135	11.5 123568	16.5 12358	22.5 823	25.5 623	33 2	25 72	19 627	8.5 267834	3.5 1534678	4.5 153678	18.5 1537	24.5 1235	25.5 1235	18.5 12563	18.5 673	19.5 673	13 678
	पू.फा. 4	10.5 213568	25.5 1235	18.5 12563	24.5 623	23.5 823	25.5 623	19 627	17 728	24 728	17 1574	18.5 137	4.5 153678	10.5 123568	19.5 12563	24.5 1253	24.5 73	17.5 873	25.5 73
	उ.फा. 1	16.5 123465	25.5 1235	16.5 124635	22.5 4263	31.5 23	17.5 6238	9.5 62873	25 72	25 72	20 157	20 157	11.5 153674	17.5 123564	11.5 123685	15.5 123854	15.5 8734	26.5 73	25.5 73
कन्या	उ.फा. 3	16.5 61473	25.5 173	16.5 61473	18 42365	27 235	13 62385	14 6835	29.5 5	29.5 5	24.5 72	24.5 72	16 67234	16.5 61734	10.5 61873	14.5 17834	17.5 38245	28.5 235	27.5 235
	हस्त 4	20 1746	26.5 173	18.5 17346	20 26345	26 235	13 82356	15 8356	27 35	28.5 5	23.5 72	24.5 72	18.5 7624	19 1736	8.5 147836	13.5 17835	16.5 28345	26.5 235	27.5 235
	चित्रा 2	20 178	19 6174	26.5 173	28 235	11 628345	25 2345	27 345	14 6835	22 635	17 673	18.5 672	15.5 7284	16 1478	24 174	16.5 61374	19.5 62345	10.5 642835	19.5 26345

1-वर्ण / 2- वश्य / 3-तारा / 4-योनी / 5-राशीश / 6-गण / 7-भकूट / 8-नाड़ी

मेलापक सारणी (खण्ड - 3)

कन्या \ वर		मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या		
		अश्वि. 4	भर. 4	कृत्ति. 1	कृत्ति. 3	रोहि. 4	मृग. 2	मृग. 2	आर्द्रा 4	पुन. 3	पुन. 1	पुष्य 4	आश्ले. 4	मघा 4	पू.फा. 4	उ.फा. 1	उ.फा. 3	हस्त 4	चित्रा 2
तुला	चित्रा 2	22.5 634	14.5 3468	28.5 34	23.5 734	20 67	12 678	13 678	21 67	19.5 673	20.5 6523	11.5 684253	26.5 235	25.5 235	11.5 25683	17.5 24635	17.5 4673	20 674	21 78
	स्वाती 4	27.5 43	29.5 3	17.5 38	12.5 783	15.5 783	26 7	27 7	26 7	28 7	29 25	27.5 235	14.5 8235	13.5 2368	25.5 235	25.5 235	25.5 73	27.5 73	21 746
	विशा. 3	22.5 346	22.5 346	20.5 348	15.5 3784	10.5 6738	18.5 673	19.5 673	20 674	21 67	22 625	21 635	18.5 8235	17.5 2538	19.5 2536	17.5 24536	17.5 4673	18.5 6734	27.5 73
वृश्चिक	विशा. 1	16.5 61743	16.5 16743	14.5 17843	19.5 1843	14.5 1683	22.5 163	12 125673	12.5 124675	13.5 12675	19 67	18 674	15.5 783	21.5 1283	23.5 1263	21.5 12643	17 312645	18 126345	27 1235
	अनु. 4	24.5 713	15.5 1783	19.5 1763	24.5 136	27.5 13	20.5 183	10 123875	15.5 312574	20.5 1275	26 7	18 78	21 76	24.5 1236	20.5 1238	29.5 123	25 1235	26 123	11 125834
	ज्येष्ठा 4	12 1678	18.5 1637	24.5 173	29.5 13	22.5 163	22.5 163	12 312675	2 3214678	5 53125678	10.5 3678	20 67	26 7	31 21	23.5 1263	16.5 31268	12 312685	12 312685	24 12345
धनु	मूल 4	12 678	20 67	24.5 73	19 1753	13 16375	13 51637	21 1635	15 16835	12 516384	8 467283	17 6723	23.5 724	25 27	19 267	9.5 32678	13 35168	13 35168	26 5134
	पूषा. 4	26 7	18 78	18 674	12.5 14675	18 17345	10 517348	18 18345	27 135	27 135	23 723	13 47823	17 6723	19 267	17 278	25 27	28.5 15	27 135	13 31685
	उषा. 1	24.5 37	26 7	12 678	6.5 51478	10.5 14578	17 14375	25 1435	27 135	27 135	23 723	23 723	9 67283	8,5 362478	24 274	25 27	28.5 15	28.5 15	21 6135
मकर	उषा. 3	27 35	28.5 5	14.5 685	12 678	16 784	22.5 473	20 1437	22 173	22 1723	28 35	28 35	14 6835	4.5 345678	20 574	21 57	24.5 73	24.5 27	17 6723
	श्रवण 4	27 35	26 35	13.5 485	11 4768	16 784	25 74	22.5 1724	21 1723	22 1723	28 3	26 435	15 835	6.5 36578	18.5 573	20 75	23.5 72	24.5 72	19.5 72
	धनि. 2	20 6345	11 46835	26 345	23.5 734	20 67	12 678	9.5 21678	16.5 24167	16 26137	22 635	13 56834	28 35	19.5 573	5.5 36578	12.5 34567	16 67234	17.5 672	15.5 7824
कुम्भ	धनि. 2	20 6345	11 46385	26 345	30.5 34	27 6	19 68	12 678	19 674	18.5 673	13.5 67235	4.5 3456782	19.5 7235	25.5 235	11.5 23568	18.5 25634	17.5 6734	19 674	17 478
	शत. 4	15 6835	21 635	28 35	32.5 3	25.5 63	27 6	20 67	12 678	13 678	8 67285	14.5 67235	20.5 2735	26.5 253	20.5 2563	12.5 25368	11.5 3687	8.5 34687	25 74
	पू.भा. 3	18 8345	25 435	20 6534	24.5 634	31.5 3	31.5 3	24.5 73	17 784	18 78	13 782	20 7524	13.5 67235	19.5 2536	25.5 253	16.5 25483	15.5 783	15.5 7834	17.5 6734
मीन	पू.भा. 1	14.5 17384	21.5 1437	16.5 61374	19 61345	26 135	26 135	25.5 1235	18 18245	19 8125	18 87	25 74	18.5 673	17.5 1637	23.5 173	14.5 17384	16.5 518234	16.5 518234	18.5 516234
	उ.भा. 4	24.5 173	16.5 1738	18.5 6137	21 6135	26 135	18 8135	17.5 81235	25.5 1523	28 125	27 7	19 78	21 67	18.5 6137	16.5 178	25.5 173	27.5 1235	26.5 1235	9.5 1352468
	रेवती 4	25 17	24.5 173	11.5 36178	14 61835	17 2835	26 135	25.5 1352	24.5 5123	26.5 5123	25.5 73	27 7	14 786	13 1768	23.5 173	23.5 173	25.5 1523	26.5 1523	19.5 145236

1-वर्ण / 2- वश्य / 3-तारा / 4-योनी / 5-राशीश / 6-गण / 7-भकूट / 8-नाड़ी

मेलापक सारणी (खण्ड - 4)

कन्या \ वर		तुला			वृश्चिक			धनु			मकर			कुम्भ			मीन		
		चित्रा 2	स्वाती 4	विशा. 3	विशा. 1	अनु. 4	ज्येष्ठा 4	मूल 4	पूषा. 4	उषा. 1	उषा. 3	श्रवण 4	धनि. 2	धनि. 2	शत. 4	पू.भा. 3	पू.भा. 1	उ.भा 4	रेवती 4
तुला	चित्रा 2	28 8	27 64	34.5 3	23.5 723	6.5 462387	20.5 7234	27 345	14 6735	22 635	25 632	26.5 62	23.5 824	18 874	26 74	18.5 6734	12.5 672345	3.5 2346785	12.5 456723
	स्वाती 4	28 46	28 8	20 846	9 72486	21.5 723	16.5 7236	23 356	27 356	19 385	22 823	23 823	26.5 246	21 467	20 647	25 47	19 2745	19.5 2375	12.5 23785
	विशा. 3	34.5 3	19 684	28 8	17 728	16 6274	20.5 7234	27 345	22 635	14 6358	17 6823	17 6823	30 234	24.5 734	26 74	20 674	14 67245	13 64735	4.5 5728345
वृश्चिक	विशा. 1	22.5 1273	7 126874	16 1287	28 8	27 64	31.5 34	21.5 12347	16.5 12673	8.5 126873	12 61835	12 61835	25 1345	24 12345	25.5 1245	19.5 12645	19 674	18 647	9.5 67834
	अनु. 4	6.5 1234678	21.5 1273	16 12746	28 46	28 8	31 6	15.5 123467	13.5 31287	21.5 1237	25 135	26 135	12 341856	11 3412856	21 12356	24.5 1245	24 74	18 87	27 7
	ज्येष्ठा 4	19.5 12734	15.5 31267	19.5 12734	31.5 34	30 6	28 8	14 12874	16.5 12367	16.5 12367	20 6235	20 6135	25 1345	24 12345	18 12853	10 3124685	9.5 67384	21 67	21 67
धनु	मूल 4	26 3145	21 6135	26 3145	22.5 7234	15.5 62734	15 4287	28 8	28 6	26.5 63	15 61723	15 61723	20 17234	28.5 124	21.5 183	14.5 68134	16 68234	25 623	26 72
	पूषा. 4	13 61385	27 135	21 6135	17.5 6273	15.5 7283	17.5 6273	28 6	28 8	34	22.5 172	23 1723	6 6172834	14.5 61384	23.5 613	28.5 134	30 234	23 823	31 23
	उषा. 1	21 6135	19 8135	13 61835	9.5 62783	23.5 723	17.5 6273	26.5 63	34	28 8	16.5 1728	14.5 1728	15 61273	23.5 613	23.5 613	29.5 13	31 23	31 23	23 823
मकर	उषा. 3	24 613	22 8123	16 6183	13 6835	27 35	21 635	16 6723	23.5 72	17.5 872	28 8	26 8	26.5 63	17 62713	17 62713	23 1723	30.5 3	30.5 3	22.5 83
	श्रवण 4	26.5 126	22 8123	17 81623	14 835	27 35	22 35	17 7236	23 723	14.5 872	25 8	28 8	28 46	18.5 17246	18 17235	21 17234	28.5 34	29.5 3	22.5 83
	धनि. 2	22.5 8124	24.5 6124	29 1234	26 345	12 68345	26 345	21 7234	7 674283	16 6723	26.5 63	27 64	28 8	18.5 1782	23.5 1724	19 61237	26.5 63	15.5 6834	22.5 643
कुम्भ	धनि. 2	18 874	20 674	24.5 734	25 3245	11 624385	25 3245	29 34	15.5 6384	24.5 36	18 6723	18.5 6724	19.5 728	28 8	33 4	28.5 63	18 6723	7 367284	14 64273
	शत. 4	26 74	19 746	26 74	26.5 425	21 6235	19 8235	22.5 83	24.5 63	24.5 63	18 6723	18 6723	24.5 724	33 4	28 8	19 684	8.5 67284	17 6723	16 6723
	पू.भा. 3	18.5 6734	26 74	20 674	20.5 6245	26.5 245	11 623485	15.5 8634	29.5 34	30.5 3	24 723	23 7234	20 7623	28.5 63	19 864	28 8	17.5 872	22.5 724	20 7243
मीन	पू.भा. 1	11.5 612734	19 517245	13 612745	19 674	25 74	9.5 67834	15 62384	29 1234	30 123	29.5 13	28.5 134	25.5 613	17 6173	7.5 614738	16.5 1738	28 8	33 4	30.5 34
	उ.भा. 4	2.5 1234567	19.5 872135	12 625741	18 647	19 87	21 67	24 6123	22 8123	30 123	29.5 13	29.5 13	14.5 61384	6 6128734	16 61273	21.5 1734	33 4	28 8	35
	रेवती 4	12.5 172345	11.5 173285	4.5 12345678	10.5 87346	27 7	22 76	26.5 162	29 123	21 8123	20.5 813	21.5 813	22.5 1346	14 124736	16 17236	18 14723	29.5 43	34	28 8

1-वर्ण / 2- वश्य / 3-तारा / 4-योनी / 5-राशीश / 6-गण / 7-भकूट / 8-नाड़ी

वर्षफल निर्माण विधि

जिस वर्ष का वर्षफल अभीष्ट हो, उस अभीष्ट सम्वत् में से जन्म सम्वत् घटाने पर जो शेष बचे, वे जन्म से गतवर्ष अर्थात् 'गताब्द' होते हैं उन गताब्दों से प्राचीन मतानुसार वर्षप्रवेश सारणी के नीचे दिये गये वार घटी पल आदि फल लेकर उसमें जन्म के वार इष्टघटी, पलादि जोड़ने पर वर्षप्रवेशकालिक वारादि इष्टकालज्ञात होता है। पल घटी आदि यदि 60 से अधिक हों, तो उन्हे सवर्ण करके तथा यदि वारादि संख्या 7 से अधिक हो तो 7 का भाग देने पर एकादि शेष रहने पर रवि आदि क्रम से वार तथा आगे वर्षेष्ट घटी पलादि होते हैं। जन्मकालिक स्पष्ट सूर्य के राश्यंशादि की तरह वर्ष प्रवेशकालिक स्पष्ट सूर्य होता है। वर्षेष्ट के स्वदेशीय(समीपस्थ अक्षांश) लग्न सारणी से लग्न साधन करने पर वर्ष प्रवेश कालिक लग्न सिद्ध होता है। इस प्रकार वर्ष लग्न में वर्ष लग्न कालिक ग्रह स्थापित करने पर वर्ष कुण्डली बनती है।

मुन्थासाधन-

वर्ष कुण्डली में मुन्था भी लगाई जाती है। जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुन्था होती है। यह प्रति वर्ष एक-एक राशि बढती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडने पर यदि 12 से अधिक हो तो 12 का भाग देने पर शेष मुन्था की राशि होती है।

मुद्दादशासाधन-

गत वर्ष संख्या में जन्म नक्षत्र संख्या जोडकर जो संख्या उपलब्ध हो, उसमें 2 घटाकर 9 का भाग देने पर एकादि शेष बचने पर सूर्य चन्द्र मंगल राहु वृहस्पति शनि वुध केतु शुक्र की दशा होती है। सूर्यादि मुद्दादशा दिनादि पंचाग में दिये गये चक्र से जान सकते हैं।

हर्षबलसाधन-

वर्ष कुन्डली में स्थानवल, स्वोच्चबल, पुरुषस्त्रीबल तथा दिनरात्रिबल- ये चार हर्ष बल कहलाते हैं। वर्ष कुण्डली में हर्षबल का सर्वाधिक महत्व होता है क्योंकि हर्षबल के द्वारा ही वर्षेशादि का निर्णय होता है।

स्थानबल-

वर्ष लग्न से 9वें स्थान में सूर्य, 3 में चन्द्रमा, 6 में मंगल, 1 में बुध, 11 में गुरु, 5 में शुक्र तथा 12 में शनि 5 हर्षबली होते हैं।

स्वोच्चबल-

प्रत्येक ग्रह अपनी तथा उच्च राशि में 5 हर्षबली होते हैं। अर्थात् सूर्य 1/5, चन्द्र 2/4, मंगल 1/8/10, बुध 3/6, गुरु 4/9/12, शुक्र 2/7/12, शनि 10/11/7 राशियों में सूर्यादि ग्रह हर्षित अर्थात् हर्ष बली होतें हैं।

पुरुषस्त्रीबल-

स्त्रीग्रह (चं. बु. शु. श.) 1,2,3,7,8,9 स्थानों मे तथा पुरुष ग्रह (सू. मं. गु.) 4,5,6,10,11,12 स्थानों में हर्ष बली होते हैं। हर्ष बली ग्रह के 5 बल होते हैं।

दिनरात्रिबल-

दिन में वर्ष प्रवेश हो तो पुरुष ग्रह रात्रि में वर्ष प्रवेश हो तो स्त्री ग्रह बली होते हैं। यहां यह ध्यान देना चाहिये जहां बल प्राप्त हो वहां 5 तथा जहां बलप्राप्त न हो वहां शून्य (0) रखना चाहिये। इस प्रकार सूर्यादि ग्रहों के चारों स्थानादि बलों का योग हर्षबल कहलाता है।

वर्षेश निर्णय-

जन्म लग्नपति, वर्ष लग्नपति, मुन्थाधिपति, त्रिराशिपति, दिन में वर्ष प्रवेश हो तो सूर्य जिस राशि पर हो उस राशि का स्वामी तथा रात्रि का वर्ष प्रवेश हो तो चन्द्रमा जिस राशि पर हो उस राशि का स्वामी ये पञ्चाधिकारी कहलाते हैं। इन पञ्चाधिकारियों में जो बलवान होकर लग्न को देखता हो, वह वर्शेप होता है। बलवान होने पर भी यदि लग्न को न देखता हो तो, वर्षेश नही होगा। समान बली होने पर जो लग्न को अधिक दृष्टि से देखता हो वह वर्षेश होगा। लग्न को देखने वाला ग्रह यदि अल्प बली हो तो, मुन्थेश अर्थात् मुन्था जिस राशि पर हो उस राशि का स्वामी वर्षेश होगा। यदि पञ्चाधिकारियों में कोई भी ग्रह लग्न को न देखता हो तो जो ग्रह सबसे अधिक बलवान् होगा वही वर्षेश होगा। यदि चन्द्र वर्षेश प्राप्त हो तो वह पञ्चाधिकारियों में जिससे इत्थशाला करें, वह वर्षेश होगा। यदि इत्थशाला न करे तो चन्द्र जिस राशि मे बैठा हो वह वर्षेश होगा।

वर्ष दृष्टि-विचार-

वर्ष कुन्डली में जो ग्रह जिस स्थान में स्थित हो, उससे 5/9 स्थान को प्रत्यक्ष मित्र दृष्टि से, 3/11 स्थान को गुप्त मित्र दृष्टि से, 1/7 को प्रत्यक्ष शत्रु दृष्टि से तथा 4/10 स्थान को गुप्त शत्रु दृष्टि से देखता है। प्रत्यक्षमित्र दृष्टि सभी कार्यों में शीघ्र सफलता देने वाली होती है, गुप्त मित्र दृष्टि कठिनता से सफलता देने वाली होती है। प्रत्यक्ष शत्रु दृष्टि शत्रुता उत्पन्न करने वाली, मित्र से शत्रुता कराने वाली, बनते काम बिगाड़ने वाली हानिकारक होती है। गुप्त शत्रुदृष्टि कार्यों को कठिनता से सफल कराने वाली तथा गुप्त रूप से शत्रु उत्पन्न कराने वाली होती है।

॥ वेधसिद्ध (नवीन) वर्षमानानुसारेण वर्ष प्रवेशसारिणी ॥

गताब्द	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०
वार	1	2	3	5	6	0	1	3	4	5	6	1	2	3	4	6	0	1	2	4
घटि	15	30	46	1	16	32	47	3	18	33	49	4	19	35	50	6	21	36	52	7
पल	22	45	8	31	54	17	40	3	26	49	12	35	58	21	44	7	30	23	16	39
विपल	57	54	51	48	45	42	39	36	33	30	27	24	21	18	15	12	9	6	3	0

गताब्द	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०
वार	5	6	0	2	3	4	5	0	1	2	3	5	6	0	1	3	4	5	6	1
घटि	23	38	53	9	24	39	55	10	26	41	56	12	27	43	58	13	29	44	59	15
पल	1	24	47	10	33	56	19	42	5	28	51	14	37	0	23	46	9	32	55	18
विपल	57	54	51	48	45	42	39	36	33	30	27	24	21	18	15	12	9	6	3	0

गताब्द	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०
वार	2	3	5	6	0	1	3	4	5	6	4	5	0	1	2	3	5	6	0	1
घटि	30	46	1	16	32	47	2	18	33	49	39	55	10	26	41	56	12	27	43	58
पल	40	3	26	49	12	35	58	21	44	7	56	19	42	5	28	51	14	37	0	23
विपल	57	54	51	48	45	42	39	36	33	30	42	39	36	33	30	27	24	21	18	15

गताब्द	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०
वार	3	4	5	6	1	2	3	5	6	0	1	3	4	5	6	4	5	6	1	2
घटि	13	29	44	59	15	30	46	1	16	32	47	2	18	33	49	29	44	59	15	30
पल	46	9	32	55	18	40	3	26	49	12	35	58	21	44	7	4	27	50	13	36
विपल	12	9	6	3	0	57	54	51	48	45	42	39	36	33	30	12	9	6	3	00

॥ प्राचीनमानानुसारेण वर्ष प्रवेश सारिणी॥

गताब्द	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०
वार	1	2	3	5	6	0	1	3	4	00	6	1	2	3	4	6	0	1	2	4
घटि	15	31	46	2	17	33	48	4	19	35	50	6	21	37	52	8	23	39	54	10
पल	31	3	34	6	37	00	40	12	43	15	46	18	49	21	52	24	55	27	28	30
विपल	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00

गताब्द	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०
वार	5	4	0	2	3	4	00	0	1	2	4	5	6	0	2	3	4	5	0	1
घटि	26	10	57	12	28	43	59	14	30	45	1	16	32	43	3	18	34	49	5	21
पल	21	30	4	36	7	39	10	42	13	45	16	48	37	29	22	454	25	57	28	00
विपल	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	21	30	30	00	30	00	30	0

गताब्द	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०
वार	2	3	5	6	0	1	3	4	5	6	1	2	3	4	6	0	1	3	4	5
घटि	36	52	7	23	38	54	9	25	40	56	11	27	42	58	13	29	44	00	15	31
पल	31	3	34	6	37	9	10	12	43	15	46	18	49	21	52	24	55	27	58	30
विपल	30	00	00	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00

गताब्द	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०
वार	6	1	2	3	4	6	0	1	2	4	5	6	0	2	3	4	5	0	1	2
घटि	47	2	18	33	49	4	20	35	51	6	22	37	53	8	24	39	55	10	26	42
पल	1	33	4	36	7	39	10	42	13	45	16	48	19	51	22	54	25	57	28	00
विपल	30	00	30	0	30	0	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00

॥ विंशोत्तरी मुद्दादशाचक्र ॥

ग्रह	सूर्य	चन्द	मंगल	राहू	गुरु	शनि	बुध	केतु	शुक्र
मास	0	1	0	1	1	1	1	0	2
दिन	18	0	21	24	18	27	21	21	0

॥ योगिनी मुद्दादशाचक्र ॥

योगिनी	मं.	पिं.	धा.	भ्रा.	भ.	उ.	सि.	सं.
मास	0	0	1	1	1	2	2	2
दिन	10	20	0	10	20	0	10	20

॥ त्रिराशिपतिचक्र ॥

लग्नम्	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
दि.पति	सू.	शु.	श.	शु.	गु.	चं.	बु.	मं.	श.	मं.	गु.	चं.
लग्नम्	मे.	वृष	मि.	क.	सिं.	क.	तु.	वृश्.	ध.	म.	कु.	मी.
रा. पति	गु.	चं.	बु.	मं.	सू.	शु.	श.	शु.	श.	मं.	गु.	चं.

अथ बृहद्गोदानविधिः

तत्र दाता सुस्नातः गोदानसामग्रीं स्वाग्रतः सम्पाद्य सुलिप्तायां भूमौ सपत्नीकः स्वासने उपविश्य यथोक्तलक्षणां सवत्सां गां प्राङ्मुखमिव स्थाप्य कुशतिलजलयवान्यादाय संकल्पं कुर्यात्।

ॐ विष्णुर्विष्णुर्विष्णु अद्येहं अमुकगोत्रोऽमुकराशिरमुकशर्मा सपत्नीकोऽहं श्रुतिस्मृतिपुराणोक्तफलप्राप्तये सकलमनोरथसिद्धये च कृतैतद् श्रीयज्ञपुरुषप्रीतये गोदानं करिष्ये।

गोदानार्थ ब्राह्मणवरणम् -तत्प्रतिग्रहणार्थं ब्राह्मणस्य पूजनपूर्वकं वरणञ्च करिष्ये।

उदङ्मुखं ब्राह्मणमर्घ्यादिभिः सम्पूज्य वरणसामग्रीं करे कृत्वा एभिः गन्धाक्षतपुष्पमालायज्ञोपवीतवस्त्रफलादिभिः गोदानप्रतिग्रहणार्थ अमुकगोत्रस्यामुकवेदाध्यायिनं अमुकशर्माणं ब्राह्मणं त्वामहं वृणे।

वृणोस्मीति ब्राह्मणो वदेत्।

आवाहयाम्यहं देवीं गां त्वां त्रैलोक्यमातरम् ।
यस्याः स्मरणमात्रेण सर्वपापैः प्रमुच्यते ॥१॥
त्वं देवी त्वं जगन्माता त्वमेवासि वसुन्धरा।
गायत्री त्वं च सावित्री गङ्गा त्वं च सरस्वती ॥
तृणानि भक्ष्यसे नित्यममृतं स्रवसे प्रभो ।
भूतप्रेतपिशाचांश्च पितृदेवतमानुषान् ॥
सर्वांस्तारयते देवी नरकात्पापसङ्कटात् ॥

इत्यावाह्य पूजयेत्।

सवत्सायै गवे नमः, पाद्यं स्नानं च समर्पयामि।

गोरङ्गपूजनम्

नमोविश्वमूर्तिभ्यो विश्वमातृभ्य एव च।
लोकाधिवासिनीभ्यश्च रोहिणीभ्यो नमो नमः॥
गो अग्रपादाभ्यां नमः। गोः पश्चात्पादाभ्यां नमः॥
देहस्था या च रुद्राणां शंकरस्य सदाप्रिया।
धेनुरूपेण सा देवी मम पापं व्यपोहतु॥

गोरास्याय नमः

विष्णोर्वक्षसि या देवी स्वाहा या च विभावसोः।
चन्द्रार्कशक्रशक्तिर्या सा धेनुर्वरदास्तु मे॥
गोः शृंगाभ्यां नमः॥ गोकर्णाभ्यां नमः॥
चतुर्मुखस्य या लक्ष्मीर्या लक्ष्मीर्धनदस्य च।
लक्ष्मीर्या लोकपालानां सा धेनुवरदास्तु मे।

गोः पृष्ठाय नमः।।

स्वधा त्वं पितृमुख्यानां स्वाहा यज्ञभुजांस्तथा।
सर्वपापहरे धेनो तस्माच्छान्तिं प्रयच्छ मे।।

गो पुच्छाय नमः।।

यस्याः शृंगाग्रयोरिन्द्र उरसि स्कन्ध एव च।
तत्रास्ते शिरसि ब्रह्मा ललाटे वृषभध्वजः।।
कर्णयोरश्विनौ देवौ चक्षुषोः शशिभास्करौ।
दंतेषु मरुतो देवा जिह्वायां च सरस्वती।।
अपाने सर्वतीर्थानि लांगूले सर्वमङ्गला।
ऋषयोः रोमकूपेषु पृष्ठे वैवस्वतो यमः।।
वरुणो धनदश्चैव दक्षिणां कुक्षिमाश्रितः।
वामपार्श्वे महायज्ञो महोजास्तु महाबलः।।
खुरमध्ये तु गन्धर्वाः खुराग्रे पन्नगास्तथा।
खुराणां पश्चिमे पार्श्वे गणा अप्सरसामपि।।
गोमये वसते लक्ष्मीर्गोमूत्रे जाह्नवीजलम्।
हुंकारे निखिला वेदा रम्भाशब्दे प्रजापतिः।।

चत्वारः सागराः पूर्णा धेनूनां स्तनमण्डले।
अमृतं स्रवते नित्यं पिबन्ति सुरमानवाः।।
न धेनु तुल्यं धनमस्ति किंञ्चिद्धरत्यघं गुह्यबहिर्भवं च।
तृणानि भुक्ताप्यमृतं स्रवंती विप्राय दत्ता पितृमोक्षदा सा।।
एककालं द्विकालं वा यो ददाति गवाह्निकम्।
पञ्चचामरपूर्णाङ्गविमानमधिरोहति।।
उभे संध्ये च यो नित्यं गोसावित्रिं सदा पठेत्।
गोसहस्रफलं सोऽपि लभते वांछितं फलम्।।
गवामङ्गेषु तिष्ठन्ति भुवनानि चतुर्दश।
यस्मात्तस्माच्छिवं मे स्यादिह लोके परत्र च।।

वस्त्रम्- आच्छादनं मया दत्तं सम्यक् शुद्धं सुनिर्मलम्।
सुरभिर्वस्त्र दानेन प्रीयतां परमेश्वरि।

गन्धम्- सर्वदेवप्रियन्देवि चन्दनं कुङ्कुमान्वितम्।
कर्पूरादिसमायुक्तं गोगन्धं प्रति गृह्यताम्।।

अक्षताः - अक्षताश्च शुभ्राश्च कुंकुमाक्ताः सुशोभनाः।
मयानीताः प्रियार्थैतान् गृहाण त्वं गवेश्वरि।।

धूपम् - आनन्दकृत्सर्वलोके देवानाञ्च सदाप्रिये।
गौस्त्वं पाहि जगन्माता धूपोऽयं प्रति गृह्यताम्।

दीपम्- साज्यं सद्वर्तिसंयुक्तं वह्निना योजितं मया।
दीपं गृहाण देवेशि सर्वतस्तिमिरापहम्।

गोः ग्रासः - सुरभिस्त्वं जगन्माता नित्यं विष्णुपदे स्थिता।
गो ग्रासं च मया दत्तं नैवेद्यं प्रतिगृह्यताम्।
सुरभिस्त्वं जगन्मातर्देवि विष्णुपदे स्थिता।
सर्वदेवमयी ग्रासं मया दत्तमिमं ग्रस॥

भूषणार्थ द्रव्यं - घंटाचामरञ्च समर्प्य, ततो गोः देहतीर्थानि पूजयेत्।

देहे देवतीर्थपूजनम् - गन्धाक्षतपुष्पैः

शृङ्मूले ब्रह्माविष्णुभ्यो नमः॥ सर्वतीर्थेभ्यो नमः॥ शिरोमध्ये महादेवाय नमः॥ ललाटे गौर्ये नमः॥ नासारन्ध्रे षण्मुखाय नमः॥ नासापुटयोः कम्बलाश्वतराभ्यां नमः॥ दन्तेषु वायवे नमः॥ जिह्वायां वरुणाय नमः॥ हुंकारे सरस्वत्यै नमः॥ गण्डयोः मासपक्षाभ्यां नमः॥ ओष्ठयोः सन्ध्याद्वाभ्यां नमः॥ ग्रीवायां रक्षेभ्यो नमः॥ कुक्षौ साध्ये नमः॥ जंघासु धर्म्माय नमः॥ खुरमध्ये गन्धर्वेभ्यो नमः॥ खुराग्रे कुलपर्वतेभ्यो नमः॥ खुरपश्चिमाग्रेषु अप्सरोगणेभ्यो नमः॥ पृष्ठे एकादशरुद्रेभ्यो नमः॥ सर्वसन्धिषु वसुभ्यो नमः॥ श्रोण्यौ पितृगणेभ्यो नमः॥ पुच्छे सोमाय नमः॥ पुच्छकेशेषु सूर्य-रश्मिभ्यो नमः॥ गोमूत्रे गङ्गायै नमः॥ गोमये यमुनायै नमः॥ क्षीरे सरस्वत्यै नमः॥ दध्नि नर्मदायै नमः॥ घृते वह्नये नमः॥ रोमेषु कोटिदेवेभ्यो नमः॥ उदरे पृथिव्यै नमः॥ स्तनेषु चतुः सागरेभ्यो नमः॥

एते यस्याः स्तनो देवा सा धेनुर्वरदो मम ॥

स्वर्णशृङ्गीं रौप्यखुरां ताम्रपृष्टां मुक्ताफलसमर्पितं लांगूलवती कांस्यगोदेविकां विधाय प्रार्थयेत्।

नमो गोभ्यः श्रीमतीभ्यः सौरभेयीभ्य एव च।
नमो ब्रह्मसुताभ्यश्च पवित्राभ्यो नमो नमः।

गोपुच्छतर्पणविधिः-

सकुशाक्षतयवं गोपुच्छं च गृहीत्वा प्राङ्मुखी यजमानौ देवतीर्थेन देवास्तर्पयेत्।

ॐ या नन्दनी सुशीलाद्या कामदाश्चैव धेनवः।
ताः सर्वा पुच्छतोयेन तर्पितास्तर्पयन्तु माम्॥
ब्रह्मा विष्णुर्महादेवः कार्तिकेयो गणाधिपः।
पुष्पचापो महेन्द्रश्च भगवानच्युताग्रजः॥
देवा समस्ताः सगणाः सवाहनपरिच्छदाः।
सवसवोऽष्टौ द्वादशार्का रुद्रा एकादशेऽवतु॥
विश्वेदेवाश्च सोमश्च मरुतो मातरस्तथा।

गन्धर्वा गुह्यकाश्चैव सागरा सरितस्तथा॥
राक्षसाः यक्षवेतालाः पूतनाः पर्वताः द्रुमाः।
तीर्थान्यापसरश्चैव पशवः पन्नगाः खगाः॥
ऋक्षाणि राशयः योगाः मासवर्षर्तुवासराः।
अयने च युगाः कल्पास्तथा मन्वन्तराणि च॥
भुवनानि दिशाकाशं तथा सर्वेन्द्रियाणि च।
ॐकारश्चैव गायत्री छन्दस्त्वङ्गानि चैव हि॥
वेदाश्च स्मृतयश्चैव पुराणानि तथैव च।
आयुर्वेदो धनुर्वेदो गन्धर्वो मन्त्रपारगाः॥
औषध्यो वनसम्भूता ग्राम्याश्चैव सुप्पिपलाः।
सानुगा देवताश्चैव मुनयः सगणास्तथा॥
ऋषयः ऋषिपत्न्यश्च सिद्धाश्च सगणास्तथा।
प्रजा प्रजापतिश्चैव येऽन्ये विघ्नविनायकाः॥
विद्याधराश्च दैत्याश्चैवाचार्या गुरवस्तथा।
डाकिन्यः क्षेत्रपालश्च भैरवाचाष्टसंख्यकाः॥
स्थावरा जङ्गमाश्चैव भूतग्रामचतुर्विधाः।

अक्षयेनाऽमृतेनैव मङ्गलेन सुवारिणा॥
गोपुच्छाग्रच्युतमेह मद्दतेन हितेऽखिला।
शाश्वतीं तृप्तिमायान्तु दात्र्यै युक्तवरप्रदाः॥
सूर्यः सोमः कुजः सौम्यो गुरुः शुक्रः शनैश्चरः।
ग्रहाश्च तृप्तिमायान्तु राहुकेतू समन्वितौ॥
इन्द्रो वह्निर्यमो रक्षः पाशो वायुर्धनाधिपः।
ईशोऽनन्तस्तथा ब्रह्मा सर्वे ते तर्पिता मया॥
सावित्र्या सह लोकेशः सलक्ष्मीकश्चतुर्भुजः।
महेशश्चोमया सार्द्धस्तृप्तिर्यान्तु च शाश्वतीम्॥
अत्रिर्वशिष्ठो भृगु गौतमौ च
मरीचि दक्षो पुलहः पुलस्त्यः।
प्रचेतसः काश्यपविश्वमित्रौ
भारद्वाजसंज्ञो जमदग्निरेव।
अन्ये च सर्वे मुनिपुंगवाश्च
गृह्णन्तु दत्तं जलमद्य तुष्टाः॥

(जीवित्पितृकस्य तर्पणे निषेधोऽतस्तेन तन्नकार्य्यम्) ततो यज्ञोपवीतं कण्ठावरोहणं कृत्वा साक्षतकुशैः मनुष्यतीर्थेन मनुष्यांस्तर्पयेत् -

सनकः सनन्दनश्चैव सनातनस्तथैव च।

कपिलश्चासुरैश्चैव वोढुपञ्चशिखस्तथा।

ते तृप्तिमखिलायान्तु गोपुच्छोदक तर्पणैः॥

ततो अपसव्यं विधाय द्विगुणितकुशतिलजलैः पितृन् तर्पयेत् -

कव्यवाडवानलः सोमो यमश्चैवार्य्यमा तथा।

अग्निष्वाताः सोमपाश्च तथा बर्हिषद्श्च ये।

तर्पितास्तृप्तिमायान्तु गोपुच्छोदकतर्पणैः।

यमाय धर्मराजाय मृत्यवे चान्तकाय च।

वैवस्वताय कालाय सर्वभूतक्षयाय च।

औदुम्बराय दध्नाय नीलाय परमेष्ठिने।

वृकोदरश्च चित्रश्च चित्रगुप्तस्तथैव च।

ते सर्वे तृप्तिमायान्तु गोपुच्छोदकतर्पणैः।

पितापितामहश्चैव तथैव प्रपितामहः।

माता पितामही चैव तथैव प्रपितामही।

मातामहः प्रमातामहः प्रमातामहोपरः।

मातामही प्रमातामही प्रमातामही परा।

तृप्तिमायान्तु सकलाः गोपुच्छोदक तर्पणैः।

पितृवंशे मृते ये च मातृवंशेऽपि ये मृताः।

ये मे कुले लुप्तपिण्डाः क्रियालोपगतास्तथा।

आब्रह्मस्तंबपर्य्यन्तं देवर्षिपितृमानवाः।

तृप्यन्तु सर्वदा सर्वे गोपुच्छोदकतर्पणैः।

ब्राह्मणपूजनम् - गन्धाक्षतपुष्पमालादिभिः विप्रमर्चयित्वा, अनन्तरं वस्त्रद्रव्यरत्नादिभिः च अलङ्करणं कुर्यात्। प्रार्थयेत्-

ॐनमस्त्वनन्ताय सहस्रमूर्तये, सहस्रपादाक्षिशिरोरुबाहवे।

सहस्रनाम्नेपुरुषाय शाश्वते सहस्रकोटियुगधारिणे नमः॥

आपध्वनन्ताय सहस्रभानवे समीहितार्थार्पणकामधेनवः।

अपारसंसारसमुद्रसेतवः पुनन्तु मां ब्राह्मणपादपांसवः॥

ॐभूमावेवाग्रजन्मासि विप्र त्वं पुरुषोत्तमः।

प्रत्यक्षो यज्ञपुरुषः पूजां मे प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ अ᳚ शुनाते अ ᳚ शुः पृच्यतां परुषा परुः गन्धस्ते सोममवतु मदाय रसो अच्युतः।

उदङ्मुखस्तु विप्रः स्यात्पात्रलक्षणलक्षितः।
आज्यपात्रं करे कृत्वा सुवर्णेन समन्वितम्।।
निक्षिप्य पुच्छं तस्मिंस्तु घृतदुग्धं प्रगृह्य च।
सतिलं विप्रवर्य्याय धेनुं दद्यात्पयस्विनीम्।।

प्राङ्मुखी गाम् उदङ्मुखी विप्रः पुच्छदेशे स्वयं स्थित्वा आज्यपात्रं सतिलं कनकेन(सुवर्णेन) अन्वितं (युक्तं) प्रगृह्य गोपुच्छं तत्पात्रे निधाय दान संकल्पं कुर्यात्।।

अद्येत्यादि अमुकोऽहं ममामुष्मिन् कर्मणि श्रुतिस्मृति- पुराणोक्तफलवाप्तये गोरोमसंख्यकदिव्यवत्सरावच्छिन्न स्वर्गलोकस्थितिकामांश्च पितृणां निरतिशयानन्दब्रह्मलोकप्राप्तये च परमेश्वरप्रीतये इमां सुपूजितां सालंकारां सवत्सां गां रुद्रदेवताममुकगोत्राय अमुकशर्मणे ब्राह्मणाय तुभ्यमहं सम्प्रददे।

दानवाक्यम् - यज्ञसाधनभूतायाः विश्वस्याघविनाशिनी।
विश्वरूपधरोदेवः प्रीयतामनया गवा।।

ततो ब्राह्मणः स्वस्तीति वदेत्-

अद्यकृतैतद्गोदानकर्मणः सांगतासिद्धये इदं हिरण्यमयं दक्षिणामग्निदैवतममुकगोत्रायामुकशर्म्मणे ब्राह्मणाय तुभ्यमहं सम्प्रददे।

कोदादिति ब्राह्मणप्रतिवचनम्।

ततो ब्राह्मणगवोः प्रदक्षिणा चतुष्टयं कुर्य्यात्-

नमो ब्रह्मण्यदेवाय गोब्राह्मणहिताय च।
जगद्धिताय कृष्णाय गोविन्दाय नमो नमः।।
मया जन्म सहस्रेषु ह्यर्जितं पापसंचयम्।
तत् सर्वं नाशय क्षिप्रं प्रदक्षिणा पदे-पदे।।

ब्राह्मणः गोपुच्छोदकेनाभिषेकं कुर्यात्। मन्त्राशीषं च दद्यात्। ततो यजमानः ब्राह्मणेन समन्वितां गावः नमस्कारप्रदक्षिणाञ्च कुर्यात्।

नमस्कारः- नमो गोभ्यः श्रीमतीभ्यः सौरभेयीभ्य एव च।
नमो ब्रह्मसुताभ्यश्च पवित्राभ्यो नमो नमः।।
यया सर्वमिदं व्याप्तं जगत् स्थावरजङ्गमम्।
तां धेनुं शिरसा वन्दे भूतभव्यस्य मातरम्।।
पञ्चगावः समुत्पन्ना मथ्यमाने महोदधौ।
तासां मध्ये तु या नन्दा तस्यै देव्यै नमो नमः।।
सर्वकामदुघे देवी सर्वतीर्थाभिषेचिनि।
पावनि सुरभिश्रेष्ठे देवि तुभ्यं नमो नमः।।

प्रदक्षिणा - पापानि सर्वाणि पदे पदे या
हरत्यहो तत्क्षणमेव नृणाम्।

प्रदक्षिणां तां परभक्तिभावात्
समाचरे धेनुवरे प्रसीद॥

गवां दृष्ट्वा नमस्कृत्य कुर्याच्चैव प्रदक्षिणम्।

प्रदक्षिणीकृता तेन सप्तद्वीपा वसुन्धरा॥

मातरः सर्वभूतानां गावः सर्व सुखप्रदाः।

वृद्धिमाकाङ्क्षता पुंसा नित्यं कार्या प्रदक्षिणा॥

इति चतुःसंख्यकप्रदक्षिणां विधाय प्रार्थयेत्

या लक्ष्मीर्लोकपालानां या च धेनुः सरस्वती।

धेनुरूपेण सा देवी मम पापं व्यपोहतु॥

ततो ब्राह्मणः गोपुच्छान्वितजलेन यजमानशिरसि निषिच्य तिलकमन्त्रपाठादीनि दद्यात्।

व्यतीपाते च संक्रान्तौ ग्रहणे ग्रहदौष्ट्यके।

असूतक्रमे विवाहे च रात्रौ गोदानमिष्यते॥

ततोदक्षिणां भूयसी च दद्यात्। तथा यथोपन्नेनान्नेन ब्राह्मणैश्च भोजयिष्ये।

इति गोदानविधिः

यज्ञोपवीत धारण प्रयोग

किसी भी अवस्था में यदि यज्ञोपवीत अशुद्ध हो जाये, अथवा धागा टूट जाय, या फिर शौचादि के समय कान में डालना भूल जायें तो अपवित्र हो जाता है तब नया यज्ञोपवीत धारण करना चाहिये। इसी प्रकार जननाशौच, मरणाशौच, श्राद्ध, यज्ञ आदि में तथा सूर्य-चन्द्रग्रहण के उपरान्त नवीन यज्ञोपवीत धारण करना अपेक्षित है। यज्ञोपवीत धारण करने से पहले उसे संस्कारित करके प्रत्येक तन्तु में देवताओं का आवाहन व प्रतिष्ठापन कर सिद्ध (अभिमन्त्रित) करना आवश्यक होता है। अतः सर्व प्रथम सङ्कल्प करें।

ॐविष्णुर्विष्णुर्विष्णु अद्य....... मम श्रोतस्मार्तकर्मानुष्ठान सिद्धिद्वारा श्रीपरमेश्वरः प्रीत्यर्थं नूतनयज्ञोपवीतं धारणमहं करिष्ये।

इस प्रकार सङ्कल्प कर यज्ञोपवीत निम्नलिखित मन्त्र से प्रक्षालित करें-

ॐ आपोहिष्ठा मयोभुवस्ता न ऊर्जे दधातन। महे रणाय चक्षसे। यो वः शिवतमो रसः तस्य भाजयतेह नः। उशतीरिव मातरः तस्मा अरं गमाम वः यस्य क्षयाय जिन्वथ। आपो जनयथा च नः॥

इसके बाद हाथों के सम्पुट में यज्ञोपवीत रखकर गायत्री का दश बार आवेष्टित जप करें। तदुपरान्त किसी पात्र में यज्ञोपवीत रखकर पुष्पाक्षत से प्रत्येक सूत्र में देवताओं का आवाहन करें।

प्रथमतन्तौ ॐकारायनमः, ॐकारमावाहयामि। द्वितीयतन्तौ ॐअग्नये नमः, अग्निमावाहयामि। तृतीयतन्तौ ॐसर्पदेवताभ्यो नमः, सर्पानावाहयामि। चतुर्थतन्तौ ॐ सोमाय नमः, सोममावहयामि। पञ्चमतन्तौ ॐपितृभ्यो नमः, पितृनावाहयामि। षष्ठतन्तौ ॐ प्रजापतये नमः, प्रजापतिमावाहयामि, सप्तमतन्तौ ॐअनिलेभ्यो नमः, अनिलमावाहयामि। अष्टम तन्तौ ॐयमाय नमः, यममावाहयामि। नवम तन्तौ ॐविश्वेदेवेभ्यो नमः। विश्वान् देवानावाहयामि।

अथ ग्रन्थिदेवतानामावाहनम्- **ग्रन्थिममध्ये ॐब्रह्मणे नमः, ॐ ब्रह्मणमावाहयामि। ॐ विष्णवे नमः ॐविष्णुमावाहयामि। ॐरुद्राय नमः, रुद्रमावाहयामि। ॐप्रणवाद्यावाहित देवताभ्यो नमः। प्रणवाद्यावाहितदेवताः यथा स्थानमहं प्रतिष्ठापयामि।**

इन मन्त्रों से यज्ञोपवीत की गन्धाक्षत से प्रतिष्ठा करें तथा यज्ञोपवीत का मानसोपचार से पूजन करें।

ध्यानम्-

ॐ प्रजापतेर्यत्सहजं पवित्रं कार्पाससूत्रोद्भवब्रह्मसूत्रम्।
ब्रह्मत्वसिद्ध्यै च यशः प्रकाशं जपस्य सिद्धिं कुरु ब्रह्मसूत्रम्॥

तदनन्तर निम्नमन्त्र से सूर्यनारायण को यज्ञोपवीत दिखाना चाहिये।

ॐ आकृष्णेनरजसावर्तमानो निवेशयन्नमृतं मर्त्यञ्च।
हिरण्ययेन सविता रथेना देवो याति भुवनानि पश्यन्।

अथ यज्ञोपवीतधारणम्

यज्ञोपवीतमिति मन्त्रस्य परमेष्ठी ऋषिः लिङ्गोक्तदेवता त्रिष्टुपछन्दो यज्ञोपवीत धारणे विनियोगः।

ॐ यज्ञोपवीतं परमं पवित्रं प्रजापतेर्यत्सहजं पुरस्तात्।
आयुष्यमग्रयं प्रतिमुञ्चशुभ्रं यज्ञोपवीतं बलमस्तु तेजः॥
यज्ञोपवीतमसि यज्ञस्य त्वा यज्ञोपवीतेनोपनह्यामि॥

इस प्रकार मंत्र पढ़कर पहले दाहिनी भुजा में यज्ञोपवीत डालकर तब कण्ठ में धारण करें। प्रत्येक यज्ञोपवीत धारण के बाद आचमन करें।

जीर्णसूत्र त्याग

निम्नमन्त्र को पढ़कर जीर्ण यज्ञोपवीत अर्थात् पुराने जनेऊ को पहले सिर की ओर से निकालें। और यथा शक्ति गायत्री मन्त्र को जपकर उसे जल में प्रवाहित करें।

एतावद्दिन पर्यन्तं ब्रह्मत्वं धारितं मया।
जीर्णत्वाच्च परित्यागो गच्छसूत्रं यथासुखम्॥

अर्पणम्

अनेन नवयज्ञोपवीतधारणार्थ कृतेन यथाशक्तिगायत्रीजपकर्मणा सवितादेवता प्रीयतां न मम। ॐ तत्सद्ब्रह्मार्पणमस्तु।

इति यज्ञोपवीत धारण विधि

षोडशोपचार पूजन विधि

पूजा में जो वस्तु विद्यामान न हो उसके लिये 'मनसा परिकल्प्य सर्मपयामि' कहें। वैदिक एवं लौकिक मन्त्रों के साथ षोडशोपचार पूजन की विधि ।

हाथ में अक्षत लेकर ध्यान करे–

भगवान गणेश जी का ध्यान–

गजाननं भूतगणादिसेवितं कपित्थजम्बूफलचारुभक्षणम्।

उमासुतं शोकविनाशकारकं नमामि विघ्नेश्वरपादपङ्कजम्।।

भगवती गौरी जी का ध्यान करे–

नमो देव्यै महादेव्यै शिवायै सततं नमः।

नमः प्रकृत्यै भद्रायै नियताः प्रणताः स्म ताम्।।

श्रीगणेशाम्बिकाभ्यां नमः ध्यानं सर्मपयामि।

ध्यान के बाद भगवान गणेश जी का आवाहन करे–

ॐ गणानां त्वा गणपति ँ हवामहे प्रियाणां त्वा प्रियपति ँ हवामहे निधीनां त्वा निधिपति ँ हवामहे वसो मम। आहमजानि गर्भधमात्वमजासि गर्भधम्।।

एह्येहि हेरम्ब महेशपुत्र समस्तविघ्नौघविनाशदक्ष।
माङ्गल्यपूजाप्रथमप्रधान गृहाण पूजां भगवन् नमस्ते।।

ॐ भूर्भुवः स्वः सिद्धिबुद्धिसहिताय गणपतये नमः गणपतिमावाह्यामि, स्थापयामि, पूजयामि च।

हाथ के अक्षत गणेश जी पर चढ़ा दे। फिर अक्षत लेकर गणेश जी की दाहिनी ओर गौरी जी का आवाहन करे।

भगवती गौरी का आवाहन–

ॐ अम्बे अम्बिकेऽम्बालिके न मा नयति कश्चन। ससस्त्यश्वकः सुभद्रिकां काम्पीलवासिनीम्।।

हेमाद्रितनयां देवीं वरदां शङ्करप्रियाम्।

लम्बोदरस्य जननीं गौरीमावाहयाम्यहम्।।

ॐ भूर्भुवः स्वः गौर्यै नमः गौरीमावाहयामि स्थापयामि पूजयामि च।

उपर्युक्त मन्त्र केवल गौरी गणेश जी के लिये विहित है अन्यथा जिस देवता का पूजन करना हो उनके लिये जो मन्त्र विहित हो उस मन्त्र से ध्यान आवाहन करे। तदनन्तर अधोलिखित मन्त्र प्रायः सभी देव के लिये षोडशोपचार पूजा में प्रयोग कर सकते हैं।

प्राण प्रतिष्ठा–

ॐ मनो जूतिर्जुषतामाज्यस्य बृहस्पतिर्यज्ञमिमं तनोत्वरिष्टं यज्ञ ँ समिमं दधातु। विश्वे देवास इह मादयन्तामो ३म्प्रतिष्ठ।।

अस्यै प्राणाः प्रतिष्ठन्तु अस्यै प्राणाः क्षरन्तु च।

अस्यै देवत्वमर्चायै मामहेति च कश्चन।।

गणेशाम्बिके! सुप्रतिष्ठिते वरदे भवेताम्। प्रतिष्ठापूर्वकम् आसनार्थे अक्षतान् समर्पयामि गणेशाम्बिकाभ्यां नमः (आसन के लिये अक्षत छोड़ें)

पाद्य, अर्घ्य, आचमनीय, स्नानीय, पुनराचमनीय।

ॐ देवस्य त्वा सवितुः प्रसवेऽश्विनोर्बाहुभ्यां पूष्णो हस्ताभ्याम्।।

एतानि पाद्यार्घ्याचमनीयस्नानीयपुनराचमनीयानि सर्मपयामि गणेशाम्बिकाभ्यां नमः। (इस मन्त्र से जल चढा दे)

दुग्धस्नान–

ॐ पयः पृथिव्यां पय ओषधीषु पयो दिव्यन्तरिक्षे पयो धाः।

पयस्वतीः प्रदिशः सन्तु मह्यम्॥

कामधेनुसमुद्भूतं सर्वेषां जीवनं परम्।

पावनं यज्ञहेतुश्च पयः स्नानार्थमर्पितम्॥

ॐभूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः पयः स्नानं समर्पयामि। (दूध से स्नान करायें)

दधिस्नान–

ॐ दधिक्राव्णो अकारिषं जिष्णोरश्वस्य वाजिनः।

सुरभि नो मुखा करत्प्रण आयु ष्ँ षि तारिषत्॥

पयसस्तु समुद्भूतं मधुराम्लं शशिप्रभम्।

दध्यानीतं मया देवं स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐभूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः दधि स्नानं समर्पयामि। (दही से स्नान करायें)

घृतस्नान–

ॐ घृतं मिमिक्षे घृतमस्य योनिर्घृते श्रितो घृतम्वस्य धाम।

अनुष्वधमा वह मादयस्व स्वाहाकृतं वृषभ वक्षि हव्यम्॥

नवनीतसमुत्पन्नं सर्वसंतोषकारकम्।

घृतं तुभ्यं प्रदास्यामि स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐभूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः घृतस्नानं समर्पयामि। (घी से स्नान करायें)

मधुस्नान–

ॐ मधु वाता ऋतायते मधु क्षरन्ति सिन्धवः।

माध्वीर्नः सन्त्वोषधीः॥

मधुनक्तमुतोषसो मधुमत्पार्थिव ँ रजः।

मधु द्यौरस्तु नः पिता॥

पुष्परेणुसमुद्भूतं सुस्वादु मधुरं मधु।

तेजः पुष्टिकरं दिव्यं स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐभूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, मधु स्नानं समर्पयामि। (मधु से स्नान करायें)

शर्करास्नान–

ॐ अपा ँ रसमुद्वयस ष्ँ सूर्ये सन्त ष्ँ समाहितम्। अपा ष्ँ रसस्य यो रसस्तं वो गृह्णम्युत्तममुपयागृहीतोऽसीन्द्राय त्वा जुष्टं गृह्णाम्येष ते योनिरिन्द्राय त्वा जुष्टतमम्॥

इक्षुरससमुद्भूतां शर्करा पुष्टिदां शुभाम्।

मलापहारिकां दिव्यां स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः शर्करा स्नानं समर्पयामि। (शर्करा से स्नान करायें)

पञ्चामृतस्नान–

ॐ पञ्च नद्यः सरस्वतीमपि यन्ति सस्रोतसः। सरस्वती तु पञ्चधा सो देशेऽभवत्सरित्॥

पञ्चामृतं मयानीतं पयो दधि घृतं मधु।

शर्करया समायुक्तं स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः पञ्चामृतस्नानं समर्पयामि। (पञ्चामृत से स्नान करायें)

गन्धोदकस्नानं-

ॐ अ ᳪ शुना ते अ ᳪ शुः पृच्यतां परुषा परुः। गन्धस्ते सोममवतु मदाय रसो अच्युतः॥

ॐ भूभुर्वः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः गन्धोदक स्नानं समर्पयामि। (गन्धोदक से स्नान करायें)

शुद्धोदकस्नान-

ॐ शुद्धवालः सर्वशुद्धवालो मणिवालस्त आश्विनः। श्येतः श्येताक्षोऽरुणास्ते रुद्राय पशुपतये कर्णा यामा अवलिप्ता रौद्रा नभोरूपाः पार्जन्याः॥

गङ्गा च यमुना चैव गोदावरि सरस्वती ।

नर्मदा सिन्धुकावेरी स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ भूभुर्वः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः शुद्धोदक स्नानं समर्पयामि। (शुद्ध जल से स्नान करायें) शुद्धोदकस्नानान्ते आचमनीयं जलं समर्पयामि (आचमन के लिये जल दें)

वस्त्र-

ॐ युवा सुवासा परिवीत आगात् स उश्रेयान भवति जायमानः।

तं धीरासः कवय उन्नयन्ति स्वाध्यो ३ मनसा देवयन्तः॥

शीतवातोष्णसंत्राणं लज्जाया रक्षणं परम्।
देहालङ्करणं वस्त्रमतः शान्तिं प्रयच्छ मे ॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, वस्त्रं समर्पयामि। (वस्त्र समर्पित करें)

आचमन-

वस्त्रान्ते आचमनीयं जलं समर्पयामि (आचमन के लिये जल दें)

उपवस्त्र-

ॐ सुजातो ज्योतिषा सह शर्म वरुथमाऽसदत्स्वः। वासो अग्ने विश्वरूप ᳪ सं व्ययस्व विभावसो॥

यस्याभावेन शास्त्रोक्तं कर्म किञ्चन्न सिध्यति।

उपवस्त्रं प्रयच्छामि सर्वकर्मोपकारकम्॥

ॐ गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, उपवस्त्रं (उपवस्त्राभावे रक्तसूत्रं समर्पयामि उपवस्त्र समर्पित करें)

यज्ञोपवीत-

ॐ यज्ञोपवीतं परमं पवित्रं प्रजापतेर्यत्सहजं पुरस्तात्। आयुष्यमग्र्यं प्रतिमुञ्च शुभ्रं यज्ञोपवीतं बलमस्तु तेजः॥ यज्ञोपवीतमसि यज्ञस्य त्वा यज्ञोपवीतेनोपनह्यामि।

नवभिस्तन्तुभिर्युक्तं त्रिगुणं देवतामयम्।

उपवीतं मया दत्तं गृहाणपरमेश्वरः॥

ॐ गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, यज्ञोपवीतं सर्मपयामि (यज्ञोपवीत समर्पित करें) आचमन- यज्ञोपवीतान्ते आचमनीयं जलं समर्पयामि। आचमन के लिये जल दें।

चन्दन-

त्वां गन्धर्वा अखनँस्त्वामिन्द्रस्त्वां बृहस्पतिः। त्वामोषधे सोमो राजा विद्वान् यक्ष्मादमुच्यत॥

श्रीखण्डं चन्दनं दिव्यं गन्धाढ्यं सुमनोहरम्।

विलेपनं सुरश्रेष्ठ! चन्दनं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, चन्दनानुलेपनं समर्पयामि। चन्दन अर्पित करें

अक्षत–

ॐ अक्षन्नमीमदन्त ह्यव प्रिया अधूषत। अस्तोषत स्वभानवो विप्रा नविष्ठया मती योजान्विन्द्रते हरी॥

अक्षताश्च सुरश्रेष्ठ कुङ्कुमाक्ताः सुशोभिताः।

मया निवेदिता भक्त्या गृहाण परमेश्वरः॥

ॐ गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, अक्षतान् सर्मपयामि। अक्षत चढायें।

पुष्पमाला–

ॐ ओषधीः प्रति मोदध्वं पुष्पवतीः प्रसूवरीः। अश्वा इव सजित्वरीर्वीरुधः पारयिष्णवः॥

माल्यादीनि सुगन्धीनि मालत्यादीनि वै प्रभो।

मयाहृतानि पुष्पाणि पूजार्थं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, पुष्पमालां समर्पयामि (पुष्पमाला समर्पित करें)

दूर्वा–

ॐ काण्डात्काण्डात्प्ररोहन्ती परुषः परुषस्परि। एवा नो दूर्वे प्र तनु सहस्रेण शतेन च ॥

दुर्वाङ्कुरान् सुहरितानमृतान् मङ्गलप्रदान् ।

आनीतांस्तव पूजार्थं गृहाण गणनायक॥

ॐ भूर्भव: स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, दुर्वाङ्कुरान् समर्पयामि।(दूर्वा चढायें)

सिन्दुरम् –

सिन्धोरिव प्राध्वने शूघनासो वातप्रमियः पतयन्ति यह्वाः। घृतस्य धारा अरुषो न वाजी काष्ठा भिन्दन्नूर्मिभिः पिन्वमानः॥

सिन्दूरं शोभनं रक्तं सौभाग्यं सुखवर्धनम्।

शुभदं कामदं चैव सिन्दुरं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, सिन्दूरं समर्पयामि (सिन्दूर अर्पित करें)

अबीर– गुलालादि द्रव्याणि

ॐ अहिरिव भोगैः पर्येति बाहुं ज्याया हेतिं परिबाधमानः। हतघ्नो विश्वा वयुनानि विद्वान पुमान् पुमा ꣳसं परिपातु विश्वतः॥

अबीरं च गुलालं च हरिद्रादिसमन्वितम्।

नाना परिमल द्रव्यं गृहाण परमेश्वर॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः नानापरिमलद्रव्याणि समर्पयामि। अबीर आदि चढायें।

सुगन्धिद्रव्यम् –

ॐ अहिरिव भोगः पर्येति बाहुं ज्याया हेतिं परिबाधमानः। हतघ्नो विश्वा वयुनानि विद्वान पुमान् पुमा ꣳ सं परिपातु विश्वतः॥

दिव्यगन्धसमायुक्तं महापरिमलाद्भुतम्।

गन्धद्रव्यमिदं भक्त्या दत्तं वै परिगृह्यताम्॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः सुगन्धिद्रव्यं समपयामि (सुगन्धित द्रव्य अर्पण करें)

धूपम् –

ॐ धूरसि धूर्व धूर्वन्तं धूर्व तं योऽस्मान् धूर्वति तं धूर्व यं वयन्धूर्वामः। देवानामसि वह्नितम ꣳ सस्नितमं पप्रितमं जुष्टतमं देवहूतमम्॥

वनस्पतिरसोद्भूतो गन्धाढयो गन्ध उत्तमः।

आघ्रेयः सर्वदेवानां धूपोऽयं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ भूर्भवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः धूपमाघ्रापयामि। (धूप दिखाये)

दीपम् -

ॐ अग्निर्ज्योतिर्ज्योतिरग्निः स्वाहा सूर्यो ज्योतिर्ज्योतिः सूर्यः स्वाहा। अग्निर्वर्चो ज्योतिर्वर्चः स्वाहा सूर्यो वर्चो ज्योतिर्वर्चः स्वाहा॥ ज्योतिः सूर्यः सूर्यो ज्योतिः स्वाहा॥

साज्यं च वर्तिसंयुक्तं वह्निना योजितं मया।

दीपं गृहाण देवेश त्रैलोक्यतिमिरापहम्॥

भक्त्या दीपं प्रयच्छामि देवाय परमात्मने।

त्राहि मां निरयाद् घोराद् दीपज्योतिर्नमोऽस्तु ते॥

ॐ भूर्भूवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः दीपं दर्शयामि। (दीप दिखायें)

हस्तप्रक्षालनम् -

ॐ हृषीकेशाय नमः। कहकर हाथ धो लें।

नैवेद्यम्-

नैवेद्य को प्रोक्षित कर गन्ध पुष्प से आच्छादित करें। तदन्तर जल से चतुष्कोण घेरा लगााकर भगवान के आगे रखें।

ॐ नाभ्या आसीदन्तरिक्ष ँ शीर्ष्णोद्यौः समवर्तत। पद्भ्यां भूमिर्दिशः श्रोत्रात्तथा लोकाँ२ अकल्पयन्॥

ॐ अमृतोपस्तरणमसि स्वाहा। ॐ प्राणाय स्वाहा। ॐ अपानाय स्वाहा। ॐ समानाय स्वाहा। ॐ उदानाय स्वाहा। ॐ व्यानाय स्वाहा । ॐ अमृतापिधानमसि स्वाहा।

शर्कराखण्डखाद्यानि दधिक्षीरघृतानि च।

आहारं भक्ष्यभोज्यं च नैवेद्यं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, नैवेद्यं निवेदयामि। नैवेद्य निवेदित करें।

नैवेद्यान्ते आचमनीयं जलं समर्पयामि । जल समर्पित करें।

ऋतुफलम् -

ॐ याः फलिनीर्या अफला अपुष्पा याश्च पुष्पिणीः। बृहस्पतिप्रसूतास्ता नो मुञ्चन्त्व ँ हसः॥

इदं फलं मया देव स्थापितं पुरतस्तव।

तेन मे सफलावाप्तिर्भवेज्जन्मनि जन्मनि॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, ऋतुफलानि समर्पयामि। (ऋतुफल अर्पित करें)

फलान्ते आचमनीयं जलं समर्पयामि। (आचमनीय जल अर्पित करें)

उत्तरापोऽशनम् - उत्तरापोऽशनार्थे जलं समर्पयामि।

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः। (जल दें)

करोद्वर्तन-

ॐ अ ँ शुना ते अ ँ शुः पृच्यतां परुषा परुः। गन्धस्ते सोममवतु मदाय रसो अच्युतः॥

चन्दनं मलयोद्भूतं कस्तूर्यादिसमन्वितम्।

करोद्वर्तनकं देवं गृहाण परमेश्वर॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, करोद्वर्तनं चन्दनं समर्पयामि। (मलयचन्दन समर्पित करें)

ताम्बूलम् -

ॐ यत्पुरुषेण हविषा देवा यज्ञमतन्वत।

वसन्तोऽस्यासीदाज्यं ग्रीष्म इध्मः शरद्धविः॥

पूगीफलं महद्दिव्यं नागवल्लीदलैर्युतम।

एलादिचूर्णसंयुक्तं ताम्बूलं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, मुखवासार्थम् एलालवंगपूगीफलसहितं ताम्बूलं समर्पयामि। (इलायची , लौंग-सुपारी के साथ ताम्बूल अर्पित करें)

दक्षिणा द्रव्यम् -

ॐ हिरण्यगर्भः समवर्तताग्रे भूतस्य जातः पतिरेक आसीत्।

स दाधार पृथिवीं द्यामुतेमां कस्मै देवाय हविषा विधेम ॥

हिरण्यगर्भगर्भस्थं हेमबीजं विभावसोः।

अनन्तपुण्यफलदमतः शान्तिं प्रयच्छ मे॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, कृतायाः पूजायाः साद्गुण्यार्थे द्रव्यदक्षिणां समर्पयामि। (द्रव्य दक्षिणा समर्पित करें)

आरार्तिकं -

ॐ इद ॐ हविः प्रजननं मे अस्तु दशवीर ॐ सर्वगण ॐ स्वस्तये। आत्मसनि प्रजासनि पशुसनि लोकसन्यभयसनि। अग्निः प्रजां बहुलां मे करोत्वन्नं पयो रेतो अस्मासु धत्त॥

ॐ आ रात्रि पार्थिव ॐ रजः पितुरप्रायि धामभिः। दिवः सदा ॐ सि बृहती वि तिष्ठस आ त्वेषं वर्तते तमः॥

कदलीगर्भसम्भूतं कर्पूरं तु प्रदीपितम्।

आरार्तिकमहं कुर्वे पश्य मे वरदो भव॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, आरार्तिकं समर्पयामि। (कर्पूर की आरती करें आरती के बाद जल गिरा दें)

पुष्पाञ्जलिम्-

ॐ यज्ञेन यज्ञमयजन्त देवास्तानि धर्माणि प्रथमान्यासन्। ते ह नाकं महिमानः सचन्त यत्र पूर्वे साध्याः सन्ति देवाः॥

श्रद्धया सिक्तया भक्त्या हार्दप्रेम्णा समर्पितः।

मन्त्रपुष्पाञ्जलिश्चायं कृपया प्रतिगृह्यताम्॥

नानासुगन्धिपुष्पाणि यथाकालोद्भवानि च।

पुष्पाञ्जलिर्मया दत्तो गृहाण परमेश्वर ॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, पुष्पाञ्जलिं समर्पयामि (पुष्पाञ्जलि अर्पित करें)

प्रदक्षिणाम्-

ॐ ये तीर्थानि प्रचरन्ति सृकाहस्ता निषङ्गिणः।

तेषा ँ सहस्त्रयोजनेऽवधन्वानि तन्मसि॥

यानि कानि च पापानि जन्मान्तरकृतानि च।

तानि सर्वाणि नश्यन्तु प्रदक्षिणपदे पदे॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, प्रदक्षिणां समर्पयामि (प्रदक्षिणा करें)

विशेषार्घ्य - ताम्रपात्र में जल, चन्दन, अक्षत, फल,फूल,दूर्वा और, दक्षिणा रखकर अर्घ्यपात्र को हाथ में लेकर निम्नलिखित मन्त्र पढें। **यहाँ तक सभी पूजन में उपर्युक्त मन्त्रों का उपयोग कर सकते हैं**

रक्ष रक्ष गणाध्यक्ष रक्ष त्रैलोक्यरक्षक।

भक्तानामभयं कर्ता त्राता भव भवार्णवात्॥

द्वैमातुर कृपासिन्धो षाण्मातुराग्रज प्रभो।

वरदस्त्वं वरं देहि वाञ्छितं वाञ्छितार्थद॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, विशेषार्घ्यं समर्पयामि। (विशेषार्घ्य दें)

प्रार्थना- विघ्नेश्वराय वरदाय सुरप्रियाय

लम्बोदराय सकलाय जगद्धिताय।

नागाननाय श्रुतियज्ञविभूषिताय

गौरीसुताय गणनाथ नमो नमस्ते॥

त्वं वैष्णवी शक्तिरनन्तवीर्या विश्वस्य बीजं परमासि माया ।

सम्मोहितं देवि समस्तमेतत् त्वं वै प्रसन्ना भुवि मुक्तिहेतुः॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, प्रार्थनापूर्वकं नमस्कारान् समर्पयामि। (साष्टाङ्ग नमस्कार करें)

गणेशपूजने कर्म यन्न्यूनमधिकं कृतम्।

तेन सर्वेण सर्वात्मा प्रसन्नोऽस्तु सदा मम ॥

अनया पूजया गणेशाम्बिके प्रीयेताम् न मम।

ऐसा कहकर समस्त पूजनकर्म भगवान को समर्पित कर दें । उसके बाद पुनः नमस्कार करे।

इति शम्

तर्पण प्रयोग विधि

गायत्री मन्त्र से शिखा बाँधकर तिलक लगाकर प्रथम दाहिनी अनामिका में त्रिकुश की और बायीं अनामिका में दो कुशों की पवित्री धारण करें। फिर हाथ में त्रिकुश, यव, अक्षत और जल लेकर सङ्कल्प पढें ।।

ॐ विष्णुर्विष्णुर्विष्णुः श्रीमद्भगवतो महापुरुषस्य विष्णोराज्ञया प्रवर्तमानस्य ब्रह्मणोऽह्नि द्वितीयपरार्धे श्रीश्वेतवाराहकल्पे वैवस्वतमन्वन्तरे अष्टाविंशतितमे कलियुगे कलिप्रथमचरणे जम्बूद्विपे भारतवर्षे आर्यावर्तैकदेशान्तरगते .... पुण्यप्रदेशे ...... नगरे .... ग्रामे ... .क्षेत्रे .... संवत्सरे.......अयने.......ऋतौ.........मासे.......पक्षे.... ....तिथौ............ वासरे........गोत्रः शर्मा/वर्मा/गुप्ता/दासोऽहं श्रुतिस्मृतिपुराणेक्त-फलप्राप्त्यर्थं देवर्षिमनुष्यपितृतर्पणं करिष्ये।

आवाहनम् - ब्रह्मादयः सुराः सर्वे ऋषयः सनकादयः।

आगच्छन्तु महाभागा ब्रह्माण्डोरवर्तिनः॥

देवतर्पणम्

देव तथा ऋषि तर्पण में पूर्व दिशा की ओर मुख करें, जनेउ को सव्य रखें, दाहिना घुटना जमीन पर लगाकर बैठें । अर्घ्यपात्र में चावल छोड़ कर त्रिकुश को पूर्व की ओर अग्रभाग कर रखें। जल की अञ्जलि एक-एक हो। देवतीर्थ से अर्थात् दायें हाथ की अङ्गुलियों के अग्रभाग से जल दें। जलाञ्जलि को सोना,चाँदी, ताँबा अथवा काँसे के पात्र में डालें वा सामर्थ्यानुसार उपलब्ध पात्र में डालें। यदि नदी में तर्पण किया जाय तो दोनों हाथों को मिलाकर जल से भरकर गौ के सींग जितना ऊँचा उठाकर जल में अञ्जलि डालें। निम्नलिखित प्रत्येक नाम मन्त्र के बाद 'तृप्यताम्' कहकर एक-एक अञ्जलि जल दें।

ॐ ब्रह्मा तृप्यताम्। ॐ विष्णुस्तृप्यताम्। ॐ रुद्रस्तृप्यताम्।
ॐ प्रजापतिस्तृप्यताम्। ॐ देवास्तृप्यन्ताम्। ॐ छन्दांसि
तृप्यन्ताम्। ॐ वेदास्तृप्यन्ताम्। ॐ ऋषयस्तृप्यन्ताम्।
ॐ पुराणाचार्यास्तृप्यन्ताम्। ॐ गन्धर्वास्तृप्यन्ताम्।
ॐ इतराचार्यास्तृप्यन्ताम्। ॐ संवत्सरः सावयवस्तृप्यताम्।
ॐ देव्यस्तृप्यन्ताम्। ॐ अप्सरसस्तृप्यन्ताम्।

ॐ देवानुगास्तृप्यन्ताम्। ॐ नागास्तृप्यन्ताम्।
ॐ सागरास्तृप्यन्ताम्। ॐ पर्वतास्तृप्यन्ताम्।
ॐ सरितस्तृप्यन्ताम्। ॐ मनुष्यास्तृप्यन्ताम्।
ॐ यक्षास्तृप्यन्ताम्। ॐ रक्षांसितृप्यन्ताम्।
ॐ पिशाचास्तृप्यन्ताम्। ॐ सुपर्णास्तृप्यन्ताम्।
ॐ भूतानितृप्यन्ताम्। ॐ पशवस्तृप्यन्ताम्।
ॐ वनस्पतयस्तृप्यन्ताम्। ॐ ओषधयस्तृप्यन्ताम्।
ॐ भूतग्रामश्चर्तुविधस्तृप्यताम्।

ऋषितर्पणम्

इसी प्रकार निम्नलिखित मन्त्रों वाक्यों सें मरीचि आदि ऋषियों को भी एक-एक अञ्जलि दें।

ॐ मरीचिस्तृप्यताम्। ॐ अत्रिस्तृप्यताम्। ॐ अङ्गिरास्तृप्यताम्। ॐ पुलस्त्यस्तृप्यताम् । ॐ पुलहस्तृप्यताम् । ॐ क्रतुस्तृप्यताम्। ॐ वशिष्ठस्तृप्यताम्। ॐ प्रचेतास्तृप्ताम्। ॐ भृगुस्तृप्यताम्। ॐ नारदस्तृप्यताम्।

दिव्यमनुष्यतर्पणम्

दिव्य मनुष्य तर्पण में उत्तर दिशा की ओर मुख करें, जनेऊ कंठी की तरह कर लें, गमछे को भी कंठी की तरह कर लें, सीधा बैठें। कोई घुटना भूमी पर न लगाएं। अर्घ्यपात्र में जौ छोड़ें। त्रिकुश को उत्तराग्र रखें। प्रजापत्य (काय) तीर्थ से अर्थात् कुशों को दाहिने हाथ की कनिष्ठिका के मूल भाग में रखकर यहीं से दो-दो अञ्जलियाँ जल दें।

ॐ सनकस्तृप्यताम्। ॐ सनन्दनस्तृप्यताम्। ॐ सनातनस्तृप्यताम्। ॐ कपिलस्तृप्यताम्। ॐ आसुरिस्तृप्यताम्। ॐ वोढुस्तृप्यताम्। ॐ पञ्चशिखस्तृप्यताम्।

दिव्यपितृतर्पणम्

पितृ तर्पण में दक्षिण दिशा की ओर मुख कर अपसव्य हो जाएं अर्थात् जनेऊ को दाहिने कंधे पर रखकर बायें हाथ के नीचे ले जाएं गमछे को भी दाहिने कंधे पर रखें। बायां घुटना भूमी पर लगाकर बैठें, अर्घ्य पात्र में कृष्ण तिल छोड़ें, कुशा को बीच से मोड़कर उनकी जड़ और अग्रभाग को दाहिने हाथ के तर्जनी और अँगूठे के बीच में रखें, पितृ तीर्थ से अर्थात् अँगूठे और तर्जनी के मध्यभाग से प्रत्येक मन्त्र पर तीन-तीन अञ्जलियाँ जल दें। जल में गंगाजल प्रयोग करना सर्वाधिक श्रेयस्कर है। अभाव में गंगाजल मिश्रित जल प्रयुक्त करें। गंगाजल के अभाव में किसी पवित्र नदी-स्रोत-तड़ागादि का जल भी ग्रहण किया जा सकता है।

ॐ कव्यवाडनलस्तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा , तस्मै स्वधा , तस्मै स्वधा । ॐ सोमस्तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा (३)। ॐ यमस्तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा (३)। ॐ अर्यमा तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा (३)। ॐ अग्निष्वात्ताः पितरस्तृप्यन्तामिदं सतिलं जलं तेभ्यः स्वधा (३)। ॐ सोमपाः पितरस्तृप्यन्तामिदं सतिलं जलं तेभ्यः स्वधा (३)। ॐ बर्हिषदः पितरस्तृप्यन्तामिदं सतिलं जलं तेभ्यः स्वधा (३)।

यमतर्पणम्

इसी प्रकार निम्नलिखित प्रत्येक नाम से यमराज को पितष्टतीर्थ से ही दक्षिणाभिमुखि हो तीन-तीन अञ्जलियाँ दे-

ॐ यमाय नमः (३)। ॐ धर्मराजाय नमः (३)। ॐ मृत्यवे नमः (३)। ॐ अन्तकाय नमः (३)। ॐ वैवस्वताय नमः (३)। ॐ कालाय नमः (३)। ॐ सर्वभूतक्षयाय नमः (३)। ॐ औदुम्बराय नमः (३)। ॐ दध्नाय नमः (३)। ॐ नीलाय नमः (३)। ॐ परमेष्ठिने नमः (३)। ॐ वृकोदराय नमः (३)।

ॐ चित्राय नमः (३)। ॐ चित्रगुप्ताय नमः (३)।

पितरों का तर्पण करने के पूर्व निम्नाङ्कित मन्त्रों से हाथ जोड़कर सर्वप्रथम उनका आवाहन करें –

ॐ उशन्तस्त्वा नि धीमह्युशन्तः समिधीमहि।

उशन्नुशत आ वह पितृन् हविषे अत्तवे ॥

आ यन्तु नः पितरः सोम्यासोऽग्निष्वात्ताः पथिभिर्देवयानैः।

अस्मिन् यज्ञे स्वधया मदन्तोऽधि ब्रुवन्तु तेऽवन्त्वस्मान्॥

ॐ आगच्छन्तु मे पितर इमं गृह्णन्तु जलाञ्जलिम्।

इसी तरह नीचे लिखे मन्त्रों का उच्चारण कर तिल के साथ तीन-तीन अञ्जलियाँ जल दें

अमुक गोत्र अस्मत्पिता अमुकः (शर्मा/वर्मा/गुप्ता) वसुरूपस्तृप्यतामिदं तिलोदकं जलं तस्मै स्वधा (३)।

अमुकगोत्र अस्मत्पितामहः अमुकः (शर्मा/वर्मा/गुप्ता) रुद्ररूपस्तृप्यतामिदं तिलोदकं जलं तस्मै स्वधा (३)।

अमुकगोत्र अस्मत्प्रपितामहः अमुकः (शर्मा/वर्मा/गुप्ता) आदित्यरूपस्तृप्यतामिदं तिलोदकं जलं तस्मै स्वधा (३)।

अमुकगोत्राया अस्मन्माता अमुकी देवी गायत्रीरूपा तृप्यतामिदं तिलोदकं जलं तस्यै स्वधा (३)।

अमुकगोत्राया अस्मत्पितामही अमुकी देवी सावित्रीरूपा तृप्यतामिदं तिलोदकं जलं तस्यै स्वधा (३)।

अमुकगोत्राया अस्मत्प्रपितामही अमुकी देवी सरसवतीरूपा तृप्यतामिदं तिलोदकं जलं तस्यै स्वधा (३)।

इसके बाद निम्नाङ्कित नौ मन्त्रों को पढते हुए पितृतीर्थ से जल गिराते रहें–

ॐ उदीरतामवर उत्परास उन्मध्यमाः पितरः सोम्यासः। असुं य ईयुरवृका ऋतज्ञास्ते नोऽवन्तु पितरो हवेषु॥१॥

अङ्गिरसो नः पितरो नवग्वा अथर्वाणो भृगवः सोम्यासः। तेषां वय ꣳ सुमतौ यज्ञियानामपि भद्रे सौमनसे स्याम॥२॥

आ यन्तु नः पितरः सोम्यासोऽग्निष्वात्ताः पथिभिर्देवयानैः। अस्मिन् यज्ञे स्वधया मदन्तोऽधि ब्रुवन्तु तेऽवन्त्वस्मान्॥३॥

ऊर्जं वहन्तीरमृतं घृतं पयः कीलालं परिस्रुतम्। स्वधा स्थ तर्पयत मे पितृन्॥४॥

पितृभ्यः स्वधायिभ्यः स्वधा नमः। पितामहेभ्यः स्वधायिभ्यः स्वधा नमः। प्रपितामहेभ्यः स्वाधायिभ्यः स्वधा नमः। अक्षन्पितरोऽमीमदन्त पितरोऽतीतृपन्त पितरः पितरः शुन्धध्वम्॥५॥

ये चेह पितरो ये च नेह याँश्च विद्म याँ उ च न प्रविद्म। त्वं वेत्थ यति ते जातवेदः स्वाधाभिर्यज्ञः सुकृतं जुषस्व॥६॥

मधु वाता ऋतायते मधु क्षरन्ति सिन्धवः। माध्वीर्नः सन्तोषधीः॥७॥

मधु नक्तमुतोषसो मधुमत्पार्थिव ꣳ रजः मधु द्यौरस्तु नः पिता॥८॥

मधुमान्नो वनस्पतिर्मधुमाँ अस्तु सूर्यः। माध्वीर्गावो भवन्तु नः॥९॥

ॐ मधु। मधु। मधु। तृप्यध्वम्। तृप्यध्वम्। तृप्यध्वम्॥

फिर नीचे लिखे मन्त्र का पाठ करें-

ॐ नमो वः पितरो रसाय नमो वः पितरः शोषाय नमो वः पितरो जीवाय नमो वः पितरः स्वधायै नमो वः पितरो घोराय नमो वः पितरो मन्यवे नमो वः पितरः पितरो नमो वो गृहान्नः पितरो दत्त सतो वः पितरो देष्मैतद्वः पितरो वास आधत्त॥

द्वितीयगोत्रतर्पणम्

इसके बाद द्वितीय गोत्रवाले (ननिहाल के) मातामह (नाना) आदि का तर्पण करें। यहाँ भी पहले की भाँति निम्नलिखित वाक्यों को तीन-तीन बार पढकर तिल सहित जल की तीन-तीन अञ्जिलियाँ पितृतीर्थ से दें -

अमुकगोत्रः अस्मन्मातामहः (नाना) अमुकः वसुरूपस्तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्मै स्वधा (३)। अमुकगोत्रः अस्मत्प्रमातामहः (परनाना) अमुकः रुद्ररूपस्तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्मै स्वधा (३)। अमुकगोत्रः अस्मत्वृद्धप्रमातामहः (वृद्ध परनाना) अमुकः आदित्यस्वरूपः तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्मै स्वधा (३)।

अमुकगोत्रा अस्मन्मातामही (नानी) अमुकी देवी गायत्रीरूपा तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्यै स्वधा (३)। अमुकगोत्रा अस्मत्प्रमातामही (परनानी) अमुकी देवी सावित्रीरूपा तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्यै स्वधा (३)। अमुकगोत्रा अस्मद् वृद्धप्रमातामही (वृद्ध परनानी) अमुकी देवी सरस्वतीरूपा तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्यै स्वधा (३)।

पत्न्यादितर्पणम्

इसके आगे पत्नी से लेकर आप्तपर्यन्त जो भी सम्बन्धी मृत हो गये हो, उनके गोत्र ओर नाम लेकर एक-एक अञ्जलि जल दें -

अमुकगोत्रा अस्मत्पत्नी अमुकी देवी तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्यै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मत्सुतः (बेटा) अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा। अमुकगोत्रा अस्मत्कन्या (बेटी) अमुकीदेवी तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्यै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मपितृव्यः (पिता के भाई) अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मातुलः (मामा) अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वाधा। अमुकगोत्रः अस्मत्भ्राता/अस्मत्सापत्नभ्राता (सौतेला भाई) अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा। अमुकगोत्रा अस्मत्पितृभगिनी बूआ अमुकी देवी तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्यै स्वधा। अमुकगोत्रा अस्मन्मातृभगिनी (मौसी) अमुकी देवी तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्यै स्वधा। अमुकगोत्रा अस्मदात्मभगिनी (अपनी बहन) अमुकी देवी तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्यै स्वधा। अमुकगोत्रा अस्मत्सापत्नभगिनी (सौतेली बहन) अमुकी देवी तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्यै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मच्छ्वशुरः (श्वशुर) अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मद्गुरुः अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा। अमुकगोत्रा अस्मदाचार्य पत्नी अमुकी देवी तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्यै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मच्छिष्यः अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मत्सखा अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मदात्मपुरुषः अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा।

इसके बाद सव्य होकर पूर्वाभिमुख हो सीधे बैठ जाय। त्रिकुश को सीधा कर उनके अग्रभाग को पूर्व की ओर कर लें। फिर नीचे लिखे श्लोकों को पढ़ते हुए देवतीर्थ से जल गिरायें -

देवासुरास्तथा यक्षा नागा गन्धर्वराक्षसाः।

पिशाचा गुह्यकाः सिद्धाः कुष्माण्डास्तरवः खगाः॥

जलेचरा भूनिलया वाय्वाधाराश्च जन्तवः।

तृप्तिमेते प्रयान्त्वाशु मद्दत्तेनाम्बुनाखिलाः॥

इसके बाद अपसव्य होकर जनेऊ ओर अंगोछे को भी दाहिने कंध पर रखकर दक्षिणाभिमुख हो जाए। त्रिकुश को बीच से मोड़कर इनकी जड़ और अग्रभाग को मिलाकर पितृतीर्थ से जल गिरायें-

नरकेषु समस्तेषु यातनासु च ये स्थिताः।

तेषामाप्यायनायैतद्दीयते सलिलं मया॥१॥

येऽबान्धवा बान्धवाश्च येऽन्यजन्मनि बान्धवाः।

ते तृप्तिमखिला यान्तु यश्चास्मत्तोऽभिवाञ्छति॥२॥

ये मे कुले लुप्तपिण्डाः पुत्रदारविवर्जिताः।

तेषां हि दत्तमक्ष्य्यमिदमस्तु तिलोदकम्॥३॥

आब्रह्मस्तम्बपर्यन्तं देवर्षिपितृमानवाः।

तृप्यन्तु पितरः सर्वे मातृमातामाहादयः॥४॥

अतीतकुलकोटिनां सप्तद्विपनिवासिनाम्।

आब्रह्मभुवनाल्लोकादिदमस्तु तिलोदकम्॥५॥

वस्त्रनिष्पीडनम्

इस प्रकार सब पितरों का तर्पण हो जाने के बाद अँगोछे की चार तह कर उसमे तिल तथा जल छोड़कर नीचे लिखे मन्त्र को पढ़कर जल के बाहर बायीं ओर पृथ्वी पर निचोड़ें-

ये के चास्मात्कुले जाता अपुत्रा गोत्रिणो मृताः।

ते गृह्णन्तु मया दत्तं वस्त्रनिष्पीडनोदकम्॥

भीष्मतर्पणम्

इसके बाद भीष्मपीतामह को पितृतीर्थ और त्रिकुशों से जल दें।

भीष्मः शान्तनवो वीरः सत्यवादी जितेन्द्रियः।

आभिरद्भिरवाप्नोतु पुत्रपौत्रोचितां क्रियाम्॥

सूर्य को अर्घ्यदान

इसके पश्चात् पात्र को जल तथा मिट्टी से स्वच्छ कर लें। उसके बाद पूर्वोक्त रीति से आचमन और प्रणायाम कर सव्य हो जाय अर्थात् जनेऊ को बायें कंधे पर कर लें। अर्घ्य में फूल चन्दन लेकर निम्नलिखित मन्त्र से सूर्य को अर्घ्य दें-

ॐ नमो विवस्वते ब्रह्मन्! भास्वते विष्णुतेजसे।

जगत्सवित्रे शुचये सवित्रे कर्मदायिने॥

एष अर्घ्यः श्री सूर्याय नमः॥

सूर्यार्घ्य देकर प्रदक्षिणा करें । इसके बाद दिशाओं एवं उनके अधिष्ठातृ देवताओं का वन्दन करें -

ॐ प्राच्यै नमः, ॐ इन्द्राय नमः, ॐ आग्नेय्यै नमः, ॐ अग्नये नमः, ॐ दक्षिणाय नमः, ॐ यमाय नमः, ॐ नैर्ऋत्यै नमः, ॐ निर्ऋतये नमः, ॐ प्रतीच्यै नमः, ॐ वरुणाय नमः, ॐ वायव्यै नमः, ॐ वायवे नमः, ॐ उदीच्यै नमः, ॐ कुबेराय नमः, ॐ ऐशान्यै नमः, ॐ ईशानाय नमः, ॐ ऊर्ध्वायै नमः, ॐ ब्रह्मणे नमः, ॐ अधरायै नमः, ॐ अनन्ताय नमः, ॥

इस प्रकार दिशाओं और देवताओं को नमस्कार कर आसन पर बैठाकर के नीचे लिखे मन्त्र पढकर एक-एक जलाञ्जलि दें।

ॐ ब्रह्मणे नमः। ॐ अग्नये नमः। ॐ पृथिव्यै नमः। ॐ ओषधिभ्यो नमः। ॐ वाचे नमः। ॐ वाचस्पते नमः। ॐ महद्भ्यो नमः। ॐ विष्णवे नमः। ॐ अद्भ्यो नमः। ॐ अपाम्पतये नमः। ॐ वरुणाय नमः।

निम्नाङ्कित वाक्य पढ़कर यह तर्पण कर्म भगवान् को समर्पित करे–

अनेन यथाशक्तिकृतेन देवर्षिमनुष्यपितृतर्पणाख्येन कर्मणा भगवान् पितृस्वरूपी जनार्दनवासुदेवः प्रीयतां न मम्।

ॐ तत्सद् ब्रह्मार्पणमस्तु।

तदन्तर हाथ जोड़कर भगवान् का स्मरण करते हुए पाठ करें

प्रमादात कुर्वतां कर्म प्रच्यवेताध्वरेषु यत्।
स्मरणादेव तद्विष्णोः सम्पूर्ण स्यादिति श्रुतिः॥
यस्य स्मृत्या च नामोक्त्या तपोयज्ञक्रियादिषु।
न्यूनं सम्पूर्णतां याति सद्यो वन्दे तमच्युतम्॥
यत्पादपङ्कजस्मरणत् यस्य नामजपादपि।
न्यूनं कर्म भवेत् पूर्णं तं वन्दे साम्बमीश्वरम्॥
ॐ विष्णवे नमः, ॐ विष्णवे नमः, ॐ विष्णवे नमः,॥

इति तर्पणप्रयोगः

अथ पंचबलिविधिः

१.गोबलि (पत्ते पर सव्य होकर) –

ॐ सौरभेय्यः सर्वहिताः पवित्राः पुण्यराशयः।
प्रतिगृह्णन्तु मे ग्रासं गावस्त्रैलोक्यमातरः।इदं गोभ्यो न मम।

२. श्वानबलि (पत्ते पर जनेऊ कंठीकरके) –

द्वौ श्वानौ श्यामशबलौ वैवस्वतकुलोद्भवौ।
ताभ्यामन्नं प्रयच्छामि स्यातामेतावहिंसकौ।इदं श्वभ्यां न मम।

३. काकबलि (भूमि पर अपसव्य होकर)-

ॐ ऐन्द्रवारुणवायव्या याम्या वै नैर्ऋतास्तथा।
वायसाः प्रतिगृह्णन्तु भूमौ पिण्डं मयार्पितम्।इदं काकेभ्यः।

४.देवादिबलि (पत्ते पर सव्य होकर) –

ॐ देवा मनुष्याः पशवो वयांसि
सिद्धाः सयक्षो रगदैत्यसंघाः।
प्रेताः पिशाचास्तरवः समस्ता
ये चान्नमिच्छन्ति मया प्रदत्तम्।इदमन्नं देवादिभ्यो न मम।

५. पिपीलिकादिबलि (पत्ते पर) –

पिपीलिकाः कीटपतंगकाद्या
बुभुक्षिताः कर्मनिबन्धबद्धाः।
तेषां हि तृप्यत्यर्थमिदं मयान्नं
तेभ्यो विसृष्टं सुखिनो भवन्तु।इदमन्नं पिपीलीकादिभ्यो न मम।

इति पंचबलिविधिः

पुरुषसूक्तम्

हरिः ॐ सहस्रशीर्षा पुरुषः सहस्राक्षः सहस्रपात्।

स भूमि ꣳ सर्वतस्पृत्वाऽत्यतिष्ठद्दशाङ्गुलम्।।1।।

पुरुष एवेद ꣳ सर्वं यद् भूतं यच्च भाव्यम्।

उतामृतत्वस्येशानो यदन्नेनातिरोहति।।2।।

एतावानस्य महिमातो ज्यायाँश्च पूरुषः।

पादोऽस्य विश्वा भूतानि त्रिपादस्यामृतं दिवि।।3।।

त्रिपादूर्ध्व उदैत्पुरुषः पादोऽस्येहाभवत्पुनः।

ततो विष्वङ् व्यक्रामत्साशनानशने अभि।।4।।

ततो विराडजायत विराजो अधि पूरुषः।

स जातो अत्यरिच्यत पश्चाद् भूमिमथो पुरः।।5।।

तस्माद्यज्ञात् सर्वहुतः सम्भृतं पृषदाज्यम्।

पशूँस्ताँश्चक्रे वायव्यानारण्या ग्राम्याश्च ये।।6।।

तस्माद्यज्ञात् सर्वहुत ऋचः सामानि जज्ञिरे।

छन्दा ꣳ सि जज्ञिरे तस्माद्यजुस्तस्मादजायत।।7।।

तस्मादश्वा अजायन्त ये के चोभयादतः।

गावो ह जज्ञिरे तस्मात्तस्माजाता अजावयः।।8।।

तं यज्ञं बर्हिषि प्रौक्षन् पुरुषं जातमग्रतः।

तेन देवा अयजन्त साध्या ऋषयश्च ये।।9।।

यत्पुरुषं व्यदधुः कतिधा व्यकल्पयन्।

मुखङ्किमस्यासीत् किम्बाहू किमूरू पादा उच्येते।।10।।

ब्राह्मणोऽस्य मुखमासीद् बाहू राजन्यः कृतः।

ऊरू तदस्य यद् वैश्यः पद्भ्या ꣳ शूद्रो अजायत।।11।।

चन्द्रमा मनसो जातश्चक्षोः सूर्यो अजायत।

श्रोत्राद् वायुश्च प्राणश्च मुखादग्निरजायत।।12।।

नाभ्या आसीदन्तरिक्ष ꣳ शीर्ष्णो द्यौः समवर्त्तत।

पद्भ्यां भूमिर्दिशः श्रोत्रात्तथा लोकाँ २ अकल्पयन्।।13।।

यत् पुरुषेण हविषा देवा यज्ञमतन्वत।

वसन्तोऽस्यासीदाज्यं ग्रीष्म इध्मः शरद्धविः।।14।।

सप्तास्यासन् परिधयस्त्रिः सप्त समिधः कृताः।

देवा यद्यज्ञन्तन्वाना अवध्नन् पुरुषम्पशुम्।।15।।

यज्ञेन यज्ञमयजन्त देवास्तानि धर्माणि प्रथमान्यासन्।

ते ह नाकं महिमानः सचन्त यत्र पूर्वे साध्याः सन्तिदेवाः।।16।।

इति पुरुषसूक्तम्

श्रीसूक्तम्

ॐ हिरण्यवर्णां हरिणीं सुवर्णरजतस्रजाम्।
चन्द्रां हिरण्मयीं लक्ष्मीं जातवेदो म आवह॥1॥
तां म आवह जातवेदो लक्ष्मीमनपगामिनीम्।
यस्यां हिरण्यं विन्देयं गामश्वं पुरुषानहम्॥2॥
अश्वपूर्वां रथमध्यां हस्तिनाद-प्रमोदिनीम्।
श्रियं देवीमुपह्वये श्रीर्मा देवी जुषताम्॥3॥
कां सोऽस्मितां हिरण्यप्राकारामार्द्रां ज्वलन्तीं तृप्तां तर्पयन्तीम्।
पद्मे स्थितां पद्मवर्णां तामिहोपह्वये श्रियम्॥4॥
चन्द्रां प्रभासां यशसा ज्वलन्तीं श्रियं लोके देवजुष्टामुदाराम्।
तां पद्मनेमिं शरणं प्रपद्ये अलक्ष्मीर्मे नश्यतां त्वां वृणे॥5॥
आदित्यवर्णे तपसोऽधिजातो वनस्पतिस्तव वृक्षोऽथ बिल्वः।
तस्य फलानि तपसा नुदन्तु मायान्तरा याश्च बाह्या अलक्ष्मीः॥6॥
उपैतु मां देवसखः कीर्तिश्च मणिना सह।
प्रादुर्भूतो सुराष्ट्रेऽस्मिन् कीर्तिमृद्धिं ददातु मे॥7॥
क्षुत्पिपासामलां ज्येष्ठामलक्ष्मीं नाशयाम्यहम्।
अभूतिमसमृद्धिं च सर्वां निर्णुद मे गृहात्॥8॥
गन्धद्वारां दुराधर्षां नित्यपुष्टां करीषिणीम्।
ईश्वरीं सर्वभूतानां तामिहोपह्वये श्रियम्॥9॥
मनसः काममाकूतिं वाचः सत्यमशीमहि।
पशूनां रूपमन्नस्य मयि श्रीः श्रयतां यशः॥10॥
कर्दमेन प्रजा भूता मयि सम्भव कर्दम।
श्रियं वासय मे कुले मातरं पद्ममालिनीम्॥11॥
आपः सृजन्तु स्निग्धानि चिक्लीत वस मे गृहे।
नि च देवीं मातरं श्रियं वासय मे कुले॥12॥
आर्द्रां पुष्करणीं पुष्टिं पिङ्गलां पद्ममालिनीम्।
चन्द्रां हिरण्मयीं लक्ष्मीं जातवेदो म आवह॥13॥
आर्द्रां यः करणीं यष्टिं सुवर्णां हेममालिनीम्।
सूर्यां हिरण्मयीं लक्ष्मीं जातवेदो म आवह॥14॥
तां म आवह जातवेदो लक्ष्मीमनपगामिनीम्।
यस्यां हिरण्यं प्रभूतिं गावो दास्योऽश्वान्विन्देयं पुरुषानहम्॥15॥
यः शुचिः प्रयतो भूत्वा जुहुयादाज्यमन्वहम्।
सूक्तं पञ्चदशर्चञ्च श्रीकामः सततं जपेत्॥16॥

इति श्रीसूक्तम्

अथ रुद्रसूक्तम्

हरिः ॐ नमस्ते रुद्र मन्यव उतो त इषवे नमः।

बाहुभ्यामुत ते नमः।।1।।

या ते रुद्र शिवा तनूरघोराऽपापकाशिनी।

तया नस्तन्वा शन्तमया गिरिशन्ताभि चाकशीहि।।2।।

यामिषुं गिरिशन्त हस्ते बिभर्ष्यस्तवे।

शिवां गिरित्र तां कुरु मा मा हिꣳसीः पुरुषं जगत्।।3।।

शिवेन वचसा त्वा गिरिशाच्छा वदामसि।

यथा नः सर्वमिज्जगदयक्ष्मꣳ सुमना असत्।।4।।

अध्यवोचदधिवक्ता प्रथमो दैव्यो भिषक्।

अहीँश्च सर्वाञ्जम्भयन्त्सर्वाश्च यातुधान्योऽधराचीः परा सुव।।5।।

असौ यस्ताम्रो अरुण उत बभ्रुः सुमङ्गलः।

ये चैनꣳरुद्रा अभितो दिक्षु श्रिताः सहस्रशोऽवैषाꣳहेड ईमहे।।6।।

असौ योऽवसर्पति नीलग्रीवो विलोहितः।

उतैनं गोपा अदृश्रन्नदृश्रन्नुदहार्यः स दृष्टो मृडयाति नः।।7।।

नमोऽस्तु नीलग्रीवाय सहस्राक्षाय मीढुषे।

अथो ये अस्य सत्वानोऽहं तेब्योऽकरं नमः।।8।।

प्रमुञ्च धन्वनस्त्वमुभयोरार्त्न्योर्ज्याम्।

याश्च ते हस्त इषवः परा ता भगवो वप।।9।।

विज्यं धनुः कपर्दिनो विशल्यो बाणवाँ२ उत।

अनशन्नस्य या इषव आभुरस्य निषङ्गधिः।।10।।

या ते हेतिर्मीढुष्टम हस्ते बभूव ते धनुः।

तयास्मान्विश्वतस्त्वमयक्ष्मया परिभुज।।11।।

परि ते धन्वनो हेतिरस्मान्वृणक्तु विश्वतः।

अथो य इषुधिस्तवारे अस्मन्नि धेहि तम्।।12।।

अवतत्य धनुष्ट्वꣳ सहस्राक्ष शतेषुधे।

निशीर्य शल्यानां मुख शिवो नः सुमना भव।।13।।

नमस्त आयुधायानातताय धृष्णवे।

उभाभ्यामुत ते नमो बाहुभ्यां तव धन्वने।।14।।

मा नो महन्तमुत मा नो अर्भकं मा न उक्षन्तमुत मा न उक्षितम्।

मा नो वधीः पितरं मोत मातरं मा नः प्रियास्तन्वो रुद्र रीरिषः।।15।।

मा नस्त्वोके तनये मा न आयुषि मा नो गोषु मा नो अश्वेषु रीरिषः।

मा नो वीरान् रुद्र भामिनो वधीर्हविष्मन्तः सदमित् त्वा हवामहे।।16।।

इति रुद्रसूक्तम्

चौघड़िया मुहूर्त्त

रविवार		चन्द्रवार		भौमवार		बुधवार		गुरुवार		शुक्रवार		शनिवार	
दिवा	रात्रि	दिवा	रात्रि	दिवा	रात्रि	दिवा	रात्रि	दिवा	रात्रि	दिवा	रात्रि	दिवा	रात्रि
उद्वेग	शुभ	अमृत	चर	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चर	रोग	काल	लाभ
चर	अमृत	काल	रोग	उद्वेग	लाभ	अमृत	शुभ	रोग	चर	लाभ	काल	शुभ	उद्वेग
लाभ	चर	शुभ	काल	चर	उद्वेग	काल	अमृत	उद्वेग	रोग	अमृत	लाभ	रोग	शुभ
अमृत	रोग	रोग	लाभ	लाभ	शुभ	शुभ	चर	चर	काल	काल	उद्वेग	उद्वेग	अमृत
काल	काल	उद्वेग	उद्वेग	अमृत	अमृत	रोग	रोग	लाभ	लाभ	शुभ	शुभ	चर	चर
शुभ	लाभ	चर	शुभ	काल	चर	उद्वेग	काल	अमृत	उद्वेग	रोग	अमृत	लाभ	रोग
रोग	उद्वेग	लाभ	अमृत	शुभ	रोग	चर	लाभ	काल	शुभ	उद्वेग	चर	अमृत	काल
उद्वेग	शुभ	अमृत	चर	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चर	रोग	काल	लाभ

गण्डमूल नक्षत्रों के चरण फल

नक्षत्र / चरण	अश्विनी	आश्लेषा	मघा	ज्येष्ठा	मूल	रेवती
प्रथम चरण	पितृ कष्ट	सुख	मातृ कष्ट	भ्रातृ कष्ट	पितृ कष्ट	लाभप्रद
द्वितीय चरण	सुख	धन हानि	पितृ कष्ट	भ्रातृ कष्ट	मातृ कष्ट	सुखद
तृतीय चरण	सुयोग	मातृ कष्ट	सुखद	मातृ कष्ट	धन हानि	शुभ
चतुर्थ चरण	सुखद	पितृ कष्ट	शुभ	शरीर कष्ट	सौख्यम्	कष्ट

शिव वास

वर्तमान तिथि गुणा 2 को 5 से जोड़कर 7 से भाग देने पर प्राप्त शेष एकादि होने पर क्रमशः शिव का वास निम्नानुसार जानें।

शेष	शिव वास	फल
1	कैलाश	श्रेष्ठ
2	गौरी सह	श्रेष्ठ
3	वृषभ पर	श्रेष्ठ
4	सभा में	सामान्य
5	ज्ञान वेला	श्रेष्ठ
6	क्रीडा में	नेष्ट
0	श्मशान में	मृत्यु

अग्निवास विचार

शुक्ल प्रतिपदा से इष्ट तिथि पर्यन्त जो संख्या आये उसमें सूर्यादि वार संख्या मिलाकर 1 जोड़ें फिर प्राप्त संख्या में 4 से भाग देनें पर शेष 3 व 0 हो तो अग्निवास भूमि पर शुभ होता है तथा 1 शेष बचे तो स्वर्ग में प्राण नाशक और शेष 2 रहने पर अग्निवास पाताल धन नाशक होता है, ऐसा जानना चाहिए।

नवग्रह शान्ति उपाय

सूर्य

वैदिक मन्त्र ॐ आकृष्णेन रजसा वर्त्तमानो निवेशयन्नमृतम्मर्त्यञ्च हिरण्ययेन सविता रथेना देवो याति भुवनानि पश्यन्।।
सूर्य गायत्री आदित्याय विद्महे प्रभाकराय धीमहि तन्नो सूर्य: प्रचोदयात्।।
एकाक्षरी मन्त्र ॐ घृणि सूर्याय नम:।।
बीज मन्त्र ॐ ह्रीं ह्रौं सूर्याय नम:।।
तान्त्रिक मन्त्र ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं स: सूर्याय नम:।।
जप संख्या 7000 (सप्तसहस्राणि)

ग्रहाणामादिरादित्यो लोकलक्षणकारक:।
विषमस्थानसम्भूतां पीड़ां दहतु मे रवि:।।

चन्द्र

वैदिक मन्त्र ॐ इमन्देवाऽअसपत्नं सुवध्वं - महते क्षत्राय महते ज्यैष्ठ्याय महते जानराज्यायेन्द्रस्येन्द्रियाय। इमममुष्य पुत्रममुष्यै पुत्रमस्यै विशऽएष वोऽमी राजा सोऽमोस्माकं ब्रह्मणानां राजा।।
चन्द्र गायत्री ॐ अमृताङ्गाय विद्महे कलरूपाय धीमहि तन्नो सोम: प्रचोदयात्।।
एकाक्षरी मन्त्र ॐ सों सोमाय नम:।।
बीज मन्त्र ॐ ऐं क्लीं सोमाय नम:।।
तान्त्रिक मन्त्र ॐ श्रां श्रीं श्रौं स: चन्द्रमसे नम:।।
जप संख्या 11000 एकादशसहस्राणि

रोहिणीश: सुधामूर्त्ति: सुधागात्रो सुधाशन:।
विषमस्थानसम्भूतां पीड़ां दहतु मे विधु:।।

भौम

वैदिक मन्त्र ॐ अग्निर्मूर्द्धादिव: ककुत्पति: पृथिव्याऽअयम्। अपां रेतां सि जिन्वति।।
भौम गायत्री ॐ अङ्गारकाय विद्महे शक्तिहस्ताय धीमहि तन्नो भौम: प्रचोदयात्।।
एकाक्षरी मन्त्र ॐ अं अङ्गारकाय नम:।।
बीज मन्त्र ॐ हूँ श्रीं भौमाय नम:।।
तान्त्रिक मन्त्र ॐ क्रां क्रीं क्रौं स: भौमाय नम:।।
जप संख्या 10000 (दशसहस्राणि)

भूमिपुत्रो महातेजा जगतो भयकृत्सदा।
वृष्टिकृद्-वृष्टिहर्ता च पीड़ां दहतु मे कुज:।।

बुध

वैदिक मन्त्र ॐ उद्बुध्यस्वाग्ने प्रतिजागृहि त्वमिष्टापूर्ते स ठं सृजेथामयं च अस्मिन्त्सध स्थेऽअध्युत्तरस्मिन् विश्वे देवा यजमानश्च सीदत।।
बुध गायत्री ॐ सौम्यरूपाय विद्महे वाणेशाय धीमहि तन्नो सौम्य: प्रचोदयात्।।
एकाक्षरी मन्त्र ॐ बुं बुधाय नम:।।
बीज मन्त्र ॐ ऐं श्रीं श्रीं बुधाय नम:।।
तान्त्रिक मन्त्र ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं स: बुधाय नम:।।
जप संख्या 9000 (नवसहस्राणि)

उत्पातरूपी जगतां चन्द्रपुत्रो महाद्युति:।
सूर्यप्रियकरो विद्वान पीड़ां दहतु मे बुध:।।

गुरु

वैदिक मन्त्र ॐ बृहस्पतेऽअतियदर्योऽ अर्हाद्युमद्विभाति क्रतुमज्जनेषु यद्दीदयच्छ वसऽऋतप्रजाततदस्मासु द्रविणं धेहि चित्रम्।।
गुरु गायत्री ॐ आङ्गिरसाय विद्महे दिव्यदेहाय धीमहि तन्नो जीव: प्रचोदयात्।।
एकाक्षरी मन्त्र ॐ बृं बृहस्पतये नम:।।
बीज मन्त्र ॐ ह्रीं क्लीं हूँ बृहस्पतये नम:।।
तान्त्रिक मन्त्र ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं स: गुरवे नम:।।
जप संख्या 19000 एकोनविंशतिसहस्राणि

देवमन्त्री विशालाक्ष: सदालोकहितेरत:।
अनेकशिष्यै: सम्पूर्ण: पीड़ां दहतु मे गुरु:।।

शुक्र

वैदिक मन्त्र ॐ अन्नात् परिसुतो रसं ब्रह्मणा व्यपिबत्क्षत्रम्पय: सोमं प्रजापति:। ऋतेन सत्यमिन्द्रियं विपान ठं शुक्रमंधसऽइन्द्रस्येन्द्रियमिदं पयोऽमृतम्मधु।।
शुक्र गायत्री ॐ भृगुजाय विद्महे दिव्यदेहाय धीमहि तन्नो शुक्र: प्रचोदयात्।।
एकाक्षरी मन्त्र ॐ शुं शुक्राय नम:।।
बीज मन्त्र ॐ ह्रीं श्रीं शुक्राय नम:।।
तान्त्रिक मन्त्र ॐ द्रां द्रीं द्रौं स: शुक्राय नम:।।
जप संख्या 16000 (षोडशसहस्राणि)

दैत्यमन्त्री गुरुस्तेषां प्राणदश्चमहाद्युति:।
प्रभुस्ताराग्रहाणां च पीड़ां दहतु मे भृगु:।।

शनि

वैदिक मन्त्र ॐ शन्नो देवीरभिष्टऽआपो भवन्तु पीतये। शंय्योरभिस्रवन्तु न:।।
शनि गायत्री ॐ भगभवाय विद्महे मृत्युपुरुषाय धीमहि तन्नो शनि: प्रचोदयात्।।
एकाक्षरी मन्त्र ॐ शं शनैश्चराय नम:।।
बीज मन्त्र ॐ ऐं ह्रीं श्रीं शनैश्चराय नम:।।
तान्त्रिक मन्त्र ॐ प्रां प्रीं प्रौं स: शनये नम:।।
जप संख्या 23000 (त्रयोविंशतिसहस्राणि)

सूर्यपुत्रो दीर्घदेहो विशालाक्ष: शिवप्रिय:।
मन्दचार: प्रसन्नात्मा पीड़ां दहतु मे शनि:।।

राहु

वैदिक मन्त्र ॐ कयानश्चित्रऽआभुवदूती सदावृध: सखा कया सचिष्ठया वृता।।
राहु गायत्री ॐ शिरोरूपाय विद्महे अमृतेशाय धीमहि तन्नो राहु: प्रचोदयात्।।
एकाक्षरी मन्त्र ॐ रां राहवे नम:।।
बीज मन्त्र ॐ ऐं ह्रीं राहवे नम:।।
तान्त्रिक मन्त्र ॐ भ्रां भ्रीं भ्रौं स: राहवे नम:।।
जप संख्या 18000 (अष्टादशसहस्राणि)

महाशीर्षो महावक्त्रो महाद्रंष्ट्रो महायशा:।
अतनुश्चोर्ध्व केशश्च पीड़ां दहतु मे तम:।।

केतु

वैदिक मन्त्र ॐ केतुं कृण्वन्न केतवे पेशो मर्य्याअपेशसे समुषद्भिरजायथा:।।
केतु गायत्री ॐ पद्मपुत्राय विद्महे अमृतेशाय धीमहि तन्नो केतु: प्रचोदयात्।।
एकाक्षरी मन्त्र ॐ कें केतवे नम:।।
बीज मन्त्र ॐ ह्रीं ऐं केतवे नम:।।
तान्त्रिक मन्त्र ॐ स्रां स्रीं स्रौं स: केतवे नम:।।
जप संख्या 18000 (अष्टादशसहस्राणि)

अनेकरूपवर्णश्च शतशोऽथ सहस्रश:।
उत्पात रूपी घोरश्च पीड़ां दहतु मे शिखी।।

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ (मानित विश्वविद्यालय)

नई दिल्ली - 110 016, वास्तुशास्त्र विभाग



1. प्रमाणपत्र (प्रवेशिका) : यह षाण्मासिक प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम स्थापत्य वेद एवं वेदोत्तरवर्ती वास्तुशास्त्र की मूल संकल्पना एवं प्राथमिक जानकारी पर आधारित है।
2. एकवर्षीय डिप्लोमा एवं द्विवर्षीय एडवांस डिप्लोमा : ये दोनों पाठ्यक्रम वास्तुशास्त्र के आधारभूत सिद्धान्तों का जन-जीवन में प्रयोग एवं उपयोग पर आधारित है। इनमें संस्कृत भाषा का भी प्राथमिक ज्ञान दिया जायेगा।
3. शास्त्री (बी.ए.) : यह त्रिवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम है, जिसमें वास्तुशास्त्र का वैदिक परम्परा पर आधारित वास्तुशास्त्रीय मूलभूत संस्कृत भाषा में निबद्ध मानक ग्रन्थो के द्वारा विस्तृत अध्ययन किया जाता है।
4. आचार्य (एम.ए.) : यह द्विवर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम है जिसमें वास्तुशास्त्र के प्रमुख प्राचीन आधारभूत मानक ग्रन्थों का विस्तृत और गम्भीर विषयों का प्रायोगिक अध्ययन किया जाता है।
5. विशिष्टाचार्य (एम.फिल) : यह द्विवर्षीय शोधात्मक पाठ्यक्रम है ,जिसमें वास्तुशास्त्र के गम्भीर व लोकोपयोगी विषयों पर अनुसन्धान द्वारा नवीन तथ्यों की खोज की जाती है।
6. विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) : वास्तुशास्त्र के गम्भीर, जटिल एवं लोकोपयोगी विषयों पर अनुसन्धान के माध्यम से नवीन तथ्यों की अन्वेषण एवं लोककल्याण के लिये यह गवेषणात्मक पाठ्यक्रम चलाया जाता है।
7. पी.जी.डिप्लोमा : विश्व विद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) द्वारा मान्यता प्राप्त नवीकरण कार्यक्रम (इन्नोवेटिव प्रोग्राम) के तहत 2004 से द्विवर्षीय स्नातकोत्तरवास्तुशास्त्रोपाधि (पी.जी. डिप्लोमा) पाठ्यक्रम चल रहा है।

नोट- विद्यापीठ द्वारा संचालित उक्त सभी पाठ्यक्रमों की प्रवेश प्रक्रिया जुलाई में विद्यापीठ के निर्धारित नियमों के अनुरूप सम्पन्न होती है। सत्र 2017-18 के षाण्मासिक प्रमाणपत्रीय, एकवर्षीय एवं द्विवर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की कक्षायें शनिवार एवं रविवार को सञ्चालित की जाती हैं। शेष पाठ्यक्रम सोमवार से शुक्रवार को विद्यापीठ के कार्य दिवसों में सम्पन्न किये जाते हैं ।